हिंदी

कक्षा IX

2025-26

विद्यार्थी सहायक सामग्री
Student Support Material

केन्द्रीय विद्यालय संगठन~Kendriya Vidyalaya Sangathan

<u>संदेश</u>

विद्यालयी शिक्षा में शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करना एवं नवाचार द्वारा उच्च–नवीन मानक स्थापित करना केन्द्रीय विद्यालय संगठन की नियमित कार्य प्रणाली का अविभाज्य अंग है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पी.एम. श्री विद्यालयों के निर्देशों का पालन करते हुए गतिविधि आधारित पठन-पाठन, अनुभवजन्य शिक्षण एवं कौशल विकास को समाहित कर, अपने विद्यालयों को हमने ज्ञान एवं खोज की अद्‌भुत प्रयोगशाला बना दिया है। माध्यमिक स्तर तक पहुँचकर हमारे विद्यार्थी सैद्धांतिक समझ के साथ-साथ, रचनात्मक-विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक चिंतन भी विकसित कर लेते हैं। यही कारण है कि वह बोर्ड कक्षाओं के दौरान विभिन्न प्रकार के मूल्यांकनों के लिए सहजता से तैयार रहते हैं। उनकी इस यात्रा में हमारा सतत योगदान एवं सहयोग आवश्यक है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पांचों आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संकलित यह विद्यार्थी सहायक-सामग्री इसी दिशा में एक आवश्यक कदम है। यह सहायक-सामाग्री कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए सभी महत्वपूर्ण विषयों पर तैयार की गयी है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन की विद्यार्थी सहायक-सामग्री अपनी गुणवत्ता एवं परीक्षा संबंधी सामग्री संकलन की विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है और शिक्षा से जुड़े विभिन्न मंचों पर इसकी सराहना होती रही है। मुझे विश्वास है कि यह सहायक सामग्री विद्यार्थियों की सहयोगी बनकर निरंतर मार्गदर्शन करते हुए उन्हें सफलता के लक्ष्य तक पहुँचाएगी।

शुभाकांक्षा सहित।

निधि पांडे
आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन

PATRON

Smt. Nidhi Pandey, Commissioner, KVS

CO-PATRON

Dr. P. Devakumar, Additional Commissioner (Acad.), KVS (HQ)

CO-ORDINATOR

Ms. Chandana Mandal, Joint Commissioner (Training), KVS (HQ)

COVER DESION

KVS Publication Section

EDITORS:

1. Mr. B L Morodia, Director, ZIET Gwalior
2. Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysuru
3. Ms. Shaheeda Parveen, Director, ZIET Mumbai
4. Ms. Preeti Saxena, In-charge Director, ZIET Chandigarh
5. Mr. Birbal Dhinwa, In-charge Director, ZIET Bhubaneswar

CONTENT CREATORS:

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक वर्ग (हिन्दी)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, देहरादून संभाग , देहरादून

अनुक्रमणिका

क्रम	पाठ्यक्रम	पृष्ठ संख्या
	खंड - क (अपठित बोध)	
1.	अपठित गद्यांश	4
2.	अपठित काव्यांश	9
	खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)	
3.	उपसर्ग	12
4.	प्रत्यय	13
5.	समास	15
6.	अर्थ के आधार पर वाक्य भेद	17
7.	अलंकार	22
	खंड - ग (पाठ्यपुस्तक तथा पूरक पाठ्य पुस्तक)	
8.	दो बैलों की कथा	24
9.	ल्हासा की ओर	30
10.	उपभोक्तावाद की संस्कृति	35
11.	साँवले सपनों की याद	38
12.	प्रेमचंद के फटे जूते	41
13.	मेरे बचपन के दिन	44
14.	साखियाँ व सबद	47
15.	वाख	53
16.	सवैये	58
17.	कैदी और कोकिला	61
18.	ग्राम श्री	68
19.	मेघ आये	73
20.	बच्चे काम पर जा रहे हैं	78
21.	इस जल प्रलय में	82
22.	मेरे संग की औरतें	86
23.	रीढ़ की हड्डी	89
	खंड - घ (रचनात्मक लेखन)	
24.	अनुच्छेद लेखन	94
25.	पत्र लेखन	96
26.	ई-मेल लेखन	101
27.	लघु कथा लेखन	103
28.	संवाद लेखन	104
29.	सूचना लेखन	109
30.	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र -1	112
31.	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र -2	122
32.	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र -3	133
33.	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र -4	141

हिंदी पाठ्यक्रम-अ

विषय कोड - 002

कक्षा 9वीं (2025-26)

परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन

खंड		भारांक
क	अपठित बोध	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण	16
ग	पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक	30
घ	रचनात्मक लेखन	20

- भारांक-(80(वार्षिक बोर्ड परीक्षा)+20 (आंतरिक परीक्षा)

निर्धारित समय- 3 घंटे **भारांक-80**

वार्षिक बोर्ड परीक्षा हेतु भार विभाजन				
		खंड – क (अपठित बोध)		
		विषयवस्तु	उपभार	कुल भार
1	अपठित गद्यांश व काव्यांश पर बोध, चिंतन, विश्लेषण, सराहना आदि पर बहुविकल्पीय, अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न			14
	अ	एक अपठित गद्यांश लगभग 250 शब्दों का इसके आधार पर एक अंकीय तीन बहुविकल्पी प्रश्न (1x3=3), अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न (2×2=4) पूछे जाएँगे	7	
	ब	एक अपठित काव्यांश अधिकतम 120 शब्दों का इसके आधार पर एक अंकीय तीन बहुविकल्पी प्रश्न (1x3=3), अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न (2×2=4) पूछे जाएँगे	7	
		खंड – ख (व्यावहारिक व्याकरण)		
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषयवस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/ संरचना आदि पर अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न | (1x16) कुल 20 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे |			16
	अ	शब्द निर्माण	8	

			उपसर्ग – 2 अंक, प्रत्यय – 2 अंक, समास – 4 अंक उपसर्ग-प्रत्यय- (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे), समास (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)		
	ब		अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद – 4 अंक (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	स		अलंकार – 4 अंक (शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
3			**खंड – ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)**		
	अ		**गद्य खंड पाठ्यपुस्तक (क्षितिज (भाग 1)**	11	
		1	क्षितिज (भाग 1)से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषयवस्तु का ज्ञान, बोध, अभिव्यक्ति आदि पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x5)	5	
		2	क्षितिज (भाग 1) से निर्धारित पाठों में से विषयवस्तु का ज्ञान, बोध, अभिव्यक्ति आदि पर तीन प्रश्न पूछे जाएँगे।(विकल्प सहित- 25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3)	6	
	ब		**काव्य खंड पाठ्यपुस्तक (क्षितिज (भाग 1**)	11	
		1	क्षितिज (भाग 1) से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे (1x5)	5	30
		2	क्षितिज (भाग 1) से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित-25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3)	6	
	स		**पूरक पाठ्यपुस्तक (कृतिका भाग – 1**)	8	
			कृतिका (भाग 1) से निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे। (4x2) (विकल्प सहित-50-60 शब्द-सीमा वाले 3 में से 2 प्रश्न करने होंगे)	8	
			खंड – घ (रचनात्मक लेखन)		
4	**लेखन**				
	क		विभिन्न विषयों और संदर्भो पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत-बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन (6 x1 = 6)	6	20
	ख		अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में लगभग 100 शब्दों में किसी एक विषय पर पत्र। (5x1= 5)	5	
	ग		विविध विषयों पर आधारित लगभग 100 शब्दों में ई-मेल लेखन। (5x1= 5)	5	

		अथवा दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लेखन। (5x1= 5)		
	घ	दिए गए विषय/परिस्थिति के आधार पर लगभग 80 शब्दों में संवाद लेखन। (4x1=4) **अथवा** व्यावहारिक जीवन से संबंधित विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में सूचना लेखन। (4x1=4)	4	
		कुल		**80**
		आंतरिक मूल्यांकन		20
	अ	**सामयिक आकलन**	5	
	ब	**बहुविध आकलन**	5	
	स	**पोर्टफ़ोलियो**	5	
	द	**श्रवण एवं वाचन**	5	
		कुल		**100**

निर्धारित पुस्तकें :

1. **क्षितिज, भाग–1,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
2. **कृतिका, भाग–1,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट – निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे–

क्षितिज, भाग – 1	काव्य खंड	• केदारनाथ अग्रवाल - चंद्र गहना से लौटती बेर (पूरा पाठ) • चंद्रकांत देवताले – यमराज की दिशा (पूरा पाठ)
	गद्य खंड	• चपला देवी – नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया (पूरा पाठ) • हजारीप्रसाद द्विवेदी – एक कुत्ता और एक मैना (पूरा पाठ)
कृतिका, भाग – 1	• विद्यासागर नौटियाल – माटी वाली (पूरा पाठ) • शमशेर बहादुर सिंह – किस तरह आखिरकार मैं हिंदी में आया (पूरा पाठ)	

खंड- क (अपठित बोध)

अपठित गद्यांश

अपठित का शाब्दिक अर्थ है "जो कभी पढ़ा न गया हो", जिसका पाठ्यक्रम से कोई संबंध नहीं है। अपठित गद्यांश में गद्यांश से संबंधित विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देने को कहा जाता है। इस विषय में पाठक से अपेक्षा की जाती है कि वह दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़े, उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर प्रस्तुत करें।इसके माध्यम से पाठक की व्यक्तिगत योग्यता, अभिव्यक्ति क्षमता का पता चलता है। गद्यांश किसी भी विषय पर हो सकता है चाहे वह कला, विज्ञान, राजनीति, साहित्य या अर्थशास्त्र हो। यह गद्यांश किसी भी पाठयपुस्तक से संबंधित नही होता है। यह किसी भी गद्य का कोई छोटा सा अंश होता है। इसमें गद्यांश से संबंधित प्रश्न पूछे जाते है। जिससे विद्यार्थियों की तर्क शक्ति में वृद्धि होती है। उनमें सोचने की क्षमता विकसित होती है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता में वृद्धि होती है।अपठित गद्यांश का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के भय को दूर करना है और ऐसी क्षमता विकसित करना है कि विद्यार्थी किसी भी अनभिज्ञ प्रश्न को देखकर भयभीत न हो, कुशलता के साथ उनका जवाब दे सके।

अपठित गद्यांश को हल करते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए:

मूल गद्यांश को पूरी एकाग्रता से पढ़ना चाहिए। तीन-चार बार पढ़ने पर इसका अर्थ समझ में आ जाता है।

शीर्षक के मूल भाव से यह पता चल जाता है कि गद्यांश किस विषय पर लिखा गया है।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर भी इसी गद्यांश में निहित हैं। आप इसे पढ़ें और अपनी भाषा में जवाब दें।

लिखते समय वर्तनी की शुद्धता पर भी ध्यान देना चाहिए।

शीर्षक सरल, संक्षिप्त और सारगर्भित होना चाहिए।

अपठित गद्यांश-1

हम उपभोक्तावाद के नैन नक्श में एक ऐसी संस्कृति बन गए हैं, जहां 70 लाख की आबादी के कदम न खेती, न पशु पालन और न ही मेहनत-मजदूरी में अपने हाथ खराब करते हैं। हम बीबीएन (बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र) में मैन्युफैक्चरिंग करते हुए सारा रोजगार प्रवासी ठेकेदारों के हिसाब से कर रहे हैं, तो सुबह की खरीददारी में आधा-पौना हिमाचल बाहरी राज्यों के दूध, पनीर और ब्रेड के इंतजार में बाजार को भर देता है। हिमाचली उपभोक्ता पड़ोसी राज्यों के किसान, पशुपालक, व्यापारी, गायक, रीयल एस्टेट मालिक को आनंद से मालामाल कर देता है। हम खुश हैं क्योंकि हमारे मेले, समारोह, उत्सव तथा सरकारी समारोह हमें आनंद की अनुभूति देते हैं। हमारे सरकारी मंच भी नाटी करते हैं और जनता भी खुश होती है कि उसके नेता नाटी में आनंद का चरित्र निभाते हैं। हमारे नेताओं के भाषण हमेशा हमें ढांढस बंधाते हैं कि विकास में पैसों की कमी नहीं होगी और हम खींचते-खींचते गांव के स्कूल भवन में ही कालेज ले आते हैं। स्कूल-कालेजों में सारे विषयों के अध्यापकों को रोजगार देता प्रदेश यह परवाह नहीं करता कि वहां बच्चे पढने आते हैं या नहीं। आनंद की फुहारें हमारी सरकारी कार्यसंस्कृति में घर कर गई हैं। शिमला के बड़े दफ्तर हों या जिला मुख्यालयों के कार्यालय, हम आनंदित हैं कि वर्षों बाद भी स्थानातंरण की वजह या नीति पैदा नहीं होगी। यह राज्य सचिवालय के स्टेट कैडर का आनंद भी हो सकता है, जो प्रदेश को हैप्पीएस्ट स्टेट बना देता है। अगर हमारे सांसद घर के बिजली बिल से असंतुष्ट हैं, तो राज्य हैप्पीएस्ट कैसे होगा। हमें पता नहीं बाकी सांसदों और विधायकों के घर में जली बिजली का उन्माद क्या है, इससे दो चार होना पड़ेगा।

प्रश्न 1.प्रस्तुत गद्यांश में किस राज्य के बारे में बात की जा रही है?

क)उत्तर प्रदेश — ग) हिमाचल प्रदेश

ख)मध्य प्रदेश — घ) अरुणाचल प्रदेश

प्रश्न 2. दो चार होना मुहावरे का अर्थ है:-

क)मिलकर छह हो जाना ग) मिलान करना

ख) सामना करना या सामना होनाघ) जमा कर देना

प्रश्न 3.निम्नलिखित कथन(A) तथा कारण(R)को ध्यान पूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन(A) आनंद की फुहारें हमारी सरकारी कार्यसंस्कृति में घर कर गई हैं।

कारण(R) राज्य के कार्यालयों में कार्यभार नहीं हैं।

क) कथन(A) तथा कारण(R) और दोनों गलत है।

ख) कारण(R) सही है किंतु कथन(A) गलत है

ग) कथन(A) तथा कारण(R) दोनों सही है,किंतु कारण(R) उसकी व्याख्या नहीं करता।

घ) कथन(A) तथा कारण(R) दोनों सही है तथा कारण(R) कथन (A)की सही व्याख्या करता है ।

लघु उत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 4. लेखक के अनुसार हिमाचल प्रदेश के उपभोक्ता किसको लाभ पहुंचाते हैं?

प्रश्न 5. उपभोक्तावाद के संदर्भ में लेखक ने हिमाचल प्रदेश की किन समस्याओं को रेखांकित किया है?

अपठित गद्यांश -2

हिंदी व्यंग्य के प्रतिनिधि हस्ताक्षर हरिशंकर परसाई भी मध्यप्रदेश की धरती पर पैदा हुए। (समकालीन लेखन का एक प्रमुख नाम डॉक्टर ज्ञान चतुर्वेदी भी)। यह श्रेय यकीनन शरद जोशी के योग्य है कि उन्होंने व्यंग्य को 'विचारहीनता' के आरोपों की जकड़न से मुक्त करवाने में बहुत बड़ी भूमिका अदा की। परसाई का भी इसमें महत् योगदान है। दोनों का समूचा लेखन व्यंग्य-प्रधान है लेकिन वैचारिक-आधारशिला पर मजबूती के साथ टिका हुआ। हरिशंकर परसाई यह पहले से कर रहे थे और शरद जोशी ने आगे जाकर किया कि व्यंग्य की भाषा का नया सौंदर्यबोध रचा। अपने तौर पर बताया कि व्यंग्य हंसने-हंसाने की हास्यास्पद कवायद नहीं है बल्कि जनपीड़ा की तार्किक अभिव्यक्ति है। इसका सरलीकरण भाषा से लेकर विचार तक सरल नहीं बल्कि बेहद मुश्किल है।

जनसमुदाय जब अक्षरों में अपना अक्स देखे, तब कोई भी विधा अतिरिक्त गंभीरता का रूप अख्तियार कर लेती है और ज्यादा जवाबदेही उसके हिस्से आती है। स्वाभाविक है कि जनचिंतन की विचारयात्रा के अति संवेदनशील सहयात्री शरद जोशी सरीखे लेखक इस सबके प्रथम नागरिक के बतौर सामने आते हैं। शरद जोशी के हिस्से यह श्रेय भी है कि उन्होंने हिंदी में टिकट खरीद कर व्यंग्य सुनने की रिवायत चलाई। उनके अभिन्न मित्र प्रोफेसर कांति कुमार जैन की एक जानदार कृति है, 'लौट कर आना नहीं होगा'। यह उनके संस्मरणों का संग्रह है। इसमें शरद जोशी पर उनका लंबा संस्मरण शुमार है। जैन साहब लिखते हैं, "मंच यमाई" के सामने खड़े हुए शरद के व्यंग्य सुनना एक अनुभव हुआ करता था। उस जमाने में कवि सम्मेलनों के घटते स्तर को रोकने का जबरदस्त काम शरद जोशी के व्यंग्य पाठों ने किया। हिंदी में टिकट खरीदकर व्यंग्य सुनाने की परंपरा शरद ने चलाई। आप सर्कस देखने जाते हैं तो टिकट खरीदते हैं, लेखक की रचनाएं बिना दाम छुपाए क्यों सुनना चाहते हैं? शरद का तर्क दमदार था। उसने खूब व्यंग्य पढ़े, खूब पैसा कमाया, खूब लोकप्रियता अर्जित की।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1: निम्नलिखित में से किस लेखक ने हिंदी में टिकट खरीदकर व्यंग्य सुनाने की परंपरा की शुरुआत की?

क) हरिशंकर परसाई

ख) ज्ञान चतुर्वेदी

ग) शरद जोशी

घ) कांति कुमार जैन

प्रश्न 2: 'लौट कर आना नहीं होगा' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

क) शरद जोशी

ख) हरिशंकर परसाई

ग) कांति कुमार जैन

घ) ज्ञान चतुर्वेदी

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथन(A) तथा कारण(R)को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए

कथन (A): शरद जोशी ने व्यंग्य को ‘विचारहीनता’ के आरोपों से मुक्त किया।

कारण (R): उन्होंने व्यंग्य को जनपीड़ा की तार्किक अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया।

क) कथन (A)और कारण(R) दोनों सही हैं और कारण(R), कथन(A) की सही व्याख्या करता है।

ख) कथन (A)और कारण(R) दोनों सही हैं लेकिन कारण(R), कथन(A) की सही व्याख्या नहीं करता।

ग) कथन(A) सही है लेकिन कारण(R) गलत है।

घ) कथन(A) गलत है लेकिन कारण(R)सही है।

लघु उत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 4: हरिशंकर परसाई और शरद जोशी के व्यंग्य लेखन की मुख्य विशेषता क्या थी?

प्रश्न 5: कांति कुमार जैन के अनुसार शरद जोशी के व्यंग्य पाठ का क्या महत्व था?

अपठित गद्यांश -3

दुनिया में प्रदूषण की स्थिति बहुत गंभीर है। बढ़ते प्रदूषण से न केवल स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं, बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। वायु प्रदूषण की वजह से दुनिया को हर साल 8.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है। वायु प्रदूषण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित हाशिए पर पड़े लोगों को असमान रूप से प्रभावित करता है। प्रदूषण की वजह से दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में 6.1 फीसदी की कमी आती है। साथ ही हर साल 1.2 बिलियन कार्य दिवसों का नुकसान होता है। दुनिया के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 13 भारत के ही हैं, जिनमें राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली दूसरे स्थान पर है। भारत में जल के लगभग 70 प्रतिशत स्रोत प्रदूषित हो चुके हैं।देश में वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण पर नजर रखने के लिए 2018 में प्रदूषण नियंत्रण योजना शुरू की गई थी और इसके लिए पूरी राशि सरकार ही उपलब्ध करा रही है। सरकार का राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का 5.4 फीसदी वायु प्रदूषण पर खर्च करता है, लेकिन प्रदूषण नियंत्रण के लिए 2024-25 में 858 करोड़ रुपये के बजट का केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी के अभाव में उपयोग नहीं हो सका। चालू वित्त वर्ष समाप्त होने वाला है, ऐसे में यह स्थिति प्रदूषण को लेकर लापरवाह रवैया एवं ठोस योजना के अभाव की तरफ इशारा कर रही है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1:वायु प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव किस पर पड़ता है?

क. केवल युवाओं पर

ख. केवल ग्रामीण लोगों पर

ग. हाशिए पर पड़े वर्गों पर

घ. केवल अमीर लोगों पर

प्रश्न 2:प्रदूषण नियंत्रण योजना किस उद्देश्य से शुरू की गई थी?

क. केवल जल संरक्षण के लिए

ख. केवल वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए

ग. वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण की निगरानी के लिए

घ. यातायात सुधारने के लिए

प्रश्न3. निम्नलिखित कथन(A) तथा कारण(R)को ध्यान पूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन (A): भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम को प्रदूषण नियंत्रण योजना में शामिल किया है।

कारण (R): सरकार प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रमों में निजी क्षेत्र की मदद ले रही है।

विकल्प:

क. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण ,कथन की सही व्याख्या करता है।

ख.कथन(A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

ग. कथन(A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

घ. कथन(A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

लघु उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 4:नई दिल्ली प्रदूषण के मामले में किस स्थान पर है?

प्रश्न 5:भारत में प्रदूषण से जुड़े कौन-कौन से प्रमुख मुद्दे गद्यांश में बताए गए हैं?

अपठित गद्यांश -4

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के मोर्चे पर भारत में परिवर्तनकारी क्रांति देखने को मिल रही है। एआई कौशल सूचकांक अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है। प्रौद्योगिकी केंद्रित समाज में एआई संचालित तकनीक के डिजाइन और विकास में उछाल सर्वव्यापी होता जा रहा है। वास्तव में दुनिया एआई के लिए कुछ भी कर ले लेकिन भारत के बिना एआई अधूरा है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि भारत का 'एआई फॉर ऑल' मंत्र ठोस कार्रवाई पर आधारित है और देश कृत्रिम मेधा (एआई) कौशल प्रसार और प्रतिभा संकेन्द्रण में अग्रणी है।

हमारा मंत्र 'एआई फॉर ऑल' ठोस कार्रवाई द्वारा समर्थित हैक्योंकि एआई कौशल पैठ के मामले में भारत दुनिया में नंबर एक है। इसलिए उन्होंने उद्योग जगत के लोगों से वैश्विक कौशल राजधानी के रूप में भारत की स्थिति का लाभ उठाने के लिए अनुसंधान एवं विकास को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। गौरतलब है कि भारत में एआई नैतिकता के सिद्धांतों के लिए संवैधानिक नैतिकता की आधारशिला के रूप में कल्पना की गई थी।

एआई को एक ज़िम्मेदार तरीके से तैनात करने के लिए हमारे संवैधानिक अधिकारों और लोकाचार को सर्वोपरि माना गया। वर्ष 2018 में नीति आयोग ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए राष्ट्रीय रणनीति जारी की। तकनीकी क्रांति का दूसरा पक्ष एआई के सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक प्रभावों पर बढ़ती आशंका है, विशेष रूप से इन उभरती प्रौद्योगिकियों के सह-अस्तित्व और आधुनिक लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के बारे में चिंताएं।

भारत के पास असाधारण रूप से विशाल प्रतिभाओं तक पहुंच है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। आखिरकार एआई मूल रूप से मानव बुद्धिमत्ता द्वारा संचालित और निर्देशित होती है। यानी वास्तविक मानवीय बुद्धिमत्ता के बिना एआई न तो पनप सकता है और न ही स्थायी रूप से प्रगति कर सकता है। वह वास्तविक बुद्धिमत्ता भारत के युवाओं और प्रतिभाओं में प्रचुर मात्रा में है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

भारत में एआई कौशल पैठ के मामले में स्थिति:

क) अमेरिका से पीछे है

ख) केवल चीन से आगे है

ग) अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है

घ) केवल यूरोप के बराबर है

प्रश्न 2. भारत में एआई नैतिकता के सिद्धांत किस आधार पर कल्पना की गई थी?

क) आर्थिक सुधारों पर

ख) संवैधानिक नैतिकता पर

ग) वैश्विक दबाव पर

घ) सैन्य मजबूती के आधार पर

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथन(A) तथा कारण(R)को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन (A): भारत एआई कौशल के क्षेत्र में अग्रणी है।

कारण (R): भारत में असाधारण रूप से विशाल प्रतिभाओं की उपलब्धता है।

क) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही हैं और कथन(A), कारण(R) की सही व्याख्या करता है।

ख) कथन (A)सही है लेकिन कारण(R) गलत है।

ग) कथन(A) गलत है लेकिन कारण(R) सही है।

घ) कथन(A) और कारण(R) दोनों गलत हैं।

लघु उत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 4: केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने उद्योग जगत के लोगों से क्या आग्रह किया?

प्रश्न 5: नीति आयोग ने एआई के लिए राष्ट्रीय रणनीति कब जारी की थी?

उत्तर कुंजिका

गद्यांश -1:

उत्तर 1. ग) हिमाचल प्रदेश।

उत्तर 2: ख) सामना करना या सामना होना

उत्तर 3. ग) कथन(A) तथा कारण(R) दोनों सही है,किंतु कारण उसकी व्याख्या नहीं करता।

उत्तर 4. हिमाचल प्रदेश के उपभोक्ता पड़ोसी राज्यों के किसान, पशुपालक, व्यापारी, गायक, रीयल एस्टेट मालिक को लाभ पहुंचाते हैं।

उत्तर 5. लेखक के अनुसार हिमाचल प्रदेश में उपभोक्तावाद का चलन तो बढ़ रहा है किन्तु पारम्परिक जीवनशैली और सांस्कृतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है।

गद्यांश -2:

उत्तर 1. ग) शरद जोशी

उत्तर 2. ग) कांति कुमार जैन

उत्तर 3 क) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही हैं और कारण(R), कथन(A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर 4 दोनों लेखकों का व्यंग्य लेखन विचारात्मक आधार पर टिका हुआ था और सामाजिक सरोकारों से जुड़ा हुआ था।

उत्तर 5 .उनके अनुसार शरद जोशी के व्यंग्य पाठ एक अनुभव की तरह होते थे और उन्होंने कवि सम्मेलनों के घटते स्तर को रोकने में बड़ी भूमिका निभाई।

गद्यांश -3:

उत्तर: 1.ग. हाशिए पर पड़े वर्गों पर

उत्तर: 2.ग. वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण की निगरानी के लिए

उत्तर: 3. कथन(A) सही है, लेकिन कारण(R) गलत है।

(गद्यांश के अनुसार, पूरी राशि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है, निजी क्षेत्र का ज़िक्र नहीं है।)

उत्तर:4.नई दिल्ली दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में दूसरे स्थान पर है।

उत्तर:5.गद्यांश के अनुसार, भारत में वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण प्रमुख मुद्दे हैं। 13 सबसे प्रदूषित शहर भारत में हैं, जिनमें नई दिल्ली दूसरे स्थान पर है। जल के लगभग 70% स्रोत प्रदूषित हो चुके हैं। साथ ही, बजट की मंज़ूरी न मिलने से प्रदूषण नियंत्रण योजनाओं पर प्रभाव पड़ा है।

गद्यांश -4:

उत्तर:1. ग) अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है

उत्तर:2. ख) संवैधानिक नैतिकता पर

उत्तर:3. क) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही हैं और कारण(R), कथन(A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर.:4. केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने उद्योग जगत से भारत की वैश्विक कौशल राजधानी के रूप में स्थिति का लाभ उठाने और अनुसंधान एवं विकास को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

उत्तर:5. नीति आयोग ने वर्ष 2018 में एआई के लिए राष्ट्रीय रणनीति जारी की थी।

काव्यांश-1

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

भई, सूरज
जरा इस आदमी को जगाओ
भई, पवन
ज़रा इस आदमी को हिलाओ,
यह आदमी जो सोया पड़ा है,
जो सच से बेखबर
सपनों में खोया पड़ा है।
वक्त पर जगाओ,
नहीं तो जब बेवक्त जागेगा यह
तो जो आगे निकल गए हैं।
उन्हें पाने घबरा कर भागेगा यह।
घबरा के भागना अलग है
क्षिप्र गति अलग है
क्षिप्र तो वह है जो सही क्षण में सजग है
सूरज, इसे जगाओ,
पवन, इसे हिलाओ।

i-* 'जरा इस आदमी को जगाओ' - इस पंक्ति में *जगाने से क्या आशय है? **(1)**

(क) सोते हुए आदमी को जगा देना
(ख) कर्तव्यहीन को सचेत करना
(ग) चारपाई पर पड़े व्यक्ति को उठा देना
(घ) मनुष्य के विषय में बता देना

ii- कवि के अनुसार कौन-सा आदमी *सच से बेखबर है*? **(1)**

(क) जो एक स्थान पर बैठा है
(ख) जो नींद से जाग उठा है
(ग) जो कल्पनाओं में खोया पड़ा है
(घ) जो अपने पथ पर दौड़ रहा है

iii- बेवक्त जागने का हमारे ऊपर क्या प्रभाव पड़ता है? **(2)**

iv- कवि ने क्षिप्र किसे माना है? **(2)**

v- निम्नलिखित में से 'पवन' शब्द का समानार्थी शब्द नहीं है? **(1)**

(क) समीर
(ख) वायु
(ग) निर्झर
(घ) अनिल

उत्तर- i. (ख) कर्तव्यहीन को सचेत करना ii. (ग) जो कल्पनाओं में खोया पड़ा है iii. प्रगति करने वालों से हम पीछे हो जाते हैं iv. *जो सही क्षण में सजग है* v. (ग) निर्झर

काव्यांश-2

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूंथा जाऊ
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर
हे हरि! डाला जाऊँ
चाह नहीं, देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ
मुझे तोड़ लेना बनमाली
उस पथ पर तुम देना फेंक
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ पर जाएँ वीर अनेक।

i- *किसके गहनों में गूथे जाने की पुष्प की इच्छा नहीं* है? **(2)**

(क) राजकुमारियों को पहनाए जाने वाले गहनों में
(ख) युवतियों के गले के हारों में
(ग) महारानी को पहनाए जाने वाले आभूषणों में
(घ) सुरबाला को चढ़ाये जाने वाले गहनों में

ii- सम्राटों के शव पर डाले जाने की किसकी कामना नहीं *है*? **(1)**

(क) हरि की
(ख) पुष्प की
(ग) सम्राट की
(घ) देवी की

iii- *भाग्य पर इठलाना- मुहावरे का क्या अर्थ*है? **(1)**

(क) भाग्य पर चढ़ना
(ख) किस्मत पर भरोसा करना
(ग) भाग्य पर प्रसन्न होना
(घ) किस्मत को कोसना

iv- अनेक वीर मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या करते हैं? **(2)**

v- 'भाग्य' शब्द का विलोम शब्द है? **(1)**

(क) सौभाग्य
(ख) सुभाग्य
(ग) अभाग्य
(घ) दुर्भाग्य

उत्तर- i. सुरबाला को चढ़ाये जाने वाले गहनों में ii. (ख) पुष्प की iii. (ग) भाग्य पर प्रसन्न होना iv. अपना बलिदान देते हैं v. (घ) दुर्भाग्य

काव्यांश-3

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

शब्दों की दुनिया में मैंने
हिन्दी के बल अलख जगाये।

जैसे दीप-शिखा के बिरवे
कोई ठण्डी रात बिताये।
जो कुछ हूँ हिन्दी से हूँ मैं
जो हो लूँ हिन्दी से हो लूँ॥
हिन्दी सहज क्रान्ति की भाषा
यह विप्लव की अकथ कहानी।
मैकॉले पर भारतेन्दु की
अमर विजय की अमिट निशानी।
शेष गुलामी के दागों को
जब धोलूँ हिन्दी में धोलूँ॥

i- शब्दों की दुनिया में कवि ने क्या किया है? **(1)**

(क) अंग्रेजी भाषा को महत्त्व को महत्त्व दिया है
(ख) हिन्दी के प्रति चेतना जाग्रत की है
(ग) हिन्दी शब्दों को उन्नत बनाया है
(घ) जीवन को कठोर बनाया है

ii- हिन्दी के प्रति कवि के मन में कैसी भावना *है*? **(1)**

(क) दया की
(ख) स्वार्थ की
(ग) समर्पण की
(घ) अज्ञानता की

iii- कवि ने हिन्दी को किस तरह की भाषा माना है? **(2)**

(क) सहज क्रांति की भाषा
(ख) विप्लव की अकथ कहानी
(ग) मैकाले पर भारतेंदु की जीत
(घ) उपर्युक्त सभी

iv- 'अमर विजय की अमिट निशानी' - यह पंक्ति किसके लिए है? **(1)**

(क) हिन्दी भाषा के लिए
(ख) मैकाले के लिए
(ग) भारतेंदु जी के लिए
(घ) *इनमें से कोई नहीं*

v- कवि किस दाग को हिन्दी में धो लेना चाहता है? **(2)**

(क) विजय की निशानी को
(ख) बची हुई यादों को
(ग) गुलामी के दागों को
(घ) पिछड़ेपन के दागों को

उत्तर- i. (ख) हिन्दी के प्रति चेतना जाग्रत की है ii. (ग) समर्पण की iii. (घ) उपर्युक्त सभी iv. (घ) (क) हिन्दी भाषा के लिए v. (ग) गुलामी के दागों को

खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)

उपसर्ग

परिभाषा - उपसर्ग वह शब्दांश होता है ,जो किसी शब्द के पहले लगकर उस शब्द का अर्थ बदल देता है या उसके अर्थ में विशेषता उत्पन्न कर देता है ।

उदाहरण- क) अपवाद - अप + वाद

ख) अधिनायक -अधि +नायक

ग) अत्याचार - अति + आचार

हिंदी भाषा में प्रमुख रूप से प्रयुक्त होने वाले उपसर्ग तीन प्रकार के हैं-

क)संस्कृत उपसर्ग

ख)हिंदी उपसर्ग

ग) आगत उपसर्ग (अन्य भाषाओं से आए हुए)

(क) संस्कृत उपसर्ग (कुल 22)

1. आ (से, तक) - आगार, आपात , आजन्म , आचरण , आयोग ।
2. सु (अच्छा,सरल) - सुपुत्र, सुशिक्षित, सुयोग्य, सुविधा सुधीर।
3. वि (अलग, विशेष)- विदेश ,विनय ,विवाह , विकास , विलुप्त ।
4. नि (विशेष, विशाल, नहीं) - नियंत्रण, नियम, निषेध ,नियमित ,निगम ।
5. प्र (आगे,ज्यादा)- प्रकृति, प्रमाण , प्रगति ,प्रताप ,प्रयास ,प्रसन्न,प्रदान ।
6. अधि (ज्यादा,ऊपर) - अध्यापक, अधिकार, अध्ययन ,अधिभार ,अध्यादेश ।
7.अति (ज्यादा) - अतीत , अत्यधिक, अत्यंत,अतिशयोक्ति ।
8.अनु (पीछे) - अनुवाद ,अनुशासन ,अनुच्छेद ,अनुप्रास ,अनुराग ।
9. अभि (निकट) - अभिमान ,अभियान ,अभिशाप ,अभ्यास ।
10. अप (विपरीत,बुरा) - अपवाद,अपमान , अपयश, अपव्यय ।
11.उप (छोटा,निकट) - उपकार ,उपवन ,उपदेश ,उपवास ,
12. प्रति (प्रत्येक) - प्रतीक्षा ,प्रतिदिन ,प्रतिज्ञा , प्रत्येक , प्रतिक्रिया ।
13. परि (चारों तरफ,निकट)- परीक्षा ,पर्याप्त ,पर्यावरण ,परिवार ।
14. अव (बुरा)- अवगुण, अवशेष,अवकाश|
15. अपि (भी, किंतु) - अपिहित, अपिकक्ष, अपिकर्ण |
16. दुर् (बुरा, मुश्किल) - दुर्बल, दुर्गुण, दुर्गम |
17. निर् (विशाल, निषेध)- निर्बल, निर्गुण, निर्दोष|
18. उद(श्रेष्ठ) - उद्भव, उद्घोष, उद्गम |
19. सम् (शुद्ध , पूर्ण) - संवाद, संयोग, संभव|
20.दुस् (बुरा मुश्किल) -दुस्साहस,दुसाध्य, दुष्कर|
21. परा (बाद का) - पराजय, पराक्रम, परामर्श|
22. निस् (विशेष)- निष्फल, निसंदेह |

(ख) हिंदी उपसर्ग

1. अ (नहीं)- अन्याय ,अजन्मा , अव्यय , अधर्म , अपरिचित ।
2. स ,सु (अच्छा)- सुपुत्र , सुयोग्य ,सजल, सपरिवार ।
3. क, कु (बुरा)- कुसंग ,कुरूप , कपूत ,कुढंग ।

4. नि (विपरीत) -निडर , निहत्था , निकम्मा ।
5. दु- दुगुना , दुबला , दुकान ।
6. स (सहित)- सजग, सबल, सचित्र , सहित ।
7. अध (आधा) - अधमरा , अधजला , अधपका ।

(ग) आगत उपसर्ग
1. ग़ैर (के बिना , अलग) - ग़ैर-जिम्मेदार ,गैर-हाज़िर ,ग़ैर-क़ानूनी ।
2. ना (बिना) - नाकाम ,नादान ,नापाक ,नाबालिग ।
3. सर (बढ़िया) - सरदार ,सरपंच ,सरकार ।
4. बे (बिना) - बेहद ,बेवजह , बेवकूफ़ , बेईमान।
5. ला (बिना) - लाइलाज ,लाचार , लाजवाब ।

अभ्यास कार्य
1. उपसर्गों का प्रयोग होता है -
अ) शब्द के अंत में । ब) शब्दों के बीच में । स)शब्द से आगे । द) उपर्युक्त सभी जगह पर।
2. निम्नलिखित में से किस शब्द में 'नि' उपसर्ग है ?
अ) नीला ब) नीम स) नीलाभ द) निडर ।
3. इनमें से कौन सा आगत उपसर्ग का उदाहरण है ?
अ) अध ब) प्र स) ग़ैर द) प्रति ।
4. अत्यधिक शब्द का सही विभाजन... .. .. + अधिक है ।
5. निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है ?
अ) प्रतिज्ञा ब) मिलन स) लाइलाज द)बेईमान ।
6. 'अध्यादेश ' शब्द का सही विभाजन है -
अ) अधि + देश ब) अधिक + देश स)अधि + आदेश द) अधिक +आदेश ।
7. 'सु +भाग्य ' के योग से बनने वाला शब्द है-
अ) सुभाग्य ब) सुभाग स) शौभाग्य द) सौभाग्य
8. 'परीक्षा ' शब्द का सही विभाजन है -
अ) परी + इक्षा ब) परि + इक्षा स) परि + ईक्षा द)इनमें से कोई भी नहीं ।

उत्तरमाला
1 . स । 2 . द । 3 . स । 4 . अति । 5 . ब। 6 . स । 7 . द । 8 . स ।

प्रत्यय
परिभाषा - प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में बदलाव या विशेषता लाते हैं ।
उदाहरण - पंडित +आइन -पंडिताइन ।
गिन + ती - गिनती ।
प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं ।
क) कृत् प्रत्यय ख) तद्धित प्रत्यय
क) कृत् प्रत्यय - कृत् प्रत्यय क्रिया के अंत में लगते हैं ।
उदाहरण -
1. बोली- बोल + ई

2. घुमक्कड़ - घूम + अक्कड़
3. लेखक - लिख् +अक
4. बचत - बच + अत
5.गोपनीय - गोप +अनीय
6. घेरा - घेर + आ
7. दिखावट - दिख+ आवट
8. बढ़िया - बढ़ +इया
9. बिखराव - बिखर +आव
10. चुनौती - चुन + औती
11. जुड़वाँ - जुड़ + वाँ
12. चटनी - चाट + नी
13. लुटेरा - लूट +एरा
14. भड़ास - भड़ + आस
15. पीड़ित - पीड़ा + इत
16. चढ़ाई- चढ़ +आई
17. तैराक - तैर + आक
18. सुहावना - सुहा + आवना
19.छलावा - छल + आवा
20.जलन - जल +अन

ख) तद्धित प्रत्यय - तद्धित प्रत्यय संज्ञा , सर्वनाम और विशेषण के अंत में लगते हैं ।

उदाहरण -

मिठास - मीठा +आस
प्यासा -प्यास + आ
बुढ़ापा - बूढ़ा + आपा
आवश्यकता - आवश्यक +ता
द्रवित - द्रव +इत
बिटिया -बेटी + इया
रंगीला - रंग + ईला
इच्छुक - इच्छा + उक
ममेरा - मामा +एरा
गुलाबी - गुलाब +ई
बपौती- बाप + औती
नवीनतम - नवीन +तम
कुंभकार - कुंभ + कार
राजकीय - राज + ईय
नैतिक - नीति + इक
बड़प्पन - बड़ा + पन
लकड़हारा - लकड़ी + हारा
भाग्यवान - भाग्य +वान
शक्तिमान -शक्ति + मान
चमकीला- चमक +ईला

अभ्यास कार्य

1. प्रत्यय के प्रकार हैं -

अ) एक ब)दो स) तीन द)चार

2.'नैतिक' शब्द का सही विभाजन है -

अ) नैति + इक ब) नीति +एक स) नीति + इक द) नैती + एक

3. निम्नलिखित में से कृत् प्रत्यय का उदाहरण है -

अ) भाग्यवान ब) बपौती स) लुटेरा द) चमकीला

4. इनमें से तद्धित प्रत्यय का उदाहरण है -

अ)ममेरा ब) चुनौती स) चढ़ाई द) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

5. परिवार + इक का सही योग है -

अ) परिवारिक ब) पारिवारीक स) पारिवारिक द) पारीवारिक

6. 'रंगीला' शब्द में निम्नलिखित प्रत्यय का प्रयोग हुआ है -

अ) इला ब) ईला स)ला द) गीला।

7. 'इच्छुक' शब्द का सही विभाजन है -

अ) इच्छा +क ब) इच्छा + उक स)इच्छा +एक द) इच्छा + इक

8. निम्नलिखित में से किस में इक प्रत्यय नहीं है -

अ) अनेक ब) नैतिक स) सामाजिक द)भौतिक ।

9. वान` प्रत्यय से दो नए शब्द बनाइए।

उत्तरमाला

1. ब । 2. स । 3. स । 4. अ । 5. स । 6. ब । 7. ब । 8. अ । 9.गाड़ीवान,भाग्यवान ।

समास

परिभाषा - समास शब्द का शाब्दिक अर्थ है संक्षिप्तीकरण । दो या दो से अधिक शब्दों को मिलाकर बना एक नया सार्थक शब्द समास कहलाता है ।

उदाहरण -

राजा का कुमार -राजकुमार ।

देश के लिए भक्ति -देश भक्ति ।

समास के कुल 6 भेद हैं -

अव्ययीभाव समास,तत्पुरुष समास,कर्मधारय समास,द्विगु समास, द्वंद्व समास,बहुव्रीहि समास ।

1. अव्ययीभाव समास - जिसमें प्रथम पद अव्यय हो और उसका अर्थ प्रधान हो,अव्ययीभाव समास कहलाता है ।

उदाहरण -

यथाशीघ्र - जितना शीघ्र हो ।

अनुसार - जैसा सार है वैसा ।

निर्भय - भय से रहित ।

यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार ।

निर्देशानुसार -निर्देश के अनुसार ।

2. तत्पुरुष समास- तत्पुरुष समास में दूसरा पद प्रधान होता है । इसमें दो पदों के बीच कारक चिह्नों का लोप हो जाता है।

उदाहरण-

यशप्राप्त -यश को प्राप्त । (कर्म तत्पुरुष)
गुणयुक्त- गुण से युक्त । (करण तत्पुरुष)
छात्रावास -छात्रों के लिए आवास (संप्रदान तत्पुरुष)
गुणरहित - गुण से रहित (अपादान तत्पुरुष)
राजभाषा -राज्य की भाषा । (संबंध तत्पुरुष)
कार्यकुशल -कार्य में कुशल । (अधिकरण तत्पुरुष)
3. कर्मधारय समास - इस समास का उत्तर पद प्रधान होता है ।इसमें पूर्व पद उत्तर पद की विशेषता बताता है एवं एक पद दूसरे की तुलना में उपमेय में या उपमान के रूप में होता है ।
उदाहरण -
नीलकमल -नीला है जो कमल । (नीला -विशेषण ,कमल - विशेष्य)
महर्षि -महान है जो ऋषि ।
वायुयान -वायु में चलता है जो यान ।
चंद्रमुखी -चंद्र के समान मुखवाली ।
वचनामृत -वचन रूपी अमृत ।
4. द्विगु समास -वह समास जिसका पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है और समस्त पद किसी समूह या समाहार का बोध कराता है ।
उदाहरण -
त्रिभुज - तीन भुजाओं वाला ।
चौराहा -चार राहों का मिलन स्थल ।
नवरत्न - नौ रत्नों का समूह ।
पंचवटी - पांच वटों (बरगद) का समूह ।
सप्ताह - सात दिनों का समूह ।
5.द्वंद्व समास - द्वंद समास में दोनों पद प्रधान होते हैं व एक दूसरे के विपरीतार्थक होते हैं ।
उदाहरण -
देश -विदेश - देश और विदेश ।
लाभ -हानि - लाभ या हानि ।
आज -कल - आज या कल ।
सुख-दुख - सुख या दुख ।
माता-पिता - माता और पिता ।
6. बहुव्रीहि समास - बहुव्रीहि समास में दोनों ही प्रधान नहीं होते हैं ,बल्कि दोनों पद मिलकर तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं ।
उदाहरण -
पंचानन - पांच है आनन (मुख)जिनके अर्थात् शिव ।
गिरधर -गिरी (पर्वत) को धारण करने वाला अर्थात् श्री कृष्णा ।
देवराज -देवों का राजा अर्थात इंद्र ।
लंबोदर -लंबा है उदर (पेट)जिनका अर्थात् गणेश ।
घनश्याम - घन (बादल) के समान है श्याम (काला) अर्थात् कृष्ण ।
अभ्यास कार्य
1. निम्नलिखित में से अव्ययीभाव समास का उदाहरण है -
अ) नीलकमल ब) यथासंभव स) पीतांबर द) राजकुमार ।
2. समास के कुल भेद हैं -

अ) दो ब) पाँच स)छहद) सात ।

3. किस समास में पहला पद संख्यावाचक होता है ?

अ) द्वंद्व समास ब) द्विगु समासस)कर्मधारय समास द)बहुव्रीहि समास ।

4. निम्नलिखित में से कौन सा समास है जिसमें दोनों पद प्रधान होते हैं -

अ) द्वंद्व समास ब) द्विगु समासस)कर्मधारय समास द)बहुव्रीहि समास ।

5. कर्मधारय समास का उदाहरण कौन सा नहीं है ?

अ) महर्षि ब) चंद्रमुखी स) वायुयान द) रसोईघर ।

6. अधिकरण तत्पुरुष समास निम्न में से कौन -सा है ?

अ) राजमाता ब) कार्यकुशल स) लंबोदर द) तिरंगा ।

7. 'यथाशीघ्र' में कौन सा समास है ?

अ) अव्ययीभाव समास ब) द्विगु समासस)कर्मधारय समास द)बहुव्रीहि समास ।

8. इस समास में दोनों ही पद प्रधान नहीं होते हैं -

अ) तत्पुरुष समास ब) द्विगु समास स)कर्मधारय समास द)बहुव्रीहि समास ।

9. 'नीलकंठ ' में उपयुक्त समास है -

अ) तत्पुरुष समास ब) द्विगु समास स) अव्ययीभाव समासद)बहुव्रीहि समास ।

10. निम्नलिखित में से कौन -सा शब्द द्विगु समास का उदाहरण नहीं है ?

अ) नवरात्र ब) दुगना स) वार्षिक द) छमाही ।

उत्तरमाला-

1. ब। 2. स । 3. ब । 4. अ । 5. द । 6. ब । 7. अ । 8. द । 9. द । 10. स ।

अर्थ के आधार पर वाक्य भेद

वाक्य की परिभाषा

शब्दों का एक व्यवस्थित समूह होता है जो एक पूर्ण अर्थ व्यक्त करता है. वाक्य भाषा की लघुतम पूर्ण इकाई है. वाक्य के मुख्य रूप से दो भेद होते हैं

1) अर्थ के आधार पर2) रचना के आधार पर

अर्थ के आधार पर भेद:
विधानवाचक वाक्य, प्रश्नवाचक वाक्य, आज्ञावाचक वाक्य, संदेहवाचक वाक्य, नकारात्मक वाक्य, इच्छावाचक वाक्य, विस्मयवाचक वाक्य, संकेतवाचक वाक्य

1. विधानवाचक वाक्य- जिस वाक्य में क्रिया होने या करने की सूचना मिलती हो या. इस प्रकार का सामान्य कथन हो, उसे विधानवाचक वाक्य कहते हैं। विधानवाचक वाक्य को सकारात्मक वाक्य भी कहा जाता है क्योंकि इस प्रकार के वाक्यों में कही गई बात को ज्यों का त्यों मान लिया जाता है।

उदाहरण -
पक्षी घोंसले से उड़ चुके हैं।
कविता ने पाठ याद कर लिया है।
नदी में बाढ़ आई है।
विजया ने दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
रोहित ने नया मकान खरीदा।

2. निषेधवाचक या नकारात्मक वाक्य- जिन वाक्यों से क्रिया न होने या न किए जाने का भाव प्रकट होता है, उसे नकारात्मक वाक्य कहते हैं। इन वाक्यों की पहचान न, मत, नहीं देखकर की जा सकती है।

उदाहरण -
पक्षी घोंसले से नहीं उड़े हैं।
कविता ने पाठ नहीं याद किया है।
नदी में बाढ़ नहीं आई है।
ऐसी सरदी में बाहर मत जाओ।
रोहन धूप में न निकलना।

3. प्रश्नवाचक वाक्य- जिन वाक्यों में प्रश्न पूछा जाता है तथा जिनमें कुछ उत्तर पाने की जिज्ञासा रहती है, उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं।

प्रश्नवाचक वाक्यों की पहचान -
क्या, कब, क्यों, कैसे, कौन, किसे, किसका आदि प्रश्नवाचक शब्द देखकर
वाक्य के अंत में लगे प्रश्नवाचक चिह्न (?) को देखकर की जाती है।

उदाहरण -
ऐसी धूप में बाहर कौन खड़ा है?
रमा कब आई?
तुम कल विद्यालय क्यों नहीं आए?
कल तुमने क्या-क्या खाया था?
विक्रम किसकी राह देख रहा है?

4. आज्ञावाचक वाक्य- जिन वाक्यों में आज्ञा या अनुमति देने-लेने का भाव प्रकट होता है, उसे आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं। इन वाक्यों का दूसरा नाम आज्ञासूचक या विधिवाचक वाक्य भी है।

उदाहरण -
किताब के पेज मत फाड़ो।
सोहन, अब पढ़ने बैठ जाओ।
दीवारों को साफ़ कर दो।
अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाना।
यह काम कल तक ज़रूर पूरा कर देना।

5. इच्छावाचक वाक्य- जिन वाक्यों में वक्ता की इच्छा, कामना, आशीर्वाद आदि का भाव प्रकट होता है, उन्हें इच्छावाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण -
मित्र जन्मदिन की ढेर सारी बधाइयाँ।
ईश्वर करे, आप खूब उन्नति करें।
हमने चाहा था कि हम साथ-साथ रहें।
काश! इस समय सुमन साथ होती।
मैं चाहता हूँ कि सभी स्वस्थ हों।

6. विस्मयवाचक वाक्य- विस्मय का अर्थ है-आश्चर्य! जिन वाक्यों से आश्चर्य, हर्ष, घृणा, प्रसन्नता, शोक, दुख, भय आदि भावों की अभिव्यक्ति हो उन्हें विस्मयवाचक वाक्य कहते हैं। इन वाक्यों का दूसरा नाम उद्गारवाचक वाक्य भी है।
विस्मयवाचक वाक्यों की पहचान -
वाक्य में अहो!, अहा!, हाय!, छिः!, अरे! आदि देखकर।
ऐसे शब्दों या वाक्य के अंत में लगा विस्मयवाचक चिह्न (!) को देखकर की जा सकती है।
उदाहरण -
अरे! कितना विशाल मैदान है।
ओह! तुम आ गए।
अहा! इतना सुंदर फूल देखकर मन प्रसन्न हो उठा।
सावधान ! ट्रक आ रहा है।
छिः! नाले के पास बड़ी बदबू थी।

7. संदेहवाचक वाक्य - जिन वाक्यों की क्रिया पूर्ण होने में संदेह होता है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं।
संदेहवाचक वाक्यों की पहचान -
वाक्य के अंत में 'होगी', 'होगा', 'होगे' देखकर।
शायद, संभवतः जैसे शब्द देखकर की जा सकती है।
उदाहरण -
अब तक फ़सल कट चुकी होगी।
रमा खाना पका चुकी होगी।
दीपक बुझ गया होगा।
संभवतः विजय विद्यालय से घर आ गया होगा।
अब शायद बारिश बंद हो जाए।

8. संकेतवाचक वाक्य -जिन वाक्यों में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर करता है, उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं। इस प्रकार के वाक्यों में काम पूरा होने के लिए शर्त-सी लगी होती है। संकेतवाचक वाक्य के पहचान यदि, अगर जैसे शब्द देखकर की जा सकती है।
उदाहरण -
यदि वर्षा रुकती तो मैं घर जाता।
अगर जल्दी आते तो टिकट मिल जाता।
यदि डॉक्टर समय पर आ जाते तो मरीज की जान बच जाती।
यदि सिंचाई की गई होती तो फ़सलें न सूखती।
अगर परिश्रम करोगे तो अवश्य सफल होओगे।

वाक्य रूपांतरण :
अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं। इनमें से किसी वाक्य को एक भेद से दूसरे भेद में इस तरह बदलना कि वाक्य का कर्ता, क्रिया और कर्म ज्यों का त्यों रहे, वाक्य रूपांतरण कहलाता है।
वाक्य रूपांतरण निम्नलिखित उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है -

पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं। (विधानवाचक वाक्य)
पक्षी आकाश में नहीं उड़ रहे हैं। (निषेधवाचक वाक्य)
क्या पक्षी आकाश में उड़ रहे है? (प्रश्नवाचक वाक्य)
शायद पक्षी आकाश में उड़ रहे होंगे। (संदेहवाचक वाक्य)
(क) विधानवाचक वाक्यों को निषेधवाचक वाक्यों में बदलना -
मजदूर ने काम पूरा किया।
माली ने फूल तोड़े।
रश्मि संस्कृत बोल सकती है।
किसान बैंक से कर्ज़ लेते हैं।
उत्तरः
मज़दूर ने काम पूरा नहीं किया।
माली ने फूल नहीं तोड़े।
रश्मि संस्कृत नहीं बोल सकती है।
किसान बैंक से कर्ज नहीं लेते हैं।
(ख) विधानवाचक वाक्यों को प्रश्नवाचक वाक्यों में बदलना -
अर्पित ने कुत्ते को डंडे से मारा।
कर्ज में डूबे किसान ने आत्महत्या कर ली।
चलते-चलते वह पेड़ की छाया में बैठ गया।
सैनिकों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया।
विजया प्रयोगशाला में प्रयोग करती है।
उत्तरः
क्या अर्पित ने कुत्ते को डंडे से मारा?
किसान ने आत्महत्या क्यों कर ली?
चलते-चलते वह कहाँ बैठ गया?
सैनिकों ने कितने आतंकवादियों को मार गिराया?
क्या विजया प्रयोगशाला में प्रयोग करती है?
(ग) विधानवाचक वाक्यों को संदेहवाचक वाक्यों में बदलना -
गाड़ी स्टेशन पर आ चुकी है।
अंडे से बच्चे निकल आएँगे।
मंदिर में आरती हो रही है।
आतंकी मारे जा चुके हैं।
मरीज ठीक हो रहा है।
उत्तरः
गाड़ी स्टेशन पर आ चुकी होगी।
अंडे से बच्चे निकल आए होंगे।
शायद मंदिर में आरती हो रही होगी।
संभवतः आतंकी मारे जा चुके होंगे।
संभवतः मरीज ठीक हो रहा होता।
(घ) विधानवाचक वाक्यों को संकेतवाचक वाक्यों में बदलना-
वर्षा होने पर फ़सल अच्छी होती है।
मेहनत न करने से तुम फेल हुए हो।

मज़दूर आने पर किसान फ़सल काटेगा।
बिजली आने पर टी.वी. देखूँगा।
वर्षा होने पर पौधे लगाऊँगा।
उत्तरः
यदि वर्षा होती तो फ़सल अच्छी होती।
यदि मेहनत करते तो फेल न होते।
यदि मज़दूर आते तो किसान फ़सल काटते।
यदि बिजली आती तो मैं टी.वी. देखता।
यदि वर्षा होती तो मैं पौधेलगाऊँगा।
इसी प्रकार अन्य वाक्यों का रूपांतर भी किया जा सकता है।

अभ्यास-प्रश्न
1. अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए
(I) वर्षा होने के कारण नालियाँ भर गईं। ……………………..
(II) आज ममता विद्यालय नहीं आई है। ……………………..
(III) क्या आप फ़िल्म देखने नहीं चलेंगे? ……………………..
(Iv) यदि अच्छे अंक आएँगे तो छात्रवृत्ति मिलेगी। ……………………..
(v) अरे! यह गीत तुमने लिखा है। ……………………..
(vI) संभवतः इस साल सिग्नेचर ब्रिज का काम पूरा हो जाए। ……………………..
(vII) काश! महँगाई कम हो जाती। ……………………..
(vIII) इस प्रश्न का उत्तर लिखकर लाना। ……………………..
(Ix) यात्री पेड़ के नीचे लेटकर आराम कर रहा था। ……………………..
(x) ऐसी सरदी में बाहर मत जाओ। ……………………..
उत्तरः
(I) विधानवाचक वाक्य(II) निषेधवाचक वाक्य(III) प्रश्नवाचक वाक्य(Iv) संकेतवाचक वाक्य(v) विस्मयादिवाचक वाक्य
(vI) संदेहवाचक वाक्य(vII) इच्छावाचक वाक्य(vIII) आज्ञावाचक वाक्य(Ix) विधानवाचक वाक्य(x) नकारात्मक वाक्य
2. नीचे दिए गए वाक्य-भेदों के उदाहरण लिखिए -
(I) विधानवाचक वाक्य ……………………..
(II) आज्ञावाचक वाक्य ……………………..
(III) संदेहवाचक वाक्य ……………………..
(Iv) संकेतवाचक वाक्य ……………………..
(v) निषेधवाचक वाक्य ……………………..
(vI) इच्छावाचक वाक्य ……………………..
(vII) विस्मयवाचक वाक्य ……………………..
(vIII) प्रश्नवाचक वाक्य ……………………..
उत्तरः
(I) सवेरा होते ही पक्षी कलरव करने लगे।
(II) पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण छोड़ दो।
(III) संभवतः पहले जैसा सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ जाएगा।
(Iv) यदि मटर का खेत सींचा न होता तो हीरा के खुर न धंसते।
(v) उत्तर की ओर पहाड़ पर बरफ़ नहीं थी।

(vI) काश! कश्मीर घूमने का अवसर दुबारा मिल जाता।
(vII) ऐं! साँड़ बैलों से हार गया।
(vIII) यह वायुयान श्रीलंका कब तक पहुँचा देगा?
3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए।
(I) विदेशी होकर भी वह हिंदी बोलती है। (विस्मयवाचक)
(II) पछताने से बचने के लिए कठोर परिश्रम करो। (संकेतवाचक)
(III) सुबह होते ही फूल खिलने लगे। (विस्मयवाचक)
(Iv) ताकतवर होते हुए भी वह हार गया। (प्रश्नवाचक)
(v) हरिद्वार जाकर मैं गंगास्नान नहीं करूँगा। (विधानवाचक)
(vI) चिड़ियाँ यहाँ आकर दाना चुगती हैं। (इच्छावाचक वाक्य)
(vII) प्रांजल स्वस्थ होने के साथ धनी भी है। (निषेधवाचक वाक्य)
(vIII) वह अपने माता-पिता की सेवा करता है। (इच्छावाचक वाक्य)
(Ix) संपन्न होने के कारण वह अधिक खर्च करता है। (निषेधवाचक वाक्य)
(x) काश! इस पुस्तक को ध्यानपूर्वक पढ़ते। (आज्ञावाचक वाक्य)
(xI) सुंदर दृश्य है। (विस्मयवाचक वाक्य)
(xII) उसने बाज़ार जाकर जूते नहीं खरीदे। (विधानवाचक वाक्य)
(xIII) खेमू बरतन साफ़ करता है। (आज्ञावाचक वाक्य)
(xIv) हम घूमने जाते हैं। (इच्छावाचक वाक्य)
(xv) सुबह की पहली बस पकड़ने से ही समय पर पहुँचोगे। (संकेतवाचक वाक्य)
उत्तरः
(I) अरे! वह विदेशी होकर हिंदी बोलती है।
(II) कठोर परिश्रम करते तो पछताने से बच जाते।
(III) अहा! सुबह होते ही फूल खिलने लगे।
(Iv) क्या ताकतवर होकर भी वह हार गया?
(v) हरिद्वार जाकर मैं गंगा स्नान करूँगा।
(vI) काश! चिड़िया यहाँ आकर दाना चुगतीं।
(vII) प्रांजल स्वस्थ होने के साथ धनी नहीं है।
(vIII) काश! वह अपने माता-पिता की सेवा करता।
(Ix) संपन्न होने पर भी अधिक खर्च नहीं करता है।
(x) इस पुस्तक को ध्यानपूर्वक पढ़ो।
(xI) अहा! कितना सुंदर दृश्य है।
(xII) उसने बाज़ार जाकर जूते खरीदे।
(xIII) खेमू बरतन साफ़ करो।
(xIv) काश! हम घूमने जाते।
(xv) यदि सुबह की पहली बस पकड़ोगे तो समय पर पहुँच पाओगे।

अलंकार

अलंकार का अर्थ है-आभूषण। अर्थात् सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रयुक्त होने वाले वे साधन जो सौंदर्य में चार चाँद लगा देते हैं। कविगण कविता रूपी कामिनी की शोभा बढ़ाने हेतु अलंकार नामक साधन का प्रयोग करते हैं। इसीलिए कहा गया है- 'अलंकरोति इति अलंकार।'

अलंकार के भेद -

काव्य में कभी अलग-अलग शब्दों के प्रयोग से सौंदर्य में वृद्धि की जाती है तो कभी अर्थ में चमत्कार पैदा करके। इस आधार पर अलंकार के दो भेद होते हैं -

(अ) शब्दालंकार

(ब) अर्थालंकार

(अ) शब्दालंकार -

जब काव्य में शब्दों के माध्यम से काव्य सौंदर्य में वृद्धि की जाती है, तब उसे शब्दालंकार कहते हैं। इस अलंकार में एक बात यादरखने वाली यह है कि शब्दालंकार में शब्द विशेष के कारण सौंदर्य उत्पन्न होता है। उस शब्द विशेष का पर्यायवाची रखने से काव्य सौंदर्य समाप्त हो जाता है; जैसे -

कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।

यहाँ कनक के स्थान पर उसका पर्यायवाची 'गेहूँ' या 'धतूरा' रख देने पर काव्य सौंदर्य समाप्त हो जाता है।

1. अनुप्रास अलंकार- जब काव्य में किसी वर्ण की आवृत्ति एक से अधिक बार होती है अर्थात् कोई वर्ण एक से अधिक बार आता है तो उसे अनुप्रास अलंकार कहते हैं; जैसे -

तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।

यहाँ 'त' वर्ण की आवृत्ति एक से अधिक बार हुई है। अतः यहाँ अनुप्रास अलंकार है।

1) रघुपति राघव राजाराम। पतित पावन सीताराम। ('र' वर्ण की आवृत्ति)

2) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं जल-थल में। ('च' वर्ण की आवृत्ति)

3) मुदित महीपति मंदिर आए। ('म' वर्ण की आवृत्ति)

4) मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो। ('म' वर्ण की आवृत्ति)

5) सठ सुधरहिं सत संगति पाई। ('स' वर्ण की आवृत्ति)

6) कालिंदी कूल कदंब की डारन । ('क' वर्ण की आवृत्ति)

2. यमक अलंकार- जब काव्य में कोई शब्द एक से अधिक बार आए और उनके अर्थ अलग-अलग हों तो उसे यमक अलंकार होता है; जैसे- तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती है।

उपर्युक्त पंक्ति में बेर शब्द दो बार आया परंतु इनके अर्थ हैं - समय, एक प्रकार का फल। इस तरह यहाँ यमक अलंकार है।

कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।

या खाए बौराए नर, वा पाए बौराय।।

यहाँ कनक शब्द के अर्थ हैं - सोना और धतूरा। अतः यहाँ यमक अलंकार है।

काली घटा का घमंड घटा, नभ तारक मंडलवृंद खिले।

यहाँ एक घटा का अर्थ है काली घटाएँ और दूसरी घटा का अर्थ है - कम होना।

कहे कवि बेनी, बेनी व्याल की चुराई लीन्ही

यहाँ एक बेनी का आशय-कवि का नाम और दूसरे बेनी का अर्थ बाला की चोटी है। अत: यमक अलंकार है।

3. श्लेष अलंकार- श्लेष का अर्थ है- चिपका हुआ। अर्थात् एक शब्द के अनेक अर्थ चिपके होते हैं। जब काव्य में कोई शब्द एक बार आए और उसके एक से अधिक अर्थ प्रकट हो, तो उसे श्लेष अलंकार कहते हैं; जैसे -

रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।

पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष चून।।

यहाँ दूसरी पंक्ति में पानी शब्द एक बार आया है परंतु उसके अर्थ अलग-अलग प्रसंग में अलग-अलग है।अतः यहाँ श्लेष अलंकार है।

अन्य उदाहरण -

1. मधुबन की छाती को देखो, सूखी इसकी कितनी कलियाँ।

यहाँ कलियाँ का अर्थ है -

फूल खिलने से पूर्व की अवस्था

यौवन आने से पहले की अवस्था

2. चरन धरत चिंता करत चितवत चारों ओर।
सुबरन को खोजत, फिरत कवि, व्यभिचारी, चोर।
यहाँ सुबरन शब्द के एक से अधिक अर्थ हैं-
कवि के संदर्भ में इसका अर्थ सुंदर वर्ण (शब्द), व्यभिचारी के संदर्भ में सुंदर रूप रंग और चोर के संदर्भ में इसका अर्थ सोना है।
3. मंगन को देख पट देत बार-बार है।
यहाँ पर पटशब्द के दो अर्थ है- वस्त्र, दरवाज़ा।
4. मेरी भव बाधा हरो राधा नागरि सोय।
जा तन की झाँई परे श्याम हरित दुति होय।।
यहाँ हरित शब्द के अर्थ हैं- हर्षित (प्रसन्न होना), हरारंग|
अभ्यास-प्रश्न
निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में निहित अलंकारों के नाम लिखिए -
1) सेवक सचिव सुमंत बुलाए।
2) निरपख होइके जे हरि भजे सोई संत सुजान।
3) या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।
4) पानी गए न उबरै मोती, मानुष, चून।
5) बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन ।
6) कूड़ कपड़ काया का निकस्या।
7) कोटिक ए कलधौत के धाम।
8) तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती हैं।
9) बारे उजियारो करै बढे अँधेरो होय।
10) काली-घटा का घमंड घटा।
उत्तरः1) अनुप्रास अलंकार, 2) अनुप्रास अलंकार, 3) यमक अलंकार, 4) श्लेष अलंकार, 5) अनुप्रास अलंकार, 6) अनुप्रास अलंकार, 7) अनुप्रास अलंकार, 8) यमक अलंकार, 9) श्लेष अलंकार, 10) यमक अलंकार

खंड-ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

गद्य-खंड

दो बैलों की कथा - प्रेमचंद

पाठ का सारांश:-दो बैलों कथा प्रेमचंद जी की प्रसिद्ध कहानी है। इसकी रचना 1931 में की गई। इस कहानी में हीरा और मोती नाम के दो बैल भारत के सीधे-सादे लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये दोनों बैल शक्तिशाली, मेहनती, कमाऊ और सरल स्वभाव के होते हुए भी मनमाने अत्याचारों को सहन करते हैं। लेकिन सहनशीलता की हद पार होने पर ये दोनों मिलकर बंधन मुक्त होकर अपने स्वामी यानी झूरी काछी के पास आ जाते है। बैल जैसे सरल स्वभाव का जानवर भी स्वतंत्र होने के लिए प्रयत्न करता है। हीरा और मोती के माध्यम से यह कहानी भारतीय लोगों को किसी भी प्रकार की परतंत्रता से मुक्त होने के लिए प्रेरित करती है।

मुख्य बिंदु:-

प्रेमचंद की कहानी 'दो बैलों की कथा' के ज़रिए कई संदेश दिए गए हैं।
कठिन परिस्थितियों में मित्रता और आत्मसम्मान बनाकर समस्याओं का सामना करना।
स्वार्थ रहित होकर कर्तव्य का पालन करते हुए अपने धर्म की रक्षा करना।
किसी भी परिस्थिति में भी दुर्लभ होती जा रही नैतिकता को बनाए रखना

इस कहानी के जरिए प्रेमचंद ने बैलों के ज़रिए इंसानों के मन की बात बताई है।
मनुष्य हो या कोई भी प्राणी हो, स्वतंत्रता बहुत महत्व रखती है।
स्वतंत्रता पाने के लिए लड़ना भी पड़े, तो बिना हिचकिचाए लड़ना चाहिए।
कठिन परिस्थितियों में भी आत्मसम्मान और मित्रता का महत्व नहीं खोना चाहिए।
एक-दूसरे का साथ देते हुए समस्याओं का सामना करना चाहिए।
कठिन परिस्थिति में भाईचारे को बनाए रखना।

गद्यांश आधारित प्रश्न:

गद्यांश- 1

1.निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5 =5)

झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा, तो जल उठी । बोली-कैसे नमकहराम बैल हैं कि एक दिन वहाँ काम न किया; भाग खड़े हुए । झूरी अपने बैलों पर यह आक्षेप न सुन सका- नमकहराम क्यों हैं ? चारा-दाना न दिया होगा, तो क्या करते ? स्त्री ने रोब के साथ कहा-बस, तुम्हीं तो बैलों को खिलाना जानते हो, और तो सभी पानी पिला-पिलाकर रखते हैं । झूरी ने चिढ़ाया - चारा मिलता तो क्यों भागते ? स्त्री चिढ़ी - भागे इसलिए कि वे लोग तुम-जैसे बुद्धुओं की तरह बैलों को सहलाते नहीं । खिलाते हैं, तो रगड़कर जोतते भी हैं । ये दोनों ठहरे कामचोर, भाग निकले । अब देखूँ, कहाँ से खली और चोकर मिलता है ! सूखे भूसे के सिवा कुछ न दूँगी, खाएँ चाहें मरें । वही हुआ । मजूर को कड़ी ताकीद कर दी गई कि बैलों को खाली सूखा भूसा दिया जाए । बैलों ने नाँद में मुँह डाला, तो फीका-फीका । न कोई चिकनाहट, न कोई रस ! क्या खाएँ ? आशा-भरी आँखों से द्वार की ओर ताकने लगे ।

(क) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): दोनों बैलों को देखकर झुरी की पत्नी जल उठी ।
कारण (R): दोनों को नया घर, नए लोग बेगाने से लगे। अपना घर छूटने का उन्हें दुःख था इसलिए वे वहाँ से भाग निकले।
(I) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है ।
(II) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं ।
(III) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है ।
(Iv) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है ।

(ख) झूरी और उसकी पत्नी में बैलों को देखकर झड़प क्यों हो गई? उचित विकल्प का चयन कीजिए-
(1) हीरा-मोती गया के घर से भाग कर आ गए थे ।
(2) झूरी की पत्नी ने बैलों को सूखी घास खाने के लिए दी ।
(3) गाँव वाले बैलों के आने से प्रसन्न हुए ।
(4) बच्चों ने उन बैलों का स्वागत किया ।
विकल्प -
(I) कथन (2) व (3) सही हैं।
(II) कथन (1) व (2) सही हैं।
(III) केवल कथन (1) सही है।
(Iv) केवल कथन (2) सही है।

(ग) झूरी की पत्नी झूरी को 'बुद्धू' कहती थी । कथन की सत्यता के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए-
(1) बैलों से अत्यधिक प्रेम करने के कारण
(2) बैलों से चिढ़ने के कारण
(3) बैलों को झूरी द्वारा सहलाने के कारण
(4) झूरी के पत्नी के क्रोधित होने के कारण
विकल्प -

(I) कथन (1) व (3) सही हैं।　　(II) कथन (2) व (4) सही हैं।
(III) केवल कथन (1) सही है।　　(Iv) केवल कथन (3) सही है।

(घ) झूरी की पत्नी ने क्या निर्णय लिया?
(I) झूरी को खाना न देने का(II) बैलों को केवल सूखा-भूसा देने का
(III) बच्चों को दंड देने का　　(Iv) स्वयं भूखा रहने का

(ङ) आशा-भरी आँखों से द्वार की ओर कौन ताकने लगा?
(I) हीरा-मोती दोनों बैल　(II) गाँव वाले
(III) बालक　　(Iv) झूरी और गया

उत्तर-　(क)-(III), (ख)-(II),(ग)-(I), (घ)-(II), (ङ)- (I)

गद्यांश- 2

2. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है; किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहते गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी। वैशाख में चाहे एकाध बार कुलेल कर लेता हो; पर हमने तो उसे कभी खुश होते नहीं देखा। उसके चेहरे पर एक स्थायी विषाद, स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख-दुख, हानि-लाभ, किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा। ऋषियों-मुनियों के जितने गुण हैं, वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं; पर आदमी उसे बेवकूफ़ कहता है।

(I) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से उद्धृत हैं?
(क) दो पशुओं की कथा(ख) दो बैलों की कथा
(ग) हीरा और मोती(घ) दो बैल

(II) इस गद्यांश में किस पर व्यंग्य किया गया है?
(क) मूर्खता पर(ख) नाराज़गी पर
(ग) सीधेपन पर(घ) बेवकूफी पर

(III) 'कुलेल करना' का आशय है?
(क) कुल्ला करना(ख) गुलेल से खेलना
(ग) खेलना(घ) मस्ती करना

(Iv) किस कारण ऋषि-मुनियों और गधे में समानता बताई गई है?
(क) हर परिस्थिति में अपनी प्रतिक्रिया प्रकट करना।(ख) हर परिस्थिति में एक समान रहना।
(ग) दोनों ही सदा आराम करते हैं।(घ) गरीब होने के कारण।

(v) गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर लेखक ने उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?
(क) क्रोधी और नम्रता(ख) अहंकारी और कठोरता
(ग) सीधापन और सहिष्णुता(घ) शांत और अड़ियल

उत्तर-
(I) (ख) दो बैलों की कथा(II) (ग) सीधेपन पर(III) (घ) मस्ती करना(Iv)(ख) हर परिस्थिति में एक समान रहना।
(v) (ग) सीधापन और सहिष्णुता

गद्यांश- 3

3. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-(1x5=5)

झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे-हीरा और मोती। दोनों पछाई जाति के थे-देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक भाषा

में विचार-विनिमय करते थे। एक-दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाते, ये हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूंघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे-विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर ज़्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता। जिस वक्त ये दोनों बैल हल या गाड़ी में जोत दिए जाते और गर्दन हिला हिलाकर चलते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज्यादा-से-ज्यादा बोझ मेरी ही गर्दन पर रहे।

(I) झूरी काछी के दोनों बैल किस जाति के थे?

(क) गिर जाति के(ख) पछाई जाति के

(ग) लाल सिंधी जाति के(घ) साहीवाल जाति के

(II) हीरा-मोती में कौन-सी गुप्त शक्ति थी?

(क) मूक होकर भी एक-दूसरे की बात समझने की(ख) भारी से भारी वजन को उठा लेने की

(ग) परस्पर वार्तालाप की(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(III) 'जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।' से आशय है। (दक्षता आधारित प्रश्न)

(क) मनुष्य परस्पर बिना कहे एक-दूसरे की बात समझ लेते हैं।(ख) मौन होकर भी एक-दूसरे के मन की बात समझना मनुष्य को श्रेष्ठ बनाता है।(ग) सभी जीवों में श्रेष्ठ होने के बावजूद भी मनुष्य बिना वार्तालाप के एक-दूसरे की बात नहीं समझ सकते।(घ) मनुष्य जीवों में श्रेष्ठ है।

(Iv) हीरा-मोती अपना प्रेम

(क) एक-दूसरे को चाटकर(ख) एक-दूसरे को सूंघकर प्रकट करते थे।

(ग) एक-दूसरे से सींग मिलाकर(घ) उपरोक्त सभी

(v) हीरा-मोती एक-दूसरे के प्रति अपना समर्पण भाव कैसे दर्शाते थे?

(क) गाड़ी में रखा सामान जल्दी से जल्दी घर पहुंचाकर(ख) गाड़ी का ज्यादा से ज्यादा भार दूसरे पर डालकर

(ग) गाड़ी में जुते होने पर गाड़ी का ज्यादा भार दूसरे पर न पड़े ऐसा प्रयास करके।(घ) संकट में एक दूसरे की मदद करते थे।

उत्तर-

(I) (ख) पछाई जाति के(II) (क) मूक होकर भी एक-दूसरे की बात समझने की

(III) (ग) सभी जीवों में श्रेष्ठ होने के बावजूद भी मनुष्य बिना वार्तालाप के एक-दूसरे की बात नहीं समझ सकते।

(Iv) (घ) उपरोक्त सभी(v)(ग) गाड़ी में जुते होने पर गाड़ी का ज्यादा भार दूसरे पर न पड़े ऐसा प्रयास करके।

गद्यांश- 4

4. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

जानवरों में गधा सबसे ज़्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को परले दरजे का बेवकूफ़ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ़ है या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का -रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है, किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी।

(I) किसी मनुष्य को 'गधा' क्यों कहा जाता है?

(क) उसकी मेहनत के कारण(ख) उसकी दशा के कारण

(ग) उसकी मूर्खता के कारण(घ) उसके सीधेपन को देखकर

(II) गधे को गधा कहने के पीछे क्या कारण है?

(क) उसका चुप रहना(ख) उसका सीधापन और सहनशीलता
(ग) लगातार काम करना(घ) उसकी होशियारी और चालाकी
(।।।) अन्य पशुओं का स्वभाव कैसा होता है?
(क) शांत और सौम्य(ख) कोमल और निरभिमानी
(ग) क्रूर ओर ममतालु(घ) क्रोधी और आक्रामक
(।v) ब्याई हुई गाय अनायास ही सिंहनी का रूप कब धारण कर लेती है?
(क) जब कोई उसे तंग करता है।(ख) जब कोई उसे खाना नहीं देता है।
(ग) जब कोई उसके बछड़े के पास आता है।(घ) जब कोई उसे खींचता है।
(v) 'निरापद सहिष्णुता' का अर्थ क्या है?
(क) अत्यधिक सहनशीलता(ख) अत्यधिक सीधापन
(ग) बिना सहनशीलता के(घ) अधिक मूर्ख होना
उत्तर
(।) (ग) उसकी मूर्खता के कारण(।।) (ख) उसका सीधापन और सहनशीलता(।।।) (घ) क्रोधी और आक्रामक
(।v) (ग) जब कोई उसके बछड़े के पास आता है।(v) (क) अत्यधिक सहनशीलता

अभ्यास के लिए गद्यांश (निम्नलिखित गद्यांश के प्रश्न स्वयं करें)
1.निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5)
झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा, तो जल उठी । बोली- कैसे नमकहराम बैल हैं कि एक दिन वहाँ काम न किया; भाग खड़े हुए। झूरी अपने बैलों पर यह आक्षेप न सुन सका, नमकहराम क्यों हैं? चारा - दाना न दिया होगा, तो क्या करते? स्त्री ने रोब के साथ कहा - बस, तुम्हीं तो बैलों को खिलाना जानते हो और तो सभी पानी पिला - पिलाकर रखते हैं। झूरी ने चिढ़ाया - चारा मिलता तो क्यों भागते? स्त्री चिढ़ी - भागे इसलिए कि वे लोग तुम जैसे बुद्धओं की तरह बैलों को सहलाते नहीं। खिलाते हैं, तो रगड़कर जोतते भी हैं। ये दोनों ठहरे कामचोर, भाग निकले। अब देखूँ कहाँ से खली और चोकर मिलता है। सूखे भूसे के सिवा कुछ न दूँगी, खाएँ चाहें मरें।
(क) झूरी की स्त्री ने बैलों पर क्या आरोप लगाया?
(।) वफादार होने का(।।) नमकहराम होने का
(।।।) मेहनती होने का(।v) आलसी होने का क्योंकि
(ख) झूरी बैलों पर लगाए गए आरोप को सहन नहीं कर सका,
(।) उसके बैल कमजोर थे।(।।) उसके बैल भागने में तेज थे।
(।।।) उसके बैल मेहनती थे।(।v) उसके बैल भाग जाते थे।
(ग) झूरी ने गया के घर से बैलों के भाग आने का क्या कारण बताया? उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।
1. बैलों के लिए खाने-पीने की उचित व्यवस्था नहीं की होगी।
2. बैलों को स्वयं गया ने घर वापिस भेज दिया होगा।
3. बैलों का साथ नहीं दिया होगा।
4. उपरोक्त सभी
(।) कथन 1 और 2 सही हैं।
(।।) केवल कथन 1 सही है।
(।।।) केवल कथन 3 सही है।
(।v) केवल कथन 4 सही है।
(घ) झूरी की स्त्री ने चिढ़कर क्या कहा?
(।) उनकी वहाँ खूब देखभाल होती थी।(।।) उनको अच्छे से अच्छा भोजन दिया जाता था।
(।।।) वे खिलाते हैं, तो जमकर काम भी करवाते हैं।(।v) वे उन्हें सहलाते व खिलाते थे।

(ङ) कथन (A) झूरी की स्त्री ने बैलों को 'नमकहराम' कहा।
कारण (R) बैलों ने एक दिन काम नहीं किया और भाग गए।
(I) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(II) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(III) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(Iv)(A) गलत है, किंतु (R) सही है।

लघूत्तरीय प्रश्न:-
प्रश्न 1. मोती और हीरा ने विपत्ति में एक-दूसरे का साथ कैसे दिया? इससे हमें क्या शिक्षा मिलती है?
जब हीरा मोती गया के घर से भागने के क्रम में हीरा और मोती को बलशाली साँड़ मिल गया, तब दोनों ने इस विपत्ति का मिलकर सामना किया और साँड़ बेदम होकर गिर पड़ा। मटर के खेत में मोती को फँसा देखकर हीरा ने मोती का साथ नहीं छोड़ा। कांजीहौस से हीरा द्वारा भागने में असमर्थ होने के कारण मोती भी उसे अकेले छोड़कर नहीं भागा। इस तरह उन्होंने विपत्ति में एक-दूसरे का साथ दिया। इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि एक होकर रहने पर बड़ी से बड़ी विपत्ति का सामना भी सफलतापूर्वक किया जा सकता है।
प्र.2 'दो बैलों की कथा को ध्यान में रखते हुए सिद्ध कीजिए कि एकता में शक्ति होती है?
झूरी के दोनों बैलों हीरा और मोती में सच्चे मित्रता थी यूँ कहें कि सच्चे मित्र। उन्होंने हर विपत्ति में एक-दूसरे का साथ दिया। जब एक साँड उन्हें मारने दौड़ा तो वे दोनों मिलकर उस परटूट पड़े। एक उसे आगे से झेलता तो दूसरा उसके कूल्हे में सींग घुसेड़ देता। इस प्रकार दोनों ने बलशाली साँड को मार गिराया। दोनों ने अपने व्यवहार से एकता की शक्ति को सिद्ध कर दिया।
प्रश्न 3. दढियल आदमी कौन था? हीरा और मोती उसके किस व्यवहार के कारण भयभीत हो गए थे?
दड़ियल आदमी जानवरों को खरीदने वाला एक कसाई था। वह हीरा और मोती के कूल्हों की हड्डियों में उँगली मार-मारकर देख रहा था। इससे वे भाँप गए कि यह आदमी उनका वध करेगा। अतः वे भयभीत हो गए।
प्रश्न 4 .कांजीहौस किसे कहते हैं? वहाँ पशुओं के साथ कैसा व्यवहार होता है? 'दो बैलों की कथा' के आधार पर लिखिए।
कांजीहौस या काइन हाउस उस स्थान को कहते हैं, जहाँ आवारा पशुओं को पकड़कर रखा जाता है। वहाँ पशुओं के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार होता है। वहाँ पशुओं के खाने के लिए किसी प्रकार के चारे की व्यवस्था नहीं होती। दिनभर में एक बार पीने के लिए केवल पानी की व्यवस्था कर दी जाती है। वहाँ बंद सभी जानवर मरने जैसी हालत में हो जाते हैं। कांजीहौस में जानवरों के प्रति किसी की सहानुभूति नहीं रहती है।
प्रश्न 5. गया कौन था? उसे किस परेशानी का सामना करना पड़ा?
गया झूरी काछी का साला था। वह हीरा और मोती को अपने घर ले जाना चाहता था। परंतु दोनों बैल वहाँ से कहीं नहीं जाना चाहते थे क्योंकि वे दोनों स्वामिभक्त थे। वे झूरी के पास रहना चाहते थे। अतः दोनों ने गया को बहुत परेशान किया। वे रास्ते में अड़कर खड़े हो गए। गया ने उन्हें पीटा तो वे विद्रोही हो गए।
प्रश्न 6. 'दो बैलों की कथा' में गधे की क्या विशेषताएँ बताई गई है?
गधा स्वभाव से सरल, सीधा, परिश्रमी और संतोषी जीव होता है। वह अपमान सहकर भी स्वामी का काम सरलता से कर देता है। उसमें विद्रोह का लेशमात्र भी नहीं होता।
प्रश्न 7.हीरा-मोती द्वारा साँड को मार गिराने की घटना से क्या प्रेरणा मिलती है?
हीरा-मोती ने इकट्ठे मिलकर बड़े साँड को मार गिराया। इससे हमें प्रेरणा मिलती है कि मिलकर संघर्ष करो। हर विपत्ति में अपने मित्र का साथ दो।
प्रश्न 8. हीरा और मोती झूरी के घर वापस क्यों आए?
हीरा और मोती झूरी के अपनत्व और सेवा से बहुत प्रसन्न थे। वे झूरी को छोड़कर और किसी के आश्रय में नहीं रहना चाहते थे। इसलिए वे गया के घर से गराँव तुड़ाकर उसके घर वापस आ गए।
प्रश्न.9 कांजीहौस में हीरा और मोती ने जानवरों को किस प्रकार निकाला?

कांजीहौस में हीरा और मोती ने देखा कि वहाँ कई भैंसे, बकरियाँ, घोड़े और गधे कैद थे, सब ज़मीन पर मुर्दों की तरह पड़े थे। किसी को चारा नहीं दिया जाता था। यह देखकर दोनों ने सींग मार-मार कर दीवार गिरा दी और जानवरों को वहाँ से भगा दिया। वे स्वयं की आज़ादी के साथ दूसरे जानवरों की भी आज़ादी चाहते थे।

अन्य लघूत्तरीय प्रश्न:-

1.लेखक के अनुसार मनुष्य सभ्य कब कह लाता है?

2.हीरा और मोती जैसे साधारण बैलों ने साँड परास्त कर दिया इसके पीछे क्या कारण रहे होंगे | पाठ के आधार पर लिखिए।

3.दो बैलों की कथा पाठ के मुख्य पात्र हीरा-मोती के कार्य व्यवहार के आधार पर बताइए कि सच्चे मित्रों की क्या पहचान होती है?

4.कांजीहौस किसे कहते है? वहाँ पशुओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है? दो बैलों की कथा पाठ के आधार पर बताइए।

5.लड़की किसकी थी उसने हीरा-मोती को रोटियाँ क्यों खिलाई?

6.'दो बैलों की कथा' क्या प्रेरणा देती है पाठ के आधार पर लिखिए।

7. दो बैलों की कथा' पाठ में 'बछिया के ताऊ' कहने का क्या अभिप्राय है और यह क्यों कहा जाता है?

8.पशुओं की स्वामी भक्ति के बारे में आप क्या जानते हैं, पठित पाठ के आधार पर बताइए।

9.'इतना तो हो ही गया कि नौ दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे"-मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

10.'दो बैलों की कथा' पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है?

ल्हासा की ओर - राहुल सांकृत्यायन

पाठ का सार-`ल्हासा की ओर' इस पाठ में राहुल जी ने अपनी पहली तिब्बत यात्रा का वर्णन किया है जो उन्होंने सन् 1929-30 मे नेपाल के रास्ते की थी। चूंकि उस समय भारतीयों को तिब्बत यात्रा की अनुमति नहीं थी, इसलिए उन्होंने यह यात्रा एक भिखमंगों के छद्म वेश में की थी।उन्होंने अपनी यात्रा में नेपाल और तिब्बत के प्रमुख रास्ते, वहां की सामाजिक परंपराओं और तिब्बत के ग्रामीण जीवन का वर्णन किया। यात्रा के दौरान वह मंगोल भिक्षु लोब्ज़ङ्शेख (सुमति प्रज्ञ:) से मिले, जो उनके साथी बन गए।

लेखक की यात्रा बहुत वर्ष पहले जब फरी-कलिङ्पोङ् का रास्ता नहीं बना था, तो नेपाल से तिब्बत जाने का एक ही रास्ता था। इस रास्ते पर नेपाल के लोगों के साथ-साथ भारत के लोग भीजाते थे। यह रास्ता व्यापारिक और सैनिक रास्ता भी था, इसीलिए इसे लेखक ने मुख्य रास्ता बताया है। तिब्बत में जाति-पाँति, छुआछूत का सवाल नहीं उठता और वहाँ औरतें परदा नहीं करतीहैं। चोरी की आशंका के कारण भिखमंगों को कोई घर में घुसने नहींदेता, नहीं तो अपरिचित होने पर भी आप घर के अंदर जा सकते हैं और जरूरत अनुसार अपनी झोली से चाय दे सकते हैं, घर की बहू अथवा सास उसे आपके लिए पका देगी।

राहुल जी ने तिब्बत के प्राकृतिक सौंदर्य और चुनौतियों के बारे में लिखा है, जैसे 16,000-17,000 फीट ऊंचा थोंग्ला डाँडा पार करना। साथ ही, उन्होंने तिब्बत के जागीरदारों और मठों की संस्कृति, तथा वहां के निवासियों की सरलता को भी दर्शाया। यह यात्रा भारतीय तीर्थयात्रियों और व्यापारियों के लिए कठिन, लेकिन ज्ञानवर्धक रही। यहाँ के बौद्ध भिक्षुओं व उनकी 103 पोथियों और कई मठों का वर्णन किया है।

मुख्य बिंदु-

`ल्हासा की ओर' तिब्बत यात्रा के दौरान लेखक के अनुभवों, घुमक्कड़ी स्वभाव और तिब्बत की संस्कृति, भौगोलिक स्थिति, और लोगों के जीवन का वर्णन करना है।

यह पाठ यात्रावृत्त या यात्रा संस्मरण विधा में लिखा गया है।

राहुल सांकृत्यायन जी के साहस और यात्रा के दौरान सामना की गई कठिनाइयों को भी दर्शाता है।

पाठ में तिब्बत की संस्कृति, भौगोलिक स्थिति, लोगों के जीवन जीने के तरीके और बौद्ध धर्म के केंद्र ल्हासा की ओर उनके सफर का वर्णन है।

लेखक की यात्रा का उद्देश्य तिब्बत की संस्कृति और जीवन को समझने के साथ बौद्ध धर्म के केंद्र ल्हासा को भी जानना था।

गद्यांश- 1

1. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

परित्यक्त चीनी किले से जब हम चलने लगे, तो एक आदमी राहदारी माँगने आया। हमने वह दोनों चिटें उसे दे दीं। शायद उसी दिन हम थोड़ला के पहले के आखिरी गाँव में पहुँच गए। यहाँ भी सुमति के जान-पहचान के आदमी थे और भिखमंगे रहते भी ठहरने के लिए अच्छी जगह मिली। पाँच साल बाद हम इसी रास्ते लौटे थे और भिखमंगे नहीं, एक भद्र यात्री के वेश में घोड़ों पर सवार होकर आए थे; किंतु उस वक्त किसी ने हमें रहने के लिए जगह नहीं दी, और हम गाँव के एक सबसे गरीब झोपड़े में ठहरे थे। बहुत कुछ लोगों की उस वक्त की मनोवृत्ति पर ही निर्भर है, खासकर शाम के वक्त छङ् पीकर बहुत कम होश-हवास को दुरुस्त रखते हैं।

1. लेखक ने पहली बार गाँव में ठहरने के लिए किस जगह का उल्लेख किया है?

(I) सुमति के महल का(II)जान-पहचान के आदमी के घर का

(III) भद्र यात्री का अतिथि गृह का(Iv) गरीब झोपड़े का

2. पाँच साल बाद लेखक किस साधन का उपयोग करके गाँव में आए थे?

(I) कार (II)घोड़ा

(III) पैदल (Iv) साइकिल

3. लेखक का गाँव में ठहरने का अनुभव बाद में क्यों बदल गया?

(I) उनका सामाजिक दर्जा बदल गया (II)उन्होंने गाँव का नक्शा बदल दिया

(III) गाँव में नए लोग आ गए (Iv) शाम के वक्त लोगनशा करकेहोशमेंनहींरहते

4. लेखक ने किस परिस्थिति में गाँव के सबसे गरीब झोपड़े में ठहरने का उल्लेख किया है?

(I) जब वह भिखारी थे (II)जब वह भद्र यात्री थे

(III) जब वह गाँव के प्रधान थे (Iv) जब वह पुस्तक लेखन कर रहे थे

5.कथन

1.तिब्बत के लोग शाम के समय 'छङ्' नामक द्रव्य पीने के कारण होश-हवास में नहीं रहते थे।

2. पाँच साल बाद लेखक भद्र यात्री के वेश में घोड़े पर सवार होकर आए थे।

3. शाम के समय बच्चे और औरतें मदिरा पीते थे।

उपर्युक्त कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए

(I) कथन (1) सही किंतु (2) और (3) गलत हैं

(II) कथन (1) गलत किंतु (2) और (3) सही हैं

(III) कथन (1), (2) सही हैं, किंतु (3) गलत है

(Iv) कथन (1), (2) और (3) तीनों सही हैं।

उत्तर - 1. (II) 2.(II) 3. (Iv) 4. (II) 5. (III)

गद्यांश- 2

2. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकरलिखिए-(1x5=5)

तिब्बत में गाँव में आकर खून हो जाए, तब तो खूनी को सजा भी मिल सकती है, लेकिन इन निर्जन स्थानों में मरे हुए आदमियों के लिए कोई परवाह नहीं करता। सरकार खुफ़िया-विभाग और पुलिस पर उतना खर्च नहीं करती और वहाँ गवाह भी तो कोई नहीं मिल सकता। डकैत पहिले आदमी को मार डालते हैं, उसके बाद देखते हैं कि कुछ पैसा है कि नहीं। हथियार का कानून न रहने के कारण यहाँ लाठी की तरह लोग पिस्तौल, बंदूक लिए फिरते हैं। डाकू यदि जान से न मारे

तो खुद उसे अपने प्राणों का खतरा है। गाँव में हमें मालूम हुआ कि पिछले ही साल थोङ्ला के पास खून हो गया। शायद खून की हम उतनी परवाह नहीं करते, क्योंकि हम भिखमंगे थे और जहाँ-कहीं वैसी सूरत देखते, टोपी उतार जीभ निकाल, "कुची-कुची (दया-दया) एक पैसा" कहते भीख माँगने लगते। लेकिन पहाड़ की ऊँची चढ़ाई थी, पीठ पर सामान लादकर कैसे चलते? और अगला पड़ाव 16-17 मील से कम नहीं था। मैंने सुमति से कहा कि यहाँ से लङ्कोर तक के लिए दो घोड़े कर लो, सामान भी रख लेंगे और चढ़े चलेंगे।

1. गाँव में खून होने पर सरकार का रवैया कैसा था?
(I) गंभीर (II)लापरवाह
(III) न्यायप्रिय (Iv) संवेदनशील
2. लेखक ने भीख माँगने के दौरान क्या गतिविधि की?
(I) टोपी उतारना और "कुची-कुची" कहना (II)पहाड़ की चढ़ाई करना
(III) घोड़े किराए पर लेना (Iv) सामान लादना
3. गद्यांश के अनुसार, अगला पड़ाव अधिक दूर होने के कारण लेखक ने क्या किया?
(I) मार्ग में आश्रय ढूंढ लेने के लिए कहा(II)अगले दिन चलने का सुझाव दिया
(III) सुमति को लङ्ङ्कोर तक दो घोड़ों का प्रबंध करने के लिए कहा(Iv) सुमति को गाड़ी का प्रबंध करने के लिए कहा
4. तिब्बत की कानून व्यवस्था कैसी थी?
(I) वहाँ हथियार रखने के संबंध में कोई कानून नहीं था(II) सरकार खुफिया विभाग व पुलिस पर अधिक खर्च नहीं करती
(III) वहाँ कोई गवाह भी नहीं मिलता था(Iv) उपरोक्त सभी
5. लेखक ने गाँव में डकैतों की क्या विशेषता बताई?
(I) वे गवाहों की चिंता करते हैं (II)वे पहले आदमी को मारते हैं, फिर पैसा देखते हैं
(III) वे हमेशा मरे हुए आदमी के पास जाते हैं (Iv) वे खुफिया विभाग में काम करते हैं

उत्तर- 1.(II) 2. (I) 3. (III) 4. (Iv) 5.(II)

गद्यांश- 3

3. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-(1x5=5)
अब हम तिङ्री के विशाल मैदान में थे, जो पहाड़ों से घिरा टापू-सा मालूम होता था, जिसमें दूर एक छोटी-सी पहाड़ी मैदान के भीतर दिखाई पड़ती है। उसी पहाड़ी का नाम है तिङ्री -समाधि गिरि। आसपास के गाँव में भी सुमति के कितने ही यजमान थे, कपड़े की पतली-पतली चिरी बत्तियों के गंडे खतम नहीं हो सकते थे, क्योंकि बोधगया से लाए कपड़े के खतम हो जाने पर किसी कपड़े से बोधगया का गंडा बना लेते थे।
वह अपने यजमानों के पास जाना चाहते थे। मैंने सोचा, यह तो हफ्ता-भर उधर ही लगा देंगे। मैंने उनसे कहा कि जिस गाँव में ठहरना हो, उसमें भले ही गंडे बाँट दो, मगर आसपास के गाँवों में मत जाओ इसके लिए मैं तुम्हें ल्हासा पहुँचकर रुपये दे दूँगा। सुमति ने स्वीकार किया।

1. 'विविध मैदान' को लेखक ने किन पहाड़ों से घिरा हुआ बताया है?
(I) हिमालय (II)विंध्याचल
(III) 'समाधि गिरि' (Iv) अरावली
2. गंडे के लिए कपड़े लाने का उल्लेख किस स्थान से किया गया है?
(I) वाराणसी (II)बोधगया
(III) हरिद्वार (Iv) ल्हासा
3. सुमति अपने यजमानों को क्या लाकर देता था?
(I)बोधगया से लाए हुए कपड़े(II) बोधगया से लाए हुए कपड़े से बनाए हुए गंडे
(III) बोधगया से लाई गई खाद्य-वस्तुएँ(Iv)बोधगया के तालाब से लाया गया जल

4. सुमति कहाँ जाना चाहते थे ?

(I) धार्मिक स्थलों पर(II)सामाजिक अध्ययन करने

(III) यजमानों से मुलाकात करने (Iv) लेखन सामग्री संग्रह लाने

5. सुमति ने लेखक के निवेदन को क्यों स्वीकार किया?

(I) लेखक ने धमकी दी (II)लेखक ने पैसे दिए

(III) लेखक ने सहायक सुझाव दिया (Iv) सुमति पहले ही सहमत थे

उत्तर - 1.(III) 2.(II) 3.(II) 4.(III) 5.(III)

गद्यांश- 4

शेकर की खेती के मुखिया भिक्षु (नम्से) बड़े भद्र पुरुष थे। वह बहुत प्रेम से मिले, हालाँकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख्याल करना चाहिए था। यहाँ एक अच्छा मंदिर था; जिसमें कन्जुर (बुद्धवचन-अनुवाद) की हस्तलिखित 103 पोथियाँ रखी हुई थीं, मेरा आसन भी वहीं लगा। वह बड़े मोटे कागज़ पर अच्छे अक्षरों में लिखी हुई थीं, एक-एक पोथी 15-15 सेर से कम नहीं रही होगी। सुमति ने फिर आसपास अपने यजमानों के पास जाने के बारे में पूछा, मैं अब पुस्तकों के भीतर था, इसलिए मैंने उन्हें जाने के लिए कह दिया। दूसरे दिन वह गए। मैंने समझा था 2-3 दिन लगेंगे, लेकिन वह उसी दिन दोपहर बाद चले आए। तिङ्गरी गाँव वहाँ से बहुत दूर नहीं था। हमने अपना-अपना सामान पीठ पर उठाया और भिक्षु नम्से से विदाई लेकर चल पड़े।

नम्से का व्यक्तित्व कैसा था?

(I) नम्र और प्रेमपूर्ण(II) कठोर और असभ्य

(III) गुस्सैल और अनमने(Iv) उदासीन और निर्लिप्त

मंदिर में कितनी हस्तलिखित पोथियाँ थीं?

(I) 50(II)103

(III) 75(Iv) 120

पोथियों की क्या विशेषता थी?

(I) वे साधारण कागज पर थीं(II) बड़े मोटे कागज पर अच्छी अक्षरों में लिखी थीं

(III) उनकी कोई विशेषता नहीं थी(Iv) वे बहुत पुरानी थीं

यात्रा के दौरान पात्रों ने किस गाँव में विदाई ली?

(I) तिङ्री गाँव(II) पाली गाँव

(III) मुरादनगर(Iv) सोहनपुर

हस्तलिखित पोथियों का अर्थ है-

(I) पांडु-लिपि(II) चित्रित-लिपि

(III) पुरानी लिपि(Iv) मोटी किताब

उत्तर - 1.(I) 2.(II) 3.(II) 4.(I) 5.(I)

अभ्यास के लिए गद्यांश (छात्र स्वयं अभ्यास करें)

चार-पाँच बजे के करीब मैं गाँव से मील-भर पर था, तो सुमति इंतज़ार करते हुए मिले। मंगोलों का मुँह वैसे ही लाल होता है और अब तो वह पूरे गुस्से में थे। उन्होंने कहा- "मैंने दो टोकरी कंडे फूँक डाले, तीन-तीन बार चाय को गरम किया।" मैंने बहुत नरमी से जवाब दिया- "लेकिन मेरा कसूर नहीं है मित्र! देख नहीं रहे हो, कैसा घोड़ा मुझे मिला है! मैं तो रात तक पहुँचने की उम्मीद रखता था।" खैर, सुमति को जितनी जल्दी गुस्सा आता था, उतनी ही जल्दी वह ठंडा भी हो जाता था।

(क) मंगोलों का मुँह कैसा होता है?

(I) लाल (II) सफेद (III) पीला (Iv) काला

(ख) वे लेखक से कहाँ मिले थे?
(I) गाँव से दूर (II) ल्हासा की यात्रा के दौरान(III) दुकान पर (Iv) चीनी किले में
(ग) लेखक ने कैसे जाना कि सुमति गुस्से में थे?
(I) उन्होंने दो टोकरी कंडे फूँक दिए (II) उन्होंने चाय को गर्म किया
(III) वे लेखक का इंतजार कर रहे थे (Iv) उनका चेहरा गुस्से से लाल हो गया था
(घ) सुमति के चरित्र में कौन-सी विशेषताएँ हैं?
(I) सरल, स्नेही, मृदु स्वभाव वाले (II) गुस्सैल मिलनसार, स्नेही
(III) अहंकारी, स्नेही, सरल स्वभाव वाले (Iv) विद्वान, ममतालु क्रोधी
(ङ) कथन(A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:
कथन(A): सुमति को बहुत जल्दी गुस्सा आता था और उतना ही जल्दी ठंडा भी हो जाता था।
कारण(R):सुमति ने घोड़े की वजह से हुई देरी पर गुस्सा किया,लेकिन स्थिति समझने के बाद शांत हो गए।
(I) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।
(II) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(III) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(Iv) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न:
प्रश्न.1 उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय रहता था?
तिब्बत में सन् 1929-30 के दौरान हथियार को लेकर कोई कानून नहीं बना था। इस कारण लोग खुलेआम पिस्तौल बंदूक आदि रखते थे। जहाँ निर्जन स्थान थे वहाँ पुलिस का प्रबंध भी नहीं था,नहीं कोई खुफिया विभाग की व्यवस्था थी। वहाँ डाकुओं का खतरा बना रहता था। डाकू किसी को भी आसानी से मार सकते थे। इस कारण यात्रियों को हत्या और लूटमार का डर बना रहता था।
प्रश्न 2. तिब्बत में सबसे खतरनाक जगह कौन-सी है?
तिब्बत में डाँड़े सबसे खतरनाक होते हैं। ये 16-17 हजार फीट की ऊँचाई पर होते हैं। इनके पास गाँव नहीं होते। पहाड़ और नदी के मोड़ पर स्थित ये निर्जन डाँड़े डाकुओं के लिए सुरक्षित स्थल होते हैं। यहाँ न पुलिस है, न कानून-व्यवस्था। अतः यहाँ आसानी से खून हो जाते हैं।
प्रश्न3. सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग हर गाँव में मिले। इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व कीकिन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं?
सुमति (सुमति प्रज्ञ) का स्वभाव सरल ,मिलनसार,स्नेही और मृदुल था। सुमति के परिचय और सम्मान का दायरा भी बड़ा था ।तिब्बत के तिङ्री प्रदेश में लगभग हर गाँव मे उनके यजमान और परिचित मिल जाते थे। लोग उनको सम्मानित स्थान देते थे। सुमति सभी को बोध गया का गंडा प्रदान करते तो लोग गंडे को पाकर अपने आप को धन्य मानते थे।
प्रश्न.4 भारतीय महिलाओं की तुलना में तिब्बती महिलाओं की सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।
उत्तर-भारतीय महिलाएँ पुरुषों को लेकर परदा करती हैं। यहाँ किसी अपरिचित पुरुष को घर में घुसने की अनुमति नहीं हैं तो घर के अन्दर जाने का तो प्रश्न ही नहीं उठता। तिब्बती महिलाओं को परदा आदि करने का कोई बंधन नहीं है। उनके घर में कुछ वर्जित लोगों को छोड़कर कोई भी उनके घर में जाकर चाय आदि बना सकता है। वे अपरिचित पर सहज रूप में विश्वास करके उसका आदर सत्कार करती हैं। जो प्रायः भारतीय महिलाएँ नहीं करती।
प्रश्न 5. सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले। इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं
सुमति के परिचय और सम्मान का दायरा बहुत बड़ा है। तिब्बत के तिङ्री प्रदेश में लगभग हर गाँव में उसके परिचित हैं। वह उनके यहाँ धर्मगुरु के रूप में सम्मानित होता है। लोग उसे आदरपूर्वक घर में स्थान देते हैं। वह सबको बोध गया का गंडा प्रदान करता है। लोग गंडे को पाकर धन्य अनुभव करते हैं।

सुमति स्वभाव से सरल, मिलनसार, स्नेही और मृदु रहा होगा। तभी लोग उसे उचित आदर देते होंगे।

अभ्यास प्रश्न:-

प्रश्न 1. 'हालांकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख्याल करना चाहिए था।' उक्त कथन के अनुसार हमारे आधार व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित विचार व्यक्त करें।

प्रश्न 2. यात्रा-वृत्तांत के आधार पर तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का शब्द चित्र प्रस्तुत करें। वहाँ की स्थिति आपके राज्य/शहर से किस प्रकार भिन्न है?

प्रश्न 3. शेकर विहार के मंदिर में रखे बौद्ध ग्रंथों का परिचय कीजिए।

प्रश्न 4. लेखक सुमति को यजमानों से मिलने क्यों नहीं जाने देना चाहता था

उपभोक्तावाद की संस्कृति - श्यामाचरण दुबे

"उपभोक्तावाद की संस्कृति"पाठ श्यामाचरण दुबे द्वारा लिखा गया एक निबंध है जो उपभोक्तावाद की बढ़ती प्रवृत्ति और उसके समाज पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करता है।

पाठ का सार:यह पाठ उपभोक्तावाद की संस्कृति पर केंद्रित है, जो आज के समाज में तेज़ी से बढ़ रही है। लेखक बताते हैं कि आजकल लोग चीज़ों को सिर्फ़ उनकी ज़रूरत के लिए नहीं खरीदते, बल्कि दिखावे और दूसरों से आगे निकलने की होड़ में खरीदते हैं। विज्ञापन और मीडिया लोगों को लगातार नई-नई चीज़ें खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे लोग अपनी वास्तविक ज़रूरतों को भूल जाते हैं।

पाठ में बताया गया है कि उपभोक्तावाद के कारण लोगों की जीवन-शैली में काफ़ी बदलाव आया है। अब लोग भौतिक सुख-सुविधाओं को ही जीवन का लक्ष्य मानने लगे हैं और अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। लेखक इस संस्कृति को समाज के लिए एक चुनौती मानते हैं, क्योंकि यह लोगों को स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बना रही है।
गांधीजी के विचारों का उल्लेख करते हुए लेखक कहते हैं कि हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए और उपभोक्तावाद के अंधानुकरण से बचना चाहिए। वे चाहते थे कि भारतीय अपनी संस्कृति और मूल्यों को बनाए रखें।

अध्ययन के मुख्य बिंदु:

* उपभोक्तावाद क्या है: वस्तुओं और सेवाओं का अत्यधिक उपभोग करने की प्रवृत्ति।
* उपभोक्तावाद के कारण: विज्ञापन, मीडिया का प्रभाव, दिखावे की प्रवृत्ति, सामाजिक प्रतिष्ठा की चाह।
* उपभोक्तावाद का प्रभाव:
* जीवन-शैली में बदलाव।
* सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं का क्षरण।
* सामाजिक संबंधों में कमी।
* असमानता और असंतोष में वृद्धि।
* पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव।
* गांधीजी के विचार: सादा जीवन और अपनी संस्कृति पर अडिग रहने का महत्व।
* उपभोक्तावाद की चुनौती: समाज को स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनाना।

गद्यांश- 1

धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नयी जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर जोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है. आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पादको समर्पित होते जा रहे हैं।

1. आजके बदलते परिवेश में 'सुख' की परिभाषा किस रूप में बदल गई है?

A मानसिक संतोषB. सामाजिक प्रतिष्ठा

C. उपभोग और भोगD. आत्मज्ञान

2. नई जीवन शैली किस दर्शन को बढ़ावा दे रही है?

A. आध्यात्मिकताB. त्याग

C. उपभोक्तावादD. सह-अस्तित्व

3. उपभोक्तावाद के प्रभाव से व्यक्ति का चरित्र किस दिशा में बदल रहा है?

A. आत्मनिर्भरता की ओरB. उत्पादों के अधीनता की ओर

C. साधुता की ओरD. मौन और ध्यान की ओर

4. मिलान कीजिए

स्तंभ A (परिवर्तन)	स्तंभ B (परिणाम)
A. जीवन शैली	I. उपभोक्तावाद का वर्चस्व
B. सुख की व्याख्या	II. उपभोग और भोग से जुड़ी
C. उत्पादन का उद्देश्य	III. व्यक्ति के लिए, उपभोगहेतु
D. व्यक्ति का चरित्र	IV. उत्पादों के अधीन होता जारहा है

उत्तर:

A. A -I, B -II, C - III

B. C-I , B-II, A-III

C. B-III, C-I, A-II

D. C-II , B-III, A-I

5.कथन (AssertIon): उपभोक्तावाद ने समाज में सूक्ष्म परिवर्तन लाए हैं।

कारण (Reason): अब व्यक्ति अपने सुख को केवल उपभोग से जोड़ने लगा है।

A. A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

B. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता।

C. A सही है, R गलत है।

D. A गलत है, R सही है।

गद्यांश- 2

छोड़िए इस सामग्री को। वस्तु और परिधान की दुनिया में आइए। जगह-जगह बुटीक खुल गए हैं, नए-नए डिजाइन के परिधान बाजार में आ गए हैं। ये ट्रेंडी हैं और महँगे भी। पिछले वर्ष के फ़ैशन इस वर्ष ? शर्म की बात है। घड़ी पहले समय दिखाती थी। उससे यदि यही काम लेना हो तो चार-पाँच सौ में मिल जाएगी। हैसियत जताने के लिए आप पचास-साठ हजार से लाख-डेढ़ लाख की घड़ी भी ले सकते हैं। संगीत की समझ हो या नहीं, कीमती म्यूज़िक सिस्टम ज़रूरी है। कोई बात नहीं यदि आप उसे ठीक तरह चला भी न सकें।

1. नए फैशन के परिधानों के बारे में लेख में क्या कहा गया है?

A. वे सस्ते और टिकाऊ हैB. वे केवल पारंपरिक लोग पहनते हैं

C. वे ट्रेंडी और महंगे हैंD. वे केवल गाँवों में मिलते हैं

2. पहले घड़ी का प्रमुख उद्देश्य क्या था?

A. हैसियत दिखानाB. गहना बनाना

C. समय दिखानाD. फैशन में रहना

3. लेखक के अनुसार, म्यूज़िक सिस्टम खरीदने का असली कारण क्या हो गया है?
A. अच्छी ध्वनि प्राप्त करनB. संगीत की पढ़ाई करना
C. दूसरों पर प्रभाव डालनD. घर सजाना
4. मिलान करें

स्तंभ A (वस्तु)	स्तंभ B (वर्तमान उपयोग / प्रवृत्ति)
A. परिधान	I. ट्रेंड और दिखावे का प्रतीक
B. घड़ी	II. समय के बजाय हैसियत दिखाने का माध्यम
C. म्यूज़िक सिस्टम	III. संगीत से अधिक दिखावे के लिए उपयोग

उत्तर:
A. A - I, B - II, C - III
B. C-I , B-II, A-III
C. B-III, C-I, A-II
D. C-II , B-III, A-I

5.कथन: अब महँगे म्यूज़िक सिस्टम जरूरी हो गए हैं, चाहे व्यक्ति संगीत की समझ रखे या नहीं।
कारण: आधुनिक समाज में दिखावा और हैसियत प्रमुख बन गए हैं।
A. कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।
B. कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।
C. कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।
D. दोनों गलत हैं।

<u>उत्तरमाला</u>

गद्यांश-1
I C II C III B Iv A v A
गद्यांश-2
I C II C III C Iv A v A

प्रश्न 1.पाठ के आधार पर आज के उपभोक्तावादी युग में पनप रही 'दिखावे की संस्कृति' पर विचार व्यक्त कीजिए।
उत्तर-आज दिखावे की संस्कृति पनप रही है। यह बात बिल्कुल सत्य है। इसलिए लोग उन्हीं चीजों को अपना रहे हैं, जो दुनिया की नजरों में अच्छी हैं। सारे सौन्दर्य-प्रसाधन मनुष्यों को सुंदर दिखाने के ही प्रयास करते हैं। पहले यह दिखावा औरतों में होता था, आजकल पुरुष भी इस दौड़ में आगे बढ़ चले हैं। नए-नए परिधान और फैशनेबल वस्त्र दिखावे की संस्कृति को ही बढ़ावा दे रहे हैं।
आज लोग समय देखने के लिए घड़ी नहीं खरीदते, बल्कि अपनी हैसियत दिखाने के लिए हजारों क्या लाखों रुपए की घड़ी पहनते हैं। आज हर चीज पाँच सितारा संस्कृति की हो गई है। खाने के लिए पाँच-सितारा होटल, इलाज के लिए पाँच सितारा हस्पताल, पढ़ाई के लिए पाँच सितारा सुविधाओं वाले विद्यालय-सब जगह दिखावे का ही साम्राज्य है। यहाँ तक कि लोग मरने के बाद अपनी कब्र के लिए लाखों रुपए खर्च करने लगे हैं ताकि वे दुनिया में अपनी हैसियत के लिए पहचाने जा सकें।यह दिखावा-संस्कृति मनुष्य को मनुष्य से दूर कर रही है। लोगों के सामाजिक संबंध घटने लगे हैं। मन में अशांति जन्म ले रही है। आक्रोश बढ़ रहा है, तनाव बढ़ रहा है। हम लक्ष्य से भटक रहे हैं। यह अशुभ है। इसे रोका जाना चाहिए।
प्रश्न 2.आज की उपभोक्ता संस्कृति हमारे रीति-रिवाजों और त्योहारों को किस प्रकार प्रभावित कर रही है? अपने अनुभव के आधार पर एक अनुच्छेद लिखिए।
उत्तर-आज की उपभोक्ता संस्कृति के प्रभाव से हमारे रीति-रिवाज और त्योहार अछूते नहीं रहे। हमारे रीति-रिवाज और त्योहार सामाजिक समरसता बढ़ाने वाले, वर्ग भेद मिटाने वाले, सभी को उल्लासित एवं आनंदित करने वाले हुआ करते थे,

परंतु उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रभाव से इनमें बदलाव आ गया है। इससे त्योहार अपने मूल उद्देश्य से भटक गए हैं। आज रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बहन भाई द्वारा दिए गए उपहार का मूल्य आंकलित करती है। दीपावली के त्योहार पर मिट्टी के दीए प्रकाश फैलाने के अलावा समानता दर्शाते थे परंतु बिजली की लड़ियों और मिट्टी के दीयों ने अमीर-गरीब का अंतर स्पष्ट कर दिया है। यही हाल अन्य त्योहारों का भी है।

प्रश्न 3: उपभोक्तावाद संस्कृति और भारतीय पारंपरिक जीवनशैली में क्या अंतर है?

उत्तर: भारतीय पारंपरिक जीवनशैली संयम, संतोष और आवश्यकता आधारित उपभोग पर आधारित है। जबकि उपभोक्तावाद संस्कृति भोगवाद, प्रदर्शन और अनावश्यक खरीद की प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है। पारंपरिक संस्कृति में प्रकृति, परिवार और आत्मानुशासन को महत्व दिया जाता है, वहीं उपभोक्तावाद व्यक्तिवाद और तात्कालिक सुख पर केंद्रित है।

प्रश्न 4: उपभोक्तावाद संस्कृति को नियंत्रित करने के उपाय बताइए।

उत्तर:

जन-जागरूकता अभियान और नैतिक शिक्षा

विज्ञापनों पर नियंत्रण और बच्चों को लक्षित मार्केटिंग पर रोक

"मिनिमलिज्म" और "सस्टेनेबल लिविंग" को बढ़ावा

पुनः उपयोग (Reuse) और पुनर्चक्रण (Recycle) की आदत

जिम्मेदार उपभोक्ता बनना - आवश्यकतानुसार ही वस्तु खरीदना

साँवले सपनों की याद - जाबिर हुसैन

प्रस्तुत पाठ जून 1987 में प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली की मृत्यु के तुरंत बाद डायरी शैली में लिखा गया संस्मरण है । सालिम अली की मृत्यु से उत्पन्न दुःख और अवसाद को लेखक ने "साँवले सपनों की याद" के रूप में व्यक्त किया है। इसमें प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली के व्यक्तित्व और उनके प्रकृति प्रेम का मार्मिक चित्रण किया गया है।

पाठ का सारांश:

यह संस्मरण लेखक जाबिर हुसैन द्वारा लिखा गया है। इसमें सालिम अली की मृत्यु के बाद उनके जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को याद किया गया है। लेखक सालिम अली को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करते हैं जो हमेशा प्रकृति और पक्षियों के प्रति समर्पित रहे। वे एक जिज्ञासु और खोजी स्वभाव के थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन पक्षियों के अध्ययन और संरक्षण में बिता दिया।पाठ में सालिम अली के बचपन के एक महत्वपूर्ण घटना का उल्लेख है, जब उन्होंने अपनी एयरगन से एक गौरैया को घायल कर दिया था। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा बदल दी और उन्हें पक्षियों के बारे में जानने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।लेखक सालिम अली की तुलना एक ऐसे वन-पक्षी से करते हैं जो अपनी मौत के बाद भी अपने सपनों के संगीत में खोया हुआ है। यह पाठ सालिम अली के प्रकृति के प्रति गहरे लगाव, उनके ज्ञान और उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद करता है। यह हमें प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के महत्व के बारे में भी सोचने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्य बिंदु:

* सालिम अली एक प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी थे।
* उनका पूरा जीवन पक्षियों और प्रकृति के प्रति समर्पित था।
* बचपन की एक घटना ने उनके जीवन की दिशा बदल दी।
* वे प्रकृति के रहस्यों को जानने के लिए हमेशा उत्सुक रहते थे।
* पाठ उनके प्रकृति प्रेम, ज्ञान और कार्यों को याद करता है।
* यह पाठ पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दर्शाता है।

गद्यांश- 1

मिथकों की दुनिया में इस सवाल का जवाब तलाश करने से पहले एक नज़र कमज़ोर काया वाले उस व्यक्ति पर डाली जाए जिसे हम सालिम अली के नाम से जानते हैं। उम्र को शती तक पहुँचने में थोड़े ही दिन तो बच रहे थे। संभव है, लंबी यात्राओं की थकान ने उनके शरीर को कमजोर कर दिया हो, और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी उनकी मौत का कारण बनी हो। लेकिन अंतिम समय तक मौत उनकी आँखों से वह रोशनी छीनने में सफल नहीं हुई जो पक्षियों की तलाश और उनकी हिफ़ाज़त के प्रति समर्पित थी अली की आँखों पर चढ़ी दूरबीन उनकी मौत के बाद ही तो उतरी थी।

I.सालिम अली की दूरबीन उनकी मृत्यु के बाद ही उतरी – इसका क्या प्रतीकात्मक अर्थ है?

A. वे दूरबीन से चिपके रहते थेB. वे अपने मिशन में पूरी तरह डूबे थे

C. उन्होंने दूरबीन छोड़ दी थीD. उन्हें कोई और शोध नहीं करना था

II.लेखक के अनुसार सालिम अली की मृत्यु का मुख्य कारण क्या था?

A. पक्षियों की खोज में दुर्घटनाB. लंबी उम्र

C. कैंसर और यात्राओं की थकानD. अचानक बीमारी

III. सालिम अली की कौन सी वस्तु उनकी मृत्यु तक उनके साथ रही?

A. कैमराB. नोटबुक

C. दूरबीनD. टोप

IV. मिलान कीजिए :

कॉलम A	कॉलम B
A. सालिम अली की दूरबीन	1. उनकी पक्षी विज्ञान के प्रति समर्पण का प्रतीक
B. लंबी यात्राएँ	2. शरीर की थकान का कारण
C. कैंसर	3. मृत्यु का संभावित कारण
D. आँखों की रोशनी	4. पक्षियों की खोज के जुनून की प्रतीक

	a	b	c	d
A	1	2	3	4
B	4	3	2	1
C	2	1	3	4
D	3	4	1	2

V.कथन (A): सालिम अली की आँखों पर चढ़ी दूरबीन उनकी मौत के बाद ही उतरी।

कारण (R): वे अंतिम समय तक पक्षियों की तलाश और सुरक्षा में लगे रहे।

A. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B. A और R दोनों सही हैं पर R, A की सही व्याख्या नहीं करता।

C. A सही है पर R गलत है।

D. A गलत है पर R सही है।

गद्यांश- 2.

जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली हमेशा एक पहेली बने रहेंगे। बचपन के दिनों में, उनकी एयरगन से घायल होकर गिरने वाली, नीले कंठ की वह गौरैया सारी जिंदगी उन्हें खोज के नए-नए रास्तों की तरफ़ ले जाती रही। जिंदगी की ऊँचाइयों में उनका विश्वास एक क्षण के लिए भी डिगा नहीं। वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गये थे।

I. सालिम अली को "नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप" किसके समान बताया गया है?

A. चार्ल्स डार्विनB. लॉरेंस

C. जिम कॉर्बेटD. चार्ल्स वॉलेस

II. किस घटना ने सालिम अली को खोज के नए रास्तों की ओर प्रेरित किया?

A. एक दुर्लभ पक्षी की खोजB. एक किताब पढ़ना

C. एयरगन से एक नीले कंठ की गौरैया को घायल करनाD. किसी वैज्ञानिक से मुलाकात

III. सालिम अली के जीवन में कौन सा गुण हमेशा दृढ़ बना रहा?

A. प्रसिद्धि की चाहB. ऊँचाइयों से डर

C. जिंदगी की ऊँचाइयों में विश्वासD. आरामदायक जीवन की इच्छा

IV. मिलान कीजिए

कॉलम A	कॉलम B
A. नीले कंठ की गौरैया	1. खोज की शुरुआत का कारण
B. लॉरेंस	2. प्रकृति प्रेम और जीवन दर्शन के प्रतीक
C. एयरगन की घटना	3. जीवन का निर्णायक मोड़
D. जिंदगी की ऊँचाइयों में विश्वास	4. लक्ष्य के प्रति अटल समर्पण

	a	b	c	d
A	1	2	3	4
B	4	3	2	1
C	2	1	3	4
D	3	4	1	2

V.कथन (A): सालिम अली के जीवन में नीले कंठ की गौरैया एक महत्त्वपूर्ण मोड़ थी।

कारण (R): उस घटना ने उन्हें पक्षीविज्ञान की दिशा में प्रेरित किया।

A. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B. A और R दोनों सही हैं पर R, A की सही व्याख्या नहीं करता।

C. A सही है पर R गलत है।

D. A गलत है पर R सही है।

उत्तरमाला

गद्यांश-1

I B II C III C Iv A v A

गद्यांश-2

I B II C III C Iv A v A

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1: लेखक ने सालिम अली की तुलना उस सागर से क्यों की है जिसकी गहराई को कोई माप नहीं सका? इस तुलना के माध्यम से लेखक सालिम अली के व्यक्तित्व के किन पहलुओं को उजागर करना चाहता है?

उत्तर: लेखक ने सालिम अली की तुलना उस सागर से इसलिए की है जिसकी गहराई को कोई माप नहीं सका, क्योंकि सालिम अली का ज्ञान, अनुभव और प्रकृति के प्रति उनका समर्पण असीम और अथाह था। जिस प्रकार सागर की गहराई को मापना असंभव है, उसी प्रकार सालिम अली के प्रकृति जगत के गूढ़ रहस्यों और पक्षियों के जीवन के बारे में उनकी जानकारी की कोई सीमा नहीं थी।

इस तुलना के माध्यम से लेखक सालिम अली के व्यक्तित्व के निम्नलिखित पहलुओं को उजागर करना चाहता है:

* अगाध ज्ञान: सालिम अली पक्षी विज्ञान के एक विशाल और गहरे सागर के समान थे, जिनके पास इस क्षेत्र का विस्तृत और गहरा ज्ञान था।
* अथाह अनुभव: उन्होंने अपना पूरा जीवन पक्षियों के अध्ययन और संरक्षण में समर्पित कर दिया था, जिससे उनका अनुभव सागर की तरह विस्तृत और गहरा हो गया था।

* असीम समर्पण: प्रकृति और पक्षियों के प्रति उनका समर्पण इतना गहरा था कि उसकी कोई सीमा नहीं थी। वे इस क्षेत्र में अथक रूप से कार्यरत रहे।

* रहस्यमय व्यक्तित्व: जिस प्रकार सागर अपने गर्भ में अनेक रहस्य छिपाए रखता है, उसी प्रकार सालिम अली का व्यक्तित्व भी गहरा और रहस्यमय था, जिसे पूरी तरह से समझ पाना मुश्किल था।

प्रश्न 2: "प्रकृति की दुनिया में इस आदमी के लिए असंभव कुछ भी नहीं था।" इस कथन के संदर्भ में सालिम अली के जीवन और कार्यों के आधार पर सिद्ध कीजिए कि यह कथन कितना सार्थक है।

उत्तर: "प्रकृति की दुनिया में इस आदमी के लिए असंभव कुछ भी नहीं था।" यह कथन सालिम अली के जीवन और कार्यों के संदर्भ में पूरी तरह से सार्थक है। इसका प्रमाण उनके निम्नलिखित कार्यों से मिलता है:

* दुर्लभ पक्षियों की खोज: उन्होंने दूर-दराज के दुर्गम क्षेत्रों में जाकर दुर्लभ और लुप्तप्राय पक्षियों की खोज की और उनके बारे में महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की।

* पक्षी संरक्षण के लिए प्रयास: उन्होंने पक्षियों के संरक्षण के लिए अथक प्रयास किए और सरकार तथा समाज को इस दिशा में जागरूक किया। उन्होंने साइलेंट वैली को रेगिस्तानी हवा के झोंकों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

* अध्ययन और अनुसंधान: उन्होंने पक्षियों के जीवन, उनकी आदतों और उनके पर्यावरण पर गहन अध्ययन और अनुसंधान किया, जिससे पक्षी विज्ञान को नई दिशा मिली।

* बाधाओं को पार करना: उन्होंने अपने कार्यों के दौरान अनेक शारीरिक और आर्थिक बाधाओं का सामना किया, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहे।

इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि सालिम अली के लिए प्रकृति की दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं था। उन्होंने अपने ज्ञान, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति से हर मुश्किल को आसान बना दिया।

प्रश्न 3: कल्पना कीजिए कि आप सालिम अली के साथ किसी पक्षी अभयारण्य की यात्रा पर हैं। अपने अनुभवों को साझा करते हुए एक अनुच्छेद लिखिए जिसमें प्रकृति और पक्षियों के प्रति उनके गहरे प्रेम और ज्ञान का परिचय मिलता हो।

उत्तर: आज मैं भाग्यशाली हूँ कि मुझे प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली के साथ एक पक्षी अभयारण्य की यात्रा करने का अवसर मिला। सुबह की सुनहरी धूप पेड़ों की पत्तियों से छनकर आ रही थी और पक्षियों की मधुर चहचहाहट वातावरण में घुली हुई थी। सालिम अली हर एक आवाज को पहचानते थे और मुझे उस पक्षी के बारे में विस्तार से बताते थे - उसका रंग, उसकी आदतें, उसका घोंसला बनाने का तरीका। उनकी आँखों में पक्षियों के लिए एक अद्भुत चमक थी, जैसे वे उनके अपने परिवार के सदस्य हों। एक जगह, उन्होंने एक छोटे से रंगीन पक्षी को देखकर अपनी दूरबीन उठाई और मुझे उसके बारे में बताया कि यह प्रवासी पक्षी है और हर साल हजारों किलोमीटर की यात्रा करके यहाँ आता है। उनके ज्ञान की गहराई और प्रकृति के प्रति उनके अटूट प्रेम को देखकर मैं अभिभूत हो गया। ऐसा लग रहा था मानो प्रकृति की हर चीज़ उनसे बात करती हो और वे उसकी भाषा समझते हों। उनकी उपस्थिति में, यह अभयारण्य केवल पक्षियों का निवास स्थान नहीं, बल्कि एक जीवंत और रहस्यमय दुनिया लग रही थी, जिसके हर कोने में प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य छिपा हुआ था।

प्रेमचंद के फटे जूते - हरिशंकर परसाई

पाठ सारांश

प्रस्तुत पाठ निबन्ध शैली में रचित है। निबन्ध में हरिशंकर परसाई जी ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व की सादगी के साथ एक रचनाकार की अंतर्भेदी सामाजिक दृष्टि का विवेचन करते हुए आज की दिखावे की प्रवृत्ति एवं अवसरवादिता पर व्यंग्य किया है। परसाई जी प्रेमचंद के बाएं पैर के फटे जूते को देखकर आश्चर्यचकित होकर कहते है कि यदि पत्नी के साथ फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी? बाएं जूते में बड़ा छेद हो गया है, जिसमें से अंगुली बाहर निकल आई है। फिर भी चेहरे पर बड़ी बेपरवाही और विश्वास है। यह मुस्कान नहीं , इसमें उपहास है, व्यंग्य है। वह आगे कहता है कि इससे अच्छा होता कि तुम फोटो ही नहीं खिंचाते। प्रेमचंद जी फोटो खिंचाने का महत्व नहीं समझते । लोग तो ऐसे कामों के लिए जूते क्या कपड़े और बीवी तक माँग लेते हैं, इत्र लगाकर फोटो खिंचाते हैं ।

प्रेमचन्द जी महान कथाकार, उपन्यास-सम्राट, युग-प्रवर्तक, और जाने क्या-क्या कहलाते थे, मगर फोटो में महान कथाकार का जूता फटा हुआ है। फिर लेखक अपनी बात करता है कि मेरा जूता भी कोई अच्छा नहीं है, मगर अंगुली बाहर नहीं

निकलती पर अंगूठे के नीचे तला फट गया है जिससे अंगूठा रगड़ खाकर छिल जाता है, लेकिन जूता फटा होने के बावज़ूद प्रेमचन्द का पाँव सुरक्षित है। तुम पर्दे का महत्व नहीं समझते और हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं। फिर भी तुम मुस्करा रहे हो। लगता है तुमने किसी सख्त चीज़ से ठोकर मारकर अपना जूता फाड़ लिया। तुम उस सख्त चीज़ से बचकर उसके बगल से भी निकल सकते थे, पर तुम समझौता नहीं कर सके। मै समझता हूँ, तुम्हारी अंगुली का इशारा भी समझता हूँ और यह व्यंग्य मुस्कान भी समझता हूँ।

मुख्य बिंदु

निबंध में दिखावापूर्ण सामाजिक व्यवस्था पर व्यंग्य किया है।

फटे जूते सादगी ,ईमानदारी और सामाजिक संघर्ष के प्रतीक हैं।

व्यक्ति को विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी गरिमा और आत्मसम्मान बनाए रखना चाहिए।

यह पाठ मान सम्मान के खोखलेपन की आलोचना करता है।

फटे जूते प्रेमचंद जी की सादगी और गरीबी का प्रतीक है।

गद्यांश आधारित प्रश्न

गद्यांश-1

प्रेमचंद का एक चित्र मेरे सामने है, पत्नी के साथ फोटो खिंचा रहे हैं। सिर पर किसी मोटे कपड़े की टोपी, कुरता और धोती पहने हैं। कनपटी चिपकी है, गालों की हड़ियाँ उभर आई हैं, पर घनी मूंछे चेहरे को भरा-भरा बतलाती हैं।

पाँवों में कैनवस के जूते हैं, जिनके बंद बेतरतीब बँधे हैं। लापरवाही से उपयोग करने पर बंद के सिरों पर की लोहे की पतरी निकल जाती है और छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है। तब बंद कैसे भी कस लिए जाते हैं।

दाहिने पाँव का जूता ठीक है, मगर बाएँ जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से अँगुली बाहर निकल आई है।

मेरी दृष्टि इस जूते पर अटक गई है। सोचता हूँ-फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है, तो पहनने की कैसी होगी? नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी-इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है। यह जैसा है, वैसा ही फोटो में खिंच जाता है।

1. प्रेमचन्द जी ने किस तरह के जूते पहन रखे हैं ?

क) चमड़े के ख) कैनवस के

ग) कागज के घ) इनमे से कोई नहीं

2. प्रेमचन्द का किस पैर का जूता फटा हुआ है ?

क) बाएँ पैर का ख) दाएं पैर का

ग) दोनों पैरों का घ) किसी का भी नहीं

3. लेखक ने पोशाक न बदलने की बात से प्रेमचन्द जी की किस विशेषता की ओर संकेत किया है ?

क) दिखावा करने की ख) दिखावे से दूर रहने की

ग) पोशाक ढंग से नहीं पहनने कीघ) गरीबी की

4. प्रेमचन्द जी किसके साथ फोटो खिंचा रहे हैं ?

क) दोस्त के साथ ख) पिता के साथ

ग) पत्नी के साथघ) भाई के साथ

5. निम्नलिखित में से कौनसी विशेषता प्रेमचन्द जी की नहीं है ?

क) गालों की हड्डियाँ उभर आई हैंख) कुरता और धोती पहने हैं

ग) कनपटी चिपकी नहीं हैघ) चेहरे पर घनी मूँछें हैं

उत्तर:

1. ख) कैनवस के 2. क) बाएँ पैर का 3. ख) दिखावे से दूर रहने की 4. ग) पत्नी के साथ5. ग) कनपटी चिपकी नहीं है

गद्यांश- 2

मेरा जूता भी कोई अच्छा नहीं है। ये ऊपर से अच्छा दिखता है। अंगुली बाहर नहीं निकलती, पर अँगूठे के नीचे तला फट गया है। अँगूठा जमीन से घिसता है और पैनी मिट्टी पर कभी रगड़ खाकर लहूलुहान भी हो जाता है। पूरा तला गिर जाएगा, पूरा पंजा छिल जाएगा, मगर अँगुली बाहर नहीं दिखेगी। तुम्हारी अँगुली दिखती है, पर पाँव सुरक्षित है। मेरी अँगुली ढकी है, पर पंजा नीचे घिस रहा है। तुम पर्दे का महत्त्व ही नहीं जानते, हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं! तुम फटा जूता बड़े ठाठ से पहने हो! मैं ऐसे नहीं पहन सकता। फोटो तो जिंदगी भर इस तरह नहीं खिचाऊँ, चाहे कोई जीवनी बिना फोटो के छाप दे।

प्रश्न 1- उपर्युक्त गद्यांश में लेखक जीवन भर क्या न करने को कहता है ?

क) फटे जूते पहन कर फोटो खिंचाना ख) कुर्ता पहन कर रहना

ग़) ऑफिस जानाघ) पर्दा लगाना

प्रश्न 2- ' तुम पर्दे का महत्त्व ही नहीं जानते' से क्या अभिप्राय है?

क) सच्चाई सबको बतानाख) सच्चाई या कमी को छिपाकर दूसरों के सामने दिखावा करने का महत्त्व न जानना

ग) पर्दा बनाना नहीं जानना घ) किसी से बात करने का तरीका न आना

प्रश्न 3- लेखक के जूते का कौनसा भाग फटा हुआ है?

क) घुटने के नीचे वाला भागख) अंगूठे के ऊपर वाला भाग

ग) बाएं पैर का पूरा जूताघ) अंगूठे के नीचे तले वाला भाग

प्रश्न 4- फटा जूता बड़े ठाठ से कौन पहने हुए है?

क) प्रेमचन्द जीख) परसाई जी

ग) प्रेमचन्द जी की पत्नी घ) परसाई जी की पत्नी

प्रश्न 5- गद्यांश के लेखक का क्या नाम है?

क) हरिचरण परसाईख) हरिशरण परसाई

ग) हरिशंकर परसाईघ) हरिहरण परसाई

उत्तर

1. क) फटे जूते पहन कर फोटो खिंचाना
2. ख) सच्चाई या कमी को छिपाकर दूसरों के सामने दिखावा करने का महत्त्व न जानना
3. घ) अंगूठे के नीचे तले वाला भाग
4. क) प्रेमचन्द जी
5. ग) हरिशंकर परसाई

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1- चित्र देखकर लेखक की नजर प्रेमचंद के जूते पर क्यों अटक गई?

उत्तर - लेखक ने देखा कि प्रेमचंद के दाहिने पाँव का जूता तो ठीक था, परन्तु बाएँ पाँव के जूते में एक बड़ा छेद हो गया था, जिसमें से उनकी अँगुली बाहर निकल आई थी। लेखक ने जब यह देखा तो उनकी नज़र उस फटे जूते पर अटक गई।

प्रश्न 2 - फटे जूते देखकर लेखक को प्रेमचंद के कैसे व्यक्तित्व का पता चला?

उत्तर - फटे जूते को देखकर लेखक को लगा कि प्रेमचंद के पास कोई अलग-अलग पोशाक नहीं हैं, क्योंकि उन्हें देखकर लग रहा था कि उनमें कपड़े बदलने का गुण होगा ही नहीं। वे जैसे हैं, वैसे ही फोटो खिंचवाने आ गए होंगे। लेखक के अनुसार प्रेमचंद का जूता फट गया था और उनकी अँगुली बाहर दिख रही थी। इससे पता चलता है कि प्रेमचंद बिलकुल भी दिखावटी नहीं थे। वे सीधे-सादे व्यक्ति थे।

प्रश्न 3 - प्रेमचंद के चेहरे पर अधूरी मुसकान क्यों थी?

उत्तर - प्रेमचंद के चेहरे पर अधूरी मुसकान थी। इसका कारण यह था कि प्रेमचंद महान साहित्यकार होकर भी कष्टप्रद जिंदगी व्यतीत कर रहे थे। अभावों के कारण उनके जीवन की खुशियाँ व मुसकान मानो खो सी गई थी।

प्रश्न 4 - लेखक को क्यों लगता है कि प्रेमचंद फोटो का महत्व नहीं समझते? लेखक द्वारा दिए गए उदाहरणों द्वारा बताइए।

उत्तर - लेखक को लगता है कि प्रेमचंद फोटो का महत्व नहीं समझते। क्योंकि अगर वे फोटो का महत्व समझते, तो वे फटे जूते न पहनते और किसी से फोटो खिंचाने के लिए जूते माँग लेते। उदाहरण देते हुए लेखक कहते हैं कि लोग तो कोट माँग कर दूल्हा बन जाते हैंऔर मोटर माँग कर बारात निकाल लेते हैं। यहाँ तक कि फोटो खिंचाने के लिए तो बीवी तक माँग कर ले आते हैं और प्रेमचंद जी से जूते भी नहीं माँगे गए। इसी को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि प्रेमचंद जी को फोटो के महत्व का पता नहीं है। लेखक आगे और भी उदाहरण देते हैं |जैसे - लोग तो इत्र लगाकर फोटो खिंचाते हैं, उनके अनुसार इससे फोटो में खुशबू आ जाती है।

प्रश्न 5 - 'जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है'- पंक्ति का आशय क्या है?

उत्तर - यहाँ लेखक बताना चाहते हैं कि जूते का महत्त्व पाँव में तथा टोपी का महत्त्व सिर पर है, पर समाज में इसका विपरीत अर्थ लिया जाता है। समाज में जिनके पास रुपया पैसा है उनका महत्त्व अधिक है। ज्ञानवान और गुणी लोगों को अमीरों के सामने कई बार झुकना पड़ता है। तभी लेखक ने कहा है कि एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं अर्थात् धनवान व्यक्ति के सामने पचीसों ज्ञानवान और गुणी लोग कम आंके जाते हैं।

प्रश्न 6 - लेखक प्रेमचंद की व्यंग्य-मुसकान को क्यों समझ नहीं पा रहे हैं? लेखक प्रेमचंद की मुस्कान की तुलना किससे करता है?

उत्तर - लेखक प्रेमचंद की व्यंग्य-मुसकान को समझ नहीं पा रहे हैं। लेखक के अनुसार प्रेमचंद की व्यंग्य-मुसकान लेखक के साहस को हरा देने वाली प्रतीत हो रही है। यहाँ लेखक प्रेमचंद के कठिनाई से भरे जीवन में भी मुस्कुराने की वजह से परेशान हो रहे हैं। उन्हें प्रेमचंद की कुछ महत्वपूर्ण रचनाएँ याद आ जाती हैं और वे उन्हीं रचनाओं के पात्रों के साथ प्रेमचंद की मुस्कान की तुलना करने लगते हैं।

अभ्यास हेतु प्रश्न

चलने से जूता घिसता है, फटता नहीं। इस पंक्ति को सार्थक सिद्ध करने के लिए लेखक ने किसका उदाहरण दिया?

'सख्त और सदियों से परत-पर-परत जम गई चीज़' से लेखक का क्या अभिप्राय है?

प्रेमचंद की व्यंग्य-मुस्कान किसके लिए थी?

मेरे बचपन के दिन - महादेवी वर्मा

पाठ सारांश

प्रस्तुत संस्मरण में लेखिका महादेवी वर्मा जी ने अपने बचपन के बीते हुए उन दिनों को स्मृति के सहारे लिखा है जब वे विद्यालय में पढ़ रही थीं। इस अंश में लड़कियों के प्रति सामाजिक नजरिए, विद्यालय की सहपाठिनों, छात्रावास के जीवन और स्वतंत्रता आंदोलन के प्रसंगों का बहुत ही सजीव वर्णन है। लेखिका अपने बचपन के दिनों को याद कर कहती है कि कई सालों बाद वे परिवार में पहली लड़की के रूप में पैदा हुईं थीं। घर में हिन्दी का कोई वातावरण नहीं था लेखिका की माँ ने उसे संस्कृत, हिन्दी आदि की शिक्षा दी।

फिर मिशन स्कूल में जाने पर उनकी मुलाकात सुभद्रा कुमारी चौहान से हुई। उनके छात्रावास में विभिन्न स्थानों से आए बच्चों में एकता एवं सहानुभुति की भावना थी। वे कविता भी लिखती थी। कविता -पाठ में उन्हें हमेशा प्रथम पुरस्कार ही मिलता था। एक बार उन्होंने पुरस्कार में मिले चाँदी के कटोरे को दानस्वरूप गाँधी जी को स्वतंत्रता आंदोलन हेतु दे दिया। उनके घर के पास रहने वाले नवाब साहब के परिवार से उनके बड़े अच्छे संबंध थे। नवाब साहब ने ही उनके छोटे भाई का नामकरण किया था। उस समय लोगों में जैसी एकता और भाईचारा दिखता था , आजकल वह सपना -सा लगता है।

मुख्य बिन्दु:

1. 'मेरे बचपन के दिन' पाठ का उद्देश्य अपने बचपन की यादों को साझा करना और उससे जुड़े तथ्यों को बताना है ।

2. यह पाठ संस्मरण शैली में लिखा गया है।

3. इस कहानी से सीख मिलती है कि माता-पिता का कर्तव्य है कि बच्चों को बचपन से थोड़ा- थोड़ा काम करने की आदत डालें। तभी वे बड़े होकर निपुण बन सकते हैं। कहानी में एक समृद्ध परिवार के ऊधमी बच्चों का चित्रण है।

4. सन् 1900 के आसपास भारत में लड़कियों की दशा बहुत शोचनीय थी। लोगों का दृष्टिकोण बहुत बुरा था। प्रायः लड़कियों को जन्म देते ही मार दिया जाता था। उन्हें बोझ समझा जाता था।

5. पाठ का संदेश है कि हमें हमारे बचपन को समझना चाहिए और उससे सीखना चाहिए। बचपन एक ऐसा समय होता है जब हम निर्मल होते हैं और जीवन के लिए तैयार होते हैं। यह हमारे संचार, ज्ञान, और सभी जीवन के मूल्यों का निर्माण करता है।

6. लेखिका को बचपन में उर्दू पढ़ाने के लिए मौलवी रखा गया परन्तु उनकी इसमें रूचि न होने के कारण वो उर्दू-फारसी नही सीख पायीं।

गद्यांश आधारित प्रश्न

गद्यांश- 1

वहाँ छात्रावास के हर एक कमरे में हम चार छात्राएँ रहती थीं। उनमें पहली ही साथिन सुभद्रा कुमारी मिलीं। सातवें दर्जे में वे मुझसे दो साल सीनियर थीं। वे कविता लिखती थीं और मैं भी बचपन से तुक मिलाती आई थी। बचपन में माँ लिखती थीं, पद भी गाती थी। मीरा के पद विशेष रूप से गाती थीं। सवेरे "जागिए कृपानिधान पंछी बन बोले" यह सुना जाता था। प्रभाती गाती थीं शाम को मीरा का कोई पद गाती थीं। सुन-सुनकर मैंने भी ब्रजभाषा में लिखना आरम्भ किया। यहाँ आकर देखा कि सुभद्रा कुमारी जी खड़ी बोली भी जानती थीं। मैं भी वैसा ही लिखने लगी।

प्रश्न 1- महादेवी जी ब्रजभाषा से खड़ी बोली में क्यों लिखने लगीं ?

क) अपनी माँ से प्रेरित होकर ख) सुभद्रा कुमारी जी से प्रेरित होकर

ग) मीरा से प्रेरित होकर घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न - 2 छात्रावास में महादेवी जी की पहली साथिन कौन थी?

क) मीराख) माताजी

ग) सुभद्रा कुमारी चौहान घ) कृपानिधान

प्रश्न - 3 बचपन में महादेवी जी के लेखन पर सबसे ज्यादा किसकी छाप थी?

क) माँ की ख) सुभद्रा कुमारी की

ग) अपने पिता कीघ) अपने दादा की

प्रश्न - 4 गद्यांश में प्रभाती का क्या अर्थ है?

क) पराती ख) शाम को गाया जाने वाला गीत

ग) प्रातः काल में गाया जाने वाला गीतघ) कृष्ण से सम्बंधित गीत

प्रश्न - 5 "जागिए कृपानिधान पंछी बन बोले" में प्रयुक्त पंछी शब्द का तत्सम शब्द बताइए।

क) पुंगी ख) पंथी

ग) पंखुड़ी घ) पक्षी

उत्तर

1. ख) सुभद्रा कुमारी जी से प्रेरित होकर 2. ग) सुभद्रा कुमारी चौहान 3. क) माँ की 4. ग) प्रातः काल में गाया जाने वाला गीत5. घ) पक्षी

गद्यांश- 2

बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र-सा आकर्षण होता है। कभी-कभी लगता है, जैसे सपने में सब देखा होगा। परिस्थितियाँ बहुत बदल जाती हैं। अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई। मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं। सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे। फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा पूजा की।

हमारी कुल-देवी दुर्गा थीं। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है। परिवार में बाबा फारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी। हिन्दी का कोई वातावरण नहीं था।

प्रश्न - 1 विचित्र-सा आकर्षण किसमें होता है ?

क) बचपन की स्मृतियों में ख) बुढ़ापे की स्मृतियों में

ग) विद्यालय में घ) घर में

प्रश्न - 2 निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

क) बाबा फारसी और उर्दू जानते थे।ख) पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी।

ग) हिन्दी का अच्छा वातावरण था।घ) हमारी कुल-देवी दुर्गा थीं।

प्रश्न - 3 परमधाम भेजने के क्या तात्पर्य है?

क) पकड़ कर रखनाख) मार डालना

ग) पतंग उड़ानाघ) विद्यालय भेजना

प्रश्न - 4 बचपन की ये सभी बातें किसके द्वारा बताई गई हैं?

क) जयशंकर प्रसादख) सुभद्रा कुमारी चौहान

ग) महादेवी वर्मा घ) यशपाल

प्रश्न - 5 गद्यांश में किन भाषाओं के बारे में कहा गया है?

क) फारसी, मलयालम, हिन्दी, अंग्रेज़ी ख) कन्नड़, उर्दू, हिन्दी, अंग्रेज़ी

ग) फारसी, उर्दू, गुजराती, अंग्रेज़ी घ) फारसी, उर्दू, हिन्दी, अंग्रेज़ी

उत्तर

1. क) बचपन की स्मृतियों में 2. ग) हिन्दी का अच्छा वातावरण था।3. ख) मार डालना 4. ग) महादेवी वर्मा

5. घ) फारसी, उर्दू, हिन्दी, अंग्रेज़ी

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1: मिशन स्कूल में लेखिका का अनुभव कैसा रहा?

उत्तर: मिशन स्कूल में लेखिका का मन नहीं लगा। वहाँ का वातावरण और प्रार्थना उन्हें अलग लगी, जिससे वह वहाँ जाने में रोने लगीं।

प्रश्न 2: सुभद्रा कुमारी चौहान से लेखिका का परिचय कैसे हुआ?

उत्तर: क्रास्थवेट कॉलेज में लेखिका की पहली साथिन सुभद्रा कुमारी चौहान बनीं। वे कविता लिखती थीं और लेखिका भी तुकबंदी करती थीं। अतः दोनों मित्र बन गई।

प्रश्न 3: लेखिका ने चाँदी का कटोरा किसे दिया और क्यों?

उत्तर: लेखिका ने कविता सुनाने पर मिला चाँदी का कटोरा महात्मा गांधी जी को दे दिया। गांधी जी ने कटोरा देखकर पूछा, 'तू देती है इसे?' तो लेखिका ने देश हित के लिए उन्हें दे दिया।

प्रश्न 4: लेखिका को अपने बचपन की यादें कैसी लगती हैं?

उत्तर: लेखिका को अपने बचपन की यादें सपने जैसी लगती हैं और उन्हें लगता है कि अगर वह समय वापस आता तो भारत की कहानी कुछ और होती।

प्रश्न 5: लेखिका के समय में सांप्रदायिकता का कैसा माहौल था?

उत्तर: लेखिका के समय में सभी धर्मों और भाषाओं के लोग एक साथ मिल-जुलकर रहते थे और कोई विवाद नहीं होता था।

प्रश्न 6: लेखिका को कवि-सम्मेलनों में कैसा अनुभव होता था?

उत्तर: कवि-सम्मेलनों में लेखिका को अक्सर प्रथम पुरस्कार मिलता था। जब उनका नाम पुकारा जाता था तब वह बेचैन हो उठती थीं।

प्रश्न 7: ताई साहिबा का लेखिका के परिवार से कैसा रिश्ता था?

उत्तर: ताई साहिबा लेखिका के परिवार से बहुत घनिष्ठ थीं। वे राखी के दिन अपने बेटे की कलाई पर राखी बंधवाने के लिए लेखिका को बुलाती थीं। ताई साहिबा उनके यहाँ के जन्मदिन अपने यहाँ मनवाती थीं और त्योहार में शामिल होती थीं।

अभ्यास हेतु प्रश्न

प्रश्न 1: लेखिका के परिवार में लड़कियों की स्थिति कैसी थी?

प्रश्न 2: सुभद्रा जी ने लेखिका की कविताओं का पता कैसे लगाया?

प्रश्न 3: लेखिका ने कविता लिखने की शुरुआत कैसे की?

काव्य खंड

साखियाँ एवं सबद - कबीर

कबीर दास की साखियाँ दोहा छन्द में लिखी गई हैं। साखियाँ का अर्थ हैं 'आँखों देखी'। यह संस्कृति के "साक्षी" शब्द से लिया गया हैं जिसका अर्थ है साक्षात या आँखों से देखी हुई । कबीर की साखियाँ में भक्ति और ज्ञान के मार्ग को प्रमुखता दी गई है। कबीरदास जी कहते हैं कि ईश्वर भक्ति में ही सच्चा सुख है और यह केवल ज्ञान से ही सम्भव हैं। साखियाँ में भक्ति और ज्ञान के उपदेशों को संकलित किया गया है।

पाठ परिचय- इस पाठ में कवि द्वारा रचित सात साखियों का संकलन है। इनमें प्रेम का महत्व, संत के लक्षण, ज्ञान की महिमा, बाह्य आडंबरों का विरोध, सहज भक्ति का महत्व, अच्छे कर्मों की महत्ता आदि भावों का उल्लेख हुआ है । इसके अलावा इस पाठ में कबीर के सबद (पद) का संकलन भी हैजिसमें बाह्य आडंबरों का विरोध तथा अपने भीतर ही ईश्वर की प्राप्ति का संकेत है ।

साखियाँ

साखी -1 मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहि।
मुकताफल मुकता चुगै, अब उड़ी अनत न जाही।।

शब्दार्थ : मानसरोवर - तिब्बत में एक बड़ा तालाब ,मन रूपी सरोवरअर्थात् हृदय सुभर-अच्छी तरह भरा हुआ, हंस - हंस पक्षी,जीव का प्रतीक, केलि - क्रीड़ा, कराहि - करना, मुकताफल - मोती, प्रभु की भक्ति, अनत - अन्यत्र, कहीं और, जाहि - जाते हैं

भावार्थ : यह एक दोहा छन्द हैं। कैलाश पर्वत पर स्थित मानसरोवर झील का पानी एकदम साफ व निर्मल है जिसमें हंस निवास करता है और वह उसी मानसरोवर झील में मोती के दानों को चुग कर बड़े आनंद से क्रीड़ा करते हुए अपने जीवन को बिताता है। वह उस मानसरोवर झील को छोड़कर अन्यत्र कहीं नहीं जाना चाहता है।

कबीरदास जी का यह दोहा इसी संदर्भ को आधार मानकर लिख गया हैं। इस दोहे में कबीरदास जी कहते हैं कि जब व्यक्ति ईश्वर भक्ति में लीन हो जाता हैं तो उसका हृदय निर्मल हो जाता हैं।यानि जब व्यक्ति हृदय रूपी मानसरोवर में, क्रीड़ा (खेल) रूपी साधना कर रहा हो और क्रीड़ा करते हुए वह आनंदित होकर भक्ति रूपी मोती चुग रहा हो, तो फिर वह प्रभु की भक्ति को छोड़कर कहीं और नहीं जाना चाहता हैं।

दूसरे शब्दों में, व्यक्ति का मन अगर ईश्वर भक्ति में लग जाता है तो फिर उसे सांसारिक वासनाओं, मोह माया व बाह्य आडंबरों से कोई लेना देना नहीं होता है। उसे तो ईश्वर भक्ति में ही आनंद व खुशी प्राप्त होती हैं। फिर वह ईश्वर भक्ति का मार्ग छोड़कर किसी अन्य मार्ग में जाना नहीं चाहता हैं। इस दोहे में शांत रस का प्रयोग किया गया हैं।

साखी - 2 प्रेमी ढूँढ़त मैं फिरौं, प्रेमी मिले न कोई।
प्रेमी कों प्रेमी मिले, सब विष अमृत होइ।।

शब्दार्थ : प्रेमी - प्रेम करने वाला (प्रभु भक्त), फिरौं - घूमता हूं, होइ - हो जाता है, विष - ज़हर

भावार्थ :कबीरदास जी कहते हैं कि वो अपने प्रेमी (ईश्वर) को सब जगह ढूँढ़ते फिर रहे हैं, लेकिन उन्हें उनके प्रेमी (ईश्वर) कही नहीं मिल रहे हैं। कबीरदास जी कहते हैं कि अगर उन्हें उनके ईश्वर रुपी प्रेमी मिल जाए तो, उनके मन का सारा विष (दुख) अमृत (सुख) में बदल जायेगा। यानि भगवान की भक्ति से ही सारे दुखों का नाश होता हैं और सुखों की प्राप्ति होती हैं।

साखी-3 हस्ती चढ़िए ज्ञान कौं, सहज दुलीचा डारि।
स्वान रूप संसार है, भूँकन दे झक मारि।।
शब्दार्थ : हस्ती - हाथी, सहज - प्राकृतिक समाधि, दुलीचा - कालीन, स्वान - कुत्ता, भूकन दे - भोंकने दो, झख मारि - समय बर्बाद करना
भावार्थ : कबीरदास जी कहते हैं कि मनुष्य को हमेशा ही ज्ञान रूपी हाथी पर, साधना रुपी आसन बिछाकर सवारी करनी चाहिए।
कबीरदास जी कहते हैं कि जिस प्रकार कुत्तों के भौंकने के बावजूद, हाथी उनकी परवाह किए बगैर अपनी मस्ती में आगे बढ़ता जाता है। उसी प्रकार इस संसार के लोग भी आपको अच्छा-बुरा बोलते रहेंगे। आप उनकी बातों को अनसुना कर, उन्हें अनदेखा कर, अपने कर्तव्यों का पालन सहज रूप से करते हुए आगे बढ़ते रहिए। एक दिन वो थक हार कर, स्वयं ही चुपचाप बैठ जाएँगे। यहाँ पर संसार की तुलना भौंकने वाले कुत्तों से की है।
साखी - 4 पखापखी के कारने, सब जग रहा भुलान।
निरपख होई के हरि भजै, सोई संत सुजान।।
शब्दार्थ : पखापखी - पक्ष और विपक्ष, कारने - कारण, भूलान- भूला हुआ, निरपख - निष्पक्ष, भजै - भजन ,स्मरण करना, सोई - वही, सुजान - चतुर ,ज्ञानी
भावार्थ :कबीरदास जी कहते हैं कि पक्ष और विपक्ष के चक्कर में इस दुनिया के सारे लोग आपस में लड़ रहे हैंऔर वो अपने झगड़े में ईश्वर को ही भूल गए हैं। जो व्यक्ति बिना भेदभाव के निष्पक्ष होकर , ईश्वर की भक्ति में मग्न रहता है, सही अर्थों में वही सच्चा भक्त और अच्छा इंसान होता है।
साखी - 5 हिंदु मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाई।
कहै कबीर सो जीवता, दुहूँ के निकटि न जाइ।।
शब्दार्थ : मुआ - मर गया, सो जीवता - वही जीता है, दुहूँ - दोनों, निकटि - पास, नजदीक, जाई - जाता है
भावार्थ : उपरोक्त दोहे में कबीरदास जी कहते हैं कि हिंदू राम का नाम जपते हुए और मुसलमान खुदा का नाम जपते-जपते सारा जीवन बिता देते हैं। दोनों ही न ईश्वर और न ही खुदा को अच्छे से जान पाते हैं। यानि अंत में उन्हें कुछ भी हासिल नहीं होता हैं।
कबीरदास जी के अनुसार जो मनुष्य इन सब बातों से दूर रहता है, असल में वही जीवित हैं और उसका ही जीवन सार्थक है। अर्थात् मनुष्य को जाति-पाँति, धर्म सम्प्रदाय के भेदभाव से अपने आप को दूर रखना चाहिए। वही मनुष्य सही अर्थों पर जीता है जो ईश्वर की भक्ति पर लीन रहता है।
साखी - 6 काबा फिरि कासी भया, रामहिं भया रहीम।
मोट चुन मैदा भया, बैठी कबीरा जीम ।।
शब्दार्थ : काबा - मुसलमानों का पवित्र तीर्थ स्थान, कासी - हिंदुओं का पवित्र तीर्थ स्थल
भया - हो गया, मोट चून - मोटा आटा, बैठि - बैठकर, जीम - भोजन करना
भावार्थ : उपरोक्त दोहे में कबीरदास जी कहते हैं कि उस ईश्वर को मनुष्य चाहे काबा में जाकर ढूँढ़े या काशी में जाकर या फिर राम के नाम से पुकारे या रहीम के नाम से, सभी एक समान ही है।
जिस प्रकार गेहूँ को मोटा पीसने के बाद वह आटा बन जाता है। बारीक पीसने पर वह मैदा बन जाता है, लेकिन दोनों रूपों में गेहूँ पीसने के बाद खाने के ही काम आता है। उसी प्रकार प्रभु को आप किसी भी नाम से बुलाओ, प्रभु एक ही हैं। चाहे फिर उसे काबा जाकर ढूँढो या काशी।
साखी - 7 ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होई।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधु निंदा सोई।।
शब्दार्थ : जनमिया - पैदा होकर, करनी - कर्म, सुबरन- सोने का, कलस - घड़ा, सुरा -शराब, निंदा -बुराई, सोई - उसकी
भावार्थ : उपरोक्त दोहे में कबीरदास जी कहते हैं कि ऊँचे कुल में जन्म लेने से मनुष्य ऊँचा नहीं होता हैं। बल्कि अपने कर्मों से ऊँचा होता हैं। क्योंकि इंसान की असली पहचान तो उसके कर्मों से ही होती है ना कि उसके कुल से।

जिस प्रकार सोने के घड़े में रखी होने के बाद भी शराब, शराब ही रहेगी, अमृत नहीं बन जाएगी। शराब सोने के घड़े में होने के बाद भी साधु उसे बुरी चीज बता कर उसकी निंदा ही करेगा। उसी प्रकार ऊँचे कुल में जन्म लेने के बाद व्यक्ति अगर बुरे कर्म करता है तो लोग उसके कुल की अनदेखी कर, उसकी निंदा ही करेंगे यानी व्यक्ति अपने कर्मों से ही महान बन सकता है।

सबद (पद) -1
मोकों कहाँ ढूँढ़े बंदे , मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मस्जिद , ना काबे कैलास में।
ना तो कौने क्रिया-कर्म में , नहीं योग वैराग में।
खोजी होय तो तुरते मिलिहों , पल भर की तलास में।
कहें कबीर सुनो भाई साधो , सब स्वाँसों की स्वाँस में।
शब्दार्थ : मोको -मुझको, बंदे - मनुष्य, देवल - देवालय; मंदिर, काबा - मुसलमानों का तीर्थ स्थल, कैलास - कैलाश पर्वत जहां शिव का वास माना जाता है, कोने - किसी
क्रिया-कर्म - मनुष्य द्वारा ईश्वर प्राप्ति के लिए किए जाने वाले आडंबर,
योग - योग-साधना, बैराग - वैराग्य, तुरते - तुरंत, मिलीहों - मिलेंगे, तलास - खोज
भावार्थ : इन पंक्तियों में कबीर दास जी कहते हैं कि ईश्वर सर्वत्र व्याप्त हैं। लेकिन अपनी अज्ञानता वश मनुष्य ईश्वर की खोज में जीवन भर भटकता रहता है। कभी वह मंदिर जाता है तो कभी मस्जिद पहुँच जाता हैं। कभी काबा में तो, कभी कैलाश में ईश्वर को ढूँढ़ता रहता हैं। कभी उस ईश्वर को पाने के लिए पूजा-पाठ, तंत्र-मंत्र करता हैं या फिर साधु का चोला पहन कर वैराग्य धारण कर लेता हैं। इस प्रकार वह अपना सारा जीवन ईश्वर की खोज में व्यर्थ गंवा देता है। लेकिन ये सब बाह्य आडंबर या दिखावा से ज्यादा कुछ नहीं है।
कबीरदास जी के अनुसार भगवान तो मनुष्य के अंदर उसकी आत्मा में ही बसते हैं। वह हर जीव के भीतर ही विद्यमान हैं। उनसे मिलने के लिए आपको किसी बाहरी आडंबर की जरूरत नहीं है और न ही कहीं जाने की। अगर मनुष्य सिर्फ अपने अंदर ही झांककर देखे तो , उसे ईश्वर पल भर में मिल जायेंगे। यानि सरल शब्दों में इसका अर्थ यह हैं कि ईश्वर कण-कण में निवास करता है। उसको ढूँढ़ने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं हैं। बस आपको सच्चे मन से उसे देखना होता है।
काव्यांश
1- मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं ।
मुकताफल मुकता चुगैं, अब उड़ि अनत न जाहिं ।।

प्रेमी ढूँढत मैं फिरौं, प्रेमी मिले न कोइ ।
प्रेमी कौं प्रेमी मिलै, सब विष अमृत होइ ।।

1. साखियाँ एवं सबद के रचयिता कौन है ?
   (क) कबीर (ख) मीराबाई (ग) तुलसीदास (घ) ललद्यद
2. मानसरोवर में कौन क्रीड़ा कर रहा है ?
   (क) मछलियाँ (ख) हंस (ग) मगरमच्छ (घ) मनुष्य
3. हंस मुक्त होकर किसका आनंद ले रहे है ?
   (क) सरोवर से मछली चुगने का (ख) भक्ति रूपी मोती चुगने का
   (ग) सरोवर से मगरमच्छ पकड़ने का (घ) इनमे से कोई नहीं
4. कवि किसे ढूँढता फिर रहा है ?
   (क) ईश्वर प्रेमी को (ख) पशु प्रेमी को
   (ग) मनुष्य प्रेमी को (घ) साधु प्रेमी को

5. 'प्रेमी कौं प्रेमी मिलै' से क्या होता है ?
(क) अमृत विष हो जाता है (ख) सबकुछ नष्ट हो जाता है
(ग) लोग जलाते है (घ) विष अमृत हो जाता है

उत्तर : 1 - (क), 2 - (ख), 3 - (ख), 4 - (क) 5 - (घ)

2- पखापखी के कारने, सब जग रहा भुलान।
निरपख होई के हरि भजै, सोई संत सुजान।।

1. 'पखापखी' का आशय निम्नलिखित में से क्या है ?
(क) छोटे पंख-बड़े पंख (ख) बहुत सरे पंख (ग) पक्ष-विपक्ष (घ) इनमें से कोई नहीं
2. सब जग किसको भुला हुआ है ?
(क) स्वार्थ को (ख) परोपकार को (ग) स्वयं को (घ) प्रभु को
3. 'निरपख' होने का आशय क्या है ?
(क) तर्क-वितर्क के झगड़ों से दूर (ख) बिना पंख के
(ग) किसी मत को कट्टरता से मानना (घ) जिसके पंख कट गए है
4. 'संत सुजान' किसे कहा गया है ?
(क) तिलक करने वाले को (ख) राम नाम की चादर ओढ़ने वाले को
(ग) प्रातःकाल आरती गाने वाले को (घ) पक्ष-विपक्ष में न पड़कर प्रभु भक्ति करने वाले
5. 'सोई संत सुजान' में कौन-सा अलंकार है ?
(क) उपमा (ख) अन्योक्ति (ग) अतिशयोक्ति (घ) अनुप्रास

उत्तर : 1 - (ग), 2 - (घ), 3 - (क), 4 - (घ) 5 - (घ)

3- हिंदु मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाई।
कहै कबीर सो जीवता, दुहूँ के निकटि न जाइ।।
ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होई।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधु निंदा सोई ।।

1. कवि ने हिंदू-मुसलमान को 'मूआ' क्यों कहा है ?
(क) दोनों मृतकों जैसा काम करते है (ख) दोनों अंततः मर जाते है
(ग) सच्ची भक्ति के अभाव में दोनों के हाथ कुछ नहीं लगता है (घ) इनमें से कोई नहीं
2. कबीर साहब किसे 'जीवित' मानते है ?
(क) जो कहीं भी आ सकता है (ख) जो खुदा के प्रति नमाज़ अदा करते है
(ग) जो राम की भक्ति करते है (घ) जो धर्म का भेदभाव त्यागकर प्रभु भक्ति करते है
3. मनुष्य कब श्रेष्ठ माना जाता है ?
(क) ऊँचे कुल में जन्म लेने से (ख) अच्छे कर्म करने से
(ग) धन कमाने से (घ) दूसरों का अधिकार हड़प लेने से
4. 'करनी ऊँच न होई' पंक्ति का आशय क्या है ?
(क) व्यक्ति के कर्म भी अच्छे होने चाहिए
(ख) अच्छे कर्मों को महत्त्व नहीं दिया जाना है
(ग) व्यक्ति को ऊँचे कुल में पैदा होना चाहिए

(घ) इनमे से कोई नहीं

5. 'सुबरन कलस सुरा भरा' - इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

(क) अनुप्रास (ख) अन्योक्ति (ग) अतिशयोक्ति (घ) श्लेष

उत्तर : 1 - (ग), 2 - (घ), 3 - (ख), 4 - (घ) 5 - (घ)

4- मोको कहाँ ढूँढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में ।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में ।
ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग वैराग में ।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पल भर की तालास में ।
कहैं कबीर सुनो भई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में ।

1. काव्यांश में 'मोको' शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया गया है ?

(क) कवि के लिए (ख) ईश्वर के लिए

(ग) पुजारी के लिए (घ) इनमें से कोई नहीं

2. काव्यांश में 'खोजी' किसे कहा गया है ?

(क) जो मंदिर खोजता है (ख) जो तीर्थ स्थलों में ईश्वर को खोजता है

(ग) जो कवि को खोजता है (घ) जो सच्चे मन से प्रभु को खोजता है

3. सच्चा भक्त प्रभु को कितनी देर में खोज सकता है?

(क) एक दिन में (ख) साल भर में (ग) पलभर में (घ) इनमें से कोई नहीं

4. कवि के अनुसार ईश्वर कहाँ रहता है?

(क) मंदिर में (ख) योग-साधना में (ग) मस्जिद में (घ)सभी प्राणियों में

5. 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' - पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(क) यमक (ख) अन्योक्ति (ग) अनुप्रास (घ) उत्प्रेक्षा

उत्तर : 1 - (ख), 2 - (घ), 3 - (ग), 4 - (घ) 5 - (ग)

अतिरिक्त प्रश्न

1. कबीर दास जी का जन्म कहां हुआ था?

(क) मगहर (ख) काशी (ग) अवध (घ) इनमें से कोई नहीं

2. कबीर दास जी मृत्यु कहां हुई थी?

(क) मगहर (ख) काशी (ग) अवध (घ) इनमें से कोई नहीं

3. निम्न में से साखियां किसके द्वारा रचित हैं?

(क) कबीर दास (ख) मीराबाई (ग) तुलसीदास (घ) सूरदास

4. मानसरोवर में कौन विहार कर रहा है?

(क) मछलियाँ (ख) हंस (ग) मगरमच्छ (घ) मनुष्य

5. "ढूंढत" का शब्दार्थ है?

(क) बिसराना (ख) रोना (ग) याद करना (घ) खोजना

6. 'सोई संत सुजान' में "सुजान" का क्या अर्थ हैं?

(क) मतलबी (ख) बुद्धिहीन (ग) चतुर (घ) स्वार्थी

7. निम्नलिखित कविओं में भक्तिकालीन कवि कौन हैं?

(क) प्रेमचंद (ख) कबीर दास (ग) चपला देवी (घ) महादेवी वर्मा

8. कबीरदास का जन्म हुआ -
(क) सन् 1398 ख) सन् 1718 ग) सन् 1618 घ) सन् 1818
9. काबा कहाँ स्थित है -
(क) अमेरिका में ख) सऊदी अरब में ग) भारत में घ) रूस में
10. काबा किसका तीर्थ स्थल है?
(क) हिंदुओं का (ख) मुसलमानों का (ग) ईसाइयों का (घ) सिखों का
11. ऊंचे कुल का जनमिया निम्न पंक्तियों में 'कुल' का अर्थ है-
(क) वंश (ख) ज्यादा (ग) योग (घ) बहुत
12. बीजक किसकी रचना है?
(क) रसखान (ख) कबीर (ग) ललद्यद (घ) महादेवी वर्मा
13. मनुष्य ईश्वर को कहां ढूंढता फिरता है?
(क) मंदिर- मस्जिद में (ख) दर- ब- दर(ग) गली - गलियारे (घ) गांव - शहर
14. "सब स्वाँसों की स्वाँस में" निम्न पंक्तियों का आशय है?
(क) ईश्वर कण- कण में है (ख) ईश्वर स्वर्ग में है(ग) ईश्वर मंदिरों में है (घ) ईश्वर गाँव में है
15. 'योग' कौन सा शब्द है?
(क) संकर (ख) अरबी (ग) तत्सम (घ) तद्भव
16. "उदित भया तम खीना " निम्न पंक्तियों में "खीना" का अर्थ है?
(क) जीवित (ख) मरना (ग) क्षीण हुआ (घ) अधमरा
17. मिलान में प्रत्यय है?
(क) मि (ख) मिल (ग) आन (घ) लान
18. कबीर ने संत के क्या लक्षण बताए हैं?
(क) वह किसी एकमत को मानता है। (ख) वह अपने पक्ष का समर्थन करने वाला होता है।
(ग) वह निरपेक्ष होकर ईश्वर का भजन करता है। (घ) वह सभी मतों को मानता है।
19. मनुष्य कब महान कहलाता है?
(क) जब वह ऊंचे कुल में जन्म लेता है। (ख) जब उसके माता-पिता धनी होते हैं।
(ग) जब वह अपने धर्म संप्रदाय को बढ़ावा देता है। (घ) जब उसके कर्म ऊंचे होते हैं।
20. कबीर दास ने किए -
(क) समाज सुधार के कार्य (ख) आर्थिक सुधार के कार्य
(ग) धार्मिक कार्य (घ) धार्मिक और आर्थिक दोनों

प्रश्न अभ्यास के उत्तर:

प्रश्न	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उत्तर	ख	क	क	ख	घ	ग	ख	क	ख	ख
प्रश्न	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
उत्तर	क	ख	क	क	ग	ग	ग	ग	घ	क

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
प्रश्न 1- कबीर के अनुसार काबा कब काशी हो जाता है?
उत्तर - जब मनुष्य का मन हिंदू-मुसलमान के ऊपरी भेदभाव से ऊपर उठ जाता है।
प्रश्न 2. कबीर का 'मोट चून मैदा भया' से क्या अभिप्राय है स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- 'मोट चून' का आशय है-बेकार वस्तु (अन्य धर्म)। मैदा का आशय है - मूल्यवान वस्तु अर्थात् अपना धर्म।कबीर कहते हैं कि यदि मन में सद्भावना और प्रेम हो तो अन्य धर्म भी हमें भले प्रतीत होने लगते है।

प्रश्न3. कबीर के अनुसार उच्चकुलीन व्यक्ति को क्यों ऊँचा नहीं माना जाता? उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न 4. मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूंढ़ता है? अंततः यह कहाँ मिलता है?अथवा

मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ खोजता है? उसे प्रभु की प्राप्ति कहाँ हो सकती है?

उत्तर- मनुष्य ईश्वर को धार्मिक स्थलों, तीर्थों, व्रत-वैराग्य और कर्मकांडों में ढूँढ़ता है। परंतु ईश्वर तो घट-घट में व्याप्त है। अतः वह अंततः साधक को अपने हृदय में ही मिलता है।

वाख - ललद्यद

सारांश एवं मूल भाव - 'वाख' का सामान्य अर्थ होता है वाणी । ललद्यद के प्रथम वाख में ईश्वर प्राप्ति हेतु किए जाने वाले प्रयासों की व्यर्थता का उल्लेख है । दूसरे वाख में बाह्य आडंबरों के विरोध में कहा गया है कि अंतः करण से समभावी होने के पश्चात ही मनुष्य की चेतना व्यापक या विस्तृत हो सकती है । तीसरे वाख में कवयित्री यह अनुभव करती है कि भवसागर से पार जाने के लिए सच्चे कर्म ही सहायक होते हैं। चौथे वाख में ईश्वर की सर्वव्यापकता का बोध और भेदभाव के विपरीत चेतना का उल्लेख है । अतः कवयित्री ललद्यद ने आत्मज्ञान को ही सत्य ज्ञान के रूप में स्वीकार किया है ।

वाख - 1

रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।
जाने कब सुन मेरी पुकार, करें देव भवसागर पार।
पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे।
जी में उठती रह-रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे।।

शब्दार्थ : रस्सी कच्चे धागे की - कमजोर और नाशवान सहारे, नाव - जीवन रूपी नौका, भवसागर - संसार रूपी सागर, कच्चे सकोरे - स्वाभाविक रूप से अशक्त या कमजोर, व्यर्थ - बेकार, प्रयास - प्रयत्न, हूक - वेदना; तड़प, चाह - चाहत; इच्छा

भावार्थ : उपरोक्त काव्य खंड में कवयित्री ने अपनी जिंदगी की तुलना नाव से और अपनी श्वासों (साँस) की तुलना कच्ची डोरी से की है। कवयित्री कहती है कि मैं अपनी जिंदगी रूपी नाव को अपनी श्वासों रूपी कच्ची डोरी से खींच रही हूं। यानि जैसे-तैसे अपनी जिंदगी गुजार रही है । आगे कवयित्री कहती हैं कि पता नहीं कब प्रभु उनकी करुण पुकार सुनकर, उन्हें इस संसार के जन्म मरण रूपी भवसागर से पार उतारेंगे। यहाँ पर कवयित्री ने अपने शरीर की तुलना कच्ची मिट्टी के घड़े या बर्तन से की है जिसमें से लगातार पानी टपक रहा है। कवयित्री के कहने का तात्पर्य यह हैं कि हर बीतते दिन के साथ उनकी उम्र कम होती जा रही है और प्रभु से मिलने के उनके सारे प्रयास व्यर्थ होते जा रहे हैं। कवयित्री आगे कहती है कि उनके दिल में बार-बार एक ही पीड़ा उठती है की कब यह नश्वर देह संसार छोड़कर वह प्रभु के पास पहुँच जाए और सांसारिक कष्टों से मुक्ति पा सकें ।

वाख - 2

खा खा कर कुछ पाएगा नहीं,
न खाकर बनेगा अहंकारी।
सम खा तभी होगा समभावी,
खुलेगी साँकल बन्द द्वार की।

शब्दार्थ :अहंकारी - घमंडी, सम - इंन्द्रियों का शमन, समभावी - समानता की भावना, खुलेगी सांकल बंद द्वार की - व्यापक चेतना की स्थिति

भावार्थ : इस काव्य खंड में कवयित्री ने जीवन में संतुलन बनाकर चलने की अहमियत को समझाया है। जीवन में मध्यम मार्ग को अपनाने की बात कही हैं। कवयित्री कहती हैं कि मनुष्य को बहुत अधिक सांसारिक वस्तुओं व भोग-विलासिता में लिप्त नहीं रहना चाहिए। इससे भी कुछ हासिल नहीं होगा। बल्कि इससे वह प्रतिदिन आत्म केंद्रित बनता चला जाएगा और एकदम सब कुछ त्याग कर वैराग्य धारण करने से भी कुछ हासिल नहीं होगा। इससे भी व्यक्ति अहंकारी बन जाएगा।

आगे कवयित्री कहती हैं कि इसीलिए जीवन में संतुलन बनाकर चलना जरूरी है। न बहुत ज्यादा सांसारिक चीजों में लिप्तता और न ही एकदम वैराग्य की भावना रखनी चाहिए बल्कि दोनों को बराबर संतुलित मात्रा में अपने जीवन में जगह देनी चाहिए। जिससे समानता की भावना मन में उत्पन्न होगी। हृदय में दूसरों के लिए प्रेम, दया, करुणा, उदारता की भावना जन्म लेगी। मन की दुविधा दूर होंगी। फिर हम सभी लोगों को खुले मन से अपने जीवन में अपना पाएँगे या अपने हृदय के द्वार सभी लोगों के लिए समान भाव से खोल पाएंगे।

वाख - 3

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।
सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह !
ज़ेब टटोली कौड़ी ना पाई।
माझी को दूँ , क्या उतराई ?

शब्दार्थ : राह - रास्ता, सुषुम-सेतु - सुषुम्ना नाड़ी रूपी पुल, शरीर की तीन प्रधान नांडियाँ इंगला, पिंगला, सुषुम्ना, जेब टटोली - आत्म निरीक्षण किया, कोड़ी ना पाई - कुछ प्राप्त नहीं हुआ, माझी - नाविक ,जीवन की बागडोर संभालने वाला ईश्वर, उतराई - अच्छे कर्मों का फल, पार उतारने का किराया

भावार्थ : इस काव्य खंड में कवयित्री अपने किये कर्मों पर पश्चाताप कर रही हैं। वो कहती हैं कि जब वो इस दुनिया में आई थी यानी जब उन्होंने जन्म लिया था, तब उनका मन एकदम पवित्र व निर्मल था। उनके मन में किसी के प्रति राग-द्वेष की भावना नहीं थी। लेकिन अब जब जाने का समय आया है तो उनका मन छल-कपट, भेदभाव और सांसारिक माया मोह के बंधनों से भरा पड़ा है और उन्होंने परमात्मा को पाने का या उनसे मिलने का सीधा रास्ता यानी भक्ति के मार्ग को चुनने के बजाय हठयोग मार्ग को चुना तथा अपने और परमात्मा के बीच सेतु बनाने के लिए कुंडली योग को जागृत करने का सहारा लिया। परंतु वे अपने इस प्रयास में भी असफल हो गई।

अब जब उनको अपनी गलती का एहसास हुआ हैं तो बहुत देर हो चुकी है। अब वो मृत्यु के एकदम निकट पहुँच चुकी हैं। कवयित्री कहती हैं कि अब जब वह अपनी जिंदगी का हिसाब-किताब करने बैठी हैं तो उन्हें अपनी झोली खाली नजर आ रही हैं। तब उन्हें लगता हैं कि उन्होंने अपने पूरे जीवन में पुण्य कर्म या अच्छे कर्म तो किये ही नहीं और अब उनके पास पुण्य कर्म करने का समय भी खत्म हो चुका है और परमात्मा से मिलने का समय बहुत पास चुका है। कवयित्री आगे कहती हैं कि जब परमात्मा मुझे जन्म मरण के इस भवसागर से पार उतारेंगे तो वो उनको उतराई (मेहनताने) के रूप में भेंट स्वरूप क्या देंगी ?

वाख - 4

थल थल में बसता है शिव ही,
भेद न कर क्या हिन्दू-मुसलमां।
ज्ञानी है तो स्वयं को जान,
यही है साहिब से पहचान।।

शब्दार्थ : जल-थल - सर्वत्र, कण- कण, शिव - ईश्वर, प्रभु, भेद - अंतर, ज्ञानी - ज्ञान रखने वाला, साहिब - स्वामी, ईश्वर का प्रतिरूप

भावार्थ : इस काव्य खंड में कवयित्री कहती हैं कि ईश्वर कण-कण में बसता है। वह सबके हृदय में मौजूद है। इसीलिए हमें हिंदू और मुसलमान का भेदभाव अपने मन में नहीं रखना चाहिए। कवयित्री आगे कहती हैं कि अगर तुम सच में ज्ञानी हो, तो सबसे पहले अपने अंदर झांक कर देखो, अपने आपको पहचानो, अपने मन को पवित्र व निर्मल करो, क्योंकि ईश्वर से मिलने का यही एकमात्र रास्ता है।

पठित काव्यांश

1- रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।
जाने कब सुन मेरी पुकार, करें देव भवसागर पार।
पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे।
जी में उठती रह-रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे।।

1. काव्यांश में 'नाव' किसका प्रतीक है ?

(क) नदी पार करने का साधन (ख) झील में बोटिंग का साधन

(ग) मानव शरीर का (घ) इनमें से कोई नहीं

2. भवसागर पार करने के लिए कवयित्री क्या आवश्यक मानती है ?

(क) नाव (ख) हवाई जहाज (ग) रेल गाड़ी (घ) प्रभु भक्ति

3. कवयित्री का कौन-सा प्रयास व्यर्थ हो रहा है ?

(क) प्रभु से मिलन का (ख) सुख-प्राप्ति का

(ग) धन-प्राप्ति का (घ) इनमें से कोई नहीं

4. कवयित्री 'घर' जाना चाहती है । यहाँ 'घर' किसका प्रतिक है ?

(क) उसका नया घर (ख) परमात्मा के पास (मुक्ति प्राप्ति हेतु)

(ग) सरकारी आवास (घ) इनमें से कोई नहीं

5. 'भवसागर' में कौन-सा अलंकार है ?

(क) यमक (ख) रूपक (ग) अनुप्रास (घ) श्लेष

उत्तर : 1 - (ग), 2 - (घ), 3 - (क), 4 - (ख), 5 - (ख)

2- आई सीधी राह से, गई न सीधी राह ।
सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह !
जेब टटोली, कौड़ी न पाई ।
माझी को दूँ, क्या उतराई ?

1. कविता और कवि का सही विकल्प चुनिए ।

(क) कैदी और कोकिला - ललद्यद (ख) साखियाँ एवं सबद - कबीर

(ग) वाख - ललद्यद (घ) सवैये - रसखान

2. कवयित्री ने यहाँ कौन-सी नाड़ी का उल्लेख किया है ?

(क) इंगला (ख) पिंगला (ग) सुषुम्ना (घ) इनमे से कोई नहीं

3. 'जेब टटोलने' से यहाँ क्या आशय है ?

(क) बुरे कर्मों की पूँजी गिनना (ख) सद्कर्मों की पूँजी गिनना

(ग जेब में रखे रुपयें गिनना (घ) बैंक में जमा किए गए रुपयें गिनना

4. 'माझी' शब्द यहाँ किसके लिए प्रयुक्त किया गया है ?

(क) शिष्य या छात्र (ख) माता या पिता

(ग) आचार्य और प्रधानाचार्य (घ) गुरु या ईश्वर

5. 'सुषुम-सेतु' में कौन-सा अलंकार है ?

(क) अनुप्रास (ख) मानवीकरण (ग) उपमा (घ) यमक

उत्तर : 1 - (ग), 2 - (ग), 3 - (ख), 4 - (घ), 5 - (क)

3- थल-थल में बसता है शिव ही,
भेद न कर क्या हिन्दू-मुसलमां।
ज्ञानी है तो स्वयं को जान,
यही है साहिब से पहचान।।

1. कवयित्री ने काव्यांश में 'शिव' किसे कहा है ?

(क) पार्वती पति को (ख) अपने प्रभु को

(ग) उमिया पति को (घ) इनमे से कोई नहीं

2. कवयित्री ने 'शिव' का वास कहाँ बताया है ?

(क) जल में (ख) आकाश में (ग) सर्वत्र (घ) इनमे से कोई नहीं

3. 'भेद न कर क्या हिन्दू-मुसलमां' में क्या सन्देश निहित है ?

(क) हिंदू भेदभाव न करें (ख) हिंदू मुसलमान अपने-अपने ढंग से भक्ति करें

((गहिंदू भेदभाव न करें (घ) धार्मिक संकीर्णता को त्यागने का

4. स्वयं को जानने से ईश्वर को कैसे पहचाना जाता है ?

(क) खुद को जानने से भक्ति में मन लगेगा

(ख) हम भेदभाव त्याग कर सबको समान मानेंगे

(ग) अपने बारे में दूसरों को बता सकेंगे

(घ) क्योंकि ईश्वर प्रत्येक प्राणी में बसता है

5. 'थल-थल में बसता है' - इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

(क) अनुप्रास (ख) मानवीकरण (ग) उपमा (घ) पुनरुक्ति प्रकाश

उत्तर : 1 - (ख), 2 - (ख), 3 - (घ), 4 - (घ), 5 - (घ)

अतिरिक्त प्रश्न-

1. "रस्सी कच्चे धागे की" कवयित्री का क्या आशय है?

(क) धागा अच्छा है ख) धागा कपास का है ग) साँसे घ) कमजोर साथी

2. 'नाव' किसे कहा गया है?

(क) संसार को ख) घर -बार को (ग)दौलत को (घ) जीवन को

3. कवयित्री किस के घर जाना चाहती है?

(क) पति के ख) परमात्मा के (ग) मायके (घ) प्रेमी के

4. "माँझी को दूं क्या उतराई" में मांझी कौन है?

(क) मल्लाह (ख) पति (ग) साथी (घ) परमात्मा

5. कवयित्री ने "उतराई " किसे माना है?

(क) चंचलता को (ख) सद्कर्मों को (ग) क्रोध और मोह को (घ) ईर्ष्या - द्वेष को

6. कवयित्री ने परमात्मा के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है?

(क) राम (ख) कृष्ण (ग) शिव (घ) ब्रह्म

7. "जेब टटोली कौड़ी ना पाई" में जेब टटोलने का क्या भाव है?

(क) तलाशी लेना (ख) पैसे निकालना

(ग) आत्म सम्मान खोया (घ) आत्मा लोचन किया

8. "खुलेगी सांकल बंद द्वार की" का क्या भाव है?

(क) द्वार खुल जाएगा (ख) मन मुक्त होगा

(ग) घर में कोई होगा (घ) कोई आकर घर खोलेगा

9. कवयित्री ने 'सर्वत्र ' के लिए कौन सा शब्द प्रयोग किया है?

(क) थल - थल (ख) जल - थल (ग) स्थल - थल (घ) नभ - थल

10. "वाख " का शाब्दिक अर्थ क्या है?

(क) साखी (ख) दोहा (ग) वाणी (घ) व्याख्या

11. कवयित्री कौन सा सागर पार कर लेना चाहती है?

(क) प्रशांत (ख) हिंद (ग) भव (घ) अरब

12. कवयित्री के अनुसार ' साहिब' कौन है?

(क) परमात्मा (ख) पति (ग) मालिक (घ) राजा

13. "कवयित्री ने कच्चे सकोरे"किसे कहा है?

(क) कमजोर को (ख) मिट्टी के बर्तन को

(ग) कच्चे भोज को (घ) नाशवान शरीर को

14. कवयित्री ललद्यद का जन्म कब हुआ था?

(क) 1330 (ख) 1350 (ग) 1319 (घ) 1320

15. 'भवसागर' का अर्थ है?

(क) विशाल समुद्र (ख) संसार (ग) स्वर्ग लोक (घ) इनमें से कोई नहीं

16. 'हूक' से क्या तात्पर्य है?

(क) हथियार (ख) तड़प (ग) आनंद (घ) चाह

17. "मुक्ति रूपी द्वार कब खुलता" है?

(क) जब मनुष्य हठयोग करता है|

(ख) जब मनुष्य भोगी बन जाता है|

(ग) जब मनुष्य सुख-दुख में संतुलित रहता है|

(घ) जब मनुष्य तंत्र साधनाओं का सहारा लेता है|

18. कवयित्री को जीवन के अंत में क्या प्राप्त हुआ?

(क) ईश्वर के दर्शन (ख) सुख (ग) संतोष (घ) कुछ भी नहीं

19. कवयित्री ललद्यद का जन्म कहां हुआ था?

(क) राजस्थान (ख) उड़ीसा (ग) कश्मीर (घ) गुजरात

20. ललद्यद के प्रसिद्ध है?

(क) दोहे (ख) पद (ग) वाख(घ) साखी

प्रश्न अभ्यास के उत्तर

प्रश्न	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उत्तर	ग	घ	ख	घ	ख	ग	घ	ख	क	ग
प्रश्न	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
उत्तर	ग	क	ग	घ	ख	ख	ग	घ	ग	ग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न 1. 'वाख' का अर्थ क्या है? इस कविता में 'रस्सी' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर- 'वाख' अनुभव के आधार पर लिखी गई कविता को कहते हैं। यहाँ 'रस्सी' जीवन जीने के साधनों को और नश्वर आयु' को कहा गया है।

प्रश्न 2. कवयित्री ललद्यद किस रस्सी से कौन-सी नाव खींचना चाहती है?

उत्तर- वह कच्चे धागे की रस्सी से जीवन रूपी नाव खींचना चाहती है। आशय यह है कि वह नश्वर साँसों के बल पर जीवन का निर्वाह कर रही है।

प्रश्न 3. कवयित्री ने परमात्मा-प्राप्ति का क्या उपाय बताया है?

उत्तर- कवयित्री के अनुसार, परमात्मा-प्राप्ति के लिए दिल में 'हूक' उठना आवश्यक है। दूसरे, जीवन में त्याग और भोग के बीच सहज जीवन जीना आवश्यक है। न भोग में आसक्ति, न त्याग का आग्रह और न हठयोग। इनसे कुछ हाथ नहीं आता। परमात्मा को जानने के लिए आवश्यक है कि मनुष्य पहले मन को टटोले, अपने आप को जाने, आत्मज्ञान प्राप्त करे।

प्रश्न 4. कवयित्री ललद्यद का दिन यूँ ही किस प्रकार बीत गया?

उत्तर- कवयित्री ललद्यद का दिन व्यर्थ की साधनाओं में भटक गया। उन्हें उनसे कुछ नहीं मिला। अतः उन्हें लगा कि उनका दिन व्यर्थ ही बीत गया।

प्रश्न 5. कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए कौन-कौन से प्रयास किए जा रहे हैं जो व्यर्थ हो रहे हैं? ललद्यद ने परमात्मा-प्राप्ति का क्या उपाय बताया है?

उत्तर- कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए हठयोग-साधना करने का प्रयास किया जा रहा था जो कि व्यर्थ हो गया। उन्होंने बताया है कि परमात्मा को पाने का सच्चा उपाय यह है कि त्याग और भोग के बीच संतुलन बैठाया जाए और मन में परमात्मा को पाने की हूक उठे।

सवैये- रसखान

कवि परिचय-रसखान

इनका जन्म सन 1548 में हुआ माना जाता है। इनका मूल नाम सैय्यद इब्राहिम था और दिल्ली के आस-पास के रहने वाले थे। कृष्णभक्ति ने उन्हें ऐसा मुग्ध कर दिया कि गोस्वामी विट्ठलनाथ से दीक्षा ली और ब्रजभूमि में रहने लगे। सन 1628 के लगभग उनकी मृत्यु हो गयी।

उपलब्ध कृतियाँ:- सुजान रसखान और प्रेम वाटिका।

पदों की व्याख्या:-

(1) मानुस हौं तो वही रसखानि, बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन॥
पाहन हौं तो वही गिरि को, जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।
जौ खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन॥

शब्दार्थ:-

बंसौ - बसना, रहना•कहा बस - वश में न रहना• मँझारन - बीच में• गिरि -पहाड़• पुरंदर - इन्द्र• कालिंदी - यमुना

भावार्थ- इन पंक्तियों द्वारा रसखान ने अपने आराध्य श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के प्रति लगाव को प्रदर्शित किया है। वे कहते हैं कि अगर अगले जन्म में उन्हें मनुष्य योनि मिले तो वे गोकुल के ग्वालों के बीच रहना पसंद करेगा। अगर पशु योनि प्राप्त हो तो वे ब्रज में ही रहना चाहते हैं ताकि वे नन्द की गायों के साथ विचरण कर सकें। अगर पत्थर भी बन जाएँ तो भी उस पर्वत का जिसे हरि ने अपनी तर्जनी पर उठा ब्रज को इन्द्र के प्रकोप से बचाया था। अगर पक्षी बने तो यमुना किनारे कदम्ब की डालों में बसेरा करना चाहेंगे। वे हर हाल में श्रीकृष्ण का सान्निध्य चाहते हैं चाहे इसके लिए उन्हें कोई भी परेशानी का सामना करना पड़े।

सवैये-1 (बहुविकल्पी प्रश्न):-

1. रसखान अगले जन्म में मनुष्य बनकर कहाँ निवास करना चाहते हैं?
(क) मथुरा में (ख) बनारस में (ग) गोकुल में (घ) वृन्दावन में

2. पक्षी के रूप में कदंब के पेड़ों की डाल पर कौन बसेरा बनाना चाहता है?
(क) मोर (ख) कवि रसखान (ग) कोयल (घ) इनमें से कोई नहीं

3. रसखान किस पर्वत का पत्थर बनना चाहते हैं?
(क) हिमालय (ख) विंध्याचल (ग) नीलगिरी (घ) गोवर्धन

4. किससे गहरा प्रेम होने के कारण रसखान को ब्रजभूमि से गहरा लगाव है?
(क) श्रीकृष्ण से (ख) यशोदा से (ग) राधा से (घ) गोपियों से

5. पहले सवैये से किस प्रकार के भाव का पता चलता है?
(क) प्रेमिका के प्रति समर्पित प्रेमभाव का। (ख) द्वारकापुरी के प्रति प्रेमभाव का।
(ग) द्वारकाधीश और उनकी क्रीड़ास्थली के प्रति प्रेमभाव का।
(घ) ब्रज की संस्कृति के प्रेमभाव का।

उत्तर - 1. (ग) गोकुल में 2. (ख) कवि रसखान 3. (घ) गोवर्धन 4. (क) श्रीकृष्ण से
5. (ग) द्वारकाधीश और उनकी क्रीड़ास्थली के प्रति प्रेमभाव का।

(2) या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।

आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं॥
रसखान कबौं इन आँखिन सौं ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं॥

शब्दार्थ:-

• कामरिया - कम्बल• तड़ाग- तालाब• कलधौत के धाम - सोने-चाँदी के महल• करील - काँटेदार झाडी• वारौं - न्योछावर करना

भावार्थ- यहाँ रसखान कह रहे हैं हैं कि श्रीकृष्ण की लाठी और कम्बल के लिए अगर उन्हें तीनों लोको का राज त्यागना पड़ा तो भी वे त्याग देंगे। वे इसके लिए आठों सिद्धियों और नौ निधियों का भी सुख छोड़ने के लिए तैयार हैं। वे अपनी आँखों से ब्रज के वन, बागों और तालाब को जीवन भर निहारना चाहते हैं। वे ब्रज की काँटेदार झाड़ियों के लिए भी सोने-चाँदी के करोड़ों महल न्योछावर करने को तैयार हैं।

सवैया-2 (बहुविकल्पी प्रश्न):-

1. लकुटी और कामरिया पर क्या न्योछावर किया जा सकता?
(क) अपना तन मन (ख) जमीन-जायदाद (ग) अपने प्राण (घ) तीनों लोकों का राज्य।
2. कितनी सिद्धियाँ मानी गई हैं?
(क) आठ (ख) नौ (ग) ग्यारह (घ) सोलह
3. आठ प्रकार की सिद्धियों का सुख कवि किसके समक्ष त्याग सकता है?
(क) गाय चराने के सुख के समक्ष। (ख) पक्षी रूप में वृंदावन में घूमने के सुख के समक्ष।
(ग) कृष्ण की भक्ति के सुख के समक्ष। (घ) राधा की भक्ति के सुख के समक्ष।
4. रसखान ब्रजभूमि के करील कुंजों पर क्या न्योछावर करना चाहते हैं?
(क) अपने प्राण (ख) जमीन-जायदाद (ग) सोने-चाँदी के करोड़ों महल (घ) अपने प्रेम को ।
5. रसखान अपनी आँखों से क्या देखना चाहते हैं?
(क) कोयल को (ख) ब्रज के वन बाग व तड़ागों को (ग) अपनी प्रियतमा को (घ) प्राकृतिक सौंदर्य को

उत्तर - 1. (घ) तीनों लोकों का राज्य 2. (क) आठ 3. (क) गाय चराने के सुख के समक्ष
4. (ग) सोने-चाँदी के करोड़ों महल 5. (ख) ब्रज के वन बाग व तड़ागों को।

(3) मोरपखा सिर ऊपर राखिहौं, गूंज की माल गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पितंबर लै लकुटी बन गोधन ग्वारिन संग फिरौंगी।।
भावतो वोहि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वाँग करौंगी।
या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।।

शब्दार्थ:-

पितंबर - पीले वस्त्र , भावतो - अच्छा लगना, स्वांग- छद्म रूप, नकली वेश, अधर- होठ

भावार्थ- इन पंक्तियों में गोपियों की कृष्ण का प्रेम पाने की इच्छा और कोशिश का वर्णन किया गया है। कृष्ण गोपियों को इतने रास आते हैं कि उनके लिए वे सारे स्वांग करने को तैयार हैं। गोपियाँ कहती हैं कि वे सिर के ऊपर मोरपंख रखूँगी, गुंजों की माला पहनेंगी। पीले वस्त्र धारण कर वन में गायों और ग्वालों के संग वन में भ्रमण करेंगी। किन्तु वे मुरलीधर के होठों से लगी बांसुरी को अपने होठों से नहीं लगाएंगी।

सवैया-3 (बहुविकल्पी प्रश्न):-

1. गोपी अपना व्यक्तित्व खोकर किसमें लीन होना चाहती है?
(क) नृत्य में (ख) कृष्ण में (ग) शिव में (घ) इनमें से कोई नहीं
2. कृष्ण ने अपने सिर पर किसका मुकुट धारण किया है?
(क) सोने का (ख) चाँदी का (ग) मोरपंखों का (घ) हीरों का
3. कृष्ण का रूप धारण करने के लिए गोपी कैसे वस्त्र पहनने को तैयार है?

(क) लाल (ख) सफ़ेद (ग) पीले (घ) काला

4. मुरलीधर श्रीकृष्ण हमेशा किसमें मस्त रहते थे?

(क) गाय चराने में (ख) माखन चुराने में(ग) मुरली बजाने में (घ) उपरोक्त सभी

5. - "या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी" , में कौन सा अलंकार हैं?

(क) रूपक (ख) उपमा (ग) अनुप्रास (घ) यमक

उत्तर - 1. (ख) कृष्ण में 2. (ग) मोरपंखों का 3. (ग) पीले 4. (ग) मुरली बजाने में 5. (घ) यमक।

(4) काननि दै अँगुरी रहिबो जबहीं मुरली धुनि मंद बजैहै।
मोहिनि तानन सों रसखानि अटा चढ़ि गोधन गैहै तौ गैहै॥
टेरि कहौं सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोऊ कितनो समुझैहै।
माई री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै,न जैहै॥

शब्दार्थ-:-अटा - कोठा,अट्टालिका, टेरी - पुकारकर बुलाना, काल्हि - कल

भावार्थ- इन पंक्तियों में गोपियाँ कृष्ण को रिझाने की कोशिश कर रही हैं। वे कहतीं हैं कि जब कृष्ण की मुरली की मधुर धुन बजेगी तो हो सकता है किवेधुन में मग्न होकर अटारी पर चढ़कर गोधनकेगीतगाने लगे, परन्तु गोपियाँ अपने अपने कानों में अंगुली डाल लेंगी ताकि उन्हें वो मधुर संगीत न सुनाई पड़े। लेकिन गोपियों को यह भी डर है जिसे ब्रजवासी भी कह रहे हैं कि जब कृष्ण की मुरली बजेगी तो उसकी धुन सुनकर, गोपियों की मुस्कान संभाले नही सम्भलेगी और उस मुस्कान से पता चल जाएगा कि वे कृष्ण के प्रेम में कितनी डूबीं हैं।

सवैया-4 (बहुविकल्पी प्रश्न):-

1.गोपियाँ क्या नहीं संभाल पाती थी?

(क) कृष्ण की मुरली (ख) कृष्ण के मुख की मधुर मुस्कान

(ग) कृष्ण की नटखट आदतें (घ) कृष्ण की बातें

2. "काल्हि कोई कितनो समुझैहै", में कौन सा अलंकार हैं?

(क) यमक (ख) अनुप्रास (ग) उपमा (घ) अतिशयोक्ति

3. कृष्ण की मनमोहक मुरली की धुन पर कौन नाच उठते थे?

(क) ब्रज के सभी लोग (ख) ब्रज के ग्वाले (ग) ब्रज के सभी लोग और गायें (घ) उपरोक्त सभी।

4. मुरलीधर श्रीकृष्ण हमेशा किसमें मस्त रहते थे?

(क) गाय चराने में (ख) माखन चुराने में (ग) मुरली बजाने में (घ) उपरोक्त सभी

5. 'टेरी' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) भेजना (ख) पुकारकर बुलाना (ग) हार मानना (घ) क्रोध करना।

उत्तर - 1. (ख) कृष्ण के मुख की मधुर मुस्कान 2. (ख) अनुप्रास 3. (घ) उपरोक्त सभी
4. (ग) मुरली बजाने में 5. (ख) पुकारकर बुलाना ।

प्रश्न अभ्यास :-

1. ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?

उत्तर- कवि को ब्रजभूमि से गहरा प्रेम है। वह इस जन्म में ही नहीं, अगले जन्म में भी ब्रजभूमि का वासी बने रहना चाहते हैं। ईश्वर अगले जन्म में उन्हें ग्वाला बनाएँ, गाय बनाएँ, पक्षी बनाएँ या पत्थर - वह हर हाल में ब्रजभूमि में रहना चाहते हैं । वह ब्रजभूमि के वन, बाग़, सरोवर और करील-कुंजों पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने को भी तैयार है।

2. कवि का ब्रज के वन, बाग और तालाब को निहारने के पीछे क्या कारण हैं?

उत्तर- कवि का ब्रज के वन, बाग़ और तालाब को इसलिए निहारना चाहता हैं क्योंकि इसके साथ कृष्ण की यादें जुड़ी हुई हैं। कभी कृष्ण इन्हीं में विहार किया करते थे। इसलिए कवि उन्हें देखकर धन्य हो जाते हैं।

3. एक लकुटी और कामरिया पर कवि सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है?
उत्तर- श्री कृष्ण रसखान जी के आराध्य देव हैं। उनके द्वारा डाले गए कंबल और पकड़ी हुई लाठी उनके लिए बहुत मूल्यवान है। श्री कृष्ण लाठी व कंबल डाले हुए ग्वाले के रुप में सुशोभित हो रहे हैंजो कि संसार के समस्त सुखों को मात देने वाला है और उन्हें इस रूप में देखकर वह अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार हैं। भगवान के द्वारा धारण की गई वस्तुओं का मूल्य भक्त के लिए परम सुखकारी होता है।
4. चौथे सवैये के अनुसार गोपियाँ अपने आप को क्यों विवश पाती हैं ?
उत्तर- चौथे सवैये के अनुसार कृष्ण का रूप अत्यंत मोहक है तथा उनकी मुरली की धुन बड़ी मादक है। इन दोनों से बचना गोपियों के लिए अत्यंत कठिन है। गोपियाँ कृष्ण की सुन्दरता तथा तान पर आसक्त हैं | इसलिए वे कृष्ण के समक्ष विवश हो जाती हैं।
5. भाव स्पष्ट कीजिए -
(क) कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।
(ख) भाव स्पष्ट कीजिए - माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै।
उत्तर- (क) भाव यह है कि रसखान जी ब्रज की काँटेदार झाड़ियों व कुंजन पर सोने के महलों का सुख न्योछावर कर देना चाहते हैं अर्थात् जो सुख ब्रज की प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने में है, वह सुख सांसारिक वस्तुओं को निहारने में दूर-दूर तक नहीं है।
(ख) भाव यह है कि कृष्ण की मुस्कान इतनी मोहक है कि गोपी से वह झेली नहीं जाती है अर्थात् कृष्ण की मुस्कान पर गोपी इस तरह मोहित हो जाती है कि लोक लाज का भी भय उनके मन में नहीं रहता और गोपी कृष्ण की तरफ़ खींची चली जाती है।
6. 'कालिंदी कूल कदम्ब की डारन' में कौन-सा अलंकार है?
उत्तर- 'कालिंदी कूल कदम्ब की डारन' में 'क' वर्ण की आवृत्ति होने के कारण अनुप्रास अलंकार है।
7. काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए -
'या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।।'
उत्तर- गोपी अपनी सखी के कहने पर कृष्ण के समान वस्त्राभूषण तो धारण कर लेगीं परन्तु कृष्ण की मुरली को अधरों पर नहीं रखेगीं। उसके अनुसार उसे यह मुरली सौत की तरह प्रतीत होती है अत:वह सौत रूपी मुरली को अपने होठों से नहीं लगाना चाहती है। काव्य में ब्रज भाषा तथा सवैया का सुन्दर प्रयोग हुआ है जिससे चाँद की छटा निराली हो गयी है। 'ल' और 'म' वर्ण की आवृत्ति होने के कारण यहाँ पर अनुप्रास अलंकार है औरअधरान व अधरा न केकारणयमकअलंकारहै |

दक्षता आधारित प्रश्न:-
1. आपके विचार से कवि पशु, पक्षी, पहाड़ के रूप में भी कृष्ण का सान्निध्य क्यों प्राप्त करना चाहता है?
उत्तर- मेरे विचार से रसखान कृष्ण के अनन्य भक्त हैं। उन्हें किसी भी रूप में कृष्ण सान्निध्य प्राप्त करना है। इसमें उनकी भक्ति-भावना तृप्त होती है। इसलिए वे पशु, पक्षी या पहाड़ बनकर भी कृष्ण का संपर्क चाहतें हैं।
2. सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
उत्तर- सखी ने गोपी से आग्रह किया था कि वह कृष्ण के समान सिर पर मोरपंखों का मुकुट धारण करें। गले में गुंजों की माला । तन पर पीले वस्त्र पहने। हाथों में लाठी थामे और पशुओं के संग विचरण करें।

कैदी और कोकिला - माखनलाल चतुर्वेदी
पाठ का सार-
यह आजादी से पूर्व की कविता है। इसमें कवि ने अंग्रेज़ों के अत्याचारों का लिखित चित्रण किया है। स्वतंत्रता सेनानियों के यातनाओं को प्रदर्शित करने के लिए कवि ने कोयल का सहारा लिया है। जेल में बैठा एक कैदी कोयल को अपने दुःखों के बारे में बतला रहा है। अँग्रेज उसे चोर, डाकू और बदमाशों के बीच डाले हुए हैं, भर पेट खाना भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने अंग्रेज़ों के शासन को काला शासन कहा है। जहाँ उन्होंने बताया है कि यह वक़्त अब मधुर गीत सुनाने का नहीं

बल्कि आजादी के गीत सुनाने का है। कवि ने कोयल सेचाहा है कि वह स्वतंत्र नभ में जाकर गुलामी के खिलाफ लड़ने के लिए लोगों को प्रेरित करें ।

कवि परिचय:-

इनका जन्म सन 1889 मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के बाबई गाँव में हुआ था। मात्र 16 वर्ष की अवस्था में ये शिक्षक बने, बाद में अध्यापन का काम छोड़कर पत्रिका सम्पादन का काम शुरू किया। वे देशभक्त कवि एवं प्रखर पत्रकार थे। वे एक कवि-कार्यकर्ता थे और स्वाधीनता आंदोलन के दौरान कई बार जेल गए। सन 1968 में इनका देहांत हो गया।

प्रमुख कार्य

पत्रिका - प्रभा, कर्मवीर, प्रताप

कृतियाँ - हिम किरीटनी, साहित्य देवता, हिम तरंगिनी, वेणु लो गूँजे धरा।

व्याख्या - कैदी और कोकिला

1. क्या गाती हो?
क्यों रह-रह जाती हो?
कोकिल बोलो तो!
क्या लाती हो?
संदेशा किसका है?
कोकिल बोलो तो!
ऊँची काली दीवारों के घेरे में,
डाकू, चोरों, बटमारों के डेरे में,
जीने को देते नहीं पेट-भर खाना,
मरने भी देते नहीं, तड़प रह जाना!
जीवन पर अब दिन-रात कड़ा पहरा है,
शासन है, या तम का प्रभाव गहरा है?
हिमकर निराश कर चला रात भी काली,
इस समय कालिमामयी जगी क्यूँ आली?

शब्दार्थ-कोकिल- कोयल (यहाँ विद्रोह और क्रांति का प्रतीक), बटमार - रास्ते में यात्रियों को लूट लेने वाला
तम- अन्धकार, हिमकर - चंद्रमा, कालिमामयी- काली, आली- सखी

भावार्थ- कवि आधी रात में कोयल की आवाज़ सुनकर चौंक उठता है और बेचैनी से उससे पूछता है कि वह बार-बार क्यों गा रही है और उसके इस गीत का क्या अर्थ है। वह जानना चाहता है कि क्या उसमें कोई संदेश या विशेष प्रेरणा छिपी है और यदि ऐसा है, तो वह संदेश किसका है। अंत में, वह कोयल से आग्रह करता है कि वह स्पष्ट रूप से इस बात को बताए।

इसके बाद कवि अपने कारागार की दयनीय स्थिति का वर्णन करता है। वह कहता है कि वह जिस स्थान पर कैद है, वह मनुष्य के जीने योग्य नहीं है। वहाँ की दीवारें ऊँची और भयानक रूप से काली हैं। चारों ओर अपराधियों, चोरों और डाकुओं का बसेरा है। जेल में कैदियों को जीने योग्य भोजन भी नहीं मिलता, भरपेट भोजन की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। भूख और अत्याचार से मन और शरीर तड़पकर रह जाता है। अंग्रेज सिपाही न तो मरने देते हैं और न ही ठीक से जीने देते हैं। हर ओर कड़ा पहरा है, जिससे मुक्ति की कोई आशा नहीं बची है। कवि सोचता है कि चारों ओर जो गहरा अंधकार फैला है, वह केवल रात का अंधेरा है या फिर अंग्रेजी शासन का कष्टदायक प्रभाव, जिसने सब कुछ निराशा में डुबो दिया है। उसे लगता है कि यह अंधकार इतना गहरा है कि आशा रूपी चंद्रमा भी हारकर अपना प्रकाश खो चुका है। अंत में, वह कोयल से पूछता है कि इस घोर अंधकार और निराशा के समय में वह क्यों जाग रही है और क्या वह कोई महत्वपूर्ण संदेश देना चाहती है।

(बहुविकल्पी प्रश्न)

1. कवि कारागार में किस तरह का जीवन व्यतीत कर रहे हैं?

(क) सुखी (ख) वैभवशाली (ग) नारकीय (घ) इनमें से कोई नहीं।

2. कारागार के ऊपर मंडराकर कौन गा रही है?

(क) कोयल (ख) मैना (ग) गायिका (घ) कौआ।

3. जेल का वातावरण कवि के लिए कैसा है?

(क) निराशा से भरा। (ख) सुख और शोषण से भरा।

(ग) देशप्रेम की भावना से भरा। (घ) अंतहीन जीव।

4. कवि को कहाँ स्वतंत्रतापूर्वक कार्य करने की सुविधा नहीं थी?

(क) घर में (ख) कारागृह में (ग) कार्यालय में (घ) विद्यालय में

5. 'बटमार' का क्या अर्थ है?

(क) क्रोधी (ख) हारा हुआ (ग) रास्ते में यात्रियों को लूट लेने वाला (घ) कौआ।

उत्तर - 1. (ग) नारकीय 2.(क) कोयल 3.(ग) निराशासे भरा। 4. (ख) कारागृह में5. (ग) रास्ते में यात्रियों को लूट लेने वाला

2. क्यों हूक पड़ी?
वेदना बोझ वाली-सी;
कोकिल बोलो तो!
क्या लूटा?
मृदुल वैभव की
रखवाली-सी,
कोकिल बोलो तो!
क्या हुई बावली?
अर्द्धरात्रि को चीखी,
कोकिल बोलो तो!
किस दावानल की
ज्वालाएँ हैं दीखीं?
कोकिल बोलो तो!

शब्दार्थ-हूक- कसक या पीड़ा युक्त आवाज़, वेदना- पीड़ा, मृदुल- कोमल, वैभव- समृद्धि, बावली- पागल, अर्द्धरात्रि- आधी रात, दावानल - जंगल की आग, ज्वालाएँ- आग की लपटें

भावार्थ- कवि कोयल की पीड़ा भरी आवाज़ सुनकर चौंक जाता है और उससे प्रश्न करता है कि उसकी तान में इतना दुःख क्यों झलक रहा है। वह पूछता है कि यह कैसी हूक (गहरी पीड़ा) है जो उसकी कूक में सुनाई दे रही है। क्या कोई भारी दुःख या संकट उस पर आ पड़ा है? कवि कोयल से आग्रह करता है कि वह बताए कि आखिर ऐसा क्या हुआ है जिससे उसकी आवाज़ इतनी दर्द भरी हो गई है। इसके बाद, कवि कोयल से पूछता है कि क्या उसका कोई बहुमूल्य सुख या संपत्ति लुट गई है, जिसके कारण वह इतनी बेचैन हो उठी है? क्या वह अपनी मधुरता और वैभव की रखवाली नहीं कर पाई और अब उस अपार दुःख को व्यक्त कर रही है? कोयल, जो अपनी कोमल और मधुर तान के लिए जानी जाती है, अचानक इतनी दुखी क्यों हो गई? फिर कवि आश्चर्यचकित होकर पूछता है कि कोयल अचानक इतनी बावली (पागल सी) क्यों हो गई? आधी रात के इस सन्नाटे में वह इतनी जोर से क्यों चीख रही है? क्या उसने किसी भयंकर संकट या विनाश को देख लिया है? क्या उसे किसी जंगल की आग की भयंकर लपटें दिख रही हैं? अंत में, कवि फिर से कोयल से आग्रह करता है कि वह स्पष्ट रूप से बताए कि उसकी इस पीड़ा और व्याकुलता का कारण क्या है।

बहुविकल्पी प्रश्न:-

1. आधी रात को किसकी चीख कवि को विचलित कर देती है?

(क) कोकिला की। (ख) एक कैदी की। (ग) अंग्रेज़ी अफ़सर की। (घ) अपने अंतर्मन की।

2. कवि ने कोयल के स्वर में किसके स्वर की कल्पना की है?
(क) दुर्गा माता के। (ख) सरस्वती माता के। (ग) लक्ष्मी माता के। (घ) भारत माता के।
3. कवि को कोयल का स्वर कैसा लगा है?
(क) दर्द भरा । (ख) प्रसनन्ता से भरा ।(ग) उपर्युक्त दोनों। (घ) इनमें से कोई नहीं।
4. 'दावानल' का क्या अर्थ है?
(क) पेट की आग । (ख) समुद्र की आग । (ग) जंगल की आग। (घ) इनमें से कोई नहीं।
5. कवि के अनुसार कोयल अपने कैसे संसार की रखवाली करने में असमर्थ लगी?
(क) दुखी संसार की । (ख) मृदुल संसार की । (ग) उपर्युक्त दोनों। (घ) इनमें से कोई नहीं।
उत्तर - 1. (क) कोकिला की 2. (घ) भारत माता के 3. (क) दर्द भरा 4. (ग) जंगल की आग 5. (ख) मृदुल संसार की ।

3. क्या?- देख न सकती जंजीरों का गहना?
हथकड़ियाँ क्यों? यह ब्रिटिश-राज का गहना,
कोल्हू का चर्रक चूँ?-जीवन की तान,
गिट्टी पर अँगुलियों ने लिखे गान!
हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ,
खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ।
दिन में करुणा क्यों जगे, रुलानेवाली,
इसलिए रात में गज़ब ढा रही आली?
इस शांत समय में,
अंधकार को बेध, रो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!
चुपचाप, मधुर विद्रोह-बीज
इस भाँति बो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो।

शब्दार्थ-जंजीर - बेड़ियाँ, हथकड़ियाँ, गहना - आभूषण, जेवर, हथकड़ी - हाथ में पहनाई जाने वाली जंजीर
ब्रिटिश-राज - ब्रिटिश शासन, कोल्हू - बैलों द्वारा चलाया जाने वाला तेल निकालने का यंत्र, चर्रक-चूँ - कोल्हू की आवाज़, तान - संगीत की धुन या स्वर, गिट्टी - छोटे पत्थर, मोट - पुर चरसा (चमड़े का डोल जिससे कुँए आदि से पानी निकाला जाता है।), जूआ (जुआ) - बैलों के कंधों पर रखी जाने वाली लकड़ी, अकड़ - घमंड, अभिमान, कूँआ - कुआँ (जल स्रोत), यहाँ शोषण का प्रतीक, करुणा - दया, संवेदना, गज़ब ढाना - अत्याचार करना, अंधकार - अँधेरा, अज्ञान, बेध - चीरना, पार करना
मधुर विद्रोह-बीज - मीठे शब्दों में क्रांति का संदेश, भाँति - प्रकार, तरीके

भावार्थ- कवि कोयल से पूछता है कि क्या वह रात में रोकर यह जताना चाहती है कि उसे हमारी ये बेड़ियाँ पसंद नहीं हैं? अगर वह इन जंजीरों को दुख और बंधन का प्रतीक मान रही है, तो उसे समझना चाहिए कि ये बेड़ियाँ हमारे लिए गुलामी का प्रतीक नहीं, बल्कि ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ हमारे संघर्ष का सम्मान हैं। हमने इन्हें खुशी-खुशी स्वीकार किया है, क्योंकि ये स्वतंत्रता सेनानियों के लिए गहनों की तरह हैं। हमें गर्व है कि हम जेल में रहकर भी अपने लक्ष्य से नहीं हटे। कवि आगे कहता है कि जेल में कोल्हू की चरमराती आवाज़ अब हमारे लिए संगीत बन चुकी है। हम पत्थरों को तोड़ते हुए अपने हाथों से आज़ादी का गीत लिख रहे हैं। जिस तरह हम कठोर पत्थरों को टुकड़ों में बदल देते हैं, उसी तरह हम एक दिन ब्रिटिश शासन को भी नष्ट कर देंगे। मैं अपने शरीर पर भारी बोझ लिए कोल्हू चला रहा हूँ, लेकिन असल में मैं ब्रिटिश शासन के अहंकार को धीरे-धीरे खत्म कर रहा हूँ। इसके बाद, कवि कोयल के गाने का अर्थ समझ जाता है। वह कहता है कि दिन में जब हम संघर्ष और यातनाओं में डूबे होते हैं, तब हम तुम्हारी मधुर आवाज़ नहीं सुन पाते। लेकिन अब समझ आया कि रात में जब चारों ओर शांति है, तब तुम हमारी पीड़ा को कम करने और हमें हिम्मत देने आई हो।

कवि कोयल से पूछता है कि क्या उसकी ध्वनि सिर्फ एक सामान्य गीत है, या वह सच में हमारे भीतर विद्रोह की आग जगा रही है? क्या वह हमें संघर्ष और स्वतंत्रता के लिए प्रेरित कर रही है? कवि व्याकुलता से कोयल से उत्तर माँगता है–"कोयल, बोलो तो!"

बहुविकल्पी प्रश्न :-

1. कवि ने जंजीरों को क्या कहा है?

(क) परेशानी की वस्तु (ख) गहना (ग) सुख पाने वाली वस्तु (घ) एक हथियार

2. अंग्रेज़ी सरकार स्वतंत्रता सेनानियों के साथ अपराधियों का सा व्यवहार क्यों करते थी?

(क) क्योंकि वे जड़ से उखाड़ देना चाहते थी। (ख) क्योंकि वे उन्हें अपना गुलाम समझते थे।

(ग) क्योंकि वे उनका विरोध करते थे। (घ) उनकी सत्ता का समर्थक थे।

3. कोयल की वेदनामयी मधुर आवाज कवि के हृदय में क्या पैदा कर रही है?

(क) उत्साह (ख) निराशा (ग) विद्रोह (घ) ख़ुशी

4. स्वतन्त्रता सेनानी जंजीरों को क्या मानते थे?

(क) लोह शृंखला (ख) गहना (ग) पीड़ा (घ) ख़ुशी

5. 'मोट' का क्या अर्थ है?

(क) मोटा व्यक्ति (ख) मोटी रस्सी (ग) पुर, चरसा (घ) गड्ढा

उत्तर - 1. (ख) गहना 2. (ग) क्योंकि वे उनका विरोध करते थे। 3. (ग) विद्रोह। 4. (ख) गहना 5. (ग) पुर, चरसा ।

4. काली तू, रजनी भी काली,
शासन की करनी भी काली,
काली लहर कल्पना काली,
मेरी काल कोठरी काली,
टोपी काली, कमली काली,
मेरी लौह-शृंखला काली,
पहरे की हुंकृति की ब्याली,
तिस पर है गाली, ऐ आली!
इस काले संकट-सागर पर
मरने की, मदमाती!
कोकिल बोलो तो!
अपने चमकीले गीतों को
क्योंकर हो तैराती!
कोकिल बोलो तो!

शब्दार्थ-काली - काला रंग, रजनी - रात्रि, रात, शासन - सरकार, सत्ता, करनी - कर्म, कार्य, लहर - तरंग, प्रभाव कल्पना - विचार, सोच, काल कोठरी - अंधकारमय कारागार, जेल, कमली - ऊनी चादर, लौह-शृंखला - लोहे की जंजीरें, बेड़ियाँ, पहरे - निगरानी, सुरक्षा, हुंकृति - हुँकार, ब्याली - सर्पिणी, संकट-सागर - कठनाइयों से भरा जीवन, मरने की, मदमाती - मौत को गले लगाने की चाहत, चमकीले गीत - क्रांति के प्रेरणादायक शब्द, तैराना - बहाना, फैलाना

भावार्थ- कवि कोयल से कहता है–"हे कोयल! तुम्हारा रंग काला है, आज की रात भी घनी काली है और ब्रिटिश शासन के अत्याचार भी उतने ही काले हैं।" मैं इस कारागार में चोरों और डाकुओं के बीच कैद हूँ, जिससे मेरे मन में भी भयावह और अंधकारमयी विचार उठ रहे हैं। मेरी जेल की कोठरी भी अंधेरे से भरी हुई है। मुझे जो कंबल ओढ़ने के लिए मिला है, वह भी काला है, और जो टोपी पहनने को दी गई है, वह भी काली है। मेरी बेड़ियाँ, जिससे मुझे बाँधकर रखा गया है, वे भी लोहे की काली जंजीरें हैं। इस अंधकारमय माहौल में, रात के समय पहरेदार की कठोर आवाज़ मुझे किसी जहरीले सर्प की फुफकार की तरह चुभती है। इसके अलावा, मुझे जेल के सिपाहियों की गालियाँ भी सहनी पड़ती हैं। यहाँ जीवन पूरी तरह

से अशांत और तकलीफ़ से भरा हुआ है। “हे सखी कोयल! तुम इस जेल के इस घुटन भरे माहौल में क्यों चली आई हो? क्या तुम्हें यह एहसास नहीं कि यहाँ तुम्हारे प्राण भी सुरक्षित नहीं हैं?” तुम अपने मधुर स्वर से आनंद और आशा का संदेश देना चाहती हो, लेकिन इस जेल की कठोर दीवारों के बीच, यह स्वर फालतू चला जाएगा। यहाँ निराशा और पीड़ा के बीच, तुम्हारे गीतों का कोई असर नहीं होगा। इस अंधेरी रात में, इस कारागार में, तुम अपने मधुर स्वर से क्यों गा रही हो? “हे कोयल! मुझे अपने मुख से बताओ, तुम यहाँ क्यों आई हो? तुम्हारी इस पीड़ा भरी पुकार का क्या अर्थ है?”

बहुविकल्पी प्रश्न :-

1. कविता के आधार पर बताओ 'काली' शब्द किसका प्रतीक है?

(क) रात का। (ख) अंधकार का। (ग) निराशा का। (घ) कोयल का।

2. कोयल आधी रात को किसके दुःख-भरे हृदय पर मरहम लगाने आई है?

(क) कवि के (ख) जनता के (ग) पक्षियों के (घ) इनमें से कोई नहीं

3. काल कोठरी का क्या अर्थ है?

(क) काले रंग का कमरा।। (ख) काला कपड़ा ।

(ग) अंधकारमय कारागार, जेल (घ) उपयुक्त में से कोई नहीं।

4. ब्रिटिश शासन में किसने कारागार जाना सहर्ष स्वीकार किया?

(क) पुलिसकर्मियों ने (ख) युवाओं ने (ग) नेताओं ने (घ) क्रांतिकारियों ने।

5. निम्न पक्तियों में किसका सम्पूर्ण साम्राज्य काला बताया है?

(क) भारतीय साम्राज्य (ख) रूसी साम्राज्य (ग) ब्रिटिश साम्राज्य (घ) कोई नहीं।

उत्तर -1. (ग) निराशा का 2. (क) कवि के 3. (ग) अंधकारमय कारागार, जेल 4. (घ) क्रांतिकारियों न5. (ग) ब्रिटिश साम्राज्य

प्रश्न अभ्यास:-

1. कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर- कोयल की कूक सुनकर कवि को ऐसा लगता है जैसे कोयल उसके लिए कोई संदेशा लेकर आई है। सन्देश महत्वपूर्ण है नहीं तो कोयल सुबह होने तक का इंतज़ार करती।

2. कवि ने कोकिल के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई ?

उत्तर- कवि ने कोयल के बोलने की निम्न संभावनाएँ बताई हैं -

1. कोकिला कोई संदेशा पहुँचाना चाहती है।
2. उसने दावानल की लपटें देख लीं है।
3. समस्या अत्यंत गंभीर है इसलिए वह सुबह होने की प्रतीक्षा नहीं कर पाती है।
4. क्रांतिकारियों के मन में देश-प्रेम की भावना को और मजबूत करने आई है।

3. किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों ?

उत्तर- अंग्रेजों के शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गयी है क्योंकि अंग्रेज सरकार की कार्य प्रणाली अन्धकार की तरह काली है। यहाँ अन्धकार का मतलब अन्याय से है। अँग्रेज शासन प्रणाली अन्यायपूर्ण थी।

4. कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यंत्रणाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर- कविता के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि तत्कालीन समाज में अंग्रेज़ों द्वारा भारतीय कैदियों को तरह-तरह की यातनाएँ दी जाती थी। कैदियों से पशुओं की तरह काम करवाया जाता था। उन्हें अँधेरी कोठरियों में कैदियों को जंजीरों से बाँध कर रखा जाता था। कोठरियां भी बहुत छोटी होती थीं और खाने को भी कम दिया जाता था।

5. भाव स्पष्ट कीजिए।

(क) मृदुल वैभव की रखवाली-सी, कोकिल बोलो तो!

(ख) हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जुआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कुँआ।

उत्तर- (क) मृदुल वैभव की रखवाली से यहाँ कवि का तात्पर्य कोयल की मीठी तथा कोमल आवाज़ से है। उसकी आवाज़ में मिठास होने के बाद भी जब वह वेदनापूर्ण आवाज़ में चीख़ उठती है तो कवि उससे उसकी वेदना का कारण पूछता है।

(ख) अंग्रेज़ी सरकार कवि से पशुओं के समान परिश्रम करवाते हैं। कवि के पेट पर जुआ बाँधकर कुँए से पानी निकाला जाता है। परन्तु इससे भी वे दु:खी नहीं होते तथा अंग्रेज़ी सरकार के षड़यंत्र को विफल कर उनकी अकड़ को समाप्त कर देना चाहते हैं।

6.अर्द्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा होते है ?

उत्तर-अर्द्धरात्रि में कोयल के चीखने से कवि को अनेकों अंदेशे होते है जैसे शायद कोयल पागल तो नहीं हो गयी है, या शायद वह किसी कष्ट में है या कोई सन्देश लेकर आई हैं या यह भी हो सकता है कि वह क्रांतिकारियों के दु:ख से द्रवित होकर चीख रही हो।

7. कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है ?

उत्तर- कोयल की स्वतंत्रता से कवि को ईर्ष्या हो रही है। वह आकाश में स्वतंत्रता से उड़ान भर रही है और कवि जेल की काल कोठरी में बंद है। कोयल गाकर अपने आनंद को प्रकट कर सकती है पर कवि के लिए तो रोना भी एक बड़ा गुनाह है जिसके लिए उसे दंड भी मिल सकता है।

8. कवि के स्मृति-पटल पर कोयल के गीतों की कौन सी मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं, जिन्हें वह अब नष्ट करने पर तुली है ?

उत्तर- कवि के स्मृति पटल पर कोयल के गीतों की कुछ मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं। कोयल हरी डाली पर बैठकर अपनी मधुर वैभवशाली आवाज़ से संपूर्ण सृष्टि को अलंकृत करती है, उसके मधुर गीतों से उसकी खुशी झलकती है, वह स्वतंत्रता पूर्वक अपना गीत गाती है परन्तु अब वह अपनी इन विशेषताओं को नष्ट करने पर तुली है। वह बावली सी प्रतीत हो रही है।

9. हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?

उत्तर- कवि ने हथकडियाँ गलत काम कर नहीं पहनी हैं। उन्हें स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कारण अँग्रेज सरकार ने हथकड़ियाँ पहनाई हैं जो उनके लिए यह गौरव की बात है। इसलिए हथकड़ियों को गहना कहा गया है।

10. 'काली तू .....ऐ आली!' - इन पंक्तियों में 'काली' शब्द की आवृत्ति से उत्पन्न चमत्कार का विवेचन कीजिए।

उत्तर- इन कविता की पंक्तियों में कवि ने नौ बार काली शब्द का प्रयोग किया है। शब्द तो एक ही है परन्तु भिन्न -भिन्न अर्थों में इसका प्रयोग किया गया है। कही पर यह शब्द अँग्रेज सरकार के काले शासन को संबोधित कर रहा है तो कहीं वातावरण की कालिमा और निराशा को उजागर कर रहा है।

11. काव्य - सौंदर्य स्पष्ट कीजिए -

(क) किस दानावल की ज्वालाएँ हैं दीखीं ?

(ख) तेरे गीत कहावें वाह, रोना भी है मुझे गुनाह!

देख विषमता तेरी - मेरी बजा रही तिस पर रणभेरी!

उत्तर- (क) यहाँ कवि कोयल की वेदना पूर्ण आवाज़ पर अपनी आशंका व्यक्त कर रहा है। अपनी प्रश्नात्मक शैली से कवि कोयल के कष्ट का अनुमान लगा रहा है। कवि ने बिम्बात्मक शैली का प्रयोग किया है, भाषा में सहजता तथा सरलता है।

(ख) प्रस्तुत काव्य पंक्तियों में कवि ने अपने तथा कोयल के जीवन की विषमताओं की ओर संकेत किया है। कवि ने यहाँ तुकबंदी का प्रयोग किया है, अपनी तथा कोयल के जीवन की तुलना की है तथा सरल भाषा का प्रयोग किया है।

दक्षता आधारित प्रश्न:-

1. कवि जेल के आसपास अन्य पक्षियों का चहकना भी सुनता होगा लेकिन उसने कोकिला की ही बात क्यों की है ?

उत्तर- यहाँ कोकिला भारत माता का प्रतीक है। कोकिला रात के समय नहीं बोलती है। उसकी आवाज़ से कवि को वेदना की अनुभूति होती है। अत: रात को उसका इस प्रकार से करुण स्वर में गाना आने वाले किसी संकट का प्रतीक है। कोकिला की आवाज़ अन्य पक्षियों से अधिक मधुर तथा भिन्न है। इसलिए कवि ने कोकिला की ही बात कही है।

2. आपके विचार से स्वतंत्रता सेनानियों और अपराधियों के साथ एक-सा व्यवहार क्यों किया जाता होगा ?

उत्तर- अंग्रेज सरकार के लिए स्वंतंत्रता सेनानी और अपराधी एक जैसे थे। दोनों उनकी व्यवस्था में खलल डालने काकाम करते थे। सरकार के लिए दोनों ही दोषी थे। सरकार क्रांतिकारियों की आज़ादी की माँग को दबाना चाहती थी। स्वतंत्रता

सेनानियों के मनोबल को तोड़ने के लिए तथा भारत पर अपनी सत्ता कायम रखने के लिए वे दोनों के साथ समान व्यवहार करती थी।

ग्रामश्री- सुमित्रानंदन पंत

सारांश

'ग्राम श्री' कविता के शीर्षक से ज्ञात होता है कि 'ग्राम' का अर्थ है 'गाँव' और 'श्री' का अर्थ है 'शोभा' अर्थात् सुंदरता। इस कविता में कवि सुमित्रानंदन पंत जी ने गाँव के प्राकृतिक सौंदर्य का बड़ा ही मनोहारी चित्रण किया है। गाँव में दूर-दूर तक हरे - हरे खेतों में चारों तरफ मलमल के समान कोमल हरियाली फैली हुई है। उस कोमल घास पर सुबह-सुबह जब ओस की बूँदों पर सूर्य की किरणें पड़ती हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे खेतों की हरियाली के ऊपर चाँदी की कोई साफ व् स्वच्छ जाली बिछी हुई है। तिनकों पर ठहरी हुई ओस की बूँदे, पारदर्शी होने के कारण हरे रंग की दिखाई देती हैं, और जब तिनके हिलते हैं तो ऐसा लगता है कि उन तिनकों पर हरे रंग की ओस की बूँदे उनका रक्त है जो हवा चलने पर तिनकों से गिर रहा है। खेतों की हरियाली और स्वच्छ आकाश को देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि आकाश झुककर खेतों की हरियाली के ऊपर अपने नीले रंग के आँचल को बिछा रहा है। खेतों में गेहूँ, जौ की बालियाँ, अरहर और सनई की फलियाँ, सरसों के पीले फूल एवं अलसी की कलियाँ धरती का सौंदर्य बढ़ा रही हैं। विभिन्न रंगों के फूलों के बीच मटर की फसल जब हवा चलने पर हिलती है तो उन्हें देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे सारी सखियाँ एक - दूसरे से मिलकर हँसी मज़ाक़ कर रहीं हों। कोमल संदूकों के समान मटर की फलियाँ लटकी हुई हैं जिनमें बीजों की लड़ियाँ छिपी हुई हैं। बसंत ऋतु आने पर हर जगह रंग - बिरंगे सुंदर फूलों पर रंग-बिरंगी तितलियाँ मँडराती हैं। बसंत ऋतु की शुरुआत में आम के पेड़ों की डालियाँ चाँदी और सोने के रंग की कलियों से लद चुकी हैं। पतझड़ के कारण पलाश और पीपल के पेड़ की पत्तियाँ झड़ रही हैं। इन सभी परिवर्तनों को देखकर कोयल भी मदमस्त होकर मधुर संगीत सुना रही है। कटहल पक गए हैं और जामुन कुछ पक गए हैं और कुछ कच्चे हैं। जंगल में बेरों की झाड़ियाँ छोटे - छोटे बेरों से भर गई हैं और झूल रही हैं। इस मौसम में आड़ू, नींबू, अनार, आलू, गोभी, बैंगन, मूली आदि कई तरह के फल एवं सब्ज़ियाँ उग चुकी हैं। बसंत ऋतु में अमरुद पक कर मीठे हो चुके हैं। बेर भी पककर सुनहरे रंग के हो गए हैं। छोटे-छोटे आँवलों के कारण पेड़ की पूरी डाल ऐसी लदी हुई है, जैसे किसी गहने में मोती जड़े होते हैं। पालक की फसल पूरे खेत में लहलहा रही है और धनिये की सुगंध तो भी पूरे वातावरण में फैली हुई है। लौकी और सेम की बेलें भी खेतों में फैल गई हैं। मखमल की तरह कोमल टमाटर भी पककर लाल हो गए हैं और हरी मिर्चों के गुच्छे किसी बड़ी हरी थैली की तरह लग रहे हैं। गंगा के किनारे की रेत पर लहरों के निशान इस प्रकार दिखाई दे रहे हैं जैसे बालू पर कई साँपों ने अपने निशान छोड़ दिए हों। उस रेत पर पड़ती सूर्य की किरणों के कारण वह रेत इंद्रधनुष के सात रंगों के समान सतरंगी नज़र आ रही है। गंगा के तट पर बिछी घास और तरबूजों की खेती बहुत ही सुंदर दिखाई दे रही है। गंगा के तट पर बगुले अपने पंजों से कलँगी को ऐसे सँवार रहे हैं, मानो वे कंघी कर रहे हों। चक्रवाक अथवा चकवा पक्षी जल में तैर रहे हैं और मगरौठी पक्षी गीली रेत में आराम से सोए हुए हैं। सर्दी की धूप में जब सूर्य की किरणें खेतों की हरियाली पर पड़ती हैं, तो वह इस तरह चमक उठती है, मानो वह बहुत खुश है। सर्दी की रातें ओस के कारण भीगी हुई प्रतीत होती हैं, और तारों को देखकर लगता है मानो वे किसी सपने में खोये हुए हैं। गाँव में हर तरफ़ हरियाली फैली हुई ऐसी लग रही है जैसे हरे रंग के रत्न 'पन्नों' से भरा कोई डिब्बा खुल गया हो जिस पर 'नीलम' रूपी नीले रंग के रत्न के समान नीले आकाश ने अपनी चादर ओढ़ा रखी हो। इस प्रकार शीत ऋतु के अंत में गाँव के वातावरण में ऐसी सुंदर व् सौम्य शांति फैली हुई है, जो अपनी सुंदरता से सभी का मन मोह रही है।

प्रश्न: खेतों पर पड़ती सूर्य की किरणों के लिए 'चाँदी के समान उज्ज्वल' उपमा का प्रयोग कवि की किस मंशा को दर्शाता है?

(a) किरणों की मूल्यवान प्रकृति बताने हेतु।(b) किरणों की अत्यधिक उष्णता दर्शाने हेतु।

(c) किरणों चमक और निर्मलता का भाव व्यक्त करने हेतु।(d) किरणों के क्षणभंगुर होने का संकेत देने हेतु।

प्रश्न: वातावरण में व्याप्त 'तैलाक्त गंध' का संवेदी अनुभव किस गहरे भाव को जागृत करता है?
(a) ग्रामीण जीवन की स्निग्धता, उर्वरता और मादकता का।(b) औद्योगिक प्रगति से उत्पन्न प्रदूषण का।
(c) किसी विशेष पकवान की सुगंध का।(d) स्वच्छता के अभाव और घुटन का।
प्रश्न: गंगा की रेत को 'रेंगते साँप' के समान चित्रित करने में कवि का प्रमुख उद्देश्य क्या है?
(a) नदी तट पर संभावित खतरों से आगाह करना।(b) रेत के फैलाव में लहरों के निशान को बिम्बित करना।
(c) रेत के रंग की विशिष्टता को उजागर करना।(d) उस क्षेत्र में साँपों की बहुतायत का संकेत देना।
प्रश्न: खेतों में फैली हरियाली के लिए 'मखमल' की उपमा किन गुणों को एक साथ उजागर करती है?
(a) केवल हरियाली के रंग की समानता को।(b) हरियाली की कोमलता, स्निग्धता, सघनता, मनोहारी दृश्य को।
(c) हरियाली के व्यापारिक महत्व और मूल्य को।(d) हरियाली के कृत्रिम और बनावटी होने के भाव को।
प्रश्न: वसुधा द्वारा गेहूँ और जौ की बालियों के माध्यम से 'रोमांच' प्रकट करने का क्या तात्पर्य है?
(a) फसल कटाई के समय किसानों का उत्साह।(b) धरती की उर्वरा शक्ति का अंकुरण और प्रस्फुटन सजीव प्रदर्शन।
(c) वर्षा ऋतु के आगमन का संकेत।(d) मिट्टी के रंग में परिवर्तन का चित्रण।
प्रश्न: कवि द्वारा तारों को 'सपनों में खोए' हुए वर्णित करने का क्या अर्थ है?
(a) रात्रि की गहन शांति और निस्तब्धता में तारों की स्थिर, मंद चमक का अनुभव।
(b) तारों का ज्योतिषीय महत्व बताना।
(c) आकाशगंगा की वैज्ञानिक संरचना दर्शाना।
(d) तारों की गणना करना।
प्रश्न: सरसों के फूलों से उठती तेल की गंध किस प्रकार के ग्रामीण यथार्थ का बोध कराती है?
(a) तेल निकालने वाले कोल्हू या मिलों की निकटता का।(b) वातावरण की शुष्कता और गर्मी का।
(c) सरसों की फसल की परिपक्वता और उससे जुड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का।(d) फूलों के परागण की प्रक्रिया का।
प्रश्न: मटर की लटकती फलियों के लिए 'मखमली पेटियों' की उपमा क्यों सार्थक है?
(a) उनके विशिष्ट आकार और दुर्लभता के कारण।
(b) उनके मुलायम, रोयेंदार बाहरी आवरण और अंदर दानों से भरी गोल संरचना के कारण।
(c) उनके औषधीय गुणों के कारण।(d) उनके तीव्र हरे रंग के कारण।
प्रश्न: तीसी के फूलों की तुलना 'नीलम की कलियों' से करने में कवि किन सौन्दर्यपरक गुणों पर बल दे रहा है?
(a) फूलों के औषधीय महत्व और उपयोगिता पर।(b) फूलों के विशिष्ट नीले रंग, उनकी नाजुक बनावट और रत्नों जैसी आभा पर।
(c) फूलों के आकार की विशालता पर।(d) फूलों की कांटेदार प्रकृति पर।
प्रश्न: आम की डालियों का मंजरियों से लद जाना किस ऋतुगत परिवर्तन और भावी समृद्धि का प्रतीक है?
(a) ग्रीष्म ऋतु के अंत और वर्षा के आगमन का।
(b) पतझड़ के बाद वसंत के आगमन और फलों से लदने की आशा का।
(c) शीत ऋतु की भयंकरता और उसके प्रभाव का।
(d) केवल आम के पेड़ की वार्षिक दिनचर्या का।
प्रश्न: कविता में किस तत्व को प्रमुखता से सर्वोपरि मनोहारी बताया गया है?
(a) विशिष्ट रूप से किसी एक फूल या फसल की सुंदरता को।
(b) गाँव के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को।
(c) समग्र रूप में ग्राम्य प्रकृति की शोभा और उसके मन पर पड़ने वाले प्रभाव को।
(d) शहरी जीवन की तुलना में ग्रामीण जीवन की श्रेष्ठता को।
प्रश्न: 'ग्राम श्री' कविता प्रकृति के सौंदर्य का चित्रण किस विशिष्ट कवि-दृष्टि से करती है?
(a) पूर्णतः तटस्थ और वैज्ञानिक विश्लेषण द्वारा।
(b) प्रकृति पर मानवीय भावनाओं का आरोपण करते हुए सूक्ष्म निरीक्षण और बिम्बों के सहारे।

(c) प्रकृति के केवल भयावह और विनाशकारी रूपों पर ध्यान केंद्रित करते हुए।
(d) आर्थिक लाभ की दृष्टि से प्रकृति के मूल्यांकन द्वारा।
प्रश्न: अमरूदों का पीला होना किस परिपक्वता और स्थिति का द्योतक है?
(a) उनके कच्चे और अपरिपक्व होने का।
(b) उनके पककर रसीले और खाने योग्य हो जाने का।
(c) उन पर किसी रोग के संक्रमण का।
(d) पेड़ से उनके गिरने के समय का।
प्रश्न: सुमित्रानंदन पंत की प्रकृति के सजीव चित्रण की कला पाठक के मन पर क्या स्थायी प्रभाव छोड़ती है?
(a) पाठक को प्रकृति के वैज्ञानिक तथ्यों से अवगत कराती है।
(b) पाठक के मन में प्रकृति के प्रति उदासीनता उत्पन्न करती है।
(c) पाठक को प्रकृति के दृश्यों का इतना जीवंत अनुभव कराती है मानो वे स्वयं उपस्थित हों।
(d) पाठक को केवल ग्रामीण जीवन की समस्याओं से परिचित कराती है।
प्रश्न: कविता में लौकी, सेम, पालक, मिर्ची, धनिया जैसी विविध सब्जियों का एक साथ फलना-फूलना किस व्यापक सत्य को उजागर करता है?
(a) केवल विशेष मौसम में ही इन सब्जियों की उपलब्धता को।
(b) ग्रामीण कृषि की पिछड़ी तकनीकों को।
(c) धरती की उदारता, उर्वरता और ग्रामीण जीवन की आत्मनिर्भरता एवं संपन्नता को।
(d) इन सब्जियों के बढ़ते बाज़ार मूल्य को।
प्रश्न: कोयल का मतवाली होकर कूकना किस विशिष्ट मौसमी परिवेश और उल्लास का सूचक है?
(a) ग्रीष्म ऋतु की प्रचंडता का।
(b) वर्षा ऋतु के आगमन की सूचना का।
(c) वसंत ऋतु के आगमन, प्रकृति के नव- श्रृंगार और अनुकूल वातावरण का।
(d) शरद ऋतु की निर्मलता और शांति का।
प्रश्न: गंगा तट पर एकत्रित घास और तिनकों का ढेर किस प्राकृतिक प्रक्रिया का परिणाम है?
(a) मनुष्यों द्वारा तट पर कचरा फेंकने का।
(b) पशुओं के लिए चारा एकत्र करने का।
(c) नदी के प्रवाह द्वारा बहाकर लाई गई वस्तुओं का तट पर जमा हो जाना।
(d) तट पर निर्माण कार्य होने का।
प्रश्न: सर्दी की समाप्ति पर गाँव के वातावरण में आई 'शांति' का मुख्य कारण क्या है?
(a) गाँव में किसी उत्सव के समाप्त होने के कारण शोरगुल का कम होना।
(b) शीत ऋतु की कठोरता (कोहरा, ठंड) का कम होना और प्रकृति का सहज, शांत रूप में लौटना।
(c) सभी ग्रामीणों का अपने कार्यों में व्यस्त हो जाना।
(d) तेज हवाओं का चलना बंद हो जाना।
प्रश्न: टमाटरों की तुलना 'मखमल' से करने में कौन से गुणधर्म प्रमुख हैं?
(a) केवल उनका गोल आकार।
(b) उनका खट्टा स्वाद।
(c) उनका गहरा लाल रंग, चिकनी सतह और कोमलता का एहसास।
(d) उनकी खेती में आने वाली लागत।
कवि को आकाश में छाए तारे कैसे जान पड़ते हैं?
(a) बच्चे की परी कल्पना के समान जान पड़ते हैं।
(b) प्यारे और सुंदर बच्चों के समान जान पड़ते हैं।

(c) सपनों में खोए जान पड़ते हैं।
(d) चमकते हीरों के समान जान पड़ते हैं।

उत्तरमाला:
(c) किरणों की शीतलता, चमक और निर्मलता का भाव व्यक्त करने हेतु।
(a) ग्रामीण जीवन की स्निग्धता, उर्वरता और मादकता का।
(b) रेत के फैलाव की टेढ़ी-मेढ़ी आकृति और उसमें लहरों के निशान को बिम्बित करना।
(b) हरियाली की कोमलता, स्निग्धता, सघनता और उसके मनोहारी दृश्य को।
(b) धरती की उर्वरा शक्ति का अंकुरण और प्रस्फुटन के रूप में सजीव प्रदर्शन।
(a) रात्रि की गहन शांति और निस्तब्धता में तारों की स्थिर, मंद चमक का अनुभव।
(c) सरसों की फसल की परिपक्वता और उससे जुड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का।
(b) उनके मुलायम, रोयेंदार बाहरी आवरण और अंदर दानों से भरी गोल संरचना के कारण।
(b) फूलों के विशिष्ट नीले रंग, उनकी नाजुक बनावट और रत्नों जैसी आभा पर।
(b) पतझड़ के बाद वसंत के आगमन और फलों से लदने की आशा का।
(c) समग्र रूप में ग्राम्य प्रकृति की शोभा और उसके मन पर पड़ने वाले प्रभाव को।
(b) प्रकृति पर मानवीय भावनाओं का आरोपण करते हुए सूक्ष्म निरीक्षण और बिम्बों के सहारे।
(b) उनके पककर रसीले और खाने योग्य हो जाने का।
(c) पाठक को प्रकृति के दृश्यों का इतना जीवंत अनुभव कराती है मानो वे स्वयं उपस्थित हों।
(c) धरती की उदारता, उर्वरता और ग्रामीण जीवन की आत्मनिर्भरता एवं संपन्नता को।
(c) वसंत ऋतु के आगमन, प्रकृति के नव- शृंगार और अनुकूल वातावरण का।
(c) नदी के प्रवाह द्वारा बहाकर लाई गई वस्तुओं का तट पर जमा हो जाना।
(b) शीत ऋतु की कठोरता (कोहरा, ठंड) का कम होना और प्रकृति का सहज, शांत रूप में लौटना।
(c) उनका गहरा लाल रंग, चिकनी सतह और कोमलता का एहसास।
(c) सपनों में खोए जान पड़ते हैं।

लघु-उत्तरीय प्रश्न–
प्रश्न 1.चाँदी की उजली जाली के समान किसे कहा गया है? यह जाली कहाँ दिखाई दे रही है?
उत्तर-सूरज की सफ़ेद किरणों को चाँदी की उजली जाली के समान कहा गया है। यह जाली खेतों में दूर-दूर तक फैली हरियाली से लिपटी हुई दिखाई दे रही है।
प्रश्न 2.तिनकों पर ओस की बूंदें देखकर कवि ने क्या नवीन कल्पना की है? और क्यों?
उत्तर-तिनकों पर ओस की बूंदों को देखकर कवि ने हरे रक्त की नवीन कल्पना की है क्योंकि तिनकों पर पड़ी ओस की बूंदें हवा से हिल-डुल रही हैं। इससे बूंदें तिनकों के हरे रक्त-सी प्रतीत हो रही हैं।
प्रश्न 3.'ग्राम श्री' कविता के आधार पर बताइए कि आकाश कैसा दिखाई दे रहा है?
उत्तर-'ग्राम श्री' कविता से ज्ञात होता है कि आकाश चिर निर्मल विस्तृत नीले पर्दे या फलक के समान है। यह विशाल परदा हरी-भरी धरती पर झुका हुआ है।
प्रश्न 4.धरती रोमांचित-सी क्यों लगती है? यह रोमांच किस तरह प्रकट हो रहा है?
उत्तर-धरती रोमांचित-सी इसलिए लग रही है क्योंकि गेहूँ और जौ में बालियाँ आ गई हैं। जिस तरह रोमांचित होने पर हमारे शरीर के रोएँ खड़े हो जाते हैं, उसी प्रकार गेहूँ जौ की बालियों में दानों पर लगे नुकीले भाग को देखकर लगता है कि ये धरती के रोम हैं जिनसे उसका रोमांच प्रकट हो रहा है।
प्रश्न 5.सरसों फूलने का वातावरण पर क्या असर पड़ा है? इसे झाँककर कौन देख रहा है?

उत्तर-सरसों के फूलने से वातावरण में तेल की गंध भर गई है जो हवा के साथ उडती फिर रही है। इस पीली-पीली फूली सरसों को अलसी की कली हरी-भरी धरती से झाँक- झाँक कर देख रही है।

प्रश्न 6.खेतों में खड़ी मटर के सौंदर्य का वर्णन 'ग्राम श्री' कविता के आधार पर कीजिए।

उत्तर-खेतों में मटर की फ़सल खड़ी है। उस पर रंग-बिरंगे फूल और फलियाँ आ चुकी हैं। इन फूलों को देखकर लगता है कि मटर सखियों के संग हँस रही है। वह अपनी मखमली पेटियों जैसे छीमियों में बीजों की लड़ी छिपा रखी है।

प्रश्न 7.तितलियों के उड़ने से वातावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? इस दृश्य को देखकर कवि अनूठी कल्पना कर रहा है?

उत्तर-पेड़-पौधे एवं फ़सलों पर रंग-बिरंगे सुंदर फूल खिले हैं। ये फूल हवा के साथ झूम रहे हैं तितलियाँ उड़ती-फिरती एक फूल से दूसरे फूल पर आ जा रही हैं। इससे वातावरण अत्यंत सुंदर बन गया है। इनको देखकर कवि यह कल्पना करता है कि स्वयं फूल ही उड़कर एक डाल से दूसरी डाल पर जा रहे हैं।

प्रश्न 8.अमरूद, बेर और आँवला जैसे फल और उनके पेड़ कवि का मन क्यों लुभा रहे हैं?

उत्तर-कच्चे हरे दिखाई देने वाले अमरूद अब पककर पीले हो गए हैं और उन पर लाल-लाल चित्तियाँ पड़ गई हैं। बेर के फल अब पककर सुनहरे और मीठे हो गए हैं। आँवले की डालियाँ अब छोटे-छोटे आँवलों से जड़ी हुई दिखाई दे रही हैं। इस कारण ये फल और पेड़ कवि का मेन लुभा रहे हैं।

प्रश्न 9.कवि ने हरी थैली किसे कहा है और क्यों ?

उत्तर-कवि ने शिमला मिर्च के पौधों पर आई बड़ी-बड़ी मिर्चों को हरी थैली कहा है। ये मिर्च गुच्छों के रूप में इन पौधों पर लटक रहे हैं। इन्हें देखकर लगता है कि बड़ी-बड़ी हरी-हरी थैलियाँ लटक रही हैं।

प्रश्न 10.कवि द्वारा हरियाली और तारों का किस तरह मानवीकरण किया गया है? 'ग्राम श्री' कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर-हरियाली पर सरदियों की धूप पड़ने से लग रहा है कि हरियाली हँस रही है जो धूप के साथ मिलकर सुखपूर्वक अलसाई सी सो रही है। शाम के समय ओस पड़ने से रात भीगी-सी लग रही है। ऐसी रात में तारों को देखकर लगता है कि वे सपनों में खोए हुए हैं

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 1.प्रकृति सतत परिवर्तनशील है। 'ग्राम श्री' कविता में वर्णित आम, पीपल और ढाक के पेड़ों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'ग्राम श्री' कविता में एक ओर दर्शाया गया है कि आम के पेड़ों पर अब सोने और चाँदी के रंग के बौर आ चुके हैं। इससे सारी डालियाँ मंजरियों-सी जड़ी हुई लग रही हैं। दूसरी ओर पीपल और ढाक के पेड़ अपनी पुरानी पत्तियाँ गिराते जा रहे हैं। पत्तियाँ गिरने से ढूँठ जैसे दिखने वाले ये पेड़ सौंदर्यहीन हो गए हैं जबकि आम के पेड़ का सौंदर्य बढ़ गया है। इस तरह एक ओर सौंदर्य की सृष्टि हो रही है तो दूसरी ओर समाप्ति। इस तरह हम कह सकते हैं कि प्रकृति सतत परिवर्तनशील है।

प्रश्न 2.'ग्राम श्री' कविता में कुछ पेड़ वातावरण की सुंदरता में वृद्धि कर रहे हैं तो कुछ वातावरण को महका रहे हैं। वातावरण को सुगंधित बनाने वाले इन पेड़ों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर-'ग्राम श्री' कविता में आम, अमरूद, आँवला आदि ऐसे अनेक पेड़ों का उल्लेख है जो वातावरण की सुंदरता बढ़ा रहे हैं तो कुछ पेड़ ऐसे भी हैं जो वातावरण को सुगंधित बना रहे हैं। ऐसे पेड़ों में कटहल, जामुन, आड़ू., नींबू, अनार आदि प्रमुख हैं। इन पर फूल आ गए हैं जिसकी सुगंध चारों तरफ़ फैल रही है। इसके अलावा खेतों में धनिया भी उगा है जो अपनी महक बिखेर रहा है।

प्रश्न 3.गंगा के किनारों का सौंदर्य देखकर कवि अभिभूत क्यों है? 'ग्राम श्री' कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर-गंगा के दोनों किनारों की चमकती रेत धूप में सतरंगी प्रतीत हो रही है। हवा से पानी के लहराने के कारण रेत पर टेढ़ी-मेढ़ी रेखाएँ बन गई हैं, जो साँपों के चलने से बनी हुई लगती है। इनके किनारे सरपत से लदी हुई तरबूजों की खेती सुंदर लग रही है। इसी सरपत नामक लंबी-लंबी घास से बनी कुछ झोपड़ियाँ भी हैं, जिनमें बैठकर तरबूजों एवं सब्जियों की रखवाली की जाती है। पानी में पक्षी अपनी-अपनी क्रीड़ा में व्यस्त हैं। यह सब देखकर कवि अभिभूत है।

प्रश्न 4.'ग्राम श्री' कविता के आधार पर गाँव के उस सौंदर्य का वर्णन कीजिए जिसके कारण वे जन-मन को आकर्षित कर रहे हैं?

उत्तर-गाँव में पेड़-पौधे एवं फ़सलों के कारण चारों ओर हरियाली फैली है। सरदियों की गुलाबी धूप पाकर यह हरियाली खिल उठती है। ऐसा लगता है कि जैसे धूप और हरियाली सुख से सोए हुए हैं। ओस भरी शांत रातों में तारों को देखकर लगता है कि वे जैसे सपनों में खोए हुए हैं। हरा-भरा गाँव पन्ना नामक हरे रत्न के खुले डिब्बे जैसा लग रहा है जिसको नीला आकाश आच्छादित किए हुए है। अपनी सुंदरता में अनूठे, सुंदर और शांत गाँव इतने अच्छे लग रहे हैं कि वे लोगों का मन अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं।

मेघ आए - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

सारांश-'मेघ आए' कविता सुप्रसिद्ध कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना द्वारा रचित है। इस कविता में कवि ने मेघों के आगमन को एक विशेष अतिथि के स्वागत के रूप में प्रस्तुत किया है। ग्रामीण परिवेश में जब कोई विशेष अतिथि, जैसे दामाद, आता है तो गाँव में उल्लास और उमंग का वातावरण बन जाता है। उसी प्रकार, कवि ने मेघों के आगमन को प्रकृति के उल्लास से जोड़ा है। इस कविता में मानवीकरण एवं रूपक के माध्यम से वर्षाकवि ने वर्षा ऋतु के आगमन को मानवीय भावनाओं से जोड़कर एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत किया है। वर्षा को ऐसे दिखाया गया है जैसे कोई बहुत प्रिय अतिथि (जिसे दामाद के रूप में यहाँ बताया गया है), लंबे समय बाद गाँव में आया हो। जब बादल सज-धजकर आते हैं, तो ठंडी हवा नाचती-गाती चलती है, जैसे किसी खास मेहमान की खबर पूरे गाँव में फैला रही हो। लोग खुशी से अपने घरों की खिड़कियाँ और दरवाज़े खोलकर इस सुंदर नज़ारे का आनंद लेते हैं, जैसे किसी प्रियजन के स्वागत में उत्साहित हों।

जब आँधी चलती है, तो धूल इस तरह उड़ती है मानो गाँव की महिलाएँ घाघरा उठाकर दौड़ रही हों। पेड़ भी झुककर बादलों को देखने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे कोई उत्सुक व्यक्ति दूर से आने वाले अतिथि को देखने के लिए गर्दन उचकाए देखरहाहो। नदी रूपी महिलाएँ भी ठिठककर बादलों को तिरछी नज़रों से देख रही है, जैसे उसने संकोच में अपना घूँघट हल्का-सा सरका लिया हो। पूरा वातावरण उल्लास और उमंग से भर जाता है, जैसे सभी प्रकृति के तत्व बादलों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हों।

बूढ़ा पीपल झुककर बादलों का स्वागत करता है, जैसे घर के बुज़ुर्ग दामाद का स्वागत करते हैं। वहीं, बेल (लता) मानो नखरे से कह रही हो कि इतने दिनों बाद ही तुम्हें हमारी याद आई? तालाब भी खुशी से भरकर बादलों के लिए पानी से भरी परात लेकर खड़ा है, जैसे कोई मेहमान के पाँव धोने के लिए जल लाता हो।

सबसे सुंदर दृश्य तब बनता है जब बिजली चमकती है और प्रेमिका को विश्वास हो जाता है कि उसका प्रियतम (बादल) सच में आ गया है। पहले उसे संदेह था, लेकिन प्रियतम को सामने देखकर उसकी आँखों से प्रेम के आँसू छलक पड़ते हैं। मिलन की इस खुशी में मानो प्रकृति भी बहक उठती है, और बारिश की बूँदें झर-झर पृथ्वी पर गिरने लगती हैं। इस प्रकार, कवि ने वर्षा ऋतु को एक सुखद पुनर्मिलन के रूप में दर्शाया है, जिसमें प्रेम, उलाहना, उत्साह और आनंद के भाव स्पष्ट रूप से झलकते हैं।

इस प्रकार, कविता में वर्षा के आगमन का एक उत्सव के रूप में चित्रण किया गया है। ऋतु के आगमन का सुंदर चित्रण किया गया है।

व्याख्या-

[1]

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

शब्दार्थ-

मेघ - बादल, बन-ठन के, सँवर के - सजे-धजे, सुंदर रूप में, बयार - ठंडी हवा

आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली - वर्षा के आगमन की खुशी में हवा बहने लगी, शहरी मेहमान के आगमन की खबर सारे गाँव में तेज़ी से फैल गई, पाहुन - अतिथि (विशेष रूप से दामाद)

व्याख्या- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने वर्षा ऋतु के आगमन पर गाँव में उत्पन्न होने वाले आनंद और उत्साह का सजीव चित्रण किया है। कवि ने बादलों को एक विशेष अतिथि के रूप में प्रस्तुत किया है, जो बड़े बन-ठनकर गाँव में आए हैं, जैसे कोई दामाद अपने ससुराल सज-धज कर आता है। उनके स्वागत में ठंडी हवा नाचती-गाती चल रही है, मानो उनके आगमन का संदेश पूरे गाँव में फैला रही हो। बादलों के आगमन से गाँव में उमंग की लहर दौड़ जाती है, लोग उत्सुकता से अपने घरों की खिड़कियाँ और दरवाज़े खोलकर इस प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने लगते हैं, जैसे किसी सम्मानित मेहमान के स्वागत में पूरा गाँव उमंग से भर उठता है।

[2]

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

शब्दार्थ-

पेड़ झुक झाँकने लगे - पेड़ हवा में झुककर बादलों को देखने लगे, गरदन उचकाए - उत्सुकतापूर्वक सिर उठाना, धूल भागी घाघरा उठाए - धूल तेज़ हवा में उड़ने लगी, जैसे स्त्रियाँ घाघरा संभालकर दौड़ रहीं हों, बाँकी चितवन - बाँकपन लिए दृष्टि, तिरछी नज़र, नदी ठिठकी - नदी का जल थम-सा गया, घूँघट सरके - संकोचवश घूँघट थोड़ा हट गया

व्याख्या- कवि वर्षा ऋतु के आगमन को एक सुंदर दृश्य के रूप में प्रस्तुत करते हैं। बादलों के छाने और आँधी चलने पर धूल इस तरह उड़ने लगती है, जैसे गाँव की महिलाएँ घाघरा उठाकर दौड़ रही हों। हवा के प्रभाव से पेड़ झुककर ऐसे प्रतीत होते हैं मानो वे अपनी गर्दन उठा उठाकर उत्सुकता से मेहमान (बादलों) को देखने का प्रयास कर रहे हों। वहीं, नदी रूपी औरतें ठिठककर संकोच भरी नजरों से बादलों को निहार रही है, जैसे कि उन लोगों ने अपना घूँघट हल्का-सा सरका लिया हो। इस प्रकार, पूरे प्राकृतिक वातावरण में उल्लास और उत्सुकता का भाव उमड़ आया है, जो बादलों के आगमन को एक स्वागत करने योग्य अवसर के रूप में दर्शाता है।

[3]

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की,
'बरस बाद सुधि लीन्हीं'-
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

शब्दार्थ-बूढ़े पीपल - पुराना (बूढ़ा) पीपल का पेड़, जुहार करना - आदर के साथ झुककर नमस्कार करना, बरस बाद सुधि लीन्हीं - कई वर्षों बाद याद किया, अकुलाई लता - व्याकुल लता (बेल), ओट हो किवार की - दरवाजे की आड़ में छिपकर, हरसाया ताल - प्रसन्न हुआ तालाब, पानी परात भर के - पानी से भरी परात (बर्तन) लाया

व्याख्या- कवि ने वर्षा ऋतु के आगमन को मानवीय भावनाओं से जोड़कर उसका सुंदर चित्रण किया है। जिस प्रकार कोई दामाद लंबे समय बाद ससुराल लौटता है, तो परिवार के बड़े-बुजुर्ग झुककर उसका आदरपूर्वक स्वागत करते हैं, वैसे ही बूढ़ा पीपल भी झुककर बादलों का अभिवादन करता है। वहीं, लता रूपी नवविवाहिता मानो दरवाजे की ओट से नखरे से कह रही हो– "इतने दिनों बाद ही तुम्हें हमारी याद आई?" इसी खुशी में तालाब भी उमंग से भरकर अतिथि का स्वागत करने के लिए पानी से परात भर लाया है, जैसे कोई मेहमान के पाँव धोने के लिए जल लाता हो। इस प्रकार कवि ने प्रकृति के माध्यम से बादलों के स्वागत को एक पारिवारिक मिलन की तरह दर्शाया है, जिसमें प्रेम, उलाहनाऔर उत्साह का भाव स्पष्ट रूप से झलकता है।

[4]

क्षितिज अटारी गहराई दामिनि दमकी,

'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की',
बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

शब्दार्थ-

क्षितिज-अटारी गहराई - अटारी पर पहुँचे अतिथि की भाँति क्षितिज पर बादल छा गए

दामिनी दमकी - बिजली चमकी , तन-मन आभा से चमक उठा

क्षमा करो गाँव खुल गई अब भरम की - बादल नहीं बरसेगा का श्रम टूट गया, प्रियतम अपनी प्रिया से अब मिलने नहीं आएगा - यह श्रम टूट गया, बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके - मेघ झर-झर बरसने लगे, प्रिया-प्रियतम के मिलन से खुशी के आँसू छलक उठे

व्याख्या- कवि ने यहाँ बादलों के आगमन को प्रियतम के आगमन से जोड़ा है। अब तक प्रेमिका को उनके आने की सूचना मात्र एक भ्रम लग रही थी, लेकिन जब बादल क्षितिज रूपी अटारी तक पहुँच जाते हैं और बिजली चमक उठती है, तो मानो उसके हृदय में भी प्रेम की चिंगारी जाग उठती है। प्रियतम को सामने देखकर उसका सारा संदेह दूर हो जाता है, और वह मन ही मन अपने संकोच व अविश्वास के लिए क्षमा माँगने लगती है। फिर मिलन की इस अपार खुशी में, जैसे बाँध टूट जाता है और प्रेम के अश्रु झर-झर बहने लगते हैं, ठीक वैसे ही वर्षा की बूँदें पृथ्वी पर बरसने लगती हैं, जो मिलन की मधुरता को और भी गहरा बना देती हैं।

याद करने के लिए कविता के मुख्य बिंदु :

- मेघों का आगमन:

कवि ने मेघों के आगमन को एक दामाद के गाँव आने से तुलना की है, जहाँ मेघों को "बन-ठन के सँवर के" बताया गया है|

- प्रकृति का स्वागत:

प्रकृति के विभिन्न तत्वोंजैसे हवा, पेड़, नदी, ताल, आदि को मेघों के आगमन का स्वागत करते हुए दिखाया गया है|

- मानवीय भावनाओं का चित्रण:

कविता में प्राकृतिक तत्वों को मानवीय भावनाओं के साथ जोड़ा गया है, जैसे पेड़ों का झुकना, नदी का ठिठकना, आदि|

- जीवन में खुशी:

मेघों का आगमन जीवन में खुशी और शांति लाता है, और धरती को हरा-भरा करता है|

कविता में प्रयुक्त भाषा:

कविता में सरल और सहज भाषा का प्रयोग किया गया है, जो ग्रामीण परिवेश की झलक देती है|

उदाहरण-

- "मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।" (मेघों का आगमन)
- "पेड़ झुक झाँकने लगे।" (पेड़ों का मेघों के स्वागत में झुकना)
- "बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी।" (नदी का मेघों को देखकर ठिठकना)

"मेघ आए" कविता प्रकृति के प्रति कवि की गहरी प्रेम भावना को दर्शाती है और यह भी बताती है कि कैसे प्राकृतिक घटनाएँ भी मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक रिश्तों से जुड़ी होती हैं.

महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर -

[1] निम्नलिखित किसके प्रतीक हैं?

1.धूल, 2.पेड़, 3.नदी, 4., लता, 5.ताल

उत्तर-नीचे दिए गए शब्द और उनके प्रतीक इस प्रकार हैं-

1. धूल- मेघ रूपी मेहमान के आगमन से उत्साहित अल्हड़ बालिका का प्रतीक है।
2. पेड़- गाँव के आम व्यक्ति का प्रतीक है जो मेहमान को देखने के लिए उत्सुक है।
3. नदी- गाँव की नवविवाहिता का प्रतीक है जो घूँघट की ओर से तिरछी नज़र से मेघ को देखती है।
4. लता- नवविवाहिता मानिनी नायिका का प्रतीक है जो अपने मायके में रहकर मेघ का इंतजार कर रही है।

5. ताल- घर के नवयुवक का प्रतीक है जो मेहमान के पैर धोने के लिए पानी लाता है।

[2] मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के आने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर-मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात इसलिए कही गई है क्योंकि वर्षा के बादल काले-भूरे रंग के होते हैं। नीले आकाश में उनका रंग मनोहारी लगता है। इसके अलावा गाँवों में बादलों का बहुत महत्त्व है तथा उनका इंतजार किया जाता है।

[3] कविता में कवि ने आकाश में बादल और गाँव में मेहमान (दामाद) के आने का जो रोचक वर्णन किया है, उसे लिखिए।

उत्तर-मेघ रूपी शहरी पाहुन के आते ही पूरा गाँव उल्लास से भर उठा। शीतल बयार नाचती-गाती हुई पाहुन के आगे-आगे चलने लगी। सभी ग्रामवासियों ने अपने दरवाजे और खिड़कियाँ खोल लिए, ताकि वे पाहुन के दर्शन कर सकें। पेड़ उचक-उचककर पाहुन को देखने लगे। आँधी अपना घाघरा उठाए दौड़ चली। नदी बंकिम नयनों से मेघ की सज-धज को देखकर हैरान हो गई। गाँव के पुराने पीपल ने भी मानो झुककर नमस्ते की। आँगन की लता संकोच के मारे दरवाजे की ओट में सिकुड़ गई और बोली-तुमने तो बरसों बाद हमारी सुध ली है। गाँव का तालाब पाहुन के स्वागत में पानी की परात भर लाया। क्षितिज रूपी अटारी लोगों से लद गई। बिजली भी चमकने लगी। इस प्रकार पूरा गाँव उल्लास से तरंगित हो उठा।

[4] काव्य-सौंदर्य लिखिए-

पाहन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

उत्तर-भाव सौंदर्य- इन पंक्तियों में शहर में रहने वाले दामाद का गाँव में सज-सँवरकर आने का सुंदर चित्रण है।

शिल्प-सौंदर्य

•पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के' में उत्प्रेक्षा अलंकार, 'बड़े बन-ठनके' में अनुप्रास तथा 'मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के' में मानवीकरण अलंकार है।भाषा साहित्यिक खड़ी बोली है।रचना तुकांतयुक्त है।दृश्य बिंब साकार हो उठा है।माधुर्य गुण है।

[5] कविता में मेघ को 'पाहुन' के रूप में चित्रित किया गया है। हमारे यहाँ अतिथि (दामाद) को विशेष महत्त्व प्राप्त है, लेकिन आज इस परंपरा में परिवर्तन आया है। आपको इसके क्या करण नज़र आते हैं, लिखिए।

उत्तर-पहले गाँव अपने-अपने दायरों में सीमित होते थे। गाँववासियों को बाहरी संपर्क बहुत कम होता था। अतः यदा-कदा आने वाले अतिथि का स्वागत भी बड़े मान-सम्मान और उल्लास से होता था। गाँववासियों के पास आवभगत के लिए समय और भाव भी होता था।

आज परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं। मनुष्य के बाहरी संपर्क और कार्य बढ़ रहे हैं। हर मनुष्य अधिक-से-अधिक व्यस्त होता जा रहा है। उसका समय व्यक्तिगत स्वार्थ पूरा करने में ही लगने लगा है। यही कारण है कि आज अतिथि-सत्कार की परंपरा का निरंतर ह्रास हो रहा है।

[6] कविता में आए मुहावरों को छाँटकर अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए।

उत्तर-कविता में आए मुहावरे और उनका वाक्य प्रयोग-

- बन-ठनकर आना - ब्याह मंडप में सारे लोग बन-ठनकर आए थे।
- गरदन उचकाना - जादूगर का खेल देखने के लिए बच्चे को बार-बार गरदन उचकानी पड़ रही थी।
- सुधि लेना - उधार ले जाने के बाद कुछ लोग देने की सुधि नहीं लेते हैं।
- गाँठ खुलना - गाँठ खुलते ही दोनों के दिल का मैल धुल गया।
- बाँध टूटना - मिठाइयाँ देखकर बच्चे के धैर्य का बाँध टूट गया।

[7] कविता में प्रयुक्त आँचलिक शब्दों की सूची बनाइए।

उत्तर-

आँचलिक शब्दों की सूची-

बन-ठन, पाहुन, घाघरा, घूंघट, जुहार, ओट, किवार, परात, अटारी, भरम।

लघु उत्तरीय प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1.'मेघ आए' कविता में बादलों को किसके समान बताया गया है?
उत्तर-'मेघ आए' कविता में बादलों को शहर से आने वाले दामाद के समान बताया गया है क्योंकि बादल गाँव में उसी तरह सज-धजकर आ रहे हैं जैसे शहरी दामाद सज-धजकर आता है या इन बादलों का इंतज़ार भी दामाद की ही तरह किया जाता है।
प्रश्न 2.लता रूपी नायिका ने मेहमान से अपना रोष किस प्रकार प्रकट किया?
उत्तर-नवविवाहिता लता रूपी नायिका अपने पति का इंतज़ार कर रही थी पर उसका पति एक साल बाद लौटा तो लता ने उससे रोष प्रकट करते हुए कहा, "तुमने तो पूरे साल भर बाद सुधली है।" अर्थात् वह पहले क्यों नहीं आ गया।
प्रश्न 3.बूढ़ा पीपल किसको प्रतीक है? उसने मेहमान का स्वागत किस तरह किया?
उत्तर-बूढ़ा पीपल घर के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति का प्रतीक है। उसने मेहमान को आया देखकर आगे बढ़कर राम-जुहार की और उससे कुशल क्षेम पूछते हुए यथोचित स्थान पर बिठाया।
प्रश्न 4.'बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके' के आधार पर बताइए कि ऐसा कब हुआ और क्यों?
उत्तर-सब्रकाबाँध टूट गयाजब मेघ रूपी मेहमान अपनी लता रूपी नवविवाहिता पत्नी से मिला। पहले तो लता ने अपना रोष प्रकट किया और फिर उसका धैर्य टूटा। इससे उनकी आँखों से आँसू बहने लगे।
प्रश्न 5.प्राकृतिक रूप से किस भ्रम की गाँठ खुलने की बात कही गई है? 'मेघ आए' कविता के आधार पर लिखिए।
उत्तर-ग्रामीण संस्कृति में बादलों का बहुत महत्त्व है। वहाँ कृषि-कार्य बादलों पर निर्भर करता है, इसलिए बादलों की प्रतीक्षा की जाती है। इस बार जब साल बीत जाने पर भी बादल नहीं आए तो लोगों के मन में यह भ्रम हो गया था कि इस साल अब बादल नहीं आएँगे पर बादलों के आ जाने से उनके इस भ्रम की गाँठ खुल गई।
प्रश्न 6.'मेघ आए' कविता में किस संस्कृति का वर्णन किया गया है? सोदाहरण लिखिए।
उत्तर-'मेघ आए' कविता में ग्रामीण संस्कृति का वर्णन है। बादलों के आगमन पर उल्लास का वातावरण बनना, हवा चलना, पेड़ पौधों का झूमना, आँधी चलना, धूल उड़ना, लता का पेड़ की ओट में छिपना बादलों का गहराना, बिजली का चमकना, बरसात होना आदि सभी ग्रामीण संस्कृति से ही संबंधित हैं।
प्रश्न 7.कविता में मेघ रूपी मेहमान के आने पर कौन क्या कर रहे हैं?
उत्तर-'मेघ आए' कविता में हवा मेघ आने की सूचना देने का काम, पेड़ों द्वारा मेघ को देखने का कार्य, बूढ़ा पीपल, मेघ का स्वागत एवं अभिवादन करने, ताल द्वारा परात में पानी भरकर लाने का काम, लता द्वारा उलाहना देने एवं उससे मिलने का काम किया जा रहा है।
प्रश्न 8.'मेघ आए' कविता में नदी किसका प्रतीक है? वह पूँघट सरकाकर किसे देख रही है?
उत्तर-'मेघ आए' कविता में नदी गाँव की उस विवाहिता स्त्री का प्रतीक है जो अभी भी परदा करती है। वह किसी अजनबी या रिश्तेदार के सामने घूंघट करती है। वह गाँव आ रहे बादल रूपी मेहमान को पूँघट सरकाकर देख रही है।
प्रश्न 9.ताल किसका प्रतीक है? वह परात में पानी भरकर लाते हुए किस भारतीय परंपरा का निर्वाह कर रहा है?
उत्तर-ताल घर के किसी उत्साही नवयुवक का प्रतीक है। मेघ रूपी मेहमान के आने पर वह परात में पानी भर लाता है। ऐसा करके वह घर आए मेहमान के पाँव धोने की भारतीय संस्कृति की परंपरा का निर्वाह कर रहा है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.शहरी मेहमान के आने से गाँव में जो उत्साह दृष्टिगोचर होता है, उसे मेघ आए कविता के आलोक में लिखिए।
उत्तर-शहरी मेहमान के आने से गाँव में हर्ष उल्लास का वातावरण बन जाता है। गाँव में बादलों के आगमन का इंतज़ार किया जाता है। बादल के आते ही बच्चे, युवा, स्त्री, पुरुष सभी प्रसन्न हो जाते हैं। पेड़-पौधे झूम-झूमकर अपनी खुशी प्रकट करते हैं। बच्चे भाग-भाग बादलों के आने की सूचना देते फिरते हैं। युवा उत्साहित होकर बादलों को देखते हैं तो स्त्रियाँ दरवाजे खिड़कियाँ खोलकर बादलों को देखने लगती हैं। बादलों के बरसने पर सर्वत्र उत्साह का वातावरण छा जाता है।
प्रश्न 2.'मेघ आए' कविता में अतिथि का जो स्वागत-सत्कार हुआ है, उसमें भारतीय संस्कृति की कितनी झलक मिली है, अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर-'मेघ आए' कविता में मेघ रूपी मेहमान के आने पर उसका भरपूर स्वागत होता है। वह साल बाद अपनी ससुराल आ रहा है। यहाँ लोग उत्सुकता से प्रतीक्षारत हैं। मेहमान के आते ही घर का सबसे बुजुर्ग और सम्मानित सदस्य उसकी अगवानी करता है, उसको सम्मान देते हुए राम-जुहार करता है और कुशलक्षेम पूछता है। मेहमान को यथोचित स्थान पर बैठा देखकर घर का सदस्य उत्साहपूर्वक परात में पानी भर लाता है ताकि मेहमान के पैर धो सके। इस तरह हम देखते हैं कि मेहमान का जिस तरह स्वागत किया गया है उसमें भारतीय संस्कृति की पर्याप्त झलक मिलती है।

बच्चे काम पर जा रहे हैं - राजेश जोशी

<u>कविता का सार</u>

कविता *"बच्चे काम पर जा रहे हैं"* कवि राजेश जोशी द्वारा लिखी गई है। यह कविता उन बच्चों के बारे में है, जिन्हें उनका बचपन जीने का मौका नहीं मिलता और जिन्हें जीवन यापन के लिए काम पर भेजा जाता है। इन बच्चों को न तो स्कूल जाने का अवसर मिलता है और न ही खेलकूद का। वे अपनी गरीबी और परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए काम करने पर मजबूर होते हैं।

कवि ने इन बच्चों की स्थिति को "सभ्यता पर एक धब्बा" कहा है, क्योंकि यह हमारे समाज के लिए एक शर्मनाक बात है कि बच्चों को उनकी पढ़ाई और बचपन की ख़ुशी से वंचित रखा जा रहा है। बच्चों को इस उम्र में खेलने और पढ़ाई करने का हक मिलना चाहिए, लेकिन वे इसके बजाय काम पर भेजे जाते हैं।

कवि को चिंता है कि इस स्थिति का बच्चों के भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह ना सिर्फ उनके व्यक्तिगत विकास को रोकता है, बल्कि समाज और देश के लिए भी यह एक खतरे की घंटी है। कविता के माध्यम से कवि समाज को यह याद दिलाना चाहते हैं कि बच्चों का श्रम नहीं, बल्कि शिक्षा और खेल उनका अधिकार है। यदि हम बच्चों को उनके बचपन का पूरा आनंद और अवसर नहीं देंगे, तो हम अपने समाज के भविष्य को भी खतरे में डाल रहे हैं।

इस प्रकार, कविता बच्चों के अधिकारों, उनकी शिक्षा और उनके सुखी बचपन की आवश्यकता को दर्शाती है और समाज से अपील करती है कि बच्चों को काम करने के बजाय उनका बचपन जीने का अवसर दिया जाए।

"बच्चे काम पर जा रहे हैं" कविता के मुख्य बिंदु/माइंड मैप

1. बच्चों का काम पर जाना	2. सभ्यता पर धब्बा	3. बच्चों का भविष्य	4.समाज की जिम्मेदारी	5. भावनात्मक अपील
कविता में यह दिखाया गया है कि बच्चे अपनी उम्र के अनुसार खेलने, पढ़ने या अपने बचपन का आनंद लेने के बजाय काम पर जाते हैं। वे गरीबी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण काम करने के लिए मजबूर होते हैं।	बच्चों को इस उम्र में काम पर भेजना कवि के अनुसार सभ्यता पर एक धब्बा है। यह हमारे समाज की असफलता को दिखाता है, क्योंकि यह बच्चों के मूल अधिकारों, जैसे कि शिक्षा और बचपन, का उल्लंघन करता है।	कविता में यह चिंता व्यक्त की जाती है कि अगर बच्चों को उनके बचपन का अनुभव नहीं मिलेगा, तो उनका भविष्य अंधकारमय हो सकता है। शिक्षा और खेलने का अधिकार बच्चों का है, और यदि वे काम करते हैं, तो उनका मानसिक और शारीरिक विकास नहीं हो पाएगा।	कवि समाज से अपील करते हैं कि बच्चों को काम पर भेजने के बजाय उन्हें शिक्षा, खेल और स्वस्थ वातावरण देने का प्रयास किया जाए। यह केवल बच्चों का अधिकार नहीं, बल्कि समाज की जिम्मेदारी भी है कि वे बच्चों को एक अच्छा और सुरक्षित भविष्य दें।	कवि समाज को यह याद दिलाते हैं कि बच्चों का भविष्य हमारे समाज और देश के लिए महत्वपूर्ण है। यदि हम अब बच्चों को उनका अधिकार नहीं देंगे, तो आने वाली पीढ़ी का विकास रुक जाएगा।

<u>काव्यांश पर आधारित प्रश्न-</u>

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं

सुबह-सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?
क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग-बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बग़ीचे और घरों के आँगन
ख़त्म हो गए हैं एकाएक
तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह
कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल
पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुज़रते हुए
बच्चे, बहुत छोटे छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं।

1. कविता में बच्चों को काम पर भेजने को कवि किस रूप में व्यक्त करते हैं?
   A) सभ्यता का गौरव B) सभ्यता पर धब्बाC) समाज की सफलताD) समाज की पहचान
2. कविता में बच्चों का बचपन किस चीज़ से वंचित है?
   A) खेल और पढ़ाईB) परिवार और मित्रों सेC) आराम और सुखD) सुरक्षा और स्वास्थ्य
3. कविता में बच्चों के भविष्य के बारे में कवि की चिंता किस बात को लेकर है?
   A) बच्चों की शारीरिक ताकतB) बच्चों का शिक्षा से वंचित रहना
   C) बच्चों का खेलनाD) बच्चों का समाज में स्थान
4. कवि का मुख्य उद्देश्य क्या है?
   A) बच्चों को खेल कूद में भाग लेने के लिए प्रेरित करना
   B) बच्चों को काम पर जाने से रोकना और उनके अधिकारों को पहचानना
   C) बच्चों को अधिक श्रम करने के लिए उत्साहित करना
   D) बच्चों को नौकरी ढूँढने के लिए प्रेरित करना
5. कविता में बच्चों के काम पर जाने का क्या परिणाम बताया गया है?
   A) बच्चों का समाज में योगदान बढ़ेगाB) बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास रुक जाएगा
   C) बच्चों की स्थिति में सुधार होगाD) बच्चों का जीवन आसान हो जाएगा
6. कविता का मुख्य संदेश क्या है?
   A) बच्चों को अधिक श्रम करने के लिए प्रेरित करनाB) बच्चों को उनके अधिकारों से वंचित रखना
   C) बच्चों को शिक्षा और बचपन का आनंद लेने का अवसर देनाD) बच्चों को काम पर भेजने का समर्थन करना
7. कवि के अनुसार, बच्चों को काम पर भेजने की स्थिति क्या दर्शाती है?

A) बच्चों के विकास की दिशा में सकारात्मक कदमB) समाज की असफलता और बच्चों का भविष्य खतरे में हो
C) बच्चों की खुशी का प्रतीकD) बच्चों के शारीरिक विकास में मदद

8. कविता में "क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें" का क्या अर्थ है?
A) बच्चे खेल नहीं रहे हैंB) अंतरिक्ष में गेंदों का खो जाना
C) बच्चों का खेल खत्म हो जानाD) बच्चों के खेलने के अवसर समाप्त हो गए हैं

9. कवि के अनुसार, "सारी चीज़ें हस्बमामूल" का क्या अर्थ है?
A) सब कुछ बदल चुका हैB) सब कुछ सामान्य रूप से हो रहा है
C) बच्चों की स्थिति में सुधार हुआ हैD) दुनिया में कुछ भी बदल नहीं रहा

10. कविता में बच्चों के काम पर जाने को किसे संकेत किया गया है?
A) सामाजिक बदलावB) बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन
C) बच्चों की बढ़ती जिम्मेदारियांD) बच्चों की शिक्षा में सुधार

उत्तर: 1-B, 2-A, 3-B, 4-b, 5-B, 6-C, 7-B, 8-D, 9-B, 10-B

लघु उत्तरात्मक प्रश्न-उत्तर:

1. प्रश्न: बच्चे स्कूल क्यों नहीं जा पा रहे हैं?
उत्तर: बच्चे स्कूल इसलिए नहीं जा पा रहे हैं क्योंकि उन्हें पेट पालने के लिए काम करना पड़ता है।

2. प्रश्न: बच्चों के बचपन को क्या छीन रहा है?
उत्तर: गरीबी, मजबूरी और बाल श्रम बच्चों का बचपन छीन रहे हैं।

3. प्रश्न: बच्चों के हाथों में किताबों की जगह क्या है?
उत्तर: बच्चों के हाथों में किताबों की जगह औज़ार, थैले और बोरे हैं।

4. प्रश्न: लेखक को बच्चों की कौन-सी स्थिति देखकर दुख होता है?
उत्तर: लेखक को यह देखकर दुख होता है कि खेलने-कूदने और पढ़ने की उम्र में बच्चे मज़दूरी कर रहे हैं।

5. प्रश्न: बच्चों का बचपन क्यों छिन गया है?
उत्तर: बच्चों का बचपन गरीबी और मजबूरी के कारण छिन गया है।

6. प्रश्न: लेखक बच्चों को कहाँ देखना चाहता है?
उत्तर: लेखक बच्चों को स्कूलों में पढ़ते, खेलते और हँसते हुए देखना चाहता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न-उत्तर

1. प्रश्न: पाठ “बच्चे काम पर जा रहे हैं” में लेखक ने बच्चों की कौन-सी समस्या को उजागर किया है?
उत्तर: पाठ “बच्चे काम पर जा रहे हैं” में लेखक ने बाल श्रम की गंभीर समस्या को उजागर किया है। वह बताता है कि हमारे समाज में अनेक बच्चे ऐसे हैं जो स्कूल जाने की उम्र में काम करने के लिए मजबूर हैं। वे फैक्ट्रियों, दुकानों, ढाबों और घरों में काम कर रहे हैं। यह स्थिति बहुत दुखद है क्योंकि यह उनका बचपन छीन लेती है। लेखक चाहता है कि समाज इस पर ध्यान दे और बच्चों को शिक्षा और खेल का अधिकार दिलाए। बच्चों का भविष्य तभी उज्ज्वल हो सकता है जब वे बाल श्रम से मुक्त होकर स्कूल जाएँ और खुशहाल जीवन जिएँ।

2. प्रश्न: लेखक का बच्चों के प्रति क्या संदेश है?
उत्तर: लेखक का बच्चों के प्रति स्पष्ट और भावुक संदेश है कि वे काम पर न जाकर स्कूल जाएँ। लेखक चाहता है कि बच्चों का बचपन उनके हाथों से न फिसले। वह कहता है कि बच्चे फूलों की तरह होते हैं, जिन्हें प्यार और देखभाल की ज़रूरत होती है। बच्चों को उनकी मुस्कान, उनका हक और उनका बचपन वापस मिलना चाहिए। लेखक समाज से आग्रह करता है कि वह बच्चों को बोझ नहीं, भविष्य समझे और उन्हें शिक्षा, खेल और अच्छे जीवन की ओर बढ़ने दे।

3. प्रश्न: पाठ "बच्चे काम पर जा रहे हैं" में बच्चों की स्थिति का वर्णन कीजिए।
उत्तर: पाठ "बच्चे काम पर जा रहे हैं" में लेखक ने उन बच्चों की स्थिति का मार्मिक चित्रण किया है जो स्कूल जाने और

खेलने-कूदने की उम्र में मेहनत-मजदूरी करने के लिए मजबूर हैं। ये बच्चे गरीबी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। उन्हें सुबह-सुबह बस्ते की जगह औजार उठाने पड़ते हैं। लेखक को यह देखकर दुख होता है कि मासूम बचपन जीवन की कठोर सच्चाइयों में खो गया है। लेखक समाज से यह अपेक्षा करता है कि बच्चों को उनका हक मिले, वे स्कूल जाएँ, पढ़ें-लिखें, और मुस्कराते हुए एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ें।

4. प्रश्न: लेखक ने बच्चों के लिए समाज से क्या अपील की है?

उत्तर: लेखक ने समाज से अपील की है कि वह बच्चों को बाल श्रम से मुक्त करे और उन्हें शिक्षा, खेल और प्यार भरा बचपन प्रदान करे। वह कहता है कि बच्चों को काम पर नहीं, स्कूल जाना चाहिए। लेखक चाहता है कि बच्चे हँसे, खेलें और अपने सपनों को पूरा करें। समाज का यह दायित्व है कि वह बच्चों को उनके अधिकार दिलाए और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रयास करे।

5. प्रश्न: लेखक का यह लेख समाज को क्या संदेश देता है?

उत्तर: लेख समाज को यह संदेश देता है कि बच्चों को शिक्षा, खेल और आत्मनिर्भर बनने का अधिकार मिलना चाहिए। हमें यह समझना चाहिए कि बच्चे देश का भविष्य हैं। यदि हम आज उनका बचपन बचाएँगे, तभी कल का समाज बेहतर होगा। इसलिए बाल श्रम को पूरी तरह समाप्त करना चाहिए।

<u>अन्य अभ्यास प्रश्न-</u>

1. प्रश्न: लेखक ने बच्चों की दशा का वर्णन कैसे किया है?

उत्तर: लेखक ने बच्चों की दयनीय दशा का मार्मिक चित्रण किया है। वह बताता है कि ये बच्चे सुबह-सुबह नींद से उठते हैं और काम पर निकल जाते हैं, जबकि उस उम्र में उन्हें स्कूल जाना चाहिए। उनके चेहरे पर थकान और उदासी होती है। उनके पास खेलने, पढ़ने और सपने देखने का समय नहीं है। लेखक को यह देखकर बहुत पीड़ा होती है कि बचपन जो खुशियों और आज़ादी का समय होता है, वो मजदूरी में बीत रहा है।

2. प्रश्न: लेखक को बच्चों की ओर देखकर क्या अनुभव होता है?

उत्तर: लेखक को बच्चों की हालत देखकर दुःख, असहायता और गुस्सा महसूस होता है। वह सोचता है कि समाज इतना संवेदनहीन क्यों हो गया है कि इन बच्चों को बचपन में ही काम पर भेज देता है। लेखक को लगता है कि यह बाल श्रम एक अपराध है और इससे बच्चों का बचपन छीन लिया जाता है।

3. प्रश्न: 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' शीर्षक पाठ का उद्देश्य क्या है?

उत्तर: इस पाठ का मुख्य उद्देश्य समाज को बाल श्रम के विरुद्ध जागरूक करना है। लेखक यह संदेश देना चाहता है कि बच्चों को शिक्षा, खेल और सुखद जीवन का अधिकार है, न कि मजदूरी का। पाठ के माध्यम से वह यह दिखाना चाहता है कि यदि समाज ने ध्यान नहीं दिया तो ये बच्चे भविष्य में समाज के लिए बोझ बन सकते हैं।

4. प्रश्न: लेखक किस प्रकार बाल श्रमिकों के प्रति संवेदना प्रकट करता है?

उत्तर: लेखक उन बच्चों की व्यथा को देखकर अत्यंत व्याकुल होता है। वह उनकी थकी हुई आँखें, फटे पुराने कपड़े और मासूमियत को देखकर भावुक हो जाता है। लेखक चाहता है कि इन बच्चों को उनका अधिकार मिले और वे भी अच्छे स्कूलों में जाकर पढ़ सकें।

5. प्रश्न: बच्चों को काम पर क्यों जाना पड़ता है?

उत्तर: बच्चों को काम पर जाना पड़ता है क्योंकि उनके परिवार बहुत गरीब होते हैं। माता-पिता की आय इतनी नहीं होती कि वे पूरे परिवार का भरण-पोषण कर सकें। कभी-कभी बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, तो उन्हें खुद जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। कुछ जगहों पर लालच देकर बच्चों से काम करवाया जाता है।

6. प्रश्न: बाल श्रम समाज के लिए कैसे हानिकारक है?

उत्तर: बाल श्रम समाज के लिए बहुत हानिकारक है। इससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास रुक जाता है। वे अशिक्षित रह जाते हैं और आगे चलकर बेरोजगारी, अपराध या गरीबी का शिकार हो सकते हैं। इससे समाज में असमानता और असुरक्षा का माहौल बनता है। यह देश की प्रगति में बाधा है।

7. प्रश्न: लेखक को 'काम पर जाते हुए बच्चे' देखकर क्या-क्या बातें याद आती हैं?

उत्तर: लेखक को अपना बचपन याद आता है जब वह स्कूल जाता था, खेलता था और बिना किसी चिंता के जीवन जीता था। वह सोचता है कि यदि वह भी किसी गरीब परिवार में जन्मा होता तो शायद यही हाल होता। उसे लगता है कि बचपन को बचाना बहुत ज़रूरी है।

8. प्रश्न: क्या केवल सरकार ही बाल श्रम रोक सकती है?

उत्तर: नहीं, केवल सरकार नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। माता-पिता को अपने बच्चों को काम पर भेजने के बजाय शिक्षा दिलाने पर जोर देना चाहिए। समाज को ऐसे बच्चों की मदद करनी चाहिए और उन्हें स्कूल तक पहुँचाना चाहिए। सरकार कानून बना सकती है, परंतु जब तक हम जागरूक नहीं होंगे, तब तक सुधार संभव नहीं है।

कृतिका भाग-1 (पूरक पाठ्यपुस्तक)

इस जल प्रलय में-फणीश्वरनाथ रेणु

पाठ का सार

पाठ "इस जल प्रलय में" लेखक फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा लिखित एक संस्मरणात्मक रचना है। इस पाठ में उन्होंने 1954 में बिहार में आई भयंकर बाढ़ की मार्मिक स्थिति का वर्णन किया है। लेखक ने अपनी आँखों से देखी त्रासदी को जीवंत शब्दों में प्रस्तुत किया है। लेखक ने स्वयं के अनुभवों के माध्यम से बताया है कि बाढ़ किस प्रकार से मानव जीवन को प्रभावित करती है। बाढ़ आने पर पूरा गाँव पानी में डूब गया, खेत-खलिहान, घर, जानवर सब डूबने लगे। लोग जान बचाने के लिए ऊँचे स्थानों की ओर भागने लगे। लेखक ने देखा कि किस तरह लोगों को खाना-पानी तक उपलब्ध नहीं था। बूढ़े, बच्चे और महिलाएँ त्राहि-त्राहि कर रहे थे। कई लोग पेड़ों पर चढ़े हुए थे और कई अपने घर की छतों पर मदद की उम्मीद में बैठे थे।

लेखक ने इस जल प्रलय के बीच मानवता, साहस और सहयोग की भावना को भी महसूस किया। कई लोग एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। उन्होंने बताया कि संकट की इस घड़ी में लोगों ने एक-दूसरे को सहारा देकर उम्मीद की लौ को जलाए रखा।इस प्रकार, यह पाठ केवल एक प्राकृतिक आपदा का वर्णन नहीं है, बल्कि मानवीय करुणा, एकता और संघर्षशीलता का भी प्रेरणादायक चित्र प्रस्तुत करता है।

पाठ के मुख्य बिंदु-

बाढ़ का अनुभव

○लेखक ने पहली बार 1967 में पटना में बाढ़ का प्रत्यक्ष अनुभव किया।
○गाँव में रहते हुए उन्होंने केवल बाढ़ की कल्पना और लेखन किया था।

शहर का दृश्य

○पुनपुन नदी का पानी राजेन्द्रनगर, कंकड़बाग जैसे इलाकों में घुस आया।
○पानी घरों, सड़कों, दुकानों और दफ्तरों में भर गया।

मानव व्यवहार

○लोग सामान्य दिनों की तरह व्यवहार कर रहे थे।
○घबराहट कम, पर सतर्कता अधिक दिखी।
○पान की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई थी।

सरकारी तंत्र की तैयारी

○प्रशासन की ओर से रेडियो द्वारा सूचनाएँ दी जा रही थीं।
○लेकिन ज़मीनी स्तर पर तैयारी अपर्याप्त थी।

व्यक्तिगत और सामाजिक प्रतिक्रिया

○लेखक ने घर में ज़रूरी सामान जमा किया और प्रतीक्षा की।
○लोगों ने एक-दूसरे की सहायता भी की।
○संकट में भी मानवता जीवित रही।

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पात्मक प्रश्न-उत्तर

गद्यांश-1

"मेरे कई उपन्यासों में बाढ़ की विनाश-लीलाओं के अनेक चित्र अंकित हुए हैं। किंतु, गाँव में रहते हुए बाढ़ से घिरने, बहने, भंसने और भोगने का अनुभव कभी नहीं हुआ। वह तो पटना शहर में सन् 1967 में ही हुआ, जब अट्ठारह घंटे की अविराम वृष्टि के कारण पुनपुन का पानी राजेंद्रनगर, कंकड़बाग तथा अन्य निचले हिस्सों में घुस आया था। अर्थात बाढ़ को मैंने भोगा है, शहरी आदमी की हैसियत से। इसीलिए इस बार जब बाढ़ का पानी प्रवेश करने लगा, पटना का पश्चिमी इलाका छातीभर पानी में डूब गया तो हम घर में ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी और कांपोज़ की गोलियाँ जमाकर बैठ गए और प्रतीक्षा करने लगे।"

प्रश्न 1. लेखक ने बाढ़ को पहली बार व्यक्तिगत रूप से कब और कहाँ अनुभव किया?
A) 1947 में दिल्ली मेंB) 1967 में गाँव में C) 1967 में पटना शहर मेंD) 1950 में कोलकाता में

प्रश्न 2. बाढ़ आने की आशंका के चलते लेखक ने घर में कौन-कौन सी वस्तुएँ संचित कर लीं?
A) कपड़े, किताबें, और रेडियोB) आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी, कांपोज़ की गोलियाँ
C) हथियार, मोबाइल, और टॉर्चD) नाव, रस्सी, और बैटरी

प्रश्न 3. लेखक ने पहले बाढ़ के अनुभव को किस रूप में प्रस्तुत किया था?
A) समाचार पत्रों में रिपोर्ट के रूप मेंB) फिल्मों के माध्यम से
C) अपने उपन्यासों के माध्यम सेD) रेडियो नाटकों में

प्रश्न 4. गद्यांश के अनुसार लेखक ने बाढ़ के समय किस हिस्से को छातीभर पानी में डूबा हुआ बताया?
A) राजेंद्रनगरB) पटना का पश्चिमी इलाका
C) कंकड़बागD) पुनपुन गाँव

प्रश्न 5. लेखक ने बाढ़ की स्थिति में किस भावना के साथ घर में ज़रूरी सामान इकट्ठा कर लिया था?
A) घबराहट में
B) मज़ाक में
C) सतर्कता और तैयारी की भावना से
D) क्रोध में

उत्तर: - 1-c, 2-b, 3-c, 4-b, 5-c

गद्यांश-2

शाम के साढ़े सात बज चुके और आकाशवाणी के पटना-केंद्र से स्थानीय समाचार प्रसारित हो रहा था। पान की दुकानों के सामने खड़े लोग, चुपचाप, उत्कर्ण होकर सुन रहे थे... "...पानी हमारे स्टूडियो की सीढ़ियों तक पहुँच चुका है और किसी भी क्षण स्टूडियो में प्रवेश कर सकता है।" समाचार दिल दहलाने वाला था। कलेजा धड़क उठा। मित्र के चेहरे पर भी आतंक की कई रेखाएँ उभरीं। किंतु हम तुरंत ही सहज हो गए; यानी चेहरे पर चेष्टा करके सहजता ले आए, क्योंकि हमारे चारों ओर कहीं कोई परेशान नज़र नहीं आ रहा था। पानी देखकर लौटते हुए लोग आम दिनों की तरह हँस-बोल रहे थे; बल्कि आज तनिक अधिक ही उत्साहित थे। हाँ, दुकानों में थोड़ी हड़बड़ी थी। नीचे के सामान ऊपर किए जा रहे थे। रिक्शा, टमटम, ट्रक और टेम्पो पर सामान लादे जा रहे थे। खरीद-बिक्री बंद हो चुकी थी। पानवालों की बिक्री अचानक बढ़ गई थी। आसन्न संकट से कोई प्राणी आतंकित नहीं दिख रहा था।

प्रश्न 1. समाचार में किस बात ने सभी को चौंका दिया?

A) बिजली कटने की सूचना B) दुकानों के बंद होने की सूचना

C) बाजार में भीड़ की सूचनाD) पानी के आकाशवाणी स्टूडियो की सीढ़ियों तक पहुँचने की सूचना

प्रश्न 2. लोगों का बाढ़ की स्थिति में कैसा व्यवहार दिखाई दिया?

A) लोग हँस-बोल रहे थे और कुछ अधिक उत्साहित थेB) सभी लोग शहर छोड़ने लगे

C)सभी लोग रोने लगेD) लोग सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे

प्रश्न 3. जब समाचार प्रसारित हो रहा था, तब लोग कहाँ खड़े होकर उसे सुन रहे थे?

A) घरों की छत परB) रेलवे स्टेशन पर

C) पान की दुकानों के सामनेD) बस अड्डे पर

प्रश्न 4. लोगों के चेहरे पर भय की जगह कौन-सी भावना अधिक दिखाई दे रही थी?

A) उदासीB) उत्तेजना और उत्साहC) क्रोधD) निराशा

प्रश्न 5. दुकानदार बाढ़ की स्थिति को देखते हुए क्या कर रहे थे?

A) दुकानें बंद कर भाग रहे थेB) ग्राहकों से सामान फेंकवा रहे थे

C)पानी भरकर बेच रहे थेD) नीचे रखे सामान को ऊपर रख रहे थे

उत्तर: - 1-D, 2-A, 3-c, 4-b, 5-D

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक ने गाँव में रहते हुए बाढ़ का अनुभव क्यों नहीं किया था?

लेखक का जन्म गाँव में हुआ था, परंतु उन्होंने वहाँ कभी प्रत्यक्ष रूप से बाढ़ का सामना नहीं किया। गाँव में रहने के दौरान वे बाढ़ के बारे में केवल सुनते और पढ़ते थे, पर उसका सीधा अनुभव नहीं हुआ।

2. लेखक ने पटना में बाढ़ आने पर किस प्रकार की तैयारियाँ कीं?

लेखक ने बाढ़ के खतरे को देखते हुए घर में ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी और कांपोज़ जैसी आवश्यक वस्तुएँ एकत्र कर लीं और घर में रुक कर प्रतीक्षा करने लगे।

3. 'पानी देखकर लौटते हुए लोग आम दिनों की तरह हँस-बोल रहे थे' – इस वाक्य से क्या आशय है?

इस वाक्य से स्पष्ट होता है कि लोग बाढ़ जैसे संकट की स्थिति में भी सामान्य व्यवहार कर रहे थे। वे घबराने के बजाय हँस-बोल रहे थे और स्थिति को सहज रूप में ले रहे थे।

4. लेखक को "वास्तविक बाढ़" का अनुभव कब और कहाँ हुआ?

लेखक को वास्तविक बाढ़ का अनुभव वर्ष 1967 में पटना शहर में हुआ, जब पुनपुन नदी का पानी कई इलाकों में घुस गया और शहर जलमग्न हो गया।

<u>दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</u>

1. पाठ "इस जल प्रलय में" में लेखक ने शहरी और ग्रामीण बाढ़ के अनुभव में क्या अंतर बताया है?

लेखक ने गाँव में रहते हुए कभी बाढ़ को भोगा नहीं था, जबकि शहरी जीवन में, विशेष रूप से 1967 में पटना में, उन्होंने बाढ़ को प्रत्यक्ष रूप से महसूस किया। गाँव की बाढ़ केवल कहानी थी, जबकि शहर की बाढ़ एक जीवंत त्रासदी थी। गाँव में बाढ़ से निपटने के पारंपरिक उपाय थे, वहीं शहर में लोग सुविधाओं पर निर्भर रहते हैं और असहाय हो जाते हैं।

2. बाढ़ के समय आम जनता की मानसिक स्थिति और व्यवहार का चित्रण लेखक ने कैसे किया है?

लेखक ने दिखाया कि बाढ़ के संकट में भी लोग सामान्य दिनचर्या जैसे व्यवहार कर रहे थे। कहीं डर था, तो कहीं उत्साह। लोग पान खा रहे थे, बातचीत कर रहे थे, पर भीतर ही भीतर एक बेचैनी भी थी। इस विरोधाभासी स्थिति को लेखक ने बहुत प्रभावशाली ढंग से चित्रित किया है।

3. बाढ़ के कारण उत्पन्न हुए सामाजिक, प्रशासनिक और व्यक्तिगत संकटों का वर्णन कीजिए।

बाढ़ ने यातायात, संचार और बिजली जैसी सेवाओं को बाधित कर दिया। दुकानों में अफरा-तफरी मच गई, सामान महंगे हो

गए। प्रशासन की तैयारी अधूरी थी और मदद समय पर नहीं पहुँची। व्यक्तिगत स्तर पर लोग असहाय, चिंतित और मानसिक रूप से थके हुए थे। यह आपदा लोगों के धैर्य और विवेक की परीक्षा बन गई।

4. "इस जल प्रलय में" पाठ एक प्राकृतिक आपदा की कहानी होते हुए भी मानवीय मूल्यों की पहचान कैसे कराता है?

पाठ में संकट के समय में मानवीय व्यवहार, सहानुभूति, सहयोग और साहस की झलक मिलती है। लोग एक-दूसरे की मदद करते हैं, बिना घबराए स्थिति का सामना करते हैं। यह पाठ यह दिखाता है कि आपदा केवल विनाश नहीं, बल्कि मानवता की परीक्षा और पुनर्स्थापना का अवसर भी होती है।

5. लेखक के अनुसार बाढ़ केवल जलप्रलय नहीं, बल्कि एक सामूहिक चेतना और मनोवैज्ञानिक अनुभव भी है - स्पष्ट कीजिए।

लेखक ने बाढ़ को केवल भौतिक विनाश नहीं माना, बल्कि एक मानसिक और सामाजिक अनुभव बताया है। लोगों की प्रतिक्रियाएँ, उनका डर, उनका साहस और आपसी सहयोग - ये सब मिलकर एक सामूहिक चेतना बनाते हैं। बाढ़ ने व्यक्ति को सोचने, समझने और अपने भीतर झाँकने का अवसर दिया

<u>अन्य अभ्यास प्रश्न</u>

1. प्रश्न: लेखक ने बाढ़ का दृश्य कैसे वर्णित किया है?

उत्तर: लेखक ने बाढ़ के दृश्य को बहुत ही मार्मिक और सजीव ढंग से प्रस्तुत किया है। पानी के कारण गाँव-घर, रास्ते, खेत-खलिहान सब डूब गए थे। लोग अपने घरों की छत पर शरण लिए हुए थे। मवेशी, अनाज, वस्त्र—सब कुछ जलमग्न हो चुका था। चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था। लेखक खुद भी उस त्रासदी का गवाह बनता है और उसे देखने पर उसकी संवेदनाएँ जाग जाती हैं। वह न केवल दृश्य को देखता है, बल्कि उसमें डूबकर उसके भीतर छिपे मानवीय दर्द और संघर्ष को महसूस करता है। यह वर्णन पाठ को एक जीवंत दस्तावेज़ बनाता है।

2. प्रश्न: 'इस जल प्रलय में' पाठ में लेखक ने बाढ़ के समय की स्थिति को कैसे चित्रित किया है?

उत्तर: लेखक ने बाढ़ की स्थिति को अत्यंत सजीव और मार्मिक रूप में चित्रित किया है। चारों ओर फैला पानी, घरों का डूब जाना, जानवरों और इंसानों का एक ही 'द्वीप' पर शरण लेना, यह सब स्थिति की भयावहता दर्शाते हैं। लेखक स्वयं नाव से प्रभावित क्षेत्रों में जाकर राहत कार्यों में लगे थे। वह 'पकाही घाव' की दवा, माचिस और तेल की अहमियत बताते हैं, जो उस समय भोजन से भी अधिक जरूरी थे। यह चित्रण केवल त्रासदी नहीं, मानवीय संवेदना, जीवटता और अनुभवों की गहराई को भी प्रकट करता है।

3. प्रश्न: बाढ़ के समय लोगों और जानवरों के बीच क्या संबंध देखने को मिलता है?

उत्तर: बाढ़ के समय इंसान और जानवरों के बीच का भेद मिट जाता है। दोनों ही एक जैसी स्थिति में होते हैं—शरण की तलाश में, भूखे, डरे और असहाय। लेखक एक स्थान पर बताता है कि एक द्वीप जैसे बालूचर पर हर तरह के प्राणी—चींटियाँ, साँप, सियार—शरण लिए हुए थे। एक और उदाहरण में एक बीमार युवक अपने कुत्ते को छोड़ने को तैयार नहीं होता, क्योंकि उसके लिए वह सिर्फ पालतू जानवर नहीं, 'साथी' है। यह संबंध उस संवेदनशीलता को दर्शाता है जो संकट के समय और गहरी हो जाती है।

4. प्रश्न: लेखक के मन में किस प्रकार की भावनाएँ उभरती हैं जब पानी बढ़ता जाता है?

उत्तर: जब पानी बढ़ता है तो लेखक के मन में भय, विस्मय, चिंता और एक प्रकार की विवशता की भावना उत्पन्न होती है। वह देखता है कि कैसे उसका आसपास का परिचित संसार धीरे-धीरे पानी में समा रहा है। उसकी आँखों के सामने दीवारें, खंभे, पेड़, दुकानें—सब कुछ डूबते जाते हैं। वह सोचता है कि यदि पानी रात में आया होता तो शायद वह भय से मर ही जाता। यह दृश्य उसे भीतर तक हिला देता है और वह इस असहाय स्थिति को बस देख भर सकता है—यह उसकी मानसिक दशा को दर्शाता है।

5. प्रश्न: लेखक के शब्दों से उसकी पत्रकार/लेखक की दृष्टि कैसे झलकती है?

उत्तर: लेखक की निगाह हर दृश्य को देखने के साथ-साथ उसे शब्दों में बाँधने की इच्छा से भरी है। वह बार-बार सोचता है कि काश, उसके पास कैमरा होता, रिकॉर्डर होता। पर अंततः वह अपनी कलम के न होने पर भी संतोष प्रकट करता है। इससे पताचलता है कि लेखक केवल एक दर्शक नहीं, बल्कि एक गवाह, एक संवेदनशील रिपोर्टर और समाज का द्रष्टा भी है। उसकी लेखनी जीवन की विडंबनाओं और सौंदर्य दोनों को पकड़ने में सक्षम है।

मेरे संग की औरतें - मृदुला गर्ग

"मेरे संग की औरतें" मृदुला गर्ग का एक संस्मरणात्मक लेख है, जो कक्षा 9 की हिंदी पाठ्यपुस्तक 'कृतिका' के दूसरे अध्याय के रूप में शामिल है। इसमें लेखिका ने अपनी नानी, दादी, परदादी और माँ के जीवन के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया है, जो पारंपरिक
समाज में रहते हुए भी अपनी सोच और कार्यों से समाज की सीमाओं को चुनौती देती हैं।

कहानी का सारांश:

लेखिका ने अपनी नानी को कभी देखा नहीं, क्योंकि उनकी माँ की शादी से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई थी। फिर भी, लेखिका ने अपनी नानी के बारे में सुना है कि वे पारंपरिक, अनपढ़ और परदा करने वाली महिला थीं। उनके पति शादी के तुरंत बाद बैरिस्ट्री पढ़ने के लिए विदेश चले गए थे और जब लौटे, तो विदेशी रीति-रिवाजों के साथ जीवन व्यतीत करने लगे। नानी ने कभी अपनी इच्छाओं या पसंद-नापसंद का इज़हार नहीं किया लेकिन जब नानी ने महसूस किया कि वे मृत्यु के करीब हैं, तो उन्होंने अपनी बेटी की शादी के लिए स्वतंत्रता सेनानी प्यारेलाल शर्मा से मिलने की इच्छा व्यक्त की। यह उनके जीवन के अंतिम समय में एक साहसिक कदम था, जो उनके व्यक्तित्व की गहरी समझ को दर्शाता है।लेखिका की माँ, जो नानी की इकलौती बेटी थीं, परंपराओं का पालन न करते हुए भी सबके दिलों पर राज करती थीं। वे नाज़ुक, सुंदर, ईमानदार और निष्पक्ष विचारों वाली महिला थीं। वे साहित्य, संगीत और किताबों में रुचि रखती थीं और कभी भी अपनी बेटी को अच्छी-बुरी की नसीहत नहीं देती थीं।लेखिका की परदादी, जो एक सामान्य महिला थीं, ने अपने पोते-पोतियों के लिए पहले बच्चे के रूप में लड़की पैदा होने की मन्नत माँगी। यह उनके मन में लड़का-लड़की के भेदभाव को लेकर असंतोष को दर्शाता है।लेखिका ने यह भी उल्लेख किया कि जीवन में इंसानों को अधिक श्रद्धाभाव से देखा जाता है, जो कभी झूठ नहीं बोलते, सच का साथ देते हैं, और जिनके इरादे मजबूत होते हैं।

मुख्य बिंदु:

नानी का साहसिक कदम: नानी ने अपने अंतिम समय में अपनी बेटी की शादी के लिए स्वतंत्रता सेनानी से मिलने की इच्छा व्यक्त की, जो उनके साहस और स्वतंत्र सोच को दर्शाता है।

माँ की विशेषताएँ: लेखिका की माँ परंपराओं का पालन न करते हुए भी सबके दिलों पर राज करती थीं।

परदादी की मन्नत: परदादी ने पहले बच्चे के रूप में लड़की पैदा होने की मन्नत माँगी, जो लड़का-लड़की के भेदभाव के खिलाफ उनके विचारों को दर्शाता है।

सहजता से सुधार: लेखिका ने यह सिद्ध किया कि डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है।

मुख्य विषय :

स्त्री जीवन की जटिलता और विविधता

प्रमुख पात्र	मुख्य विचार/संदेश	समाज की भूमिका	भाषा और शैली	प्रभाव
लेखिका स्वयं -अनुभवों की साक्षी -स्त्रियों की कहानियों की संवाहक अलग-अलग औरतें -गृहिणियाँ-मजदूर -स्वतंत्र विचारों वाली स्त्रियाँ -पारंपरिक समाज में संघर्षरत महिलाएँ	-स्त्री की आज़ादी बनाम सामाजिक बंधन -पीढ़ियों में स्त्री की स्थिति का बदलाव -सह-संवेदना और स्त्रियों के बीच संबंध -आत्मचिंतन और आत्माभिव्यक्ति की ज़रूरत	-रूढ़िवादी दृष्टिकोण -स्त्रियों पर लगाए गए नैतिक बंधन -स्त्री की आकांक्षाओं को दबाना	-आत्मकथात्मक एवं संवेदनशील -यथार्थपरक चित्रण -प्रकृति व सामाजिक प्रतीकों का प्रयोग	-पाठक को स्त्री जीवन के भीतर झाँकने का अवसर -मानवता और समानता की ओर प्रेरणा -संवाद की शुरुआत स्त्री स्वतंत्रता पर

1. 'मेरे संग की औरतें' पाठ की लेखिका कौन हैं?

A) मन्नू भंडारीB) मृदुला गर्गC) मैत्रेयी पुष्पाD) कृष्णा सोबती

2. इस रचना में 'औरतों' के साथ किस प्रकार का संबंध दर्शाया गया है?

A) प्रतियोगिता काB) सहयोग और आत्मीयता काC) ईर्ष्या काD) सामाजिक दूरी का

3. मृदुला गर्ग ने किन महिलाओं की बात विशेष रूप से की है?

A) शहरी उच्च वर्ग की महिलाएंB) अपनेआसपासकीऔरतेंC) विदेशी महिलाएंD) फ़िल्मी दुनिया की महिलाएं

4. लेखिका ने औरतों को किस प्रकार की शक्ति का प्रतीक माना है?

A) केवल सौंदर्य कीB) केवल विद्रोह कीC) सहनशीलता और सहयोग कीD) केवल आर्थिक शक्ति की

5. पाठ में लेखिका का दृष्टिकोण किस पर केन्द्रित है?

A) पुरुष प्रधान समाज परB) महिलाओं की आपसी समझ और जुड़ाव पर

C) राजनीतिक हालातों परD) शिक्षा व्यवस्था पर

6. "मेरे संग की औरतें" में किसका चित्रण नहीं है?

A) भावनात्मक जुड़ावB) आत्मीय संबंधC) नारी सशक्तिकरणD) तकनीकी विकास

7. इस पाठ में लेखिका किन भावनाओं को प्रकट करती हैं?

A) क्रोध और घृणाB) प्रेम, अपनापन और सम्मानC) द्वेष और प्रतिस्पर्धाD) तटस्थता और उदासीनता

8. मृदुला गर्ग ने महिलाओं की किस विशेषता को रेखांकित किया है?

A) उनकी निर्भरताB) उनकी निपुणता और आत्मनिर्भरताC) उनका सौंदर्यD) उनकी सज्जा

9. इस रचना में कौन-सा संदेश निहित है?

A) औरतें एक-दूसरे की दुश्मन होती हैंB) औरतों को केवल घर तक सीमित रहना चाहिए

C) सहयोग और समर्पण से औरतें एक-दूसरे की ताकत बन सकती हैंD) केवल शिक्षित महिलाएं ही सक्षम होती हैं

10. पाठ का प्रमुख स्वर क्या है?

A) आलोचनाB) व्यंग्यC) आत्मीयता और संवेदनाD) उपेक्षा

11. लेखिका ने 'औरतों' के साथ अपने संबंधों को किस रूप में व्यक्त किया है?

A) सामाजिक समझौते के रूप मेंB) एक औपचारिक संबंध के रूप में

C) पारिवारिक रिश्ते के रूप मेंD) आत्मीय रिश्ते और गहरे जुड़ाव के रूप में

12. पाठ में 'मेरे संग की औरतें' का आशय क्या है?

A) परिवार की महिलाएंB) सहकर्मी महिलाएं

C) जीवन यात्रा में साथ रहीं महिलाएंD) केवल घरेलू कामकाज करने वाली महिलाएं

13. मृदुला गर्ग किस बात पर विशेष बल देती हैं?

A) नारीवाद के सैद्धांतिक पक्ष परB) औरतों के जीवन की विविधता और उनके अनुभवों की साझेदारी पर

C) पुरुषों की आलोचना परD) तकनीकी प्रगति पर

14. लेखिका ने 'औरतों की ताक़त' को किससे जोड़ा है?

A) सामाजिक प्रतिष्ठा सेB) शैक्षिक योग्यता सेC) आपसी सहयोग और सहानुभूति सेD) राजनीतिक स्थिति से

15. पाठ के अनुसार लेखिका को सबसे ज़्यादा क्या प्रेरित करता है?

A) पुरुषों की सोचB) औरतों का संघर्ष और धैर्यC) आर्थिक सफलताD) साहित्यिक प्रतियोगिता

16. मृदुला गर्ग के लिए 'औरतें' किसका प्रतीक हैं?

A) दुख और लाचारी कीB) विरोध और विद्रोह की

C) आत्मबल, संघर्ष और संवेदनशीलता कीD) केवल परंपरा निभाने वाली

17. लेखिका ने किन औरतों का ज़िक्र सबसे अधिक आत्मीयता से किया है?

A) अपने पाठकों कीB) माँ, नानी, परदादीऔरबहनोंकाC) सरकारी अधिकारियों कीD) विद्यालय की शिक्षिकाओं की

18. पाठ का मूल उद्देश्य क्या है?

A) औरतों की आलोचना करनाB) समाज में स्त्रियों की स्थिति को उजागर करना

C) पुरुषों की भूमिका को बढ़ानाD) शिक्षा प्रणाली की समीक्षा करना

उत्तरमाला: 1. B 2.B 3. B 4. C 5. B 6. D 7. B 8. B 9. C 10. C 11. D 12. C 13. B 14. C 15. B 16. D 17. C 18. B

1. 'मेरे संग की औरतें' शीर्षक का क्या आशय है?

उत्तर:इस शीर्षक का आशय उन सभी स्त्रियों से है जो लेखिका के जीवन में किसी न किसी रूप में जुड़ी रही हैं–चाहे वे घरेलू सहायिकाएं हों, रिश्तेदार हों, या जीवन यात्रा की साथी। ये औरतें लेखिका की संवेदना, सोच और अनुभवों में गहराई से शामिल हैं।

2. लेखिका ने औरतों के साथ अपने रिश्ते को किस प्रकार दर्शाया है?

उत्तर:लेखिका ने अपने रिश्ते को आत्मीयता, अपनापन, और सहानुभूति से भरपूर बताया है। उन्होंने औरतों को केवल सामाजिक भूमिका में नहीं, बल्कि अपने जीवन की भावनात्मक यात्रा में महत्वपूर्ण साथी माना है।

3. मृदुला गर्ग ने किन स्त्रियों को विशेष रूप से याद किया है और क्यों?

उत्तर:लेखिका ने माँ, नानी, परदादीऔरबहनों को विशेष रूप से याद किया है क्योंकि उन्होंने लेखिका की कठिन घड़ियों में सहारा दिया, उनकी जिंदगी को सहज बनाने में सहयोग किया और निःस्वार्थ भाव से साथ निभाया।

4. लेखिका के अनुसार औरतों की असली ताकत क्या होती है?

उत्तर:लेखिका के अनुसार औरतों की असली ताकत उनकी सहनशक्ति, संवेदनशीलता, और दूसरों के दुःख-दर्द को समझने और बांटने की क्षमता में होती है। वे मिलकर एक-दूसरे को संबल दे सकती हैं।

5. लेखिका ने स्त्रियों को किस दृष्टिकोण से देखा है–सामाजिक या व्यक्तिगत?

उत्तर:लेखिका ने स्त्रियों को एक व्यक्तिगत दृष्टिकोण से देखा है। उन्होंने उनके साथ अपने भावनात्मक संबंधों, अनुभवों और आत्मीयता को रेखांकित किया है, न कि केवल सामाजिक ढांचे में बांधा है।

6. 'मेरे संग की औरतें' पाठ में नारी सशक्तिकरण का क्या रूप सामने आता है?

उत्तर:इस पाठ में नारी सशक्तिकरण का रूप आपसी सहयोग, आत्मनिर्भरता, और भावनात्मक ताकत के रूप में सामने आता है। औरतें एक-दूसरे का सहारा बनकर मुश्किलों का सामना करती हैं और मजबूत बनती हैं।

7. लेखिका ने 'झुनिया' और 'नन्हीं' के माध्यम से क्या संदेश दिया है?

उत्तर:इन पात्रों के माध्यम से लेखिका ने यह संदेश दिया है कि जीवन में शिक्षा या सामाजिक दर्जा ही नहीं, बल्कि इंसान की संवेदनशीलता और समर्पण ही उसे महान बनाते हैं।

8. लेखिका का अपनी स्त्री साथियों के प्रति कैसा भाव रहा है?

उत्तर:लेखिका का भाव अत्यंत आत्मीय, श्रद्धा से पूर्ण और संवेदनशील रहा है। उन्होंने उनके त्याग, सहयोग और समझदारी को गहराई से अनुभव किया और उनका आदर किया।

9. पाठ में 'औरतों की दुनिया' कैसी दिखाई गई है?

उत्तर:'औरतों की दुनिया' एक ऐसी दुनिया के रूप में दिखाई गई है जहाँ संघर्ष है, परंतु साथ ही सहारा भी है। जहाँ दुःख हैं, लेकिन उनके साथ संवेदना और अपनापन भी है।

10. इस पाठ का पाठकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर:यह पाठ पाठकों को स्त्रियों की सहनशीलता, सहयोगिता और भावनात्मक शक्ति के प्रति सम्मान और समझ विकसित करने को प्रेरित करता है। यह नारी जीवन के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण पैदा करता है।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

1. 'मेरे संग की औरतें' पाठ का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

-यह पाठ स्त्रियों के बीच आत्मीयता और सहयोग को दर्शाता है।

-लेखिका ने अपने जीवन की सहयात्रिणियों को याद करते हुए उनके महत्व को दर्शाया है।

-स्त्रियों के आपसी संबंध संघर्ष में भी संबल प्रदान करते हैं।

-आत्मीय रिश्ते सामाजिक वर्ग से ऊपर उठकर मानवीय मूल्यों को सामने लाते हैं।
2. मृदुला गर्ग ने स्त्रियों के किस रूप को रेखांकित किया है?
-स्त्रियों को केवल पीड़िता के रूप में नहीं देखा गया है।
-वे संवेदनशील, सशक्त और व्यावहारिक हैं।
-जीवन की विषम परिस्थितियों में वे धैर्य और समर्पण के प्रतीक बनती हैं।
3. 'मेरे संग की औरतें' शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।
-शीर्षक पाठ की आत्मा को दर्शाता है।
-यह लेखिका की जीवनयात्रा में आई स्त्रियों के लिए श्रद्धांजलि है।
-शीर्षक "मेरे संग" कहकर आत्मीयता का भाव व्यक्त करता है।
-यह विभिन्न सामाजिक वर्ग की स्त्रियों को समान रूप से मान्यता देता है।
4. मृदुला गर्ग द्वारा वर्णित स्त्रियों में कौन-सी विशेषताएँ सामान्य रूप से दिखाई देती हैं?
-सहनशीलता और त्याग की भावना।
-आत्मबल और जीवन के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण।
-भावनात्मक जुड़ाव और दूसरों की सहायता करने की प्रवृत्ति।
-परिस्थितियों से हार न मानने की क्षमता।
5. मृदुला गर्ग ने 'नारी विमर्श' को किस दृष्टिकोण से देखा है?
-लेखिका का दृष्टिकोण व्यक्तिगत और मानवीय है।
-उन्होंने सैद्धांतिक विमर्श के बजाय अनुभव आधारित दृष्टिकोण अपनाया है।
-उन्होंने स्त्रियों को प्रेरक, सहयोगी और आत्मनिर्भर के रूप में प्रस्तुत किया।
-उनका नारी विमर्श संवेदना और सह-अस्तित्व पर आधारित है।
6. लेखिका के जीवन मेंउसकी आसपास की महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालिए।
-वे भावनात्मक संबल थीं।
-नानीउसकेजीवनकीप्रेरणाथी|
7. पाठ में स्त्री-जीवन की कौन-कौन सी समस्याएं परोक्ष रूप से उजागर होती हैं?
-स्त्रियों के श्रम की उपेक्षा।
-आत्मसम्मान और पहचान का संघर्ष।
-परंतु ये समस्याएं स्त्रियों को तोड़ती नहीं, बल्कि मजबूत बनाती हैं।
8. लेखिका की भाषा-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
-भाषा सहज, सरल और आत्मीय है।
-भावनाओं को बहुत सजीवता से व्यक्त किया गया है।
-शैली में आत्मकथात्मक तत्व हैं जो पाठक को जोड़ते हैं।
-भाषिक प्रवाह में भावनाओं की गहराई स्पष्ट झलकती है।
9. पाठ में 'संग की औरतों' से लेखिका को क्या सीखने को मिला?
-जीवन की सच्ची व्यावहारिक समझ।
-सेवा, त्याग और अपनापन का मूल्य।
-आत्मबल और दूसरों के लिए समर्पण का भाव।
-छोटे कार्यों में छिपी बड़ी संवेदनाएं।

रीढ़ की हड्डी- जगदीश चन्द्र माथुर

यह एकांकी नारी की आत्मनिर्भरता, साहस और स्वाभिमान को उजागर करता है, जहाँ उमा नामक युवती एक सामाजिक रूढ़ि (लड़के देखने की परंपरा) को सशक्त ढंग से चुनौती देती है।

✍सारांश:

यह एक सामाजिक नाटक है जो एक ऐसे परिवार की कहानी है जिसमें उमा नाम की लड़की के लिए लड़केवाले देखने आते हैं। घर में सब उसकी शादी को लेकर उत्साहित हैं। उमा पढ़ी-लिखी, आत्मनिर्भर और आत्मसम्मान रखने वाली युवती है। वह केवल इसलिए किसी अनजान लड़के से विवाह नहीं करना चाहती कि समाज की परंपरा यही कहती है।

जब लड़केवाले उमा को देखने आते हैं, तो उसकी चुप्पी और असहमति को नजरअंदाज करते हुए उसके बारे में बातचीत की जाती है, जैसे वह कोई वस्तु हो। अंततः, उमा साहस जुटाकर सभी के सामने यह कह देती है कि वह यह रिश्ता नहीं चाहती। वह कहती है कि जब तक उसे किसी से प्रेम और समझदारी नहीं होगी, वह विवाह नहीं करेगी।

उमा का यह निर्णय सबको चौंका देता है, परंतु यह उसके स्वाभिमान और आत्मनिर्णय का प्रतीक बन जाता है। यह नाटक दर्शाता है कि आज की शिक्षित नारी में अपनी बात कहने और सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने का साहस और आत्मबल है।

☞ मुख्य संदेश:

नारी को अपनी इच्छा और स्वतंत्रता के साथ निर्णय लेने का अधिकार है।

केवल समाज की परंपरा के नाम पर लड़की को विवाहित करने की सोच गलत है।

नारी को भी अपने जीवन साथी को चुनने का अधिकार है।

आत्मसम्मान और निर्णय लेने की क्षमता ही व्यक्ति की "रीढ़ की हड्डी" है।

प्रतीकात्मक अर्थ-"रीढ़ की हड्डी" : नैतिक साहस, आत्मसम्मान और सामाजिक अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रतीक।

मुख्य पात्र	मुख्य विषयवस्तु	प्रमुख घटनाएँ	संदेश / शिक्षाएँ
उमा: शिक्षित,आत्मसम्मानी युवती जो सामाजिक रूढ़ियों का विरोध करती है। रामस्वरूप: उमा के पिता,जो बेटी की शिक्षा को छुपाकर उसका विवाह करना चाहते हैं। गोपाल प्रसाद: वर के पिता, जो कम पढ़ी-लिखी बहू की अपेक्षा रखते हैं। शंकर: वर, जिसकी चरित्रहीनता को उमा उजागर करती है।	सामाजिक रूढ़िवादिता: महिलाओं की शिक्षा और स्वतंत्रता को लेकर समाज की संकीर्ण सोच। लिंगभेद: पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग मानदंड। आत्मसम्मान और साहस: उमा का अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना।	रामस्वरूप द्वारा उमा की शिक्षा को छुपाने का निर्णय। वर पक्ष द्वारा कम पढ़ी-लिखी बहू की मांग। उमा द्वारा शंकर की चरित्रहीनता का खुलासा। उमा का विवाह से इनकार और समाज की सोच को चुनौती देना।	महिलाओं को अपने अधिकारों और आत्मसम्मान के लिए खड़ा होना चाहिए। सामाजिक रूढ़ियों और लिंगभेद का विरोध आवश्यक है। सही के लिए संघर्ष करना ही वास्तविक "रीढ़ की हड्डी" होना है।

1. उमा किस प्रकार की युवती है?

A) स्वभाव से डरपोकB) शिक्षित और आत्मसम्मानीC) घमंडीD) बेरोज़गार

2. रामस्वरूप अपनी बेटी की शिक्षा को क्यों छिपाना चाहते थे?

A) उन्हें अपनी बेटी की शिक्षा पर गर्व थाB) उन्हें डर था कि शिक्षा के कारण विवाह में समस्या आएगी

C) वे चाहते थे कि उमा डॉक्टर बनेD) वे नहीं चाहते थे कि उमा शादी के बाद काम करे

3. गोपाल प्रसाद किस प्रकार की बहू चाहते थे?

A) शिक्षित और आत्मनिर्भरB) कम पढ़ी-लिखी और पारंपरिकC) बहन के जैसीD) कार्यकुशल और व्यापार में सक्षम

4. उमा ने शंकर के बारे में क्या बताया?

A) वह अच्छा लड़का हैB) वह काफी पढ़ा-लिखा है

C) वह लड़कियों के साथ अनुचित व्यवहार करता हैD) वह बहुत मितव्ययी है

5. "रीढ़ की हड्डी" शीर्षक का प्रतीकात्मक अर्थ क्या है?

A) शारीरिक स्वास्थ्यB) आत्मबल और नैतिक दृढ़ताC) शरीर के अंदर रीढ़ की हड्डीD) समाज की रीढ़

6. उमा ने विवाह प्रस्ताव को क्यों ठुकराया?

A) उसे शंकर पसंद नहीं आयाB) उसे दहेज की चिंता थीC) शंकर का चरित्र संदिग्ध थाD) उसके पिता ने मना किया

7. रामस्वरूप की सोच में क्या विरोधाभास था?

A) वह अपनी बेटी को पढ़ाना चाहते थे, लेकिन उसकी शिक्षा को छुपाना चाहते थे

B) वह अपनी बेटी को डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन उसकी शादी जल्द कराना चाहते थे

C) वह चाहते थे कि उमा शादी के बाद घर में ही रहे

D) वह अपनी बेटी को घर के काम सिखाना चाहते थे

8. शंकर के बारे में क्या जानकारी दी गई थी?

A) वह बहुत शिक्षित थाB) वह आत्मनिर्भर थाC) वह लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करता थाD) वह पैसे कमाता था

9. उमा का स्वभाव कैसा था?

A) डरपोक और चुपचापB) आत्मनिर्भर और स्पष्टवादीC) संकोची और शर्मीलीD) झूठ बोलने वाली

10. इस नाटक में किसका विरोध किया गया है?

A) दहेज प्रथाB) महिला शिक्षाC) नारी का आत्मसम्मानD) सामाजिक रूढ़िवादिता

11. रामस्वरूप के लिए उमा की शिक्षा कितनी महत्वपूर्ण थी?

A) बहुत अधिक महत्वपूर्णB) केवल शादी के लिएC) समाज की परवाह नहीं थीD) उतनी महत्वपूर्ण नहीं थी

12. उमा ने शंकर के बारे में अपने माता-पिता से क्या कहा?

A) वह अच्छा लड़का हैB) वह बहुत अच्छा भविष्यवक्ता है

C) वह एक अच्छा इंसान नहीं हैD) वह मुझसे बहुत प्यार करता है

13. गोपाल प्रसाद की बेटी के लिए क्या अपेक्षाएँ थीं?

A) शिक्षित और स्वतंत्रB) कम पढ़ी-लिखी और शांत स्वभाव की

C) घर के कामकाजी और संगठितD) विद्रोही और आज्ञा की अवहेलना करने वाली

14. एकांकी में किसने समाज के परंपरागत विचारों को चुनौती दी?

A) रामस्वरूपB) उमाC) शंकरD) गोपाल प्रसाद

15. उमा ने शंकर को क्यों नकारा?

A) वह उसकी पसंदीदा पसंद नहीं थाB) वह आर्थिक रूप से स्थिर नहीं था

C) उसकी सोच और चरित्र गलत थेD) वह ज्यादा शिक्षित था

16. "रीढ़ की हड्डी" का यह शीर्षक किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

A) उमा के लिएB) रामस्वरूप के लिएC) शंकर के लिएD) गोपाल प्रसाद के लिए

17. उमा के लिए शिक्षा कितनी महत्वपूर्ण थी?

A) बहुत महत्वपूर्णB) कम महत्वपूर्णC) शादी से पहले ही ज्यादा जरूरीD) केवल पारिवारिक जीवन के लिए

18. रामस्वरूप किस बात से चिंतित थे?

A) उमा की शिक्षाB) उमा की शादी में रुकावटC) शंकर का चरित्रD) दहेज की कमी

उत्तरमाला :1. B 2. B 3. B 4. C 5. B 6. C 7. A 8. C 9. B 10. D 11. D 12. C 13. B 14. B 15. C 16. A 17. A 18. B

1.'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का मुख्य विषय क्या है?

उत्तर: यह एकांकी समाज में व्याप्त स्त्री-पुरुष असमानता, दहेज प्रथा और रूढ़िवादी सोच पर व्यंग्य करती है। इसमें नारी शिक्षा और आत्मसम्मान को प्रमुखता दी गई है।

2. रामस्वरूप अपनी बेटी उमा की उच्च शिक्षा को क्यों छिपाना चाहते थे?

उत्तर: रामस्वरूप को डर था कि यदि उमा की उच्च शिक्षा के बारे में लड़के वालों को पता चलेगा, तो वे रिश्ता नहीं करेंगे। इसलिए वे उमा को मैट्रिक पास बताना चाहते थे।

3. गोपाल प्रसाद विवाह को 'बिजनेस' क्यों मानते हैं?

उत्तर: गोपाल प्रसाद विवाह को एक लेन-देन का सौदा मानते हैं, जिसमें दहेज और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रमुख होती है। वे इसे भावनात्मक संबंध नहीं, बल्कि व्यापारिक समझौता मानते हैं।

4. उमा ने शंकर के बारे में क्या खुलासा किया?

उत्तर:उमा ने बताया कि शंकर लड़कियों के हॉस्टल के आसपास घूमता है और उसका चरित्र संदिग्ध है। वह अपने पिता पर निर्भर है और उसमें आत्मनिर्भरता की कमी है।

5. 'रीढ़ की हड्डी' शीर्षक का प्रतीकात्मक अर्थ क्या है?

उत्तर: यह शीर्षक आत्मसम्मान, नैतिक दृढ़ता और सिद्धांतों पर अडिग रहने का प्रतीक है। उमा ने शंकर की रीढ़हीनता की ओर संकेत करते हुए यह प्रश्न उठाया कि क्या उसमें रीढ़ की हड्डी है।

6. उमा ने लडके वालों के सामने अपने विचार क्यों प्रकट किए?

उत्तर:उमा ने अपने आत्मसम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए लड़के वालों के सामने स्पष्ट रूप से अपने विचार प्रकट किए, ताकि वे उसकी शिक्षा और व्यक्तित्व को समझ सकें।

7. रामस्वरूप की मानसिकता में क्या विरोधाभास था?

उत्तर:रामस्वरूप ने अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलाई, लेकिन विवाह के समय उसी शिक्षा को छिपाना चाहते थे। यह उनके आधुनिकता और रूढ़िवादिता के बीच के विरोधाभास को दर्शाता है।

8. एकांकी में उमा का चरित्र कैसा चित्रित किया गया है?

उत्तर:उमा को एक शिक्षित, आत्मनिर्भर, स्पष्टवादी और आत्मसम्मान से भरपूर युवती के रूप में चित्रित किया गया है, जो अन्याय और रूढ़िवादी सोच का विरोध करती है।

9.शंकर के चरित्र की कौन-कौन सी कमियाँ उजागर हुईं?

उत्तर: शंकर का चरित्रहीन व्यवहार, आत्मनिर्भरता की कमी, पिता पर अत्यधिक निर्भरता और लड़कियों के प्रति अनुचित व्यवहार उसकी प्रमुख कमियाँ हैं।

10.इस एकांकी का समाज पर क्या प्रभाव पडता है?

उत्तर:यह एकांकी समाज को स्त्री-पुरुष समानता, नारी शिक्षा, आत्मसम्मान और रूढ़िवादी सोच के खिलाफ जागरूक करती है, जिससे सामाजिक सुधार की प्रेरणा मिलती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. इस एकांकी में उमा का चरित्र किस प्रकार से विकसित हुआ है? उसके स्वभाव के बारे में विस्तृत रूप से वर्णन करें।

-उमा एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानी युवती है।

-उसने समाज में व्याप्त रूढ़िवादी सोच और दहेज प्रथा का विरोध किया।

-उमा ने शंकर का विरोध किया क्योंकि उसका चरित्र संदिग्ध था।

-वह अपने पिता और परिवार की इच्छाओं के खिलाफ जाकर अपने आत्मसम्मान और सिद्धांतों को प्राथमिकता देती है।

-उमा न केवल अपनी शिक्षा को महत्व देती है, बल्कि अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए दृढ़ता से खड़ी रहती है।

2. रामस्वरूप के चरित्र का विश्लेषण करें। उनके दृष्टिकोण में क्या विरोधाभास दिखाई देता है?

-रामस्वरूप एक पारंपरिक व्यक्ति हैं जो अपनी बेटी की शिक्षा को महत्व देते हैं, लेकिन उसी शिक्षा को छिपाना चाहते हैं।

-वे चाहते थे कि उमा का विवाह अच्छे घर में हो, लेकिन उमा की शिक्षा और स्वाभिमान उनके लिए एक समस्या बन गए।

-रामस्वरूप का यह दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से एक विरोधाभास दर्शाता है, क्योंकि वे एक ओर अपनी बेटी को शिक्षित करना चाहते थे, लेकिन दूसरी ओर वह समाज की सोच के खिलाफ नहीं जा सकते थे।

-उनका यह रवैया दिखाता है कि वे समाज के दबाव में आकर अपनी बेटी की इच्छाओं को दबा देते हैं।

3. गोपाल प्रसाद और उनके परिवार का समाज के प्रति दृष्टिकोण क्या था? क्या वे उमा के शिक्षित होने से खुश थे?

-गोपाल प्रसाद एक पारंपरिक व्यक्ति हैं, जो अपनी बहू के लिए कम पढ़ी-लिखी और आज्ञाकारी लड़की चाहते हैं।
-वे दहेज और परिवार के प्रतिष्ठान को अधिक महत्व देते हैं, न कि लड़की के शिक्षा और व्यक्तित्व को।
-गोपाल प्रसाद ने उमा की शिक्षा को कम महत्वपूर्ण माना और उसकी पढ़ाई छिपाने की योजना बनाई, क्योंकि उन्हें लगता था कि ज्यादा शिक्षित लड़की उनके बेटे के लिए उपयुक्त नहीं होगी।
-वे यह मानते थे कि एक लड़की का मुख्य उद्देश्य शादी और परिवार की देखभाल है, न कि उच्च शिक्षा प्राप्त करना।
4. <u>शंकर का चरित्र किस प्रकार का था और उमा ने उसे क्यों नकारा?</u>
-शंकर का चरित्र संदेहास्पद था। वह लड़कियों से छेड़छाड़ करता था और उसकी आत्मनिर्भरता की कमी थी।
-उमा ने शंकर को नकारा क्योंकि वह एक चरित्रहीन व्यक्ति था और उसकी सोच उमा के उच्च मानकों के अनुरूप नहीं थी।
-शंकर को लेकर उमा का यह दृष्टिकोण यह दर्शाता है कि वह केवल बाहर से नहीं, बल्कि भीतर से भी अच्छे व्यक्ति का चयन करना चाहती थी।
-उमा के लिए विवाह केवल एक सामाजिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक ऐसा संबंध था जिसमें आत्मसम्मान और नैतिकता भी महत्वपूर्ण थी।
5. <u>'रीढ की हड्डी' शीर्षक का क्या अर्थ है? यह उमा के चरित्र से किस प्रकार संबंधित है?</u>
-'रीढ़ की हड्डी' का प्रतीकात्मक अर्थ आत्मसम्मान, नैतिकता और मजबूत सिद्धांतों से जुड़ा है।
-यह शीर्षक उमा के दृढ़ नायक के रूप में व्यक्तित्व को दर्शाता है, जो किसी भी दबाव या समाज की रूढ़ियों के सामने नहीं झुकी।
-उमा ने शंकर के बारे में खुलकर अपनी राय रखी, भले ही उसके कारण विवाह प्रस्ताव ठुकराना पड़ा।
-शीर्षक का यह संदेश है कि एक व्यक्ति को अपनी रीढ़ की हड्डी की तरह अपने सिद्धांतों और आत्मसम्मान को बनाए रखना चाहिए, चाहे हालात जैसे भी हों।
6. <u>इस एकांकी में समाज में व्याप्त रूढिवादिता और उसकी आलोचना पर विचार करें</u>।
-एकांकी में समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता को प्रमुख रूप से आलोचना की गई है।
-रामस्वरूप जैसे व्यक्ति जो अपनी बेटी की शिक्षा को छुपाते हैं और शादी में समाज के दबाव को मानते हैं, यही रूढ़िवादिता का उदाहरण है।
-गोपाल प्रसाद भी यह मानते हैं कि एक लड़की का मुख्य उद्देश्य शादी करना और घर संभालना है, जबकि उसकी शिक्षा का कोई महत्व नहीं।
-उमा इस समाज की सोच को चुनौती देती है और यह दिखाती है कि शिक्षा और आत्मसम्मान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।
-इस एकांकी के माध्यम से लेखक ने सामाजिक सुधार और स्त्री स्वतंत्रता की आवश्यकता को भी उजागर किया है।
7. <u>रामस्वरूप और उमा के बीच संवादों से पिता-बेटी के रिश्ते का चित्रण कैसे हुआ है?</u>
-रामस्वरूप और उमा के बीच संवादों से एक पिता और बेटी के रिश्ते में प्यार और चिंता का मिश्रण दिखाई देता है।
-रामस्वरूप उमा से बहुत प्यार करते हैं, लेकिन समाज की परंपराओं और दबावों के कारण वे उसे पूर्ण स्वतंत्रता नहीं दे पाते।
-उमा अपने पिता की चिंता को समझती है, लेकिन वह अपनी शिक्षा और आत्मसम्मान को प्राथमिकता देती है।
-उमा के दृढ़ विचार और स्वाभिमान ने रामस्वरूप को झकझोर दिया, और उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता महसूस हुई।
8.<u>एकांकी में उमा के निर्णयों और व्यवहार से क्या संदेश मिलता है?</u>
-उमा के निर्णय और व्यवहार से यह संदेश मिलता है कि एक व्यक्ति को कभी भी अपने सिद्धांतों और आत्मसम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए।
-वह समाज के दबावों के बावजूद अपनी शिक्षा और स्वाभिमान की रक्षा करती है।
-उमा का यह निर्णय यह साबित करता है कि जीवन में सही रास्ता चुनने के लिए साहस की आवश्यकता होती है।

-यह संदेश मिलता है कि किसी भी रिश्ते में नैतिकता और पारदर्शिता बहुत महत्वपूर्ण होती है, और इन गुणों के बिना कोई रिश्ता सही नहीं हो सकता।

9.एकांकी में बाबू साहब के योगदान और उनके कार्यों की चर्चा करें।

-बाबू साहब ने एक आदर्श कर्मचारी के रूप में काम किया और वे अपने सिद्धांतों से नहीं हिले।

-उनका चरित्र समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करता है, क्योंकि वे अपनी जिम्मेदारियों और नैतिकता से कभी समझौता नहीं करते।

-उन्होंने एक सामंजस्यपूर्ण कार्यक्षेत्र में रहकर समाज की बेहतरी की ओर कदम बढ़ाए, भले ही इसके लिए उन्हें कई संघर्षों का सामना करना पड़ा।

-बाबू साहब के योगदान से यह संदेश मिलता है कि सही कार्य और नैतिकता से कभी समझौता नहीं करना चाहिए।

खंड-घ (रचनात्मक लेखन)

अनुच्छेद लेखन अधिकतम अंक - 6

अनुच्छेद लेखन का अर्थ है किसी एक विषय पर केंद्रित रहकर संक्षिप्त, सारगर्भित और क्रमबद्ध ढंग से विचार प्रस्तुत करना। इसमें विषय की स्पष्टता, विचारों की एकरूपता और भाषा की सरलता महत्वपूर्ण होती है।

अनुच्छेद लेखन के लिए महत्वपूर्ण बातें:

•विषय की समझ: सबसे पहले दिए गए विषय को अच्छे से समझें। उससे संबंधित प्रमुख बिंदुओं को सोचें।

•मुख्य विचार पर केंद्रित रहें: अनुच्छेद में केवल मुख्य विषय से संबंधित बातें ही लिखें, विषय से बाहर न जाएँ।

•संक्षिप्त और स्पष्ट भाषा: भाषा सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली होनी चाहिए। कठिन और जटिल शब्दों से बचें।

•क्रमबद्धता: विचारों को एक निश्चित क्रम में प्रस्तुत करें - शुरुआत, मध्य और निष्कर्ष।

•अनुच्छेद की लंबाई: अनुच्छेद बहुत लंबा या बहुत छोटा नहीं होना चाहिए। अनुच्छेद दी गई शब्द सीमा के अनुरूप होना चाहिए ।

•वर्तनी और व्याकरण की शुद्धता: सही वर्तनी और व्याकरण का ध्यान रखना ज़रूरी है।

•भावनाओं और तथ्यों का संतुलन: अनुच्छेद में भावनात्मक अभिव्यक्ति और यथार्थ तथ्य दोनों का संतुलन होना चाहिए।

अनुच्छेद लेखन के उदाहरण :

1. युवाओं में नशे की लत - एक चिंता का विषय (120 शब्दों में)

संकेत बिंदु:युवाओं में नशे की बढ़ती लत, शारीरिक और मानसिक समस्याएँ ,शिक्षा और परिवार की भूमिका ,समाज और सरकार की जिम्मेदारी

आजकल युवाओं में नशे की लत एक गंभीर समस्या बन गई है। यह न केवल उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि उनके भविष्य को भी अंधकारमय बना देता है। युवा अपनी समस्याओं से उबरने के लिए अक्सर शराब, ड्रग्स या तम्बाकू का सेवन करते हैं। इस आदत का असर उनके परिवार, शिक्षा और समाज पर भी पड़ता है। नशे के कारण मानसिक तनाव, अवसाद, और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इसके अलावा, यह अपराध की ओर भी युवा पीढ़ी को धकेलता है। हमें नशे से बचने के लिए शिक्षा, परिवार और समाज में जागरूकता फैलानी चाहिए। सरकार को भी इस समस्या पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए।

2 . पर्यावरण पर प्लास्टिक के प्रभाव (लगभग 120 शब्द)

संकेत बिंदु:प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग ,प्लास्टिक के अपघटन में समय ,भूमि, जल और वायु प्रदूषण ,पशु-पक्षियों पर प्रभाव ,समाधान के उपाय

आज प्लास्टिक का उपयोग बहुत बढ़ गया है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। प्लास्टिक हजारों वर्षों तक नष्ट नहीं होता, जिससे यह भूमि और जल को प्रदूषित करता है। प्लास्टिक के कारण जल निकासी व्यवस्था बाधित होती

है और नदियाँ गंदी होती हैं। जानवर प्लास्टिक को खाना समझकर निगल जाते हैं जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। प्लास्टिक जलाने से हानिकारक गैसें निकलती हैं जो वायु प्रदूषण फैलाती हैं। इस समस्या से निपटने के लिए प्लास्टिक का उपयोग कम करना, पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं को अपनाना और लोगों को जागरूक करना आवश्यक है। यदि हमने अभी कदम नहीं उठाए, तो भविष्य में पर्यावरण को भारी नुकसान हो सकता है।

3. बढ़ते एकल परिवार पर अनुच्छेद (120 शब्दों में)

संकेत बिंदु:एकल परिवार की परिभाषा ,एकल परिवार बढ़ने के कारण ,इसके लाभ और हानि ,समाज पर प्रभाव

आजकल एकल परिवारों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। एकल परिवार वह होता है जिसमें माता-पिता और उनके बच्चे ही रहते हैं। पहले संयुक्त परिवार प्रचलित थे, परंतु अब रोजगार, शिक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की चाह में लोग एकल परिवार को प्राथमिकता देने लगे हैं। इसके कुछ लाभ हैं जैसे स्वतंत्रता, कम जिम्मेदारियाँ और निजी निर्णयों की सुविधा। लेकिन इसके नुकसान भी हैं - बच्चों पर ध्यान कम होना, बुजुर्गों की उपेक्षा, अकेलापन और सामाजिक जुड़ाव की कमी। इससे समाज में भावनात्मक दूरी बढ़ रही है। अतः हमें एकल और संयुक्त दोनों प्रकार के परिवारों के संतुलन को समझते हुए सामाजिक मूल्यों को बनाए रखना चाहिए।

4. मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर (लगभग 120 शब्द)

संकेत बिंदु:वचनों की शक्ति ,मधुर वाणी का प्रभाव ,कटु शब्दों की हानि ,जीवन में मधुर बोलने का महत्व

वाणी मनुष्य का सबसे प्रभावशाली गुण होती है। हमारे शब्दों में इतनी शक्ति होती है कि वे किसी के मन को प्रसन्न कर सकते हैं या आहत भी कर सकते हैं। "मधुर वचन है औषधि, कटु वचन है तीर" यह सूक्ति हमें सिखाती है कि मीठे वचन किसी औषधि की तरह होते हैं जो मन को शांति और सुकून प्रदान करते हैं। वहीं, कठोर और कटु शब्द तीर के समान चुभते हैं और दूसरों को मानसिक पीड़ा देते हैं। एक मधुरभाषी व्यक्ति समाज में सभी का प्रिय बनता है जबकि कटु वचनों वाला व्यक्ति अकेला रह जाता है। अतः हमें सदैव सोच-समझकर, प्रेमपूर्वक और मधुर भाषा का प्रयोग करना चाहिए ताकि हमारे शब्द दूसरों को सुकून दें और संबंधों को मजबूत बनाएं।

5 . डिजिटल इंडिया का प्रभाव (लगभग 120 शब्द)

संकेत बिंदु :डिजिटल इंडिया की शुरुआत ,शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग आदि पर प्रभाव ,ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव ,युवा पीढ़ी पर असर,भविष्य की दिशा

डिजिटल इंडिया अभियान ने हमारे देश को तकनीक की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। इसकी शुरुआत भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए हुई थी। अब शिक्षा ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से घर-घर पहुँच रही है, जिससे ग्रामीण छात्र भी लाभ उठा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाएँ टेलीमेडिसिन के ज़रिए दूर-दराज़ क्षेत्रों तक पहुँची हैं। बैंकिंग सेवाएँ भी मोबाइल के ज़रिए आसान हुई हैं, जिससे लेन-देन तेज़ और सुरक्षित हो गया है। किसान ऑनलाइन मंडियों और मौसम जानकारी से बेहतर निर्णय ले रहे हैं। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुले हैं। डिजिटल इंडिया ने न केवल शहरों, बल्कि गाँवों में भी एक नई जागरूकता पैदा की है। यह पहल देश को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से मजबूत बना रही है।

अभ्यास हेतु

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :

1. पुस्तक मेला

संकेत बिंदु : पुस्तक मेले की सार्थकता ,मेले के आकर्षण ,मेले के अनुभव

2. भारत का किसान

संकेत बिंदु : भारत कृषि प्रधान देश , भारत के किसान का जीवन ,किसान की समस्याएं , समाधान

3. प्राकृतिक आपदाएँ और उनका प्रभाव

संकेत बिंदु: प्राकृतिक आपदाओं की परिभाषा ,विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाएँ ,आपदाओं के कारण और उनका प्रभाव,आपदा प्रबंधन ,बचाव उपाय और सरकारी प्रयास

4. तमसो मा ज्योतिर्गमय

संकेत बिंदु : अज्ञानता से ज्ञान की और प्रस्थान ,स्वतंत्रता का आधार ,मन और मष्तिष्क में एकाग्रता ,दृष्टिकोण में सहजता और सजगता

5. मित्र की आवश्यकता

संकेत बिंदु : अकेलेपन से विषाद ,व्यक्तित्व का विकास , संकट में सहारा ,सावधानी से चुनाव

पत्र लेखन अधिकतम अंक - 05

हमारे जीवन में विचारों के आदान-प्रदान का सरल और सशक्त साधन है। लेखन की अन्य विधाओं से पत्र इस बात में भिन्न यह किसी-न-किसी व्यक्ति को प्रत्यक्ष रूप से संबोधित करके लिखा जाता है। पत्र लिखने में स्थान और तिथि का आरंभ में ही रहता है। लिखने वाले का नाम, पता भी रहता है। संबोधन द्वारा इस बात का भी पता लग जाता है कि पत्र-लेखक और व्यक्ति के मध्य क्या संबंध है।

प्रभावी पत्र-लेखन की कुछ महत्त्वपूर्ण बातें इस प्रकार हैं-

1. सरलता:

पत्र की भाषा सरल, सुबोध और ग्रहणशील होनी चाहिए। उसमें स्पष्टता का होना आवश्यक है। जटिल और अस्पष्ट भाषा पत्र के कथ्य को निरर्थक बना देती है। पत्र में लेखक का आशय पूर्णतः व्यक्त होना अपेक्षित है।

2. संक्षिप्तता:

पत्र-लेखक को अनावश्यक विस्तार से बचने का प्रयास करना चाहिए। उसे 'गागर में सागर' भरने का प्रयास करना चाहिए। लंबे पत्र उबाऊ हो जाते हैं।

3. निश्चयात्मकता:

पत्र में लेखक का दुविधाग्रस्त होना नहीं झलकना चाहिए। उसे अपनी बात निश्चयपूर्वक कहनी चाहिए।

4. शिष्टता:

पत्र-लेखक का शिष्ट होना अच्छा गुण माना जाता है। असहमति होने पर भी लेखक को कटु भाषा का प्रयोग न करके शिष्ट भाषा में अपना विरोध जताने की कला आनी चाहिए।

आवश्यकता और स्थिति के अनुसार पत्र अनेक प्रकार के होते हैं, किंतु उन्हें मोटे तौर पर निम्नलिखित दो वर्गों में विभाजित लेना सुविधाजनक होगा-

1. औपचारिक पत्र
2. अनौपचारिक पत्र

1. औपचारिक पत्र : ये पत्र अनेक प्रकार के हो सकते हैं, जैसे-

(क) आवेदन पत्र : ये पत्र किसी विशेष कार्य के लिए प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य, किसी कार्यालय के अधिकारी आदि को लिखे जाते हैं। इनमें कोई-न-कोई प्रार्थना की गई होती है; जैसे- अवकाश के लिए, फीस माफी के लिए, नौकरी के लिए आदि।

(ख) शिकायती पत्र : सार्वजनिक व्यवस्था में किसी गड़बड़ी या व्यक्तिगत कठिनाई की ओर ध्यान आकृष्ट कराने के लिए ये गए पत्र शिकायती पत्र कहलाते हैं। जैसे - बिजली संबंधी अनियमितता की शिकायत, सफाई व्यवस्था में कमी की शिकायत आदि।

(ग) संपादक को पत्र : समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर किसी सार्वजनिक जनहित समस्या की ओर सरकार अथवा राज का ध्यान आकृष्ट कराया जाता है। संपादक से उस पत्र को
अपने समाचार पत्र में प्रकाशित करने का अनुरोध किया जाता है।

(घ) व्यावसायिक पत्र : ऐसे पत्र विभिन्न व्यावसायिक कार्यों के संबंध में लिखे जाते हैं, जैसे- पुस्तकें मँगवाना, गलत माल की शिकायत करना आदि।

(ङ) अवसर विशेष के पत्र इसके अंतर्गत सामान्यतः वे पत्र आते हैं जिन्हें विशेष अवसर पर लिखकर या छपवाकर भेजा या है। जैसे- विवाह का निमंत्रण-पत्र, बधाई-पत्र, शोक-संवेदना पत्र आदि।

2 . अनौपचारिक पत्र : पारिवारिक सदस्यों, संबंधियों या मित्रों के बीच होने वाला पत्र-व्यवहार पारिवारिक पत्रों की श्रेणी में आता घरेलू बातें तथा आत्मीयता की भावना इन पत्रों की विशेषता होती है। इन्हें अनौपचारिक या निजी पत्र भी कहते हैं।

पत्र लेखन के कुछ उदाहरण -

प्रश्न 1- विद्यालय में साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित कराने हेतु प्रधानाचार्य को 100 शब्दों में प्रार्थना पत्र लिखिए ।

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,
अ.ब.स. नगर

विषय: विद्यालय में साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित कराने हेतु ।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि आजकल विद्यार्थियों में इंटरनेट और सोशल मीडिया का प्रयोग अत्यधिक बढ़ गया है, जिससे साइबर अपराधों की संभावना भी बढ़ गई है। इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने के लिए विद्यालय स्तर पर साइबर सुरक्षा पर एक कार्यशाला आयोजित कराई जाए।

इस कार्यशाला में विशेषज्ञों को बुलाकर विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, साइबर अपराध से बचाव, और कानूनी जानकारी दी जा सकती है।

आपसे निवेदन है कि इस कार्यशाला के आयोजन की कृपा करें।

सधन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य
[आपका नाम]
कक्षा 10 'अ'
दिनांक: 24 अप्रैल 2025

प्रश्न 2 - आप रुपाली /रूपम हैं अपने नगर में व्याप्त बिजली कटौती से उत्पन्न समस्याओं का उल्लेख करते हुए किसी लोकप्रिय दैनिक समाचार के संपादक को100 शब्दों में एक पत्र लिखिए ।

आनंद कुञ्ज 24 ,सरिता विहार
नई दिल्ली
दिनांक : 24. 04.2024

सेवा में,
मुख्य संपादक महोदय
अ.ब.स. समाचार-पत्र
अ.ब.स. नगर

विषय-बिजली की कटौती से उत्पन्न समस्याओं के सम्बन्ध में।

मान्यवर,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान अपने इलाके में बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों की ओर दिलाना चाहता हूँ। आजकल हमारी सी.बी.एस.ई. बोर्ड की दसवीं की परीक्षा चल रही हैं। ऐसी स्थिति में बार-बार बिजली चले जाने से हम छात्रों को पढ़ाई करने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली की इस आँख मिचौली से हम छात्रों की पढ़ाई में व्यवधान पड़ता है। इसका हमारे परीक्षा-परिणाम पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा। बिजली जाने का कोई निश्चित समय भी नहीं है, जब भी हम छात्रों के पढ़ने का समय होता है तो बिजली चली जाती है।

आपसे अनुरोध है कि हम छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए इस समाचार को अपने लोकप्रिय समाचार पत्र के मुख पृष्ठ पर जगह देकर संबंधित अधिकारी का ध्यान आकृष्ट करने की कृपा करें। इससे हमारी समस्या शीघ्र दूर हो सकेगी। इसके लिए हम सब आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद ।

भवदीय

रुपम

प्रश्न 3 -आप मनोज / मंजरी हैं। हिंदी में लिखे सार्वजनिक सूचना पट्टों पर अशुद्ध हिंदी देखने को मिलती है। इस ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए उदाहरण देते हुए संपादक के नाम 100 शब्दों एक पत्र लिखिए।

निशांत विहार सेक्टर 12

लखनऊ

22.03.2025

सेवा में.

संपादक महोदय

दैनिक हिंदुस्तान

नई दिल्ली।

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय दैनिक समाचार-पत्र के माध्यम से बताना चाहता हूँ कि कई बार सार्वजनिक सूचना-पट्टों पर अशुद्ध हिंदी लिखी होती है। इसे देखकर मन को भारी कष्ट होता है।

सार्वजनिक सूचना-पट्ट आम जनता के लिए लगाए जाते हैं। इन पर अशुद्ध भाषा का प्रयोग लोगों को गलत हिंदी प्रयोग सिखाता है। प्रायः ये शब्द गलत लिखे होते हैं:

सुचना, श्रीमति, आर्शीवाद आदि। मेरा निवेदन है कि सूचना-पट्टों पर लिखते समय वर्तनी की शुद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

धन्यवाद

भवदीय

मनोज

प्रश्न 4.आप शिव/शिवानी हैं ।आपके मोहल्ले में नियमित रूप से कूड़ा नहीं उठाया जाता है । कूड़ा न उठाए जाने की शिकायत करते हुए नगर निगम के अधिकारी को एक 100 शब्दों में शिकायती पत्र लिखिए ।

C-102, शास्त्री नगर,

दिल्ली - 110052

दिनांक: 25 अप्रैल, 2025

सेवा में

नगर निगम अधिकारी महोदय

उत्तर दिल्ली नगर निगम,
दिल्ली

विषय: मोहल्ले में नियमित रूप से कूड़ा न उठाए जाने के संबंध में।

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं शास्त्री नगर वार्ड-10 का निवासी हूँ। विगत कुछ सप्ताहों से हमारे मोहल्ले में कूड़ा उठाने की व्यवस्था बिल्कुल बाधित हो गई है। गलियों में कूड़े के ढेर लगे हुए हैं जिससे दुर्गंध फैल रही है और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए और कूड़ा उठाने की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सधन्यवाद,

भवदीय,
शिव

अनौपचारिक पत्र

प्रश्न 1.आप रिद्धि /रिदम हैं। पर्यावरण बचाने के लिए कदम उठाने पर मित्र को पत्र लिखें।

112/ए, ग्रीन पार्क,
दिल्ली।
तारीख: 24 अप्रैल 2025

प्रिय मित्र आशी
नमस्ते!

आशा करता हूँ कि तुम और तुम्हारे घर के सभी सदस्य स्वस्थ व प्रसन्न होंगे।

मैंने हाल ही में विद्यालय में पर्यावरण विषय पर एक संगोष्ठी में भाग लिया, जहाँ हमें बताया गया कि किस प्रकार छोटे-छोटे कदम उठाकर हम पर्यावरण को बचा सकते हैं। अब मैं घर पर प्लास्टिक का प्रयोग बंद कर रहा हूँ, पौधे लगा रहा हूँ और बिजली-पानी की बचत कर रहा हूँ।

मुझे लगा तुम्हें भी इस विषय में बताना चाहिए ताकि हम सब मिलकर पृथ्वी को बेहतर बना सकें। चलो, एक साथ हर महीने एक पौधा लगाने का संकल्प लें।

तुम्हारा उत्तर जल्दी देना।

तुम्हारा मित्र
रिदम

प्रश्न 2 - आप स्वर /स्वरा हैं। पुस्तक मेले में जाने का अनुभव बताते हुए अपने मित्र को 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

सी-35, शास्त्री नगर,
कानपुर।
तारीख: 10 फरवरी 2025

प्रिय मित्र रियांश,
सप्रेम नमस्कार।

पिछले रविवार को मैं दिल्ली के प्रगति मैदान में लगे पुस्तक मेले में गया। यह अनुभव बहुत रोचक और ज्ञानवर्धक रहा। वहाँ विभिन्न भाषाओं और विषयों पर पुस्तकें थीं।

मैंने कुछ रोचक कहानियों की किताबें और विज्ञान पर आधारित पुस्तकें खरीदीं। वहाँ लेखकों से मिलने का मौका भी मिला। अगर तुम होती तो और आनंद आता। अगले वर्ष हम साथ चलेंगे।
जल्दी से पत्र लिखकर बताओ, तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है।

तुम्हारा मित्र
स्वर

प्रश्न 3- आप अनूप /अनुपमा हैं । गर्मी की छुट्टियों में गाँव आने की सूचना देते हुए अपनी नानी को एक पत्र लिखिए।

45, राजेन्द्र नगर,
भोपाल - 462003
तारीख: 25 अप्रैल 2025

प्रिय नानी,
सादर चरण स्पर्श !

आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारी स्कूल की गर्मी की छुट्टियाँ 1 मई से शुरू हो रही हैं और हम सब इस बार गाँव जरूर आ रहे हैं।
आपके हाथों के बने आम का अचार, मटके का ठंडा पानी और बगीचे की ठंडी छांव बहुत याद आ रही है। इस बार मैं अपनी पसंदीदा किताबें और खेल का सामान भी साथ ला रहा हूँ।
पिताजी ने ट्रेन के टिकट भी बुक करा दिए हैं। 3 मई को दोपहर तक हम गाँव पहुँच जाएँगे।
आपका आशीर्वाद चाहता हूँ।

आपका नाती
अनूप

प्रश्न 4 - आप पावन /पावनी हैं ।अपने मित्र को 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए जिसमें उसे बताइए कि आपने हाल ही में एक 'डिजिटल डिटॉक्स डे' मनाया और इसका आपकी दिनचर्या पर क्या असर पड़ा।

12, सुभाष मार्ग,
अलवर, राजस्थान
दिनांक : 25 अप्रैल 2025

प्रिय मित्र राहुल,
सप्रेम नमस्कार।

आशा है तुम और तुम्हारा परिवार कुशलपूर्वक होंगे। आज मैं तुम्हें अपने एक अनोखे अनुभव के बारे में बताना चाहता हूँ। पिछले रविवार को मैंने 'डिजिटल डिटॉक्स डे' मनाने का निश्चय किया। पूरे दिन न मोबाइल, न लैपटॉप और न ही टीवी - सोचकर थोड़ा डर लग रहा था, लेकिन इस दिन ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। सुबह जल्दी उठकर मैं पार्क में गया, पंछियों की आवाज़ सुनी और किताबें पढ़ीं। माँ के साथ खाना बनाया, पिताजी के साथ बैठकर पुरानी बातें कीं और शाम को छत पर बैठकर सूर्यास्त देखा।
इस दिन ने मुझे बताया कि असली खुशी स्क्रीन में नहीं, अपनों के साथ बिताए पलों में है। तुम भी एक दिन ऐसा ट्राय करो - यकीन मानो, बहुत अच्छा लगेगा।
अब तुम्हारा समाचार लिखना। कब मिल रहे हो?

तुम्हारा मित्र,
पावन

ई-मेल (E-mail)लेखन

ई-मेल का अर्थ होता है इलेक्ट्रॉनिक मेल। इंटरनेट के माध्यम से, हम अल्प समय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और प्रदान कर सकते हैं। आज की दुनिया में, ई-मेल संचार का सबसे सामान्य रूप है। आज शायद ही कोई कंप्यूटर उपयोगकर्ता होगा, जो ई-मेल का उपयोग न करता हो। ई-मेल लेखन में इलेक्ट्रॉनिक संचार प्रणाली पर संदेश लिखना, भेजना, संग्रह करना और प्राप्त करना शामिल है।

ई-मेल लिखते समय ध्यान रखने योग्य बातें:

ई-मेल का विषय स्पष्ट होना चाहिए : - ई-मेल को लिखते समय उसका विषय स्पष्ट रखा जाना चाहिए क्योंकि जिस कार्य के लिए आप ई-मेल लिख रहे हैं या जो मेल में लिखा हुआ है , उसके बारे में विषय में ही पता लग जाए अथवा ई-मेल किस बारे में है , इसकी जानकारी विषय से ही हो जानी चाहिए। आपकी ई-मेल का विषय आकर्षक होगा तो मेल प्राप्त करने वाले व्यक्ति को आपके काम की गंभीरता के बारे में पता चलेगा।

ई-मेल पता लिखें : - आप किसी संस्था या किसी कंपनी के लिए काम कर रहे हैं तो उस कंपनी के ई-मेल पते का प्रयोग करें। किसी भी कंपनी के लिए या कोई भी औपचारिक कार्य के लिए औपचारिक ई-मेल का ही प्रयोग करें व इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि मेल करते समय आप अपनी संस्था या कंपनी के नाम का ही प्रयोग करें जिससे मेल प्राप्त करने वाले व्यक्ति को समझ में आ सके कि मेल किसके द्वारा भेजा गया है।

शार्ट फॉर्म लिखने से बचें : - जब भी आप कोई औपचारिक ई-मेल लिख रहे हैं तो अल्प शब्दों को (शॉर्ट फॉर्म) लिखने से बचना चाहिए क्योंकि अल्प शब्द ई-मेल पढ़ने वाले पर आपका गलत प्रभाव भी डाल सकता है। अल्प शब्दों का प्रयोग करने से ई-मेल पढ़ने वाले को लग सकता है कि आप कार्य को लेकर ज्यादा गंभीर नहीं है या फिर आप के द्वारा लिखे गए अल्प शब्दों का वह गलत मतलब भी समझ सकता है।

उदाहरण के लिए : - आप लिखना Please FInd Attachment चाहते हैं उसे PFA मत लिखिए।

सन्देश को एडिट करें : - मेल भेजते समय अपनी ई-मेल को अवश्य एडिट करें इससे ई-मेल में गलती की संभावना कम हो जाती है। व्यापारिक मेल में इन बातों का विशेष ध्यान रखा जाता है। यदि आप औपचारिक ई-मेल लिख रहे हैं तो ध्यान रहे कि कोई भी व्याकरण से सम्बंधित गलती ना हो।

ई-मेल का उपयोग:

(I) हम किसी भी समय किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं, और वह मेल पढ़ सकता है और अपनी सुविधानुसार प्रतिक्रिया दे सकता है।

(II) ई-मेल को व्यक्ति के समय का सदुपयोग करना सिखाता है।

(III) इसमें केवल इंटरनेट से जुड़ा होने का ही खर्चा आता है।

(Iv) ई-मेल का उपयोग संचार के साधन के रूप में किया जा सकता है।

(v) शैक्षिक दृष्टि से, प्रवेश के लिए आवेदन करने, परीक्षा परिणाम प्राप्त करने और किसी भी सेवा के प्रस्ताव के लिए ई-मेल भेजे जा सकते हैं।

(vI) यह संचार को सरल बनाने में मदद करता है।

ई-मेल लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है:

(I) सबसे पहले मेल को लॉग-इन करते हैं,तो एक नया पेज़ खुलता है। उसमें कम्पोज़ (+) बाईं ओर ऊपर दिखाई देता है।

(II) कम्पोज़ (+) पर क्लिक करने पर एक नया पेज़ दाईं तरफ खुलता है।

(III) दाएँ पेज़ पर सबसे ऊपर फ्रॉम (from), फिर to उसके नीचे subject, उसके नीचे सन्देश लिखने का स्थान रहता है।

(Iv) एक से अधिक लोगों को मेल भेजने के लिए अल्पविराम (,) देकर उसकी आई.डी. टाइप करके भेज सकते हैं।

(v) सब्जेक्ट में ई-मेल का विषय संक्षेप में लिखते हैं।

(vI) ccका अर्थ है कार्बन कॉपी। आप जितने लोगों को ई-मेल भेजोगे, उनको जब ई-मेल प्राप्त होगा, तब उनमें से किस-किस को वह मेल भेजा गया है उसकी सूची दिखाई देगी।

(vII) Bcc का अर्थ है ब्लाइंड कार्बन कॉपी। इसमें आप एक से अधिक लोगो को मेल भेज सकते हो, किन्तु Bcc किसे भेजी गई, उनकी लिस्ट नहीं दिखाई देगी।

(vIII) मेल सेंड होने पर भेजने वाले को मैसेज सक्सेसफुली सेंड दिखाई देगा।

(Ix) अगर आपको मैसज, पीडीएँफ़ फाइल, पावरपॉइंट एवं वीडियो को भेजना है तो उसके लिए अटेचमेंट फाइल पर क्लिक करके भेज सकते हैं।

ई-मेल लेखन का प्रारूप:

प्रेषक (From) : मेल भेजने वाले का ई-मेल पता।

प्रेषिती (To) : मेल प्राप्त करने वाले का ई-मेल पता।

CC :कार्बन कॉपी

BCC : BlInd Carbon Copy

विषय : यहाँ ई-मेल का विषय संक्षेप में लिखते हैं।

अभिवादन : जिसे ई-मेल लिखा जा रहा है उसके आदर स्वरूप शब्द लिखा जाता है। जैसे प्रिय, महोदय आदि।

मुख्य विषय वस्तु : विषय से संबंधित विस्तार से विषय लिखा जाता है।

समापन : कथन समाप्त करना

अटैचमेंट ज्वाइन करें : पीडीएफ, इमेज जैसी फाइल अटैच करना

हस्ताक्षर : प्रेषक का नाम, संकेत, आदि

प्रेषक : यहाँ आपको अपना ई-मेल पता दर्ज करना होता है। अर्थात् जो ई-मेल भेजने वाला है उसका ई-मेल पता यहाँ भरना होता है।

प्रेषिती : यहाँ आपको ई-मेल प्राप्त करने वाले का ई-मेल एड्रेस डालना होगा। अगर आप किसी संस्था को ई-मेल करना चाहते हैं, तो आपको उस संस्था का ई-मेल एड्रेस भरना होगा।

CC (कार्बन कॉपी) :जब आप एक ही ई-मेल दो या दो से अधिक ई-मेल पते पर भेजना चाहते हैं तो कार्बन कॉपी का उपयोग किया जाता है। मतलब आप एक से अधिक रिसीवर को एक ही संदेश भेजने के लिए कार्बन कॉपी का उपयोग कर सकते हैं।

BCC (ब्लाइंड कार्बन कॉपी) : BCC का मतलब होता है - ब्लाइंड कार्बन कॉपी। कार्बन कॉपी की तरह ही इसका भी उपयोग एक से ज्यादा लोगो के मेल भेजने के लिए किया जाता है। लेकिन ब्लाइंड कार्बन कॉपी में लिखा हुआ ई-मेल एड्रेस, प्रेषिती (to) में और कार्बन कॉपी द्वारा ई-मेल प्राप्त करने वाले ब्लाइंड कार्बन कॉपी का ई-मेल एड्रेस नहीं देख सकते।

साधारण शब्दों में - आप एक साथ तीन ई-मेल भेज रहे है लेकिन किसी एक पर्सन के ई-मेल को छुपाना है तो उसका ई-मेल ब्लाइंड कार्बन कॉपी बॉक्स में लिखे। ताकि प्रेषिती (To) में और कार्बन कॉपी ई-मेल प्राप्तकर्ता ब्लाइंड कार्बन कॉपी का ई-मेल एड्रेस नहीं देख पाएंगे।

Subject (विषय) :आप ई-मेल क्यों लिख रहे हैं, आपको उसका विषय लिखना होगा ताकि प्राप्तकर्ता पहले यह समझ लें कि आपने ई-मेल क्यों भेजा है।

संबोधन : उपयोग किया जाता है। अगर आप अपरिचित को ई मेल भेज रहे हैं तो महोदय लिख सकते हैं।

मुख्य विषय : मुख्य विषय में, आपको एक विस्तृत विषय लिखना होगा। परिचय, बात और निष्कर्ष मुख्य विषय में शामिल हैं।

फ़ाइल जोड़ें (Attachment) : यहाँ आप पीडीएफ फाइल, चित्र, या अन्य दस्तावेज संलग्न कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपने किसी पाठ्यक्रम की पीडीएफ फाइल डाउनलोड की है, तो आप इसे ई-मेल में संलग्न कर सकते हैं और इसे अपने मित्र को भेज सकते हैं।

हस्ताक्षर या स्व निर्देश : आखिरी में आप स्व निर्देश के साथ अपना नाम लिख सकते हैं।

ई-मेल लेखन के कुछ उदाहरण:

(1) अपने मित्र को अपनी जन्मदिन की पार्टी के लिए निमंत्रण देने हेतु लगभग 100 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

प्रेषक (From) : xyz@abc.com

प्रेषिती (To) : def@gma Il.com
CC :आवश्यकतानुसार
BCC :आवश्यकतानुसार
विषय निमंत्रण के सम्बन्ध में
प्रिय जनक ,

मुझे लगता है कि तुम्हें मेरा जन्मदिन याद होगा। इसलिए मुझे तुम्हें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 10 मई को स्टार हॉल में जन्मदिन की पार्टी है। आप इस अवसर पर सादर आमंत्रित है। पार्टी का समय रात में 10 से 12 बजे तक है। आपको इस बर्थडे पार्टी में जरूर आना है। कृपया शामिल होकर शोभा बढ़ाएंगे ऐसी आशा है।

तुम्हारा मित्र
मुकेश

(2) अपनी सोसाइटी के मुख्य सीवर की मरम्मत हेतु नगर निगम के सफाई निरीक्षक को लगभग 100 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

प्रेषक (From) :subhash @gma Il.com
प्रेषिती (To) : abc@gma Il.com
CC :
BCC :
विषय : सीवर मरम्मत के लिए अनुरोध हेतु
महोदय,

शर्मा सोसाइटी का मुख्य सीवर टूट गया है, जिसके कारण नाले का गंदा पानी सड़क पर आ गया है। बहुत ज्यादा गंदगी और बदबू फैल रही है तथा आने जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी पैदल चलने वाले लोगों को हो रही है। एक तरफ गंदगी और दूसरी तरफ वाहनों से बचाव के कारण लोग दुखी हैं । गर्मी के मौसम में इससे बीमारियाँ होने का और खतरा है । इसलिए आपसे अनुरोध है कि यथाशीघ्र इसकी मरम्मत करवाने का कष्ट कीजिएगा ।

आशा है कि आप इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे ।

भवदीय ,
सुभाष

लघुकथा लेखन

साहित्य की विधाओं में कहानी विधा बहुत पुरानी है। कहानी में किसी विशेष घटना का वर्णन होता है जो लम्बी भी हो सकती है। लघुकथा अपने नाम के अनुरूप ही छोटी होती है। यह कहानी के थोड़ी सी भिन्न होती है।

लघुकथा की प्रमुख विशेषता इसकी संक्षिप्तता होती है। गागर में सागर भरना जैसी कहावत लघुकथा में चरितार्थ होती है।

" लघुकथा वह संक्षिप्त गद्य रचना.होती है जिसमे किसी एक विचार, घटना या अनुभव को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाता है"

लघुकथा की विशेषताएं

लघुकथा की निम्नलिखित विशेषताएं मानी जा सकती हैं :

1- विचार या घटना केंद्र - इसमें कोई विचार या घटना कथा का केन्द्र होती है। इसी आधार पर कथा का निर्माण होता है।
2- संक्षिप्तता - कम शब्दों में अपनी बात कही जा सके ,ऐसा प्रयास किया जाता है।
3- प्रभावशीलता - लघुकथा थोड़े से में पाठक पर अपना प्रभाव डालती है। यही इसकी प्रमुख विशेषता है।
4- विस्तार से मुक्ति- लघुकथा में कहानी को विस्तार से नही लिखाजाता है।
5- सन्देश - पूरी कथा को पढ़कर पाठक जीवन से जुड़ा हुआ कोई सन्देश ग्रहण करता है।

लघुकथा का उदाहरण:
रिक्शावाला दिनभर की मेहनत के बाद ढाबे के पास खाना खाने के लिए आया। उसकी नज़र सामने एक भिखारी पर पड़ी । भिखारी के पास इस सर्दी में भी पूरे कपड़े नही थे। वह ठण्ड से काँप रहा था। रिक्शावाले ने अपनी जेब में हाथ डाला । वह खाना खाए या उस भिखारी को कुछ खिला दे।
कुछ पल सोचने के बाद वह भिखारी की तरफ मुड़ा और पैसे उसे दे दिए । उसके चेहरे पर प्रसन्नता थी। बूढ़ा भिखारी बुदबुदाया - “असली अमीर तो तुम्ही हो।”

संवाद लेखन
दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच हुए वार्तालाप, बातचीत या संभाषण को संवाद कहते हैं।
सम् + वाद = संवाद । संवाद का सामान्य अर्थ बातचीत है। इसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति भाग लेते है। अपने विचारों और भावों को व्यक्त करने के लिए संवाद की सहायता ली जाती है। जो संवाद जितना सजीव, सामाजिक और रोचक होगा, वह उतना ही अधिक आकर्षक होगा। उसके प्रति लोगों का खिंचाव होगा। अच्छी बातें कौन सुनना नहीं चाहता ? इसमें कोई भी व्यक्ति अपने विचार सरल ढंग से व्यक्त करने का अभ्यास कर सकता है।
वार्तालाप में व्यक्ति के स्वभाव के अनुसार उसकी अच्छी-बुरी सभी बातों को स्थान दिया जाता है। इससे छात्रों में तर्क करने की शक्ति उत्पत्र होती है। नाटकों में वार्तालाप का उपयोग सबसे अधिक होता है। इसमें रोचकता, प्रवाह और स्वाभाविकता होनी चाहिए। व्यक्ति, वातावरण और स्थान के अनुसार इसकी भाषा ऐसी होनी चाहिए जो हर तरह से सरल हो। इतना ही नहीं, वार्तालाप संक्षिप्त और मुहावरेदार भी होना चाहिए।
संवाद के अनेक नाम हैं वार्तालाप, आलाप, संलाप, कथोपकथन, गुफ्तगू, सम्भाषण इत्यादि। यह कहानी, उपन्यास, एकांकी, नाटकादि की जान है। इसके माध्यम से पात्रों की सोच, चिन्तन शैली, तार्किक क्षमता और उसके चरित्र का पता चलता है। नाटकों के संवादों से कथावस्तु का निर्माण होता है।

संवाद के वाक्यों में स्वाभाविकता होनी चाहिए, बनावटीपन नहीं। लम्बे-लम्बे कठिन और उलझे हुए संवाद प्रायः बनावटी हुआ करते हैं। अच्छा संवाद लेखक ही नाटक, रेडियो नाटक, एकांकी तथा कथा-कहानी लिखने में कुशलता हासिल करता है। भाषा, बोलनेवाले के अनुसार थोड़ी-थोड़ी भिन्न होती है। उदाहरण के रूप में एक अध्यापक की भाषा छात्र की अपेक्षा ज्यादा संतुलित और सारगर्भित होगी। एक पुलिस अधिकारी की भाषा और अपराधी की भाषा में काफी अन्तर होगा। इसी तरह दो मित्रों या महिलाओं की भाषा कुछ भिन्न प्रकार की होगी। दो व्यक्ति, जो एक-दूसरे के शत्रु हैं, की भाषा अलग होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि संवाद लेखन में पात्रों के लिंग, उम्र, कार्य, स्थिति का ध्यान रखना चा
संवाद-लेखन में इन बातों पर भी ध्यान देना चाहिए कि वाक्य रचना सजीव हो, शैली सरल और भाषा बोधगम्य हो। उसमें कठिन शब्दों का प्रयोग कम-से-कम हो। संवाद के वाक्य बड़े न हों, संक्षिप्त और प्रभावशाली हों। मुहावरेदार भाषा काफी रोचक होती है। अतएव, यथास्थान उनका प्रयोग हो।
अच्छी संवाद-रचना के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए -
(1) संवाद छोटे, सहज तथा स्वाभाविक होने चाहिए।
(2) संवादों में रोचकता एवं सरसता होनी चाहिए।
(3) इनकी भाषा सरल, स्वाभाविक और बोलचाल के निकट हो। उसमें बहुत अधिक कठिन शब्द तथा अप्रचलित (जिन शब्दों का प्रयोग कोई न करता हो) शब्दों का प्रयोग न हो।
(4) संवाद पात्रों की सामाजिक स्थिति के अनुकूल होने चाहिए। अनपढ़ या ग्रामीण पात्रों और शिक्षित पात्रों के संवादों में अंतर रहना चाहिए।
(5) संवाद जिस विषय या स्थिति के विषय में हों, उस विषय को स्पष्ट करने वाले होने चाहिए अर्थात जब कोई उस संवाद को पढ़े तो उसे ज्ञात हो जाना चाहिए की उस संवाद का विषय क्या है।
(6) प्रसंग के अनुसार संवादों में व्यंग्य-विनोद (हँसी-मजाक) का समावेश भी होना चाहिए।

(7) यथास्थान मुहावरों तथा लोकोक्तियों के प्रयोग करना चाहिए इससे संवादों में सजीवता आ जाती है। और संवाद प्रभावशाली लगते हैं।

(8) संवाद बोलने वाले का नाम संवादों के आगे लिखा होना चाहिए।

(9) यदि संवादों के बीच कोई चित्र बदलता है या किसी नए व्यक्ति का आगमन होता है, तो उसका वर्णन कोष्ठक में करना चाहिए।

(10) संवाद बोलते समय जो भाव वक्ता के चेहरे पर हैं, उन्हें भी कोष्ठक में लिखना चाहिए।

(11) यदि संवाद बहुत लम्बे चलते हैं और बीच में जगह बदलती हैं, तो उसे दृश्य एक, दृश्य दो करके बांटना चाहिए।

(12) संवाद लेखन के अंत में वार्ता पूरी हो जानी चाहिए।

अच्छे संवाद-लेखन की विशेषताएँ -

(1) संवाद में प्रवाह, क्रम और तर्कसम्मत (अर्थपूर्ण) विचार होना चाहिए।

(2) संवाद देश, काल, व्यक्ति और विषय के अनुसार लिखा होना चाहिए।

(3) संवाद सरल भाषा में लिखा होना चाहिए।

(4) संवाद में जीवन की जितनी अधिक स्वाभाविकता होगी, वह उतना ही अधिक सजीव, रोचक और मनोरंजक होगा।

(5) संवाद का आरम्भ और अन्त रोचक हो।

इन सभी विशेषताओं को ध्यान में रखकर छात्रों को संवाद लिखने का अभ्यास करना चाहिए। इससे उनमें अर्थों को समझने और सर्जनात्मक शक्ति को जागरित करने का अवसर मिलता है। उनमें बोलचाल की भाषा लिखने की प्रवृति जगती है।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्नः 1.आजकल महँगाई बढ़ती ही जा रही है। इससे परेशान दो महिलाओं की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

उत्तर:

रचना - अलका बहन नमस्ते! कैसी हो?

अलका - नमस्ते रचना, मैं ठीक हूँ पर महँगाई ने दुखी कर दिया है।

रचना - ठीक कहती हो बहन, अब तो हर वस्तु के दाम आसमान छूने लगे हैं।

अलका - मेरे घर में तो नौकरी की बँधी-बधाई तनख्वाह आती है। इससे सारा बजट खराब हो गया है।

रचना - नौकरी क्या रोज़गार क्या, सभी परेशान हैं।

अलका - हद हो गई है कोई भी दाल एक सौ बीस रुपये किलो से नीचे नहीं है।

रचना - अब तो दाल-रोटी भी खाने को नहीं मिलने वाली।

अलका - बहन कल अस्सी रुपये किलो तोरी और साठ रुपये किलो टमाटर खरीदकर लाई। आटा, चीनी, दाल, चावल मसाले दूध सभी में आग लगी है।

रचना - फल ही कौन से सस्ते हैं। सौ रुपये प्रति किलो से कम कोई भी फल नहीं हैं। अब तो लगता है कि डॉक्टर जब लिखेगा तभी फल खाने को मिलेगा।

अलका - सरकार भी कुछ नहीं करती महँगाई कम करने के लिए। वैसे जनता की भलाई के दावे करती है। जमाखोरों पर कार्यवाही भी नहीं करती है।

रचना - नेतागण व्यापारियों से चुनाव में मोटा चंदा लेते हैं फिर सरकार बनाने पर कार्यवाही कैसे करे।

अलका - गरीबों को तो ऐसे ही पिसना होगा। इनके बारे में कोई नहीं सोचता।

प्रश्नः 2. यमुना की दुर्दशा पर दो मित्रों की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

अजय - नमस्कार भाई साहब, शायद आप दिल्ली के बाहर से आए हैं।

प्रताप - नमस्कार भाई, ठीक पहचाना तुमने, मैं हरियाणा से आया हूँ।

अजय - मैं भी अलवर से आया हूँ। तुम यहाँ कैसे?

प्रताप - दिल्ली आया था। सोचा सवेरे-सवेरे यमुना में स्नान कर लेता हूँ पर
अजय - कल मेरा यहाँ साक्षात्कार था और आज कुछ और काम था। मैं भी यहाँ स्नान के लिए आया था।
प्रताप - इतनी गंदी नदी में कैसे नहाया जाए?
अजय - मैंने भी यमुना का बड़ा नाम सुना था, पर यहाँ तो उसका उल्टा निकला।
प्रताप - इसका पानी तो काला पड़ गया है।
अजय - फैक्ट्रियों और घरों का पानी और कई नाले इसमें मिल जाते हैं न।
प्रताप - देखो, वे सज्जन फूल मालाएँ और राख फेंककर पुण्य कमा रहे हैं।
अजय - इनके जैसे लोग ही तो नदियों को गंदा करते हैं।
प्रताप - सरकार को नदियों की सफ़ाई पर ध्यान देना चाहिए।
अजय - केवल सरकार को दोष देने से कुछ नहीं होने वाला। हमें खुद सुधरना होगा।
प्रताप - ठीक कहते हो। यदि सभी ऐसा सोचें तब न।
अजय - यहाँ की शीतल हवा से मन प्रसन्न हो गया। अब चलते हैं।
प्रताप - ठीक कहते हो। अब हमें चलना चाहिए।

प्रश्नः 3. बढ़ती गरमी और कम होती वर्षा के बारे में दो मित्रों की बातचीत का संवाद-लेखन कीजिए।
उत्तर:
रवि - रमन, कैसे हो?
रमन - मत पूछ यार गरमी से बुरा हाल है।
रवि - गरमी इसलिए बढ़ गई है क्योंकि वर्षा भी तो नहीं हो रही है।
रमन - 24 जुलाई भी बीतने को है पर बादलों का नामोनिशान भी नहीं है।
रवि - मेरे दादा जी कह रहे थे, पहले इतनी गरमी नहीं पड़ती थी और तब वर्षा भी खूब हुआ करती थी।
रमन - ठीक कह रहे थे तुम्हारे दादा जी। तब धरती पर आबादी कम थी परंतु पेड़-पौधों की कमी न थी।
रवि - वर्षा और पेड़ पौधों का क्या संबंध?
रमन - पेड़-पौधे वर्षा लाने में बहुत सहायक हैं। जहाँ अधिक वन हैं वहाँ वर्षा भी खूब होती है। इससे गरमी अपने आप कम हो जाती है।
रवि - फिर तो हमें भी अपने आसपास खूब सारे पेड़-पौधे लगाने चाहिए।
रमन - और हरे-भरे पेड़ों को कटने से बचाना भी चाहिए।
रवि - इस गरमी के बाद वर्षा ऋतु में खूब पौधे लगाएँगे।
रमन - यही ठीक रहेगा।

प्रश्नः 4. कक्षा-IX में प्रवेश लेने आए छात्र और प्रधानाचार्य के मध्य बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।
उत्तर:
छात्र - नमस्ते सर। क्या मैं अंदर आ सकता हूँ।
प्रधानाचार्य - नमस्ते। आ जाओ। क्या बात है?
छात्र - जी, मुझे नौवीं कक्षा में प्रवेश चाहिए।
प्रधानाचार्य - आठवीं कक्षा तुमने कौन-से विद्यालय से उत्तीर्ण की है?
छात्र - जी, राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय .... से।
प्रधानाचार्य - क्या तुम अपना अंक-पत्र लाए हो?
छात्र - जी हाँ, यह रहा मेरा अंक-पत्र।
प्रधानाचार्य - तुम्हारे ग्रेड तो अच्छे हैं, पर तुम यहाँ प्रवेश क्यों लेना चाहते हो?
छात्र - मेरे पिता जी का स्थानांतरण अभी यहीं हुआ है। यह विद्यालय मेरे आवास से सबसे निकट है।

प्रधानाचार्य - कोई और कारण?
छात्र - जी मुझे अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करनी है ताकि मैं ग्यारवीं में विज्ञान वर्ग में प्रवेश ले सकूँ।
प्रधानाचार्य - यह फार्म भरो और मिस्टर वर्मा से मिलो। वे तुम्हारा टेस्ट लेंगे।
छात्र - जी धन्यवाद।

प्रश्नः 5. परीक्षा भवन में जाने से आधा घंटा पहले दो सहपाठियों में हुई बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।
उत्तर:
अमर - अरे विनय! तुमने सारी तैयारी कर ली है?
विनय - हाँ अमर मैंने तो सारा पाठ्यक्रम दोहरा लिया है।
अमर - मैंने तो रात में देर तक जगकर पढ़ाई की परंतु पाठ्यक्रम पूरा न हो सका।
विनय - तूने पाइथागोरस प्रमेय के सवाल किए हैं?
अमर - नहीं विनय, मेरा तो मन घबरा रहा है। कहीं प्रश्न पत्र पूरा हल न कर पाया तो।
विनय - इस तरह दिल छोटा नहीं करते। चल जल्दी से देख, यह रहा सूत्र और इस पर आधारित सवाल।
अमर - यार एक बार और समझा दे।
विनय - ठीक है। अच्छा कुछ और?
अमर - एक बार मुझे हीरोन के सूत्र के बारे में बता दे।
विनय - यह भी आसान है। यह रहा हीरोन का सूत्र।
अमर - इस पर आधारित कोई सवाल समझा दे न।
विनय - यह देख सवाल। ऐसे करते हैं।
अमर - धन्यवाद विनय। चल अब अंदर चलते हैं। घंटी बज रही है।
विनय - बेस्ट ऑफ़ लक।

प्रश्नः 6. शोर के कारण पढ़ाई में उत्पन्न हो रही बाधा पर दो छात्रों के मध्य हुए संवाद का लेखन कीजिए।
उत्तर:
नमन - नमस्कार अजय! कैसे हो?
रमन - नमस्कार नमन ! मैं ठीक हूँ। परीक्षा की तैयारी कैसी चल रही है?
नमन - रमन तैयारी कर तो रहा हूँ, पर अच्छी तरह नहीं हो पा रही है।
रमन - क्या बात है, तबीयत तो ठीक है न ?
नमन - तबीयत तो एक दम ठीक है पर ....
रमन - पर क्या?
नमन - मेरी कॉलोनी में दो धार्मिक स्थल है जिससे वहाँ शोर होता रहता है।
रमन - क्या लोगों की ज़्यादा भीड़-भाड़ होती है वहाँ ?
नमन - लोगों की भीड़ तो कम पर वहाँ तेज़ आवाज़ में लाउडस्पीकर बजता रहता है।
रमन - इस बारे में सोसायटी के लोग मिलकर पुजारी से बात क्यों नहीं करते हैं।
नमन - कई बार बात की पर लगता है, दोनों पुजारियों में जैसे लाउडस्पीकर बजाने की प्रतियोगिता हो रही है।
रमन - उन्हें बताओ कि रात दस बजे के बाद लाउडस्पीकर बजाने पर प्रतिबंध है।
नमन - अब तो लगता है कि उनके विरुद्ध थाने में शिकायत करनी पड़ेगी क्योंकि इसमें हमें नींद नहीं आती है और हमारे काम प्रभावित हो रहे हैं।
रमन - अवश्य, क्योंकि इसका संबंध सभी के स्वास्थ्य से है।

प्रश्नः 7. अध्यापिका और गृहकार्य न करके आने वाले छात्र के बीच हुई बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।
उत्तर:
अध्यापिका - मोनू, अब तुम अपनी कॉपी निकालकर तैयार रहो।
मोनू,- जी मैम।
अध्यापिका - जल्दी ढूढों, तुम्हारा नंबर आ गया है।
मोनू - मैम! लगता है कॉपी तो घर रह गई।
अध्यापिका - तुमने काम किया ही न होगा।
मोनू - नहीं मैम, काम तो किया था।
अध्यापिका - पिछले सप्ताह भी तो तुमने यही बहाना किया था।
मोनू - ध्यान आ गया मैम, कल मैं घरवालों के साथ एक विवाह-पार्टी में चला गया और रात में देर से लौटा था।
अध्यापिका - तो काम पूरा करके पार्टी में जाना था।
मोनू - सोचा था, मैम कि आकर कर लूँगा पर समय ही नहीं मिला।
अध्यापिका - तुम झूठ बोलना भी सीखते जा रहे हो। यह अच्छी बात नहीं। कल अपने पिता या माँ को साथ लेकर आना।
मोनू - मैम एक आखिरी मौका दे दीजिए, प्लीज!

प्रश्नः 8. वनों की अंधाधुंध कटाई पर चिंता प्रकट करते हुए दो मित्रों के मध्य हुए संवाद (बातचीत) को लिखिए।
उत्तर:
पुनीत - नमस्ते सुमित! कहाँ थे छुट्टियों में?
सुमित - नमस्ते पुनीत! इन छुट्टियों में मैं अपने नाना जी से मिलने चला गया था।
पुनीत - तुम्हारे नाना जी गाँव में रहते हैं क्या?
सुमित - हाँ पुनीत! वहाँ का हरा-भरा वातावरण छोड़कर आने को मन ही नहीं कर रहा था।
पुनीत - अच्छा रहा तुम हरे-भरे वातावरण का आनंद उठा आए।
सुमित - पुनीत, तुम दिल्ली में ही थे या कहीं गए थे।
पुनीत - मैं भी अपने चाचा के पास आगरा गया था।
सुमित - वहाँ ताजमहल देखकर बड़ा आनंद आया होगा न?
पुनीत - ताजमहल देखने के आनंद से अधिक दुख वहाँ कटते पेड़ों को देखकर हुआ। जहाँ कभी हरे-भरे पेड़ हुआ करते थे अब घर बनते जा रहे हैं।
सुमित - यहाँ दिल्ली से तो जैसे हरियाली गायब ही हो गई है।
पुनीत - कुछ लोग वनों को काटकर अब वहाँ रेत, सीमेंट, कंकरीट और लोहे के मकानों के जंगल खड़े करते जा रहे हैं|
सुमित - जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गरमी, बाढ़ आना ये सब वनों के कटने के दुष्परिणाम हैं।
पुनीत - हमें लोगों को इसके प्रति जागरूक करना होगा ताकि वनों की कटाई रुक सके।
सुमित - तुम्हारे इस अभियान में मैं और मेरे मित्र भी साथ देंगे।

प्रश्नः 9. गरमी की ऋतु में पानी की कमी से उत्पन्न समस्या से परेशान दो महिलाओं की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।
उत्तर:
गीता - अरे सीमा! क्या बात है कुछ परेशान-सी दिख रही हो।
सीमा - क्या बताऊँ गीता! न कल दिन में पानी आया और न रात में।
गीता - गरमी आते ही बिजली की तरह ही पानी का संकट शुरू हो जाता है।
सीमा - बिजली न आने पर जैसे-तैसे झेल भी लेते हैं परंतु पानी के बिना बड़ी परेशानी होती है।
गीता - आखिर परेशानी क्यों न हो नहाना, धोना, खाना बनाना आदि काम पानी से ही तो होते हैं।

सीमा - अब तो गरमी भी अधिक पड़ने लगी है! इससे नदियाँ तक सूख जाने लगी हैं। आखिर इन्हीं नदियों का पानी शुद्ध करके शहरों में घर-घर भेजा जाता है।

गीता - पिछले सप्ताह मैंने देखा था कि मजदूरों की बस्ती में कई नल खुले थे, दो-तीन की टोटियाँ टूटी थी, जिनसे पानी बहता जा रहा था।

सीमा. - पानी की यही बर्बादी तो जल संकट को जन्म दे रही है। हमें पानी की बरबादी अविलंब बंद कर देनी चाहिए।

सूचना लेखन

परिभाषा

सूचना मौखिक या लिखित रूप में दी जाती है। आधुनिक युग में मौखिक सूचना आकाशवाणी, रेडियो, टेलीविजन आदि के माध्यम से दी जाती है। जब सूचना लिखित रूप में देने के लिए तैयार की जाती है, तो उसे 'सूचना लेखन' कहते हैं।

दूसरे शब्दों में कम-से-कम शब्दों में दी जाने वाली जानकारी जो लघु रूप में औपचारिक शैली में लिखी जाती है, वह सूचना लेखन कहा जाता है।

सूचना लेखन संक्षिप्त लेखन की एक विद्या है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों के व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिंदी लेखन कौशल के साथ-साथ संक्षिप्त रूप में उनके विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति संबंधी क्षमता का भी आकलन किया जाता है।

सूचना लेखन का महत्व-

सूचना लेखन का अपना एक विशेष महत्व है। जव एक ही जानकारी को बहुत सारे व्यक्तियों को व्यक्तिगत स्तर पर अलग-अलग देना संभव नहीं होता, तब इसके लिए सूचना लेखन का सहारा लिया जाता है। इसके माध्यम से किसी व्यक्ति अथवा संगठन की ओर से किसी जानकारी, चेतावनी आदि की सार्वजनिक रूप से घोषणा की जाती है। साधारणतः लिखित सूचना समाचार पत्रों या पत्रिकाओं में प्रकाशित की जाती है या विद्यालय, कॉलेज, कार्यालय आदि संस्थाओं द्वारा सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित की जाती है। यह अत्यंत संक्षिप्त और औपचारिक होती है।

सूचना लेखन के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है-

1. सार्वजनिक रूप से सभी लोगों को एक साथ सूचना या जानकारी देना।
2. किसी महत्वपूर्ण घटना या कार्यक्रम के बारे में पूर्व जानकारी उपलब्ध कराना।
3. सूचना का उद्देश्य किसी विषय के बारे में अखबार, पत्र-पत्रिकाओं आदि के माध्यम से सभी लोगों को सूचित करना होता है।
4. सूचना लेखन का उद्देश्य संक्षिप्त में पूरी सूचना अथवा जानकारी लोगों को प्रदान करना होता है।

सूचना लेखन के प्रकार-

1. बैठक की जानकारी देने से संबंधित सूचना लेखन।
2. किसी कार्यक्रम (प्रतियोगिता, यात्रा, भ्रमण, वार्षिक कार्यक्रम, समारोह आदि) के आयोजन से संबंधित सूचना लेखन।
3. सामान गुम हो जाने या पाए जाने की जानकारी देने से संबंधित सूचना लेखन।
4. नाम, पता, आवास, कंपनी, बैंक खाता आदि बदलने की सूचना देने से संबंधित सूचना लेखन।
5. अपील करने या चेतावनी देने से संबंधित सूचना लेखन।

सूचना लेखन के लिए ध्यान देने योग्य बातें-

1. सूचना लेखन के आरंभ में सूचना जारी करने वाली संस्था अथवा संगठन के नाम का उल्लेख अवश्य होना चाहिए।
2. इसके बाद अगली पंक्ति में सूचना शब्द लिखना चाहिए।
3. 'सूचना' शब्द लिखने के बाद अगली पंक्ति में बाई तरफ दिनांक लिखनी चाहिए।
4. इसके पश्चात सूचना का विषय लिखना चाहिए, जो संक्षिप्त तथा स्पष्ट हो।
5. सूचना लेखन में सभी आवश्यक जानकारी सम्मिलित की जानी चाहिए, जिससे इसका उद्देश्यपूर्ण हो।
6. सूचना लेखन में अनावश्यक बातों का समावेश नहीं करना चाहिए, इससे सूचना लेखन की महत्ता कम हो जाती है।

7. सूचना लेखन से क्या, क्यों, कब, कहाँ, कौन आदि प्रश्नों के उत्तर प्राप्त होने चाहिए। इसका अर्थ यह है कि सूचना लेखन में विषय से संबंधित पूर्ण जानकारी का समावेश होना अनिवार्य है।

8. सूचना लेखन के अंत में नीचे बाई तरफ सूचना देने वाले व्यक्ति के नाम तथा पद का उल्लेख अवश्य करना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर हस्ताक्षर भी करने चाहिए।

9. सूचना लेखन की भाषा सरल, स्पष्ट, प्रभावी तथा औपचारिक होनी चाहिए।

<u>सूचना लेखन का प्रारूप-</u>

एक अच्छी सूचना के लिए निम्नलिखित बिंदुओं का समावेश किया जाना आवश्यक है-

1. जिस संस्था, स्कूल या ऑफिस द्वारा इसे जारी किया जा रहा है- उसका नाम।
2. जिस दिनांक को इसे जारी किया जा रहा है।
3. सही शीर्षक जो सूचना को स्पष्ट करे।
4. एक आकर्षित करने वाला नारा या स्लोगन।
5.सूचना लिखने का उद्देश्य जैसे-मीटिंग, किसी ओर ध्यान आकर्षित करने, आम जनता को, सामान्य जानकारी आदि
6.समय का सही और पूरा विवरण-दिनांक, समय, स्थान, प्रोग्राम, कितने बजे से कितने बजे तक।

<u>सूचना-लेखन का प्रारूप</u>

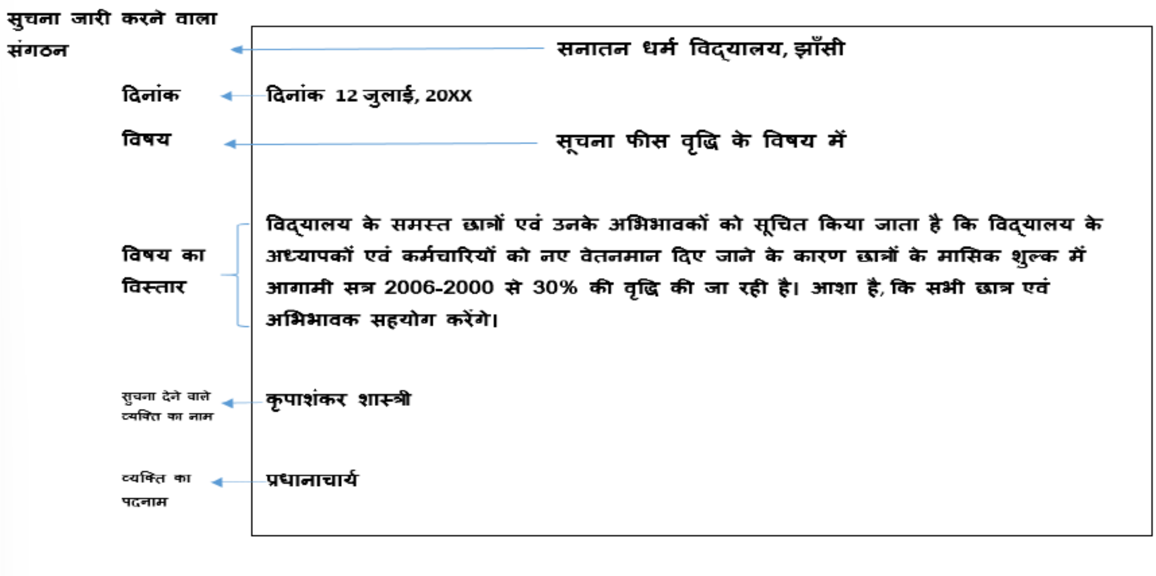

<u>शेष</u>

यदि प्रश्न में संगठन का नाम वाक्ति का नाम पद आदि नहीं दिया गया है, तो छद्म संगठन का नाम व्यक्ति का नाम, पद आदि लिखना चाहिए। परीक्षा में संगठन के नाम के स्थान पर परीक्षा भवन तथा व्यक्ति के नाम के स्थान पर क ख ग भी लिख सकते है।

अभ्यास प्रश्न

आपने अपना नाम अभिलाषा से बदलकर प्रांजल कर लिया है। अपने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को इसकी तैयार कीजिए।

केंद्रीय विद्यालय, द्वारका, नई दिल्ली

सूचना

दिनांक 17 **सितंबर**, 20XX

नाम बदलने की सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि मैने अर्थात् कक्षा दसवीं की छात्रा कु. अभिलाषा सुपुत्री श्रीमती एवं श्रीमान विनय कपूर, निवासी-B ब्लॉक, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली ने प्रशासनिक कारणों से अपना नाम अभिलाषा से बदलकर 'प्रांजल' रख लिया है। भविष्य में 'प्रांजल' नाम का प्रयोग ही मान्य होगा।

प्रांजल
कक्षा दसवीं 'अ'

2. आप अपनी कॉलोनी की कल्याण परिषद् के अध्यक्ष हैं। अपने क्षेत्र में पाकों की साफ-सफाई के प्रति जागरूकता लाने हेतु कॉलोनी वासियों के लिए सूचना तैयार कीजिए।

आदर्श कॉलोनी, रमेश नगर, अल्मोड़ा

सूचना

दिनांक 10 **मार्च**, 20XX

सभी पाकों की साफ-सफाई के प्रति जागरूकता सम्बन्धी सूचना

कॉलोनी के सभी निवासियों को सूचित किया जाता है कि हमारी कॉलोनी में पाकों की साफ-सफाई के प्रति जागरूकता लाने हेतु विशिष्ट अभियान का आरंभ किया जा रहा है। यह अभियान 12 **मार्च ये प्रारंभ होकर** 16 **मार्च तक दोपहर** 2:30 **से शाम** 6:00 **बजे तक चलेगा। इस अभियान के अंतर्गत साफ-सफाई के महत्त्व को प्रतिपादित करते हुए प्रतिदिन** 4-5 **पौधों को आरोपित किया जाएगा। अतः आप सभी निवासियों से निवेदन है कि इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें।**

अध्यक्ष
क.ख. ग.
कल्याण परिषद्

3. आप हिंदी छात्र परिषद् के सचिव प्रगण्य हैं। आगामी सांस्कृतिक संध्या के बारे में अनुभागीय दीवार पट्टिका के लिए 25-30 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

प्रतिभा विकास विद्यालय, लुधियाना

सूचना

दिनांक 16 **मार्च**, 20XX

आगामी सांस्कृतिक संध्या

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि 25 **मार्च**, 20XX **को हमारे विद्यालय में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें सांस्कृतिक गीत-संगीत तथा नृत्य आदि कार्यक्रम होंगे। अतः इसमें भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी** 18 **मार्च**, 20XX **तक संगीत शिक्षिका श्रीमती मंजू शर्मा को संपर्क कर सकते हैं।**

प्रगण्य
सचिव, हिंदी छात्र परिषद्

4. आप अपने विद्यालय में सांस्कृतिक सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली 'कविता-प्रतियोगिता' में भाग लेने के लिए आमंत्रण हेतु 25-30 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

प्रतिभा विकास विद्यालय, पश्चिम विहार, कानपुर

सूचना

दिनांक 4 **अप्रैल**, 20XX

कविता प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय में 20 **अप्रैल**, 20XX **को कविता प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। सभी इच्छुक विद्यार्थी अपने नाम, कक्षा व रोल नंबर का ब्यौरा संगीत की अध्यापिका के पास लिखवा दें। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए नाम लिखवाने की अंतिम तिथि** 12 **अप्रैल है।**

अभिषेक तिवारी

(सांस्कृतिक सचिव)

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र -01

हिंदी (पाठ्यक्रम-अ) कक्षा 9 (कोड 002)

समय 3 घण्टे पूर्णांक 80

सामान्य निर्देश

1 इस प्रश्न पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2 इससे प्रश्न पत्र में कुल चार खंड हैं। क, ख, ग, घ,।

3 खंड क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उप प्रश्नों की संख्या 10 हैं

4 खंड ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमे उप प्रश्नों की संख्या 20 हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

5 खंड ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उप- प्रश्नों की संख्या 21 है।

6 खंड घ में कुल 4 प्रश्न हैं| सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।

7 प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड 'क' (अपठित बोध) (14 अंक)

इस खंड में अपठित गद्यांश व काव्यांश से संबंधित तीन बहुविकल्पीय(1×3=3) और दो अति लघुतरात्मक व लघुत्तरात्मक(2×2=4) प्रश्न दिए गए हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (7)

शहरीकरण के कारण सक्षम जल प्रबंधन , बढ़िया पेयजल और सैनिटेशन की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन शहरों के सामने यह एक गंभीर समस्या है। शहरों की बढ़ती आबादी और पानी की बढ़ती माँग से कई दिक्कतें खड़ी हो गई हैं। जिन लोगों के पास पानी की समस्या से निपटने के लिए कारगर उपाय नहीं है, उनके लिए मुसीबतें हर समय मुँह खोले खड़ी हैं। कभी बीमारियों का संकट, तो कभी जल का अभाव, एक शहरी को आने वाले समय में ऐसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

यदि सही ढंग से पानी का संरक्षण किया जाए और जितना हो सके पानी को बर्बाद करने से रोका जाए,तो इस समस्या का समाधान बेहद आसान हो जाएगा, लेकिन इसके लिए आवश्यक है- जागरूकता की। एक ऐसी जागरूकता की, जिसमें छोटे से बच्चे से लेकर बड़े-बूढ़े भी पानी को बचाना अपना धर्म समझे।

भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है, जिससे शहरी क्षेत्र में पानी की माँग बढ़ रही है। पानी की कमी वाले क्षेत्रों में भारत की शहरी आबादी की वृद्धि अन्य देशों की तुलना में अधिक होने का अनुमान है, जो 2 वर्ष 2050 में 222 मिलियन लोगों से बढ़कर 550 मिलियन लोगों तक पहुँच जाएगी तथा पानी की कमी का सामना करने वाली दुनिया की शहरी आबादी का 26.7% हिस्सा होगी ।

(क) बढ़ते शहरीकरण के कारण किस चीज की सबसे ज्यादा आवश्यकता पड़ती है? उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए। (1)

1. जल प्रबंधन शुद्ध पेयजल और सेनिटेशन की
2. बढ़िया पेयजल और जल संरक्षण की
3. जल संरक्षण और जल प्रबंधन की

कूट

(I) केवल 1 सही है। (II) 2 और 3 सही है।

(III) 1 और 3 सही हैं। (Iv) 1,2,और 3 सही हैं।

(ख) 'जल संरक्षण' के लिए सबसे ज्यादा क्या जरूरी है ? (1)

1. जागरूकता की
2. जल प्रबंधन की
3. अधिक से अधिक पेड़ लगाने की

कूट

(I) केवल 1 सही है।   (II) 2 और 3 सही है।

(III) 1 और 3 सही हैं।   (Iv) 1,2,और 3 सही हैं।

(ग) कथन (A) पानी का संरक्षण आवश्यक है।

कारण (R) पानी के बचाव के लिए जागरूकता की बेहद आवश्यकता है ।

कूट

(I) (A) और (R) दोनों सहीं हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता हैं।

(II) (A) और (R) दोनों सहीं हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता हैं।

(III) (A) सही हैं, किंतु (R) गलत हैं ।

(Iv) (A) सही हैं, किंतु (R) सही है ।

(घ) शहरों में आज के समय में सबसे गंभीर समस्या क्या है ? (2)

(ड) बढ़ते शहरीकरण के कारण कौन-कौन सी समस्याएं जन्म ले रही हैं ? (2)

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (7)

लहरों में हलचल होती है
कहीं न ऐसी आँधी आए
जिससे दिवस रात हो जाए
यही सोच कर चकवी बैठी तट पर निज धीरज खोती है।
लहरों में हलचल होती है
लो वह आई आँधी काली
तम-पथ पर भटकने वाली
अभी गा रही थी जो कालिका पड़ी भूमि पर वो सोती है।
लहरों में हलचल होती है
चक्र सदृश भीषण भंवरों में
औ' पर्वताकार लहरों में
एकाकी नाविक की नौका अब अंतिम चक्कर लेती है। लहरों में हलचल होती है...

(क) लहरों में हलचल किसकी प्रतीक है? (1)

(1) उमंग की   (2) खुशी की   (3) दुख की   (4) विजय की

कूट

(I) केवल 3 सही है।   (II) 2 और 4 सही है।

(III) 1 और 3 सही हैं।   (Iv) 1,2,और 3 सही हैं।

(ख) चकवी रात होने से क्यों डर रही है ? (1)

1. उसे दीखना बंद हो जाएगा।
2. वह चकवे से बिछुड़ जाएगी ।
3. उसका आवागमन बंद हो जाएगा ।
4. उस पर आक्रमण हो जाएगा ।

कूट

(I) केवल 3 सही है।   (II) केवल 2 सही है।

(III) 1 और 3 सही हैं।   (Iv) 1,2,और 4 सही हैं।

(ग) कालिका भूमि पर क्यों सोई पड़ी है ? (1)

1. रात हो जाने के कारण
2. दुख के कारण
3. वियोग के कारण
4. मृत्यु के कारण

कूट

(I) केवल 1 सही है। (II) केवल 2 सही है।

(III) 1 और 3 सही हैं। (Iv) 1,2,और 4 सही हैं।

(घ) चक्र सदृश भीषण भँवरों में कौन सा अलंकार है? (2)

1. अनुप्रास 2. यमक3. श्लेष 4. यमक और श्लेष

कूट

(I) केवल 1 सही है। (II) केवल 2 सही है।

(III) 1 और 3 सही हैं। (Iv) 1,2,और 4 सही हैं।

(ड) पर्वताकार लहरें किसका प्रतीक है ? (2)

खंड 'ख' (व्याकरण) (16 अंक)

व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर अतिलघूत्तरात्मक व लघुतरात्मक 20 प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें से केवल 16 प्रश्नों (1×16=16) के उत्तर देने हैं।

3. निर्देशानुसार शब्द निर्माण पर आधारित पांच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1×4=4)

(क) 'संहार' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।

(ख) 'अधि' उपसर्ग लगाकर दो शब्द लिखिए ।

(ग) 'भगोड़ा' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।

(घ) 'ऊ' प्रत्यय लगाकर दो शब्द बनाइए।

(ड) 'निराहारी' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग व प्रत्यय अलग करके लिखिए ।

4. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच प्रश्नो में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1×4=4)

(क) 'शरणागत' समस्त पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(ख) 'चौराहा' समस्त पद में कौन सा समास है ?

(ग) 'पीतांबर' समस्त पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(घ)'आजकल' समस्त पद में कौन सा समास है?

(ड) 'रसोईघर' समस्त पद में कौन सा समास है ?

5. निर्देशानुसार वाक्य भेद पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1×4=4)

(क) 'किसी ने उसे राह दिखाई थी' प्रस्तुत वाक्य को निषेध वाचक वाक्य में बदलिए ।

(ख) 'पूस की रात में नीलगाय हलकू का खेत चर गई' प्रस्तुत वाक्य को प्रश्न वाचक वाक्य में बदलिए ।

(ग) 'वाह! कितना आकर्षक पर्वतीय स्थल है।' प्रस्तुत वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

(घ) 'पुस्तकें अलमारी में रखी है' प्रस्तुत वाक्य को आज्ञावाचक वाक्य में बदलिए ।

(ड) 'संभवत: अंश पढ़ रहा होगा' प्रस्तुत वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए ।

6. निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1×4=4)

(क) 'पेड झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए।' प्रस्तुत काव्य पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?

(ख) 'जगती जगती की मूक प्यास प्यास।' प्रस्तुत करो पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?

(ग) 'काली घटा का घमंड घटा।' प्रस्तुत काव्य पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?

(घ) 'नभ पर चमचम चपला चमकी।' प्रस्तुत पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार कौन- सा है ?

(ड) 'तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती है।' प्रस्तुत काव्य पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?

खंड (ग) (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक) (30 अंक)

इस खंड में पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक से प्रश्न पूछे गए हैं जिनके निर्धारित अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

7. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5)

हर शाम सूरज ढलने से पहले, जब वाटिका का माली सैलानियों को हिदायत देता, तो लगता है जैसे बस कुछ ही क्षणों में वह कहीं से आठ टपकेगा और संगीत का जादू वाटिका के भरे- पूरे माहौल पर छा जाएगा। वृंदावन कभी कृष्ण की बाँसुरी के जादू से खाली हुआ है क्या? मिथकों की दुनिया में इस सवाल का जवाब तलाश करने से पहले एक नजर कमजोर काया वाले उसे व्यक्ति पर डाली जाए, जिसे हम सलीम अली के नाम से जानते हैं। उम्र को शती तक पहुँचने में थोड़े ही दिन तो बचे थे । संभव है, लंबी यात्राओं की थकान ने उनके शरीर को कमजोर कर दिया हो और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी उनकी मौत का कारण बनी हो, लेकिन अंतिम समय तक मौत उनकी आंखों से वह रोशनी छीनने में सफल नहीं हुई, जो पक्षियों की तलाश और उनकी हिफाजत के प्रति समर्पित थी। सलीम की आँखों पर चढ़ी दूरबीन उनकी मौत के बाद ही तो उतरी थी।

(क) शाम के समय वाटिका का माली सैलानियों को क्या हिदायत दिया करता था ?

क) वाटिका में घूमने के लिए कहता

ख) वाटिका से बाहर चले जाने के लिए हिदायत देता

ग) वाटिका में बैठने के लिए कहता ।

घ) उपर्युक्त सभी

(ख) सालिम अली जीवन भर किस बात के लिए समर्पित रहे ?

1 सफलता प्राप्त करने के लिए

2 सैलानी बनने के लिए

3 पक्षियों की तलाश और उनकी सुरक्षा के लिए

4 लंबी यात्राओं पर जाने के लिए ।

कूट

(I) 1 और 2 सही है । (II) केवल 3 सही है।

(III) 2और 4 सही है (Iv) केवल 4 सही है।

(ग) वाटिका का माली जब सैलानियों को हिदायत देता है, तो ऐसे प्रतीत होता है : जैसे

(I) कुछ ही पलों में सैलानी आ जाएँगे

(II) कुछ ही पलों में कृष्ण आ जाएँगे

(III) कुछ ही पलों में वाटिका खाली हो जाएगी

(Iv) कुछ ही पलों में सूरज ढल जाएगा

(घ) सलीम अली की मौत का कारण क्या था?

(I) बुखार

(II) मलेरिया

(III) कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी

(Iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ड) कथन (A) सालिम अली कमजोर काया वाले व्यक्ति थे ।

कारण (R) उम्र की शती तक पहुँचने में थोड़े ही दिन बचे थे।

कूट

(I) (A) और (R) दोनों सहीं हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता हैं।

(II) (A) और (R) दोनों सहीं हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता हैं।

(III) (A) सही हैं, किंतु (R) गलत हैं ।

(Iv) (A) सही हैं, किंतु (R) सही है ।

8.गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए । (2×3=6)

(क) पाठ 'प्रेमचंद के फटे जूते' में हरिशंकर परसाई ने प्रेमचंद का जो शब्दचित्र हमारे सामने प्रस्तुत किया है, उससे प्रेमचंद के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएं उभर कर आती हैं?

(ख) 'दो बैलों की कथा' पाठ के माध्यम से प्रेमचंद ने हीरा- मोती की कथा द्वारा किन नैतिक मूल्यों को उद्घाटित किया है? संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ग) 'लहासा की ओर' पाठ के आधार पर लेखक की प्रतीक्षा करते सुमति के व्यवहार का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(घ) 'मेरे बचपन के दिन' पाठ में लेखिका ने छात्रावास के जिस बहुभाषी परिवेश की चर्चा की है, उसके बारे में बताइए ।

9. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए । (1×5=5)

हिंदू मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाई।
कहै कबीर सो जीवता, जो दुहुँ के निकटि न जाए।।

(क) प्रस्तुत साखी से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

(I) ईश्वर का ध्यान चिंतन करने की

(II) खुदा और राम के नाम पर भेदभाव न करने की

(III) धार्मिक अंधविश्वासों के मार्ग पर चलने की

(Iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ख) कबीर के अनुसार कौन जीवित है ?

(I) राम के भक्त

(II) खुदा के भक्त

(III) जो भेदभाव, अंधविश्वास और सांप्रदायिकता से दूर रहता है।

(Iv) जो कट्टर विरोधी बनाकर ईश्वर को भूल गए हैं ।

(ग) 'दुहुँ' शब्द किस ओर संकेत करता है?

(I) सांप्रदायिकता की ओर

(II) साधक की ओर

(III) व्रत, कीर्तन, जाप की ओर

(Iv) हिंदू-मुस्लिम की ओर

(घ) उपर्युक्त साखी में कबीरदास ने किस बात की निंदा की है? उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए ।

(1) सांप्रदायिकता की भावना से जकड़ी मानसिकता की

(2) बंटवारे की भावना की

(3) धर्म चिह्नों में उलझन की

कूट

(I) केवल 1 सही है । (II) केवल 2 सही है।

(III) 1और 3 सही है (Iv) 1,2,और 3 सही है।

(ड़) कथन (A) ईश्वर की सच्ची भक्ति के लिए निष्पक्षता बहुत आवश्यक है ।

कारण (R) जो साधक हिंदू मुस्लिम रूपी कृत्रिम मार्गों से दूर रहता है वही ईश्वर को प्राप्त करता है ।

(I) (A) और (R) दोनों सहीं हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता हैं।

(II) (A) और (R) दोनों सहीं हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता हैं।

(III) (A) सही हैं, किंतु (R) गलत हैं ।
(Iv) (A) सही हैं, किंतु (R) सही है ।

10. कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। (2×3=6)

(क) 'कैदी और कोकिला' कविता में कवि ने कोयल के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई है?

(ख) 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता के आधार पर समाज व लेखक का बाल मजदूरी के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

(ग) भारतीय समाज पर श्री कृष्ण की भक्ति के व्यापक एवं अमिट प्रभाव को रसखान के 'सवैये' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ?

(घ) 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।' पंक्ति का आशय 'मेघ आए' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

11. पूरक पाठ्य पुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए । (4×2=8)

(क) रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद बात -बात पर "एक हमारा जमाना था........" कह कर अपने समय की तुलना वर्तमान समय से करते हैं। इस प्रकार की तुलना का करना कहाँ तर्कसंगत है? 'रीढ़ की हड्डी' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) शिक्षा के अधिकारों को लेकर लेखिका ने किस प्रकार के प्रयास किए थे? 'मेरे संग की औरतें' पाठ के आधार पर वर्णन कीजिए।

(ग) प्राकृतिक आपदा की स्थिति में व्यक्ति को क्या करना चाहिए। 'इस जल प्रलय में' पाठ के आधार पर बताइए कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में व्यक्ति को क्या-क्या करना चाहिए?

खंड 'घ' (रचनात्मक लेखन) (20 अंक)

इस खंड में रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं जिनके निर्धारित अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5)

(क) युवाओं में बढ़ता मानसिक तनाव

संकेत बिंदु: ★ भूमिका ★मानसिक तनाव के कारण ★ तनाव से मुक्ति के उपाय

(ख) प्राकृतिक आपदाएँ और प्रबंधन

संकेत बिंदु: ★ प्रस्तावना ★प्राकृतिक व मानव निर्मित आपदाओं का प्रभाव ★आपदा प्रबंधन का अर्थ ★देश में आपदा प्रबंधन की कार्यवाही की आवश्यकता

(ग)जीवन में खेलों का महत्व

संकेत बिंदु : ★ भूमिका ★ खेलों के लाभ ★ खेलों का महत्व

13. दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण 5 दिन के अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखिए। (5)

अथवा

अपने मित्र को निबंध प्रतियोगिता में प्रथम आने पर बधाई पत्र लिखिए। (5)

14. आप अंकित अंकिता शर्मा है। बस में यात्रा के दौरान आपका एटीएम कार्ड कहीं गिर गया है तथा बहुत खोजने पर भी नहीं मिल रहा है। बैंक प्रबंधक महोदय को इसकी जानकारी देते हुए उस एटीएम कार्ड को बंद करके उसके स्थान पर नया एटीएम कार्ड बनाने के लिए लगभग 100 शब्दों में ई-मेल लिखिए। (5)

अथवा

"संघर्षों से हार न मानना ही जिंदगी का दूसरा नाम है।" इस पंक्ति के आधार पर लगभग 100 शब्दों में लघु कथा लिखिए।

15. आप शोभित है और अपने पिताजी से अपने विद्यालय की ओर से भ्रमण पर जाने के लिए अनुमति देने के लिए कह रहे हैं उनसे हुए संवाद को लिखिए। (5)

अथवा

आपका नाम अनुराग मेहता है और आप डी. ए. वी. स्कूल, दिल्ली के प्रबंधक है। विद्यार्थियों को शैक्षिक यात्रा पर ले जाने के संबंध में लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए। (5)

केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (उत्तर कुंजी)

सत्रांत परीक्षा (2025-26)

विषय हिंदी-अ (002)

कक्षा - 9

निर्धारित समय 3घंटे पूर्णांक :- 80

सामान्य निर्देशः

(1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्न पत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है । ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएं।

(3) समान त्रुटियों के लिए स्थान- स्थान पर अंक न काटे जाएं।

(4) गुणवत्तापूर्ण सटीक उत्तर पर शत-प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।

खंड - क

प्रश्न 1-निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (7)

(क) (I) (क) केवल 1 सही है। शहरीकरण के कारण सक्षम जल प्रबंधन, बढ़िया पेयजल और सैनिटेशन की आवश्यकता पड़ती है । (1) अंक

(ख) (I) केवल 1 सही है । जब तक सभी लोग जागरूक नही होगें इस समस्या का समाधान नही होगा।। (1)अंक

(ग) (I) A और R दोनों सही है, परंतु R, A की सही व्याख्या करता है। गद्यांश के अनुसार पानी का संरक्षण अति आवश्यक है तथा इसके लिए जागरूकता अनिवार्य है। (1)अंक

(घ) शहरों में बढ़ती आबादी और पानी की बढ़ती माँग आज के समय में सबसे बड़ी मुसीबत है। 2 अंक

(ड़) बढ़ते शहरीकरण के कारण शहरी क्षेत्र में पानी की मांग बढ़ रही है शहरी आबादी का घनत्व बढ़ गया है । (2) अंक

प्रश्न 2-निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।(7)

2 (क) (I) केवल 3 सही हैं। लहरों में हलचल दुख का प्रतीक है।(1) अंक

(ख) (II) केवल 2 सही हैं । वह चकवे से बिछुड़ जाएगी। (1)अंक

(ग)(I) केवल 1 सही है। रात हो जाने के कारण। (1)अंक

(घ) (I) केवल 1 सही है। अनुप्रास अलंकार।(2) अंक

(ड़) पर्वताकार लहरें विनाश की प्रतीक है (2) अंक

प्रश्न 3-निम्नलिखित में किन्हीं चार उपसर्ग-प्रत्यय संबंधी प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। (4X1=4)

3. (क) संहार शब्द में सम उपसर्ग व हार मूल शब्द से मिलाकर बना है, जिसका अर्थ है नाश या ध्वंस

(ख) 'अधि' उपसर्ग से बने दो शब्द निम्न हैं

(I) अधि + कार = अधिकार

(II) अधि + नायक = अधिनायक
(ग) 'भगोड़ा' शब्द में मूल शब्द 'भाग' और प्रत्यय 'ओड़ा' है।
(घ) 'ऊ' प्रत्यय से बने दो शब्द निम्न है
(I) झाड़+ऊ =झाड़ू   (II) चाल + ऊ = चालू
(ड़) 'निराहारी' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग 'निर' , मूल शब्द आहार व प्रत्यय 'ई' है ।

(प्रश्न 4-निम्नलिखित में किन्हीं चार समास संबंधी प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। (4X1=4)
4. (क) 'शरणागत' का समास-विग्रह
"शरण को आगत" है। यहाँ कर्म कारक की विभक्ति (को) का लोप होने से कर्म तत्पुरुष समास है।
(ख) 'चौराहा' का समास-विग्रह
"चार राहों का समाहार" है। यहाँ पूर्वपद (चार) संख्यावाचक है, इसलिए यहाँ द्विगु समास है।
(ग) 'पीताम्बर' का समास-विग्रह
पीला वस्त्र धारण करता है जो अर्थात् कृष्ण यहाँ दोनों पद मिलकर एक विशेष (तीसरे) अर्थ का बोध करा रहे हैं, इसलिए यहाँ बहुव्रीहि समास है।
(घ) आजकल में द्वंद्व समास है, जिसका समास-विग्रह "आज और कल" है,
यहाँ दोनों पद प्रधान हैं, इसलिए यहाँ द्वंद्व समास है।
(ड़) 'रसोई के लिए घर' में तत्पुरुष समास है
(प्रश्न 5-निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए ।(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद) (4X1=4)
(क) किसी ने उसे राह नहीं दिखाई थी।
(ख) क्या पूस की रात में नीलगाय हलकू का खेत चर गई?
(ग) 'वाह! कितना आकर्षक पर्वतीय स्थल है।' प्रस्तुत वाक्य अर्थ के आधार पर विस्मयादिबोधक या विस्मयवाचक वाक्य है।
(घ) देखो, पुस्तकें अलमारी में रखी हैं।
(ङ) 'संभवतः अंश पढ़ रहा होगा' प्रस्तुत वाक्य अर्थ के आधार पर संदेहवाचक वाक्य है।
प्रश्न 6-निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए -(4X1=4)
(क) प्रस्तुत पंक्ति में 'झ' वर्ण की आवृत्ति होने के कारण यहाँ अनुप्रास अलंकार है।
(ख) प्रस्तुत काव्य पंक्ति में जगती शब्द का दो बार प्रयोग किया गया है और दोनों ही बार अर्थ में भिन्नता है पहले 'जगती' का अर्थ जागना और दूसरे 'जगती' का अर्थ-सृष्टि या संसार है। अत: यहाँ यमक अलंकार है।
(ग) प्रस्तुत काव्य पंक्ति में 'घटा' शब्द का प्रयोग दो बार किया गया है और दोनों ही बार अर्थ में भिन्नता है प्रथम 'घटा' का अर्थ 'बादलों के जमघट' से है तथा दूसरी 'घटा' का अर्थ- 'कम हुआ' से है, इसलिए यहाँ यमक अलंकार है।
(घ) प्रस्तुत काव्य पंक्ति में 'च' वर्ण की आवृत्ति के कारण यहाँ अनुप्रास अलंकार है।
(ङ) यहाँ प्रस्तुत पंक्ति में बेर शब्द के दो अर्थ हैं-फल व बार । अतः यहाँ यमक अलंकार है।
प्रश्न 7-निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (5X1=5)
(I) (ख) वाटिका से बाहर चले जाने के लिए हिदायत देता था।
(II) केवल 3 सही है । पक्षियों की तलाश और उनकी सुरक्षा के लिए।
(III) (II) कुछ ही पलों में कृष्ण आ जायेंगे।
(Iv) (III) कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी
(V) (I) (A) और (R) दोनों सही है तथा (R) ,(A) की सही व्याख्या करता है ।
प्रश्न 8-गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(क) प्रस्तुत पाठ के आधार पर प्रेमचंद के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताएं उभरकर सामने आती है

★ प्रेमचंद ने अपने जीवन में महात्मा गांधी की भाँति साधारणता पर बोल दिया और उन्होंने उसे अपने जीवन में अपनाया। वे साधा जीवन और उच्च विचार वाले व्यक्ति थे।

★ प्रेमचंद ने समाज में व्याप्त अनेक प्रकार की बुराइयों के विरुद्ध अपनी रचनाओं द्वारा संघर्ष किया और एक स्वस्थ समाज का संदेश दिया। व्यक्तिगत रूप से प्रेमचंद प्रत्येक प्रकार की बुराई से दूरी बनाकर रखने वाले व्यक्ति थे।

ख) 'दो बैलों की कथा' पाठ के माध्यम से प्रेमचंद ने हीरा-मोती की कथा द्वारा निम्नलिखित नैतिक मूल्यों को उद्घाटित किया है

★अत्यधिक सरलता और सहनशीलता के भाव दोष कहलाते हैं।

★आज़ादी प्राप्त करने के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ता है।

★अन्याय व अत्याचार के सामने झुकना नहीं चाहिए, बल्कि उनका डटकर मुकाबला करना चाहिए।

★पशुओं के प्रति प्रेम भाव रखना चाहिए।भ्रातृत्व की भावना रखनी चाहिए।निहत्थे पर वार नहीं करना चाहिए।औरत पर हाथ नहीं उठाना चाहिए, बल्कि उसका सम्मान करना चाहिए।

(ग) लेखक को सुमति के पास पहुँचने में बहुत देर हो गई थी। उधर समति काफी देर से लेखक की प्रतीक्षा कर रहा था। उसने दो टोकरी कंडे जला डालें तथा तीन-तीन बार चाय गरम की । इसी कारण सुमति को गुस्सा आया था, परंतु सुमति को जितनी जल्दी गुस्सा आता था उतनी ही जल्दी वह शांत भी हो जाता था।

(घ) प्रस्तुत पाठ में लेखिका ने अपने छात्रावास के बहुभाषी परिवेश के बारे में बताते हुए कहा है कि वहाँ देश के अलग-अलग हिस्सों से छात्राएँ पढ़ने आती थीं। वहाँ हिंदी और उर्दू की पढ़ाई होती थी, लेकिन वे आपस में अपनी भाषा में ही बोलती थीं। इससे कभी कोई विवाद नहीं होता था। यह एक बहुत बड़ी बात थी। वास्तव में उस समय सांप्रदायिकता नहीं थी।

प्रश्न 9-निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए (5X1=5)

.(क) (II) खुदा और राम के नाम पर भेदभाव न करने की प्रस्तुत साखी से कवि यह संदेश देना चाहता है कि हमें धार्मिक कट्टरता से बचना चाहिए तथा खुदा व राम के नाम पर भेदभाव नहीं करना चाहिए।

(ख) (III) जो भेदभाव, अंधविश्वास और सांप्रदायिकता से दूर रहता है | कबीर के अनुसार जो साधक धार्मिक अंधविश्वासों, सांप्रदायिकता, हिंदू-मुस्लिम के भेदभाव आदि मार्गों से दूर रहता है, वही ईश्वर के सच्चे साधक के रूप में जीवित रहता है।

(ग) (Iv) हिंदू-मुस्लिम की ओर 'दुहुँ' शब्द का अर्थ है दोनों अर्थात् यहाँ यह शब्द 'हिंदू-मुस्लिम' की ओर संकेत करता है।

(घ) (Iv) 1, 2 और 3 सही हैं। उपर्युक्त साखी में कबीरदास ने सांप्रदायिकता की भावना से जकड़े मनुष्य की मानसिकता की भावना की निंदा की है, जो धर्म चिह्नों में फँसकर प्रभु को भूलता चला जाता है एवं बँटवारे की भावना को विकसित करता है ऐसा मनुष्य निंदनीय है।

(ङ) (I) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है| प्रस्तुत पद्यांश में कबीर दास ने कहा है कि ईश्वर की सच्ची भक्ति के लिए निष्पक्षता बहुत आवश्यक है।

प्रश्न 10-पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(क) कविता में कवि ने कोयल के बोलने की अनेक संभावनाएँ बताई हैं; जैसे-

★अंग्रेजों द्वारा भारतीयों की अमानवीय प्रताड़ना देख लेना।

★वह पागल हो गई है, जो आधी रात को चीख रही है।

★वह कैद स्वतंत्रता सेनानियों के दुःख से पीड़ित है।

★कवि के शरीर एवं हाथों में लोहे की जंजीरे देख लेना।

★कवि की दीन-दशा देख लेना।

(ख) समाज बाल-मज़दूरी को सामान्य मानकर इसको अनदेखा करता रहता है। समाज के लोगों के लिए बाल मज़दूरी 'सामान्य-सी बात' है। लेखक इस बात को बहुत भयानक मानता है कि लोग बाल-मज़दूरी की समस्या सुनकर चौंकते नहीं, चिंतित नहीं होते। वे इसे सामान्य-सी बात कहकर अपनी ज़िम्मेदारी से बच निकलते हैं।

. (ग) श्रीकृष्ण, भारतीय जनजीवन के सर्वमान्य, सर्वाधिक लोकप्रिय लीलावतारी पुरुष हैं। भारतीय समाज ने अपने जीवन की प्रत्येक स्थिति में श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व, उपदेश एवं महिमामय कार्यों से सुविधा, सुरक्षा एवं सिद्धि प्राप्त की है। वे ईश्वर के सर्वाधिक लोकप्रिय अवतारों की श्रेणी में आते हैं। यह बात भारतीय समाज पर उनकी भक्ति के व्यापक एवं अमिट प्रभाव को स्पष्ट करती है।

(घ) इसपंक्ति का आशय है कि नदी में पानी लगातार बहता रहता है, उसमें लहरें उठती रहती हैं। वह भी मेघों को देखकर कुछ देर रुक जाती है। ऐसा लगता है कि वह अपना घूँघट ऊपर सरकाकर मेघ रूपी मेहमान को तिरछी नजर से देख रही है।

प्रश्न 11-पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों के निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए(2x4=8)

(क) गोपाल प्रसाद, चतुर तथा रूढ़िवादी व्यक्ति है। वह प्रत्येक बात में अपने पुराने समय की प्रशंसा करते हुए आज के समय की बुराई करते हैं। उनका मानना है कि उनका समय बहुत अच्छा था। रामस्वरूप भी गोपाल प्रसाद की हाँ में हाँ मिलाते रहते हैं। दोनों का अपने समय की तुलना वर्तमान समय से करना एक सीमा तक तो सही है, किंतु वर्तमान समय को बिल्कुल व्यर्थ बताना उचित नहीं है।

(ख) शिक्षा के अधिकारों को लेकर लेखिका के प्रयास सराहनीय थे। लेखिका जब कर्नाटक के छोटे-से कस्बे बागलकोट में रह रही थी, तो उसने देखा कि वहाँ कोई अच्छा विद्यालय नहीं है, उसने एक अच्छा विद्यालय खुलवाने की इच्छा व्यक्त की। इसके लिए उसने कैथोलिक बिशप से सहायता माँगी (प्रार्थना की), परंतु वे तैयार नहीं हुए। तब स्वयं लेखिका ने वहाँ के कुछ लोगों को साथ लेकर एक अच्छा प्राइमरी विद्यालय खुलवाया और कर्नाटक सरकार से मान्यता भी दिलवाई।

(ग) आपदा चाहे कोई भी हो व्यक्ति को हमेशा साहस व निडरता से उस परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। प्रतिकूल परिस्थितियों में अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए अपितु साहस एवं धैर्य से काम लेना चाहिए। व्यक्ति को सर्वप्रथम अपने दैनिक जीवन में काम आने वाली आवश्यक वस्तुओं का प्रबंध कर लेना चाहिए, जिससे कुछ दिनों तक जीविका निर्वाह सुचारू रूप से किया जा सके इस जल प्रलय में पाठ के अंतर्गत बाढ़ की विभीषिका का चित्रण किया गया है। बाढ़ का पानी जितने अधिक समय तक रहता है उतनी ही अधिक कठिनाइयाँ उत्पन्न होती है।

(प्रश्न 12-निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए - (6)

विषयवस्तु - 4 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न 13-दिए गए दो औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में पत्र हेतु मूल्यांकन बिंदु। (5)

आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक

विषयवस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न 14-दिए गए लघुकथा व ईमेल लेखन में से किसी एक विषय पर 80 शब्दों में लघुकथा / ईमेल लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु (5)

प्रारूप - 2 अंक

विषय वस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न 15-दिए गए संवाद / सूचना लेखन में से किसी एक विषय पर 60 शब्दों में संवाद/सूचना लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु। (4)

विषयवस्तु - 2 अंक

भाषा -1 अंक

प्रस्तुति -1 अंक

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र -02

हिंदी (पाठ्यक्रम-अ) कक्षा 9 (कोड 002)

समय- 3 घण्टे पूर्णांक- 80

सामान्य निर्देश-

1. इस प्रश्न पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
2. इससे प्रश्न पत्र में कुल चार खंड हैं। क, ख, ग, घ,।
3. खंड क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उप प्रश्नों की संख्या 10 हैं
4. खंड ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमे उप प्रश्नों की संख्या 20 हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।
5. खंड ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उप- प्रश्नों की संख्या 21 है।
6. खंड घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
7. प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड 'क' (अपठित बोध) (14 अंक)

इस खंड में अपठित गद्यांश व काव्यांश से संबंधित तीन बहुविकल्पीय(1×3=3) और दो अतिलघूत्तरात्मक व लघूत्तरात्मक (2×2=2) प्रश्न दिए गए हैं।

1-निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (7)

हमारे देश में एक ऐसा भी युग था, जब नैतिक और आध्यात्मिक विकास ही जीवन का वास्तविक लक्ष्य माना जाता था। अहिंसा की भावना सर्वोपरि थी। आज पूरा जीवन-दर्शन ही बदल गया है। सर्वत्र पैसे की हाय-हाय तथा धन का उपार्जन ही मुख्य ध्येय हो गया है, भले ही धन उपार्जन के तरीके गलत क्यों न हों? इन सबका प्रभाव मनुष्य के प्रतिदिन के जीवन पर पड़ रहा है।

समाज का वातावरण दूषित हो गया है। इन सबके कारण मानसिक और शारीरिक तनाव-खिंचाव और व्याधियाँ पैदा हो रही हैं। आज आदमी धन के पीछे अँधाधुंध दौड़ रहा है। इस दौड़ का कोई अंत नहीं है। धन की इस दौड़ में सभी पारिवारिक और मानवीय संबंध पीछे छूट गए हैं। व्यक्ति सत्य-असत्य, उचित-अनुचित, न्याय-अन्याय और अपने-पराए में भेदभाव को भूल गया है। इस कारण उसके पास अपने परिवार के लिए भी समय नहीं है। इस लालसा का ही परिणाम है कि जगह-जगह हत्या, लूट, अपहरण, चोरी डकैती की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। धन की लालसा व्यक्ति को अनैतिक कार्य करने के लिए उकसा रही है। इस रोगी मनोवृत्ति को बदलने के लिए हमें हर स्तर पर प्रयत्न करने होंगे।

(क) जीवन का वास्तविक लक्ष्य आध्यात्मिक विकास माना जाता था, क्योंकि उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए। (1)

1. अहिंसा की भावना सर्वोपरि थी
2. हिंसा की भावना सर्वोपरि थी
3. पूरा जीवन दर्शन में बदल गया था
4. समाज का वातावरण दूषित था

कूट

(I) 1 और 2 सही हैं।
(II) 2 और 3 सही हैं।
(III) केवल 1 सही है।
(Iv) केवल 4 सही है।

(ख) 'आज पूरा जीवन-दर्शन ही बदल गया है।' प्रस्तुत कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। (1)

(I) आज जीवन में परिवर्तन आ गया है।

(II) आज संपूर्ण जीवन बदल गया है।

(III) आज जीवन के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव आ गया है।

(Iv) आज समय बदलने से दिनचर्या बदल गई है।

(ग) कथन (A) आदमी धन के पीछे अँधाधुंध दौड़ रहा है। (1)

कारण (R) इस दौड़ में पारिवारिक व मानवीय संबंध पीछे छूट गए हैं।

(I) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(II) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(III) (A) सही है, किंतु R गलत है।

(Iv) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

(घ) वर्तमान समय में किस कारण मनुष्य का जीवन प्रभावित हुआ है? (2)

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश में प्राचीन युग की किन विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया है? (2)

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मैं हूँ उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़।
कभी नहीं जो तज सकते हैं
अपना न्यायोचित अधिकार
कभी नहीं जो सह सकते हैं
शीश नवाकर अत्याचार
एक अकेले हों या उनके
साथ खड़ी हो भारी भीड़
मैं हूँ उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़।
निर्भय हो घोषित करते जो
अपने उद्‌गार-विचार
जिनकी जिह्वा पर होता है
उनके अंतर का अंगार
नहीं जिन्हें चुप कर सकती है
आततायियों की शमशीर
मैं हूँ उनके साथ खड़ी,
जो सीधी रखते अपनी रीढ़।
जो सीधी रखते अपनी रीढ़।

(क) अत्याचार सहन न करने वालों के प्रति कवयित्री की क्या प्रतिक्रिया होती है? (1)

उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए।

1. वह उनके साथ खड़ी होती है
2. वह उनके विरुद्ध खड़ी होती है

3. वह उनसे सीधे मुँह बात नहीं करती है
4. वह उन पर विश्वास नहीं करती है
कूट
(I) केवल कथन 1 सही है
(II) कथन 2 और 3 सही हैं
(III) कथन 3 और 4 सही हैं
(Iv) केवल कथन 3 सही है
(ख) कथन (A) जो अपनी रीढ़ सीधी रखते हैं। (1)
कारण (R) जो अत्याचार और अन्याय सहन नहीं करते हैं।
कूट
(I) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं|
(II) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(III) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(Iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) पद्यांश के अनुसार कवयित्री किसके साथ में खड़ी है? (1)
(I) परिस्थितियों से समझौता करने वालों के साथ
(II) स्वप्न जगत में खोए व्यक्तियों के साथ
(III) अन्याय और अत्याचार करने वालों के साथ
(Iv) सत्य एवं न्याय पथ पर अडिग रहने वालों के साथ

(घ) आततायियों की शमशीर से क्या तात्पर्य है? (2)
(ङ) कवि के अनुसार अपने विचारों को किस प्रकार अभिव्यक्त करना चाहिए?(2)

खंड 'ख' (व्याकरण) (16 अंक)
व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर अतिलघुतरात्मक व लघुतरात्मक 20 प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें से केवल 16 प्रश्नों (1×16=16) के उत्तर देने हैं।

3. निर्देशानुसार शब्द निर्माण पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1×4=4)
(क) 'दुर्भाग्य' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग तथा मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'परि' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।
ग) 'पुस्तकीय' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय तथा मूल शव्द लिखिए ।
(घ) 'त्व' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।
(ड़) 'असंतुष्टि' शब्द में से उपसर्ग व प्रत्यय अलग करके लिखिए।

4. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।। (1x4)

(क) 'शताब्दी' समस्त पद का विग्रह कीजिए।
(ख) 'लंबोदर' समस्त पद में कौन-सा समास है?
(ग) 'देश-विदेश' समस्त पद में कौन-सा समास है?
(घ) 'चंद्रमुखी' समस्त पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(ङ) 'यथाविधि' में समास-विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

5. निर्देशानुसार वाक्य भेद पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।। (1x4)
(क) 'मैं बाज़ार नहीं जा रहा।' प्रस्तुत वाक्य को आज्ञावाचक वाक्य में बदलिए।
(ख) 'यदि वह जल्दी जाता, तो उससे मिल लेता।' प्रस्तुत वाक्य को निषेधात्मक वाक्य में बदलिए।
(ग) 'वाह! क्या बात है।' प्रस्तुत वाक्य का अर्थ के आधार पर भेद बताइए।
(घ) 'आधुनिक युग विज्ञान का युग है।' प्रस्तुत वाक्य का अर्थ के आधार पर भेद बताइए।
(ङ) मैं चाहती थी कि गाँधीजी मेरी कविता सुनें।
अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए।

6. निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।। (1x4)
(क) प्रियतम बतला दे, लाल मेरा कहाँ है? पंक्ति में अलंकार बताइए।
(ख) 'हँसमुख हरियाली हिम आतप' प्रस्तुत काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(ग) 'कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।' प्रस्तुत काव्य पंक्ति में निहित अलंकार कौन-सा है?
(घ) "जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय
बारै उजियारो करै, बढे अँधेरो होय।।" प्रस्तुत काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(ङ) 'जीवन का अंतिम ध्येय स्वयं जीवन है।' प्रस्तुत काव्य पंक्ति में निहित अलंकार कौन-सा है?

खंड 'ग' (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक) (30 अंक)

इस खंड में पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके निर्धारित अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।
7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए।(1×5=5)

अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद पैदा हुई। मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं। सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे। फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा-पूजा की। हमारी कुल-देवी दुर्गा थीं। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ा। परिवार में बाबा फारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी। हिंदी का कोई वातावरण नहीं था। मेरी माता जबलपुर से आई थीं, उन्हें हिंदी भाषा का ज्ञान था। वे पूजा-पाठ भी बहुत करती थीं। सबसे पहले उन्होंने मुझको पंचतंत्र पढ़ना सिखाया। बाबा कहते थे, इसको हम विदुषी बनाएँगे। मेरे संबंध में उनका विचार बहुत ऊँचा रहा। इसलिए 'पंचतंत्र' भी पढ़ा मैंने, संस्कृत भी पढ़ी। वे अवश्य चाहते थे कि मैं उर्दू-फारसी सीख लूँ, लेकिन वह मेरे वश की नहीं थी।

(क) लेखिका के जन्म पर घर में क्या हुआ?
(I) सभी उदास हो उठे(II) सभी प्रसन्न हो उठे ।(III) सभी परेशान हो गए(Iv) सभी सहम गए।
(ख) लेखिका के जन्म से पहले की अवधारणा कैसी थी?
(I) कुल-देवी के मंदिर भेज देते थे।
(II) जबलपुर भेज देते थे
(III) लड़कियों को परमधाम भेज देते थे
(Iv) ये सभी
(ग) कथन (A) इसको हम विदुषी बनाएँगे।
कारण (R) मेरे संबंध में उनका विचार उच्च था। वे मुझे विदुषी बनाना चाहते थे । (1)
कूट

(I) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(II) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(III) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(Iv) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(घ) लेखिका क्या नहीं सीख पाई?
(I) हिंदी (II) अंग्रेजी(III) उर्दू-फारसी (Iv) अरबी

(ङ) लेखिका ने अपनी माँ से सबसे पहले क्या सीखा?
(I) नाटक पढ़ना (II) पंचतंत्र पढ़ना(III) उपन्यास पढ़ना (Iv) अंग्रेजी पढ़ना

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। (2×3=6)

(क) 'टीले' शब्द का अर्थ बताते हुए स्पष्ट कीजिए कि 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है?
(ख) किस घटना के पश्चात् सालिम अली पक्षी-प्रेमी बन गए तथा पक्षियों की खोजबीन, देखभाल एवं संरक्षण में जुट गए? 'साँवले सपनों की याद' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
(ग) 'दो बैलों की कथा' कहानी में प्रयुक्त कथन "गिरे हुए बैरी पर सींग नहीं चलाना चाहिए" के आधार पर हीरा की विशेषताएँ लिखिए।
(घ) राहुल सांकृत्यायन लङ्ङकोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गए? 'ल्हासा की ओर' पाठ के आधार पर बताइए।
9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5 =5)

फैली खेतों में दूर तलक
मखमल की कोमल हरियाली
लिपटीं जिसमें रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली।
तिनकों के हरे-हरे तन पर
हिल हरित रूधिर है रहा झलक,
श्यामल भूतल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।

(क) प्रस्तुत काव्यांश में हरियाली की क्या विशेषता बताई गई है?
(I) कठोर बताया गया है(II) कोमल बताया गया है(III) हरा बताया गया है(Iv) ये सभी
(ख) सूर्य की किरणें कैसी प्रतीत हो रही हैं? उपयुक्त कथन चुनकर लिखिए।
1. हरित रुधिर जैसी2. श्यामल रूप जैसी3. चाँदी की सफेद जाली जैसी4. किंकिणियाँ जैसी

कूट
(I) केवल कथन 1 सही है

(II) कथन 2 और 3 सही हैं
(III) केवल कथन 3 सही है
(Iv) कथन 1 और 4 सही हैं

(ग) धरती पर क्या झुका हुआ है?
(I) आसमान(II) सूरज(III) चाँद(Iv) पेड़

(घ) 'हिल हरित रुधिर है रहा झलक' पंक्ति से कवि का क्या आशय है?
(I) हरे-हरे तिनके हवा में हिल रहे हैं।
(II) खेतों में हरा खून बह रहा है।
(III) हरे तिनकों में हरियाली नसों में बहते खून के समान समाई हुई है।
(Iv) फसलों पर हरी पंक्तियाँ लहरा रही हैं।

(ङ) कारण (A) कवि तिनकों को हरे शरीर वाला बताता है।
कारण (R) मानो वह नीचे झुककर धरातल को छू लेना चाहता है।
कूट
(I) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(II) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(III) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(Iv) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

10. कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। (2×3=6)
(क) 'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की। 'मेघ आए' कविता के आधार पर पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
(ख) कैदी और कोकिला' कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यातनाओं का वर्णन कीजिए।
(ग) रसखान के 'सवैये' कविता में गोपी के स्वयं को न सँभाल पाने का क्या कारण था?
(घ) कवि के अनुसार सच्चा प्रेमी कौन है? 'साखियाँ और सबद' के आधार पर वर्णन कीजिए।

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए।। (4x2=8)
(क) लेखिका की परदादी के व्यक्तित्व का वर्णन करते हुए बताइए कि उन्होंने भगवान से क्या कामना की? 'मेरे संग की औरतें' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
(ख) सबकी जबान पर एक ही जिज्ञासा थी, पानी कहाँ तक आ गया है? इस कथन से जनसमूह की कौन-सी भावनाएँ व्यक्त होती हैं?
(ग) वर्तमान समय के समाज को देखते हुए 'रीढ़ की हड्डी' पाठ कितना प्रासंगिक है? पाठ के आधार पर वर्णन कीजिए।

खंड 'घ' (रचनात्मक लेखन) (20 अंक)
इस खंड में रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके निर्धारित अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।
(क) विज्ञापनों से घिरा हमारा जीवन

संकेत बिंदु

★ विज्ञापन का प्रभाव★विज्ञापन के लाभ★ विज्ञापन की हानियाँ

(ख) भ्रष्टाचार: समाज का सबसे बड़ा अभिशाप

संकेत बिंदु

★ भ्रष्टाचार से आशय★ सामाजिक मूल्यों की स्थिति★ भ्रष्टाचार को दूर करने के उपाय

(ग) आज़ादी का अमृत महोत्सव

संकेत बिंदु

★ प्रस्तावना★ क्यों मनाया जाता है★ उद्‌देश्य

13. आपका टेलीफोन लगभग दस दिनों से खराब पड़ा है। आपने महानगर टेलीफ़ोन निगम के दोष सुधार सेवा विभाग में कई बार शिकायत दर्ज की, किंतु परिणाम ज्यों-का-त्यों है। इसकी शिकायत करते हुए महानगर टेलीफोन निगम के प्रबंधक को पत्र लिखिए।

अथवा

आपका मित्र बोर्ड की परीक्षा में प्रथम रहा है। उसे बधाई-पत्र लिखिए।

14. जलभराव की समस्या व शिकायत हेतु नगरपालिका अध्यक्ष को लगभग 100 शब्दों में ई-मेल लिखिए। (4)

अथवा

"जैसी संगति बैठिए तैसो ही फल होत" प्रस्तुत लोकोक्ति को आधार बनाकर लगभग 100-120 शब्दों में एक मौलिक कथा लिखिए।

15. परीक्षा का परिणाम घोषित होने पर पिता और पुत्र के मध्य होने वाले संवाद को लिखिए।   (5)

अथवा

आप पी. डब्लू. डी. विभाग के सचिव सुमित हैं। आपके कार्यालय में हिंदी दिवस मनाया जा रहा है। इस संबंध में एक सूचना लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

केंद्रीय विद्‌यालय संगठन देहरादून संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (उत्तर कुंजी)

सत्रांत परीक्षा (2025-26)

विषय हिंदी-अ (002)

कक्षा - 9

निर्धारित समय 3 घंटे पूर्णांक :- 80

सामान्य निर्देशः

(1) अंक योजना का उद्‌देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्न पत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है । ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएं।

(3) समान त्रुटियों के लिए स्थान- स्थान पर अंक न काटे जाएं।

(4) गुणवत्तापूर्ण सटीक उत्तर पर शत-प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।

खंड - क

प्रश्न 1-निम्नलिखित अपठित गद्‌यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-   (7)

1. (क) (III) केवल कथन 1 सही है। हमारे देश में एक ऐसा भी युग था, जब नैतिक और आध्यात्मिक विकास ही जीवन का वास्तविक लक्ष्य माना जाता था, क्योकि उस समय अहिंसा की भावना सर्वोपरि थी।

(ख) (III) आज जीवन के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव आ गया है। प्रस्तुत कथन जीवन के दृष्टिकोण में बदलाव आने के विषय में बताया है।

(ग) (I) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है। आदमी धन के पीछे अँधाधुंध दौड़ रहा है, जिसके कारण पारिवारिक व मानवीय संबंध पीछे छूट गए हैं।

(घ) वर्तमान समय में मनुष्य नैतिक और आध्यात्मिक विकास को छोड़कर केवल धनोपार्जन में लगा हुआ है। आर्थिक लाभ की अभिलाषा नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के विघटन के कारण समाज का वातावरण दूषित हो गया है।

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश में प्राचीन युग की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा गया है कि प्राचीन युग में नैतिक और आध्यात्मिक विकास ही जीवन का वास्तविक उद्देश्य माना जाता था ।

प्रश्न 2-निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (7)

. (क) (I) केवल कथन 1 सही है । (1) अंक

अत्याचार सहन न करने वालों के प्रति कवयित्री की यह प्रतिक्रिया होती है कि वह उनकी हर संभव मदद करने के लिए उनके साथ खड़ी हो जाती है।

(ख) (I) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं। (1) गद्यांश के अनुसार, जो अपनी रीढ़ सीधी रखते हैं और अत्याचार और अन्याय सहन नहीं करते हैं, उनका सहयोग करने के लिए कवयित्री हमेशा तैयार रहती है, क्योंकि किसी के सामने न झुकने वाले और अपनी बात पर अडिग रहने वाले लोगों को ही कवयित्री चाहती है।

(ग) (Iv) सत्य एवं न्याय पथ पर अडिग रहने वालों के साथ (1) अंक

(घ) आततायियों की शमशीर से तात्पर्य ऐसे लोगो की सोच से है जो नकारात्मक विचार रखते है। (2) अंक

(ङ) कवि के अनुसार, अपने विचारों को निर्भय होकर अभिव्यक्त करना चाहिए। अत्याचारों को सिर झुकाकर नहीं सहना चाहिए। यदि हृदय में कोई क्रोधपूर्ण बात है, तो सबके सामने कह देनी चाहिए।((2) अंक

प्रश्न 3-निम्नलिखित में किन्हीं चार उपसर्ग-प्रत्यय संबंधी प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। (4X1=4)

3. (क) 'दुर्भाग्य' शब्द में 'दुर्' (उपसर्ग) है तथा 'भाग्य' (मूल शब्द) है।

(ख) 'परि' उपसर्ग से बने दो शब्द परिश्रम, और पर्यावरण हैं।

(ग) 'पुस्तकीय' शब्द में 'पुस्तक' (मूल शब्द) है तथा 'ईय' (प्रत्यय) है।

(घ) 'त्व' प्रत्यय से बने दो शब्द निजत्व, लघुत्व हैं।

(ङ) असंतुष्टि शब्द में 'अ' उपसर्ग है, मूल शब्द 'संतुष्ट' है तथा 'इ' प्रत्यय है।

(प्रश्न 4-निम्नलिखित में किन्हीं चार समास संबंधी प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। (4X1=4)

(क) 'शताब्दी' शब्द का विग्रह सौ वर्षों का समूह है।

यहाँ पूर्वपद संख्यावाचक (शत) है, इसलिए यहाँ द्विगु समास है।

(ख) 'लंबोदर' का समास-विग्रह ‘लंबा है उदर जिनका’ अर्थात् गणेश है। इसलिए यहाँ बहुव्रीहि समास है।

(ग) 'देश-विदेश' का समास-विग्रह 'देश और विदेश' है।। यहाँ दोनों पद समान रूप से प्रधान हैं, इसलिए यहाँ द्वंद्व समास है।

(घ) चंद्रमुखी का समास-विग्रह 'चंद्र के समान मुख वाली' है। यहाँ पूर्व पद (चंद्र) विशेषण तथा उत्तर पद (मुखी) विशेष्य है, इसलिए यहाँ कर्मधारय समास है।

(प्रश्न 5-निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए ।(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)(4X1=4)

क) तुम बाजार जाओ।

(ख) वह जल्दी नहीं गया, इसलिए उससे नहीं मिल पाया।

(ग) वाह! क्या बात है। विस्मयादिबोधक|

(घ) आधुनिक युग विज्ञान का युग है। यह विधानवाचक वाक्य है।

(ङ) प्रस्तुत वाक्य इच्छावाचक वाक्य है।

प्रश्न 6-निर्देशानुसार ‘अलंकार’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए -(4X1=4)

(क) प्रस्तुत पंक्ति में लाल शब्द के दो अर्थ है -

1 बेटा (2) लाल रंग,

अतः यहाँ श्लेष अलंकार है।

(ख) प्रस्तुत काव्य पंक्ति में 'ह' वर्ण की एक से अधिक बार आवृत्ति होने के कारण यहाँ अनुप्रास अलंकार है ।

(ग) प्रस्तुत काव्यांश में 'कनक' शब्द की दो बार आवृत्ति हुई है। पहले 'कनक' का अर्थ 'धतूरा' और दूसरे कनक का अर्थ 'सोना' है। अतः यहाँ यमक अलंकार है।

(घ) यहाँ 'बारै' का अर्थ 'लड़कपन' और जलाने से है और बढ़े का अर्थ 'बड़ा होने' और 'बुझ जाने' से है| अतः यहाँ श्लेष अलंकार है।

(ङ) प्रस्तुत काव्य पंक्ति में पहले जीवन अर्थ श्वास लेना का तथा दूसरा जीवन का अर्थ संघर्ष है| अतः यहाँ यमक अलंकार है।

प्रश्न 7-निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (5X1=5)

7. (क) (II) सभी प्रसन्न हो उठे लेखिका के जन्म पर घर में सभी सदस्य प्रसन्न हो उठे और लेखिका की बहुत खातिर हुई।

(ख) (III) लड़कियों को परमधाम भेज देते थे लेखिका के जन्म से पहले की अवधारणा यह थी कि लड़कियों को पैदा अर्थात् जन्म लेते ही मार देते थे।

(ग) (I) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है। गद्यांश केअनुसार, लेखिका के बाबा कहते थे कि हम इसको विदुषी बनाएँगे, क्योकि मेरे बारे में उनके विचार उच्च थे। वे मुझे विदुषी के रूप में देखना चाहते थे।

घ) (III) उर्दू-फारसी लेखिका उर्दू-फारसी नहीं सीख पाई, क्योंकि इन भाषाओं को सीख पाना उनके वश में नहीं था।

(ङ) (II) पंचतंत्र पढ़ना लेखिका की माँ ने सबसे पहले लेखिका को 'पंचतंत्र' पढ़ना सिखाया।

प्रश्न 8-गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

क) 'टीले' शब्द का अर्थ है- ज़मीन की सतह से ऊपर उठा मिट्टी या कूड़े का ढेर। प्रस्तुत पाठ में टीले शब्द को रास्ते की रुकावट के प्रतीक के रूप में दर्शाया है। यहाँ इसका अर्थ है-समाज में व्याप्त कुरीतियाँ एवं संकीर्णताएँ। शोषण, अन्याय, छुआछूत, जाति-पाति जैसी अनेक बुराइयों व कुरीतियाँ जीवन की सहज गति को बाधित कर देती है। प्रेमचंद जीवनभर इन्हीं कुप्रवृत्तियों से टकराते रहे।

(ख) एक बार बचपन में सालिम अली की एयरगन से एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। इस घटना ने उन्हें इतना आहत किया कि उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। उसके बाद उनकी रुचि पक्षियों की दुनिया की ओर हो गई| इस घटना ने उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया। वे पक्षियों की खोजबीन, देखभाल एवं संरक्षण में जुट गए।

(ग) "गिरे हुए बैरी पर सींग नहीं चलाना चाहिए" इस कथन के आधार पर कहा जा सकता है कि हीरा भारतीय संस्कृति के आदर्श का प्रतिनिधित्व करता है। प्रेमचंद ने हीरा के माध्यम से यह बताया है कि निहत्थे पर वार नहीं करना चाहिए। निहत्थे पर वार करना कायरता की निशानी है। अतः हीरा में एक न्यायप्रिय, साहसी, शूरवीर एवं दयालु स्वभाव से संबंधित विशेषताएँ सम्मिलित हैं।

(घ) राहुल सांकृत्यायन लङ्ङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से दो कारणों से पिछड़ गए-एक तो उनका घोड़ा बहुत आलसी था। उनका घोड़ा बहुत धीरे-धीरे चल रहा था। यह पता नहीं चल पा रहा था कि वह आगे जा रहा है या पीछे। दूसरा कारण यह था कि वह रास्ता भूल गए थे। एक स्थान से दो रास्ते जा रहे थे। दायाँ रास्ता लङ्ङ्कोर की ओर जाता था, पर वह बाएँ रास्ते पर चले गए।

प्रश्न 9-निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए (5X1=5)

(क) (II) कोमल बताया गया है| प्रस्तुत काव्यांश में हरियाली को कोमल बताया गया है। गाँव के खेतों में दूर-दूर तक फसलों की मखमली कोमल हरियाली फैली हुई है।

(ख) (III) केवल कथन 3 सही है| सूर्य की किरणें चाँदी की सफेद जाली जैसी प्रतीत हो रही हैं।

(ग) (1) आसमान| कवि के अनुसार, फसलों की हरियाली से हरी हुई धरती के ऊपर आकाश का कभी न धूमिल पड़ने वाला नीले रंग का स्वच्छपर्दा इस प्रकार झुका हुआ है, मानो नीचे झुककर वह धरातल को छू लेना चाहता है ।

(घ) (III) हरे तिनकों में हरियाली नसों में बहते खून के समान समाई हुई है। प्रस्तुत पंक्ति से कवि का आशय है कि हरे तिनकों में हरियाली नसों में बहते खून के समान समाई हुई है।

(ङ) (II) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। पद्यांश में कवि तिनकों को हरे शरीर वाला बताता है, क्योंकि धूप में हरे तन वाले इन तिनकों में हरियाली कुछ इस तरह समा गई है जैसे नसों में हरा खून झलक रहा हो।

प्रश्न 10-पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

10. (क) कवि कहता है कि आकाश में बादल छा जाने से अंधकार हो जाता है। मेघ दूर क्षितिज तक फैल गए हैं तथा बिजली के चमकने से तन-मन खुशी से भर उठता है। मेघ रूपी प्रियतम के आने से इस भ्रम की गाँठ भी खुल गई कि अब प्रियतम आएगा। मानो धरती मेघों से कह रही हो कि हमें क्षमा कर दो, क्योकि अब तक हम समझ रहे थे कि मेघ नहीं बरसेंगे।

(ख) प्रस्तुत कविता के आधार पर पराधीन भारत में कैदियों को कठोर यातनाएँ दी जाती थीं। स्वतंत्रता सेनानियों के लिए कोई अलग से व्यवस्था नहीं थी। उनके हाथों में भी हथकड़ियाँ डालकर अन्य बंदियों (जैसे-चोरों, लुटेरो, राहजनों) के साथ रखा जाता था। कोठरी में अंधेरा होता था तथा भोजन भी भरपेट नहीं दिया जाता था। कई बार कोल्हू के बैल का कार्य भी स्वतंत्रता सेनानियों से ही कराया जाता था।

(ग) रसखान के अनुसार, गोपी का स्वयं को न सँभाल पाने का कारण यह था कि अनुपम सौंदर्य के स्वामी श्रीकृष्ण जब मुरली की मधुर धुन बजाते एवं मुस्कुराते हुए गोपियों को देखते थे, तब गोपियाँ श्रीकृष्ण पर मुग्ध हो जाती थीं तथा गोपियों द्वारा स्वयं को संभालना कठिन हो जाता था। यह कृष्ण के प्रति गोपियों के अनन्य प्रेम को दर्शाता है।

(घ) कवि के अनुसार, सच्चा प्रेमी वही है, जिसके मिलने मात्र से हो विष अमृत के समान हो जाता है। भक्त को ईश्वर की प्राप्ति होने पर उसके मन की बुरी भावनाएँ समाप्त हो जाती हैं अर्थात् बुरा व्यक्ति भी अच्छा बन जाता है।

(प्रश्न 11-पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों के आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (2x4=8)

. (क) लेखिका की परदादी उच्च आदर्शों वाली तथा लीक (अनुगमन) से अलग हटकर चलने वाली महिला थीं। उस समय समाज-सुधार तथा स्त्री उत्थान के आंदोलनों के प्रचार-प्रसार के चलते गाँव-शहर के प्रत्येक स्थान पर नई चेतना का विकास हो रहा था, जिसके चलते महिलाओं की सोच में ऐसा परिवर्तन हुआ कि सब अचंभित (हैरान) हो गए। आधुनिक सोच के कारण लेखिका की परदादी ने अपनी पतोहू के गर्भवती होने पर भगवान से लड़की होने की कामना की।

(ख) इस कथन से जनसमूह की जिज्ञासा, उत्सुकता, सुरक्षा असुरक्षा तथा कौतूहल की भावनाएँ व्यक्त होती है। यह अनुभव रोमांचकारी तथा नया होता है। अतः लोग अपनी आँखों से इस जीवन-मृत्यु के खेल को देखने की लालसा नहीं छोड़ पा रहे थे। लोगों के बीच मौजूद यह कौतूहल कुछ भय मिश्रित भी था। मन में किसी गंभीर आशंका के कारण भी व्यक्ति अत्यंत जिज्ञासु हो जाता है। लोगों को इस बात की जिज्ञासा थी कि पानी कितना आएगा? बाढ़ का स्तर कितना होगा? वे पानी के आने के साथ उसकी मात्रा का आंकलन करना चाहते थे। उसे पहुँचने में होने वाली देरी उनकी जिज्ञासा को और बढ़ा रही थी।

(ग) वर्तमान परिवेश में भी समाज में दहेज रूपी प्रथा पूर्ण रूप से विद्यमान है, इस दृष्टिकोण से यह पाठ अत्यंत प्रासंगिक है। वर्तमान में भी लड़के व लड़की में भेदभाव किया जाता है। आज भी हमारे समाज में ऐसे लोग देखने को मिल जाएँगे, जो स्त्री शिक्षा के विरोधी होते हैं। आज भी समाज में स्त्री को एक वस्तु की तरह देखते हैं, उसे पसंद और नापसंद करते हैं तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध किसी से भी विवाह करने के लिए मजबूर करते हैं।

(प्रश्न 12-निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए - (6)

विषयवस्तु - 4 अंक
भाषा - 1 अंक
प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न 13-दिए गए दो औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में पत्र हेतु मूल्यांकन बिंदु। (5)

आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक
विषयवस्तु - 2 अंक
भाषा - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न 14-दिए गए लघुकथा व ईमेल लेखन में से किसी एक विषय पर 80 शब्दों में लघुकथा / ईमेल लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु (5)

प्रारूप - 2 अंक
विषय वस्त - 2 अंक
भाषा - 1 अंक

प्रश्न 15-दिए गए संवाद / सूचना लेखन में से किसी एक विषय पर 60 शब्दों में संवाद/सूचना लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु। (4)

विषयवस्तु - 2 अंक
भाषा - 1 अंक
प्रस्तुति - 1 अंक

केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र-03

सत्रांत परीक्षा (2025-26)

विषय हिंदी-अ (002)

कक्षा 9

निर्धारित समय: 3घंटे पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश ---
1. इस प्रश्न पत्र में कुल चार खंड है-खंड क,ख,ग, और घ।
2. खण्ड क में कुल दो प्रश्न है जिसमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
3. खण्ड ख में कुल चार प्रश्न है जिसमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
4. खण्ड ग में कुल पांच प्रश्न है जिसमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है।
5. खण्ड घ में कुल चार प्रश्न हैं।

खंड - क (अपठित बोध)

प्रश्न -1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (7)

महात्मा और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है की आवाज को ध्यान से सुनना, यह आवाज कुछ भी हो सकती है।कौओं कीकर्कश आवाज से लेकर नदियों के छल छल तक ,मार्टिन लूथर किंग के भाषण से लेकर किसी पागल के बड़बड़ाने तक, अमूमन ऐसा होता नहीं ।सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं बस बोलना चाहते हैं, हमें लगता है कि लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे हालांकि ऐसा होता नहीं हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती हैं ।एक मनोवैज्ञानिक ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन घरों के अभिभावक ज्यादा बोलते हैं ,वहां बच्चों में सही गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो पाता है क्योंकि ज्यादा बोलने वाले बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखते हैं और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फंसकर रह जाता है।बात औपचारिक हो या अनौपचारिक, दोनों स्थितियों में हम दूसरे की न सुन बस हावी होने की कोशिश करते हैं।खुद ज्यादा बोलने और दूसरों को अनसुना करने से जाहिर होता है कि हम अपने बारे में ज्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम। ज्यादा बोलने वालों के दुश्मनों की संख्या भी ज्यादा होती है। अगर आप नए दुश्मन बनाना चाहते हैं तो अपने दोस्तों से ज्यादा बोलें और अगर आप नए दोस्त नहीं बनना चाहते हैं तो दुश्मनों से कम बोलें।अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूजवेल्ट अपने माली के भी साथ कुछ समय बिताते और इस दौरान उसकी बातें ज्यादा सुनने की कोशिश करते थे। वे कहते थे कि लोगों को

अनसुना करना अपनी लोकप्रियता के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। इसका लाभ यह मिला कि ज्यादातर अमेरिकी नागरिक उनके सुख में सुखी होते और दु:ख में दु:खी।

(क) हम अनसुना करने की कला में पारंगत हो जाते हैं,जब -

1

(I) हम अधिक सुनते और कम बोलते हैं

(II) हम अधिक बोलते और कम सुनते हैं

(III) हम केवल बोलते हैं ,सुनते नहीं

(Iv)हम केवल सुनते हैं ,बोलते नहीं

(ख) जिन घरों के अभिभावक ज्यादा बोलते हैं उन घरों के बच्चों में - 1

(I)अधिक ज्ञान होता है

(II)ज्ञान का अभाव होता है

(III)सही- गलत से जुड़ा ज्ञान कम विकसित हो पाता है

(Iv) उद्दंडता अधिक होती है

(ग) अधिक बोलने वाले लोग सोचते हैं कि - 1

(I)लोग उन्हें बेहतर तरीके से समझेंगे

(II)वे अधिक विद्वान है

(III)कम बोलने वाला व्यक्ति कुछ नहीं जानता

(Iv)उनका अच्छा प्रभाव पड़ेगा

(घ) महात्मा और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण क्या है? 2

(ङ) राष्ट्रपति रूजवेल्ट के अनुसार लोकप्रियता कैसे बढ़ाई जा सकती है? 2

प्रश्न -2 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (7) यह समाधि, यह लघु समाधि, है झाँसी की रानी की। अन्तिम लीलास्थली यही है लक्ष्मी मर्दानी की।।

यहीं कहीं पर बिखर गई वह भग्न विजय माला-सी। उसके फूल यहाँ संचित हैं, है यह स्मृति-शाला-सी ।।

सहे वार पर वार अन्त तक लड़ी वीर बाला-सी । आहुति-सी गिर चढ़ी चिता पर, चमक उठी ज्वाला-सी ।।

बढ़ जाता है मान वीर का रण में बलि होने से। मूल्यवती होती सोने की भस्म यथा सोने से।।

रानी से भी अधिक हमें अब यह समाधि है प्यारी। यहाँ निहित है स्वतंत्रता की आशा की चिंगारी ।।

इससे भी सुन्दर समाधियाँ हम जग में हैं पाते। उनकी गाथा पर निशीथ में क्षुद्र जन्तु ही गाते ।।

पर कवियों की अमर गिरा में इसकी अमिट कहानी ।। स्नेह और श्रद्धा से गाती है वीरों की बा नी ।।

(क) झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई को 'मर्दानी' क्यों कहा गया है? 1

(I) लक्ष्मीबाई उस समय में मर्दों के समान लड़ी थीं (II) युद्ध करने वालों को मर्द कहा जाता है

(III) वीरों के लिए मर्दानी शब्द का प्रयोग होता है (Iv) तीनों ही विकल्प सही हैं

(ख) रानी की समाधि अब रानी से भी अधिक प्यारी क्यों है? 1

(I) रानी बहुत बहादुर थीं (II) समाधि का ज्यादा महत्त्व होता है

(III) रानी की समाधि में स्वतंत्रता की आशा की चिंगारी विद्यमान है (Iv) रानी की समाधि ही उनकी याद दिलाती है

(ग) रानी से भी ज्यादा अब हमें क्या प्यारा है ? 1

(I) हरबोलों द्वारा गाई जाने वाली रानी की वीरता की कहानियाँ (II) रानी की युद्ध कला

(III) झाँसी का किला (Iv) रानी की समाधि

(घ) पद्यांश के अनुसार वीर का मान कब बढ़ जाता है? 2

(ङ) 'यहीं कहीं पर बिखर गई वह भग्न विजय माला-सी' कहकर कवि क्या बताना चाहता है? 2

खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न-3. निम्नलिखित में किन्हीं चार उपसर्ग-प्रत्यय संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4x1= 4)

(क) 'आमरण' में मूल शब्द है।

(ख) 'अभिशाप' में उपसर्ग और मूल शब्द बताइए।

(ग) 'गर्वीला' में प्रयुक्त प्रत्यय है।

(घ) प्रतिदिन में प्रयुक्त उपसर्ग है।

(ङ) वैज्ञानिक में कौन सा प्रत्यय है।

प्रश्न -4. निम्नलिखित में किन्हीं चार समास संबंधी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (4x1 = 4)

(क) 'कामना को पूरा करने वाली धेनु' (कामधेनु) में कौन-सा समास है?

(ख) 'पंचवटी' में कौन-सा समास है।

(ग) अव्ययी भाव समास का एक उदाहरण लिखिए।

(घ) जिस सामासिक शब्द में पूर्व पद व उत्तर पद गौण होता है और कोई तीसरा पद प्रधान होता है। वहां कौन सा समास होता है?

(ङ) कर्मधारय समास का एक उदाहरण लिखिए।

प्रश्न -5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद) (4x1 = 4)

(क) 'शायद बारिश हो।'वाक्य भेद पहचान कर लिखिए।

(ख) वाक्य भेद पहचानिए 'सर्कस में अब शेर नहीं आएगा'।

(ग) वह दिल्ली से लौट आया है। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)

(घ) तुम्हें 10 बजे तक स्कूल पहुँचना चाहिए। (आज्ञावाचक वाक्य में बदलिए)

(ङ) 'भगवान करे आपका सब कार्य हो जाए।' वाक्य भेद बताइए।

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4x1 = 4)

(क) "कनक-कनक से सौ गुनी, मादकता अधिकाय, वा खाय बौराय नर, या पाय बौराय"|इसमें कौन-सा अलंकार है?

(ख) 'चारु चंद्र की चंचल किरणें, खेल रही हैं नभ जल थल में'। इसमें कौन-सा अलंकार है।

(ग) जहाँ एक शब्द एक से अधिक बार आए और उसका अर्थ अलग-अलग हो, वहाँ कौन सा अलंकार होता है।

(घ) 'रघुपति राघव राजा राम' में अलंकार पहचानिए।

(ङ)"पानी गये न ऊबरैं, मोती मानुष चून" अलंकार पहचानिए।

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक एवं पूर्व पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (5x1= 5)

उसी बीच आनंद भवन में बापू आए। हम लोग तब अपने जेब खर्च में से हमेशा एक-एक, दो-दो आने देश के लिए बचाते थे और जब बापू आते थे तो वह पैसा उन्हें दे देते थे। उस दिन जब बापू के पास मैं गई तो अपना चाँदी का कटोरा भी लेती गई। मैंने निकालकर बापू को दिखाया। मैंने कहा, 'कविता सुनाने पर मुझको यह कटोरा मिला है।' कहने लगे, 'अच्छा, दिखा तो मुझको।' मैंने कटोरा उनकी ओर बढ़ा दिया तो उसे हाथ में लेकर बोले, 'तू देती है इसे ?' अब मैं क्या कहती? मैंने दे दिया और लौट आई। दुख यह हुआ कि कटोरा लेकर कहते, कविता क्या है ? पर कविता सुनाने को उन्होंने नहीं कहा। लौटकर अब मैंने सुभद्रा जी से कहा कि कटोरा तो चला गया। सुभद्रा जी ने कहा, 'और जाओ दिखाने!' फिर बोलीं, देखो भाई, खीर तो तुमको बनानी होगी। अब तुम चाहे पीतल की कटोरी में खिलाओ या फूल के कटोरे में ।

(क) आनंद भवन में कौन आए थे ?

(I) लेखक (II) कर्मचारी (III) नेता (Iv) बापू

(ख) लेखिका गांधी जी के पास क्या लेकर गई ?

(I) मिट्टी का कटोरा (II) चाँदी का कटोरा (III) पीतल का कटोरा (Iv) सोने का कटोरा

(ग) देश सेवा के लिए लेखिका एवं उनकी सखियों ने कैसे योगदान दिया ?

(I) जेब खर्च से पैसे बचाकर (II) सेवा करके (III) प्रचार करके (Iv) रक्तदान करके

(घ) उस समय देश का वातावरण कैसा था ?

(I) देश गुलाम था (II) अच्छा था (III) कम बुरा था (Iv) देश आजाद था

(ङ) सुभद्रा जी ने लेखिका से क्या कहा ?

(I) गाँधी जी को खीर खिलाने के लिए (II) खीर खिलाने के लिए

(III) हलवा बनाने के लिए (Iv) हलवा खिलाने के लिए

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (3x2 =6)

(क) ल्हासा की यात्रा के दौरान लेखक को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

(ख) "इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे। मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए ।

(ग) जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है ?

(घ) किस घटना ने सलीम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया ?

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए- (5x1 = 5)

तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज्यादा यह
कि हैं सारी चीजें हस्बमामूल
पर दुनिया की हजारों सड़कों से गुजरते हुए
बच्चे, बहुत छोटे छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं।

(क) कवि ने किस समस्या को उठाया है ?

(I) पढ़ाई-लिखाई की (II) बाल मजदूरी (III) गरीबी की (Iv) भूख की

(ख) हस्बमामूल का क्या अर्थ है ?

(I) वस्तुएँ बदल जाना (II) वस्तुएँ वैसी ही रहना जैसी होनी चाहिए

(III) स्थिति बदल जाना (Iv) स्थिति सदैव एक सी रहना

(ग) कवि के अनुसार भयानक क्या है ?

(I) बच्चों का काम पर जाना (II) बच्चों को खाना न मिलना

(III) बच्चों को रोजगार न मिलना (Iv) मनोरंजन के साधन सीमित न होना

(घ) बच्चे कहाँ से गुजर रहे हैं ?

(I) घर से काम तक के रास्ते से (II) सभी सड़कों से

(III) काम तक जाने वाली सड़क से (Iv) दुनिया की हज़ारों सड़कों से

(ङ) बच्चों की उम्र क्या करने की है ?

(I) पढ़ाई-लिखाई (II) खेल-कूद (III) मनोरंजन (Iv) सभी सही हैं।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (3x2 =6)

(क) 'जेब टटोली कौड़ी न पाई' पंक्ति का भाव 'वाख' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(ग) 'कैदी और कोकिला' कविता के कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है ?

(घ) 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का उद्देश्य क्या है ?

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- (2x4 = 8)

(क) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के माध्यम से लेखक समाज में किस तरह के परिवर्तन की आशा करता है ? आपके अनुसार यह किस प्रकार संभव हो सकता है ?

(ख)मृत्यु का तरल दूत किसे कहा जाता है और क्यों? 'इस जल प्रलय में' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) 'मेरे संग की औरतें' पाठ के आधार पर लेखिका की माँ की विशेषताएं बताइए।

खंड - घ (रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्न में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - (6)

(क) विज्ञापन का जीवन पर प्रभाव-संकेत बिंदु- *विज्ञापन का युग *विज्ञापन और हमारी जरूरतें *विज्ञापन का प्रभाव

(ख) मेरा भारत देश - संकेत बिंदु- *भूमिका *भारत की प्राचीन संस्कृति * आधुनिक उपलब्धियां

(ग) पुस्तकालय - संकेत बिंदु- *भूमिका *लाभ *मोबाइल और इंटरनेट के युग में पुस्तकालय की भूमिका

प्रश्न 13. छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखकर प्रातः काल नियमित रूप से योग एवं व्यायाम का अभ्यास करने के लिए प्रेरित कीजिए। (शब्द सीमा - 100 शब्द) (5)

अथवा

आपके शहर में सड़क पर जगह - जगह गड्ढे हैं, जिनसे आए दिन लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इस संदर्भ में जिला अधिकारी को पत्र लिखकर अवगत कराते हुए समस्या से मुक्ति दिलाने का अनुरोध कीजिए।

प्रश्न14. 'परोपकार सबसे बड़ा धर्म' शीर्षक पर लगभग 80-100 शब्दों में लघुकथा लिखिए। (5)

अथवा

आप नई दिल्ली में होने वाले 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में अपनी शंकाओं के समाधान हेतु प्रतिभाग करना चाहते हैं। इस संदर्भ में मुख्य सचिव, शिक्षा मंत्रालय, को एक ईमेल लिखिए। (शब्द सीमा - 80 शब्द)

प्रश्न 15. आप समीर / श्रेया हैं। आजकल विद्यार्थियों का ध्यान 'पढ़ाई से ज्यादा मोबाइल फ़ोन पर होने' के विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए अपने अध्यापक से हुई बातचीत को लगभग 60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए। (4)

अथवा

आपके विद्यालय में स्पिक मैके की ओर से तबला वादन का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्राचार्य की ओर से सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लगभग 80 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए ।

केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (उत्तर कुंजी)

सत्रांत परीक्षा (2025-26)

विषय हिंदी-अ (002)

कक्षा - 9

निर्धारित समय 3 घंटेपूर्णांक :- 80

सामान्य निर्देशः

(1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्न पत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है । ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएं।

(3) समान त्रुटियों के लिए स्थान- स्थान पर अंक न काटे जाएं।

(4) गुणवत्तापूर्ण सटीक उत्तर पर शत-प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।

खंड - क

प्रश्न 1-निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (7)

(क) (II) हम अधिक बोलते हैं और कम सुनते हैं। 1अंक

(ख)(III) सही - गलत से जुड़ा ज्ञान कम विकसित हो पाता है 1 अंक

(ग) (I) लोग उन्हें बेहतर तरीके से समझेंगे 1अंक

(घ) किसी भी आवाज को ध्यान से सुनना महात्मा और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है। 2 अंक

(ङ) राष्ट्रपति रूजवेल्ट के अनुसार लोकप्रियता लोगों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनकर बढ़ाई जा सकती है। 2 अंक

प्रश्न 2-निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (7)

(I) लक्ष्मीबाई उस समय में मर्दों के समान लड़ी थीं। 1 अंक

(ख)(III) रानी की समाधि में स्वतंत्रता की आशा की चिंगारी विद्यमान है। 1 अंक

(ग)(Iv) रानी की समाधि। 1 अंक

(घ) वीर का मान युद्धभूमि में सर्वोच्च बलिदान देने से बढ़ जाता है। 2 अंक

(ङ) कवि बताना चाहता है कि किस प्रकार झांसी की रानी ने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए बलिवेदी पर अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। 2 अंकप्रश्न 3-निम्नलिखित में किन्हीं चार उपसर्ग-प्रत्यय संबंधी प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। (4X1=4)

(क) मरण

(ख) अभि+ शाप

(ग) ईला

(घ) प्रति

(ङ) इक

प्रश्न 4-निम्नलिखित में किन्हीं चार समास संबंधी प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। (4X1=4)

(क) कामधेनु - तत्पुरुष समास

(ख) द्विगु

(ग) प्रतिदिन

(घ) बहुव्रीहि समास

(ङ) नीलकमल अथवा चरणकमल

प्रश्न 5-निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए ।(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद) (4X1=4)

(क) संदेहवाचक वाक्य

(ख) निषेधवाचक वाक्य

(ग) क्या वह दिल्ली से लौट आया है?

(घ) तुम 10 बजे तक स्कूल पहुँच जाना

(ङ) इच्छा वाचक वाक्य।

प्रश्न 6-निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए -(4X1=4)

(क) यमक अलंकार

(ख) अनुप्रास अलंकार

(ग) यमक अलंकार

(घ) अनुप्रास अलंकार

(ङ) श्लेष अलंकार

प्रश्न 7-निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (5X1=5)

(क) (Iv) बापू

(ख) (II) चाँदी का कटोरा

(ग) (I) जेब खर्च से पैसे बचाकर

(घ) (I) देश गुलाम था

(ङ) (II) खीर खिलाने के लिए

प्रश्न 8-गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए -(3x2=6)

(क)लेखक को अपनी पहली तिब्बत यात्रा के दौरान कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अपनी पहली यात्रा उसने बिना अनुमति के चोरी-छिपे की, इसलिए उसे भिखमंगों की वेश-भूषा धारण करनी पड़ी। भिखमंगों को वहाँ के लोग चोरी के भय से अपने घर में नहीं घुसने देते थे। उसे तिब्बत के दुर्गम रास्तों को पैदल या घोड़े पर सवार होकर पार करना पड़ा। उसे अपना सामान भी स्वयं अपनी पीठ पर ढोना पड़ा था। तिब्बत की भौगोलिक जानकारी न होने के कारण एक बार वह साथियों से पिछड़ने के कारण रास्ता भी भूल गया। लेखक को लूटे जाने या डाकुओं द्वारा जान से मार देने का भय भी था। उसे मौसम की मार भी सहन करनी पड़ती थी। चाय-सत्तू और थुक्पा खाकर भोजन की पूर्ति करनी पड़ती थी।

(ख)हीरा और मोती के साथ कांजीहौस में भैंसें, घोड़ियाँ, बकरियाँ और गधे भी कैद थे। उन सबको स्थिति बड़ी दयनीय थी। कमजोरी के कारण उनमें खड़े होने की शक्ति नहीं रह गई थी। यदि वे थोड़े दिन और बंद रहते तो मर ही जाते। हीरा-मोती ने अपने भागने के लिए दीवार गिराई, परंतु हीरा अपनी मोटी रस्सी न तुड़ा सका। इसलिए दोनों मित्र वहाँ रह गए। मोती के उपर्युक्त कथन से उसके साहसी, निडर, दूसरों की सहायता करके संतुष्ट होने तथा मारने से बचाने वाला बड़ा होता है आदि विशेषताएँ प्रकट होती हैं। उसे इस बात का गर्व और संतोष है कि उसके प्रयास से नौ-दस प्राणियों की जान बच गई।

(ग)निम्नलिखित में से कोई भी दो बिंदु -

जवारा के नवाब की नवावी चले जाने के बाद वे एक बंगले में रहते थे। उसी कंपाउंड में लेखिका का परिवार रहता था। जवारा के नवाब मुसलमान थे जबकि लेखिका हिंदू थी। दोनों परिवारों के बीच पारिवारिक संबंध थे। लेखिका बताती हैं कि वे बेगम साहिबा को ताई-साहिबा कहते थे और उनके बच्चे लेखिका की माँ को चचीजान कहतेथे। रक्षाबंधन के दिन लेखिका उनके लड़के को राखी बाँधती थी। लेखिका के जन्मदिन उनके घर और उनके जन्मदिन लेखिका के घर मनाए जाते थे। राखी वाले दिन उपहार में लेखिका को लहरिए मिलते थे। लेखिका के छोटे भाई के उत्पन्न होने पर बेगम साहिबा बच्चे के लिए कपड़े लेकर आई। उन्होंने ही उसका नाम मनमोहन रखा। सदा यही नाम चलता रहा। ऐसे पारिवारिक संबंध आजकल के संदर्भों में स्वप्न जैसे ही लगते हैं क्योंकि आज लोगों पर सांप्रदायिकता हावी हो गई है। हिंदू-मुसलमान एक-दूसरे को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। दोनों में भाईचारे की भावना समाप्त हो चुकी है। अतः लेखिका ने जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को आज के संदर्भ में स्वप्न कहा है।

(घ)सालिम अली के बचपन की एक घटना ने उनके जीवन की दिशा को बदल दिया। बचपन में उनकी एयरगन से नीले कंठ की एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी थी। इससे उनके मन में पक्षियों के प्रति करुणा और प्रेम उत्पन्न हो गया। इस घटना से प्रभावित होकर वे जीवन भर पक्षियों के संबंध में जानकारी एकत्र करते रहे और उनके संरक्षण में लगे रहे।

प्रश्न 9-निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए (5X1=5)

(क) (II) बाल मजदूरी

(ख) (।।) वस्तुएँ वैसी ही रहना जैसी होनी चाहिए

(ग) (।) बच्चों का काम पर जाना

(घ) (Iv) दुनिया की हज़ारों सड़कों से

(ङ) (Iv) सभी सही हैं।

प्रश्न 10-पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(क) कवयित्री ने ईश्वर प्राप्ति के लिए हठयोग जैसी कठिन साधना की, लेकिन असफल हुई, अपना लक्ष्य नहीं पा सकी। इसके बाद उसने आत्मालोचन किया तो पता चला कि इस साधना से कुछ प्राप्त नहीं हुआ। उसके जीवन में कोई अन्य अच्छे कार्य नहीं थे ।

(ख) किसी व्यक्ति की पहचान उसके उच्च कुल में उत्पन्न होने से नहीं होती, उसकी उच्चता की पहचान तो उसके कर्मों से होती है। उच्च कुल में उत्पन्न होने वाला व्यक्ति यदि निम्न कोटि के कर्म करे तो उसका कुल उसकी पहचान नहीं बन सकता। इस स्थिति में वह निंदनीय एवं हेय है। इसके विपरीत निम्न वर्ग में उत्पन्न होने वाला व्यक्ति यदि सत्कर्म करता है तो उसके सद्कर्मों से उसकी पहचान होती है। कोई उसकी कुल जाति को नहीं पूछता। उसके अच्छे कर्मों के कारण उसे पहचाना और जाना जाता है।

(ग) कवि को कोयल से ईर्ष्या इसलिए हो रही है क्योंकि कोयल स्वतंत्र है और वह बंदी है। कोयल हरी-भरी डाल पर रहती है किंतु वह काल-कोठरी में है। कोयल असीम आकाश में निर्बाध उड़ान भरने के लिए स्वतंत्र है, परंतु कवि का सारा संसार दस फुट की काल-कोठरी तक सीमित है। वह कहीं आ-जा नहीं सकता। कोयल मधुर स्वर में कूक सकती है जबकि उसे रोने तक का अधिकार नहीं है।

(घ) कवि ने बाल मजदूरी की अंतर्राष्ट्रीय समस्या को उठाया है क्योंकि कवि चाहता है कि बच्चों से मज़दूरी न करवाई जाए। उन्हें उनके सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान किए जाएँ। उनसे उनका बचपन नहीं छीना जाए।

प्रश्न 11-पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों के आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (2x4=8)

(क) 'रीढ़ की हड्डी' पाठ में लेखक लड़के और लड़की के मध्य समानता का पक्षधर है। लेखक आशा करता है कि दोनों को एक समान शिक्षा मिलने, अन्य सभी समान अवसर मिलने से दहेज़ या लड़की के विवाह की समस्या से मुक्ति पाई जा सकती है । हमारे हिसाब से यह निम्नलिखित प्रकार से संभव हो सकता है -

घर से बाहर निकल कर नौकरी अथवा व्यवसाय करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। परिवार नियोजन की समुचित जानकारी प्रदान करके।उन्हें आत्मरक्षा के लिए जूडो-कराटे का प्रशिक्षण देकर।विभिन्न व्यवसायों में महिलाओं के लिए स्थान आरक्षित करके।विधान सभा, संसद में स्थान सुरक्षित करके ।

(ख) मृत्यु का तरल दूत बाढ़ के पानी को कहा गया है। पानी तरल पदार्थ है। बाढ़ के पानी में डूबकर अनेक मनुष्य और जीव-जंतु अपने प्राणों से हाथ धो बैठते हैं। इसीलिए बाढ़ के पानी को मृत्यु का तरल दूत कहा गया है।

(ग) (1) उनमें सुंदरता, नजाकत, गैर-दुनियादारी के साथ ईमानदारी और निष्पक्षता थी।

(2) वे कभी झूठ नहीं बोलती थीं और न ही गोपनीय बात को दूसरे पर जाहिर होने देती थीं।

प्रश्न 12-निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए - (6)

विषयवस्तु - 4 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न 13-दिए गए दो औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में पत्र हेतु मूल्यांकन बिंदु। (5)

आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक

विषयवस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न 14-दिए गए लघुकथा व ईमेल लेखन में से किसी एक विषय पर 80 शब्दों में लघुकथा / ईमेल लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु (5)

प्रारूप -2 अंक

विषय वस्तु -2 अंक

भाषा -1 अंक

प्रश्न 15-दिए गए संवाद / सूचना लेखन में से किसी एक विषय पर 60 शब्दों में संवाद/सूचना लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु। (4)

विषयवस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र-04

सत्रांत परीक्षा (2025-26)

विषय हिंदी-अ (002)

कक्षा 9

निर्धारित समय- 3 घंटे पूर्णाक :- 80

सामान्य निर्देश-

इस प्रश्न पत्र में कुल चार खंड है-खंड क,ख,ग, और घ।

1. खंण्ड क में कुल दो प्रश्न हैं जिसमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
2. खंण्ड ख में कुल चार प्रश्न हैं जिसमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
3. खंण्ड ग में कुल पांच प्रश्न हैं जिसमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है।
4. खंण्ड घ में कुल चार प्रश्न हैं।

खंण्ड -क (अपठित बोध)

प्रश्न -1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए। (7)

आदमी की पहचान उसकी भाषा से होती है और भाषा संस्कार से बनती है। जिसके जैसे संस्कार होंगे, वैसी उसकी भाषा होगी। जब कोई आदमी भाषा बोलता है, तो साथ में उसके संस्कार भी बोलते हैं। यही कारण है कि भाषा शिक्षक का दायित्व बहुत गुरुतर और चुनौतीपूर्ण है। परंपरागत रूप में शिक्षक की भूमिका इन तीन कौशलों बोलना, पढ़ना और लिखना तक सीमित कर दी गई है। केवल यांत्रिक कौशल किसी जीती-जागती भाषा का उदाहरण नहीं हो सकते हैं। सोचना और महसूस करना दो ऐसे कारक हैं, जिनमें भाषा सही आकार पाती है। इनके बिना भाषा, भाषा नहीं है, इनके बिना भाषा संस्कार नहीं बन सकती, इनके बिना भाषा युगों-युगों का लंबा सफर तय नहीं कर सकती, इनके बिना कोई भाषा किसी देश या समाज की धड़कन नहीं बन सकती। केवल संप्रेषण ही भाषा नहीं है। दर्द और मुस्कान के बिना कोई भाषा जीवंत नहीं हो सकती।

भाषा हमारे समाज के निर्माण, विकास, अस्मिता, सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। भाषा के बिना मनुष्य पूर्ण नहीं है। भाषा में ही हमारे भाव राज्य, संस्कार, प्रांतीयता झलकती है। इस झलक का संबंध व्यक्ति की मानवीय संवेदना और मानसिकता से भी होता है। जिस व्यक्ति के जीवन का उद्देश्य और मानसिकता जिस स्तर की होगी, उसकी भाषा के शब्द और मुख्यार्थ भी उसी स्तर के होंगे। साहित्यकार ऐसी भाषा को आधार बनाते हैं, जो उनके पाठकों एवं श्रोताओं की संवेदना के साथ एकाकार करने में समर्थ हो।

(I) आदमी की पहचान उसकी भाषा से होती है, क्योंकि- 1

(क) मनुष्य की पूर्णता भाषा द्वारा ही संभव है।
(ख) व्यक्ति के मनोभाव भाषा से ही व्यक्त होते हैं।
(ग) भाषा का प्रचार और विकास कोई रोक नहीं सकता।
(घ) दर्द और मुस्कान के बिना भाषा जीवित नहीं हो सकती।

(II) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

कथन (A) जब कोई आदमी बोलता है, तो साथ में उसके संस्कार भी बोलते हैं।
कारण (R): भाषा शिक्षक का दायित्व बहुत चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि उसे कौशलों का विकास करना होता है।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
(ख) कथन (A) गलत है. लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(III) गद्यांश में साहित्यकार द्वारा किए गए कार्य का उल्लेख इनमें से कौन-से विकल्प से ज्ञात होता है- 1

(क) साहित्य समाज का दर्पण है।
(ख) साहित्यकार साहित्य सृजन में व्यस्त रहता है।
(ग) साहित्यकार सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान बनाता है।
(घ) साहित्यकार जन सामान्य की अस्मिता का परिचायक होता है।

(Iv) भाषा शिक्षक की भूमिका किन-तीन कौशलों को सिखाने तक सीमित कर दी गई है? 2

(v) भाषा कब सही आकार पाती है? 2

प्रश्न -2 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए।

(7)

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला,
उस-उस राही को धन्यवाद ।
जीवन अस्थिर अनजाने ही,
हो जाता पथ पर मेल कहीं ।
सीमित पग-डग, लंबी मंजिल,
तय कर लेना कुछ खेल नहीं।
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते,
सम्मुख चलता पथ का प्रमाद ।
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला,
उस-उस राही को धन्यवाद।
साँसों पर अवलम्बित काया,
जब चलते-चलते चूर हुई।
दो स्नेह शब्द मिल गए,
मिली- नव स्फूर्ति थकावट दूर हुई।
पथ के पहचाने छूट गए,
पर साथ-साथ चल रही यादें।
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला,

उस-उस राही को धन्यवाद।

(I) कवि किसे धन्यवाद देता है? 1

(क) राही को। (ख) मित्रों को।

(ग)परिवार जन को। (घ) जीवन-मार्ग पर जिस-जिससे स्नेह मिला

(II) जीवन-मंजिल को तय कर लेना खेल क्यों नहीं है 1

(क) समय का अभाव। (ख) लघु जीवन।

(ग) सीमित पग-डग। (घ) निर्धनता।

(III) कवि की 'थकावट' कब दूर हुई? 1

(क) जब स्नेह के दो शब्द मिले। (ख) जब आराम मिला।

(ग) जब साथ मिला। (घ) जब वह प्रसन्न हुआ।

(Iv) काव्यांश के अनुसार कवि किस पथ की बात कर रहा है? 2

(v) 'दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते'से कवि का क्या आशय है? 2

2

खण्ड -ख (व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न -3 निर्देशानुसार 'उपसर्ग' और 'प्रत्यय' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4×1=4)

(I) सन्यासी से उपसर्ग तथा मूल शब्द अलग-अलग कीजिए।

(II) 'आवट' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए।

(III) 'प्र' उपसर्ग से एक शब्द बनाइए।

(Iv) 'ऐतिहासिक' में प्रत्यय बताइए।

(v) 'गैरहाजिर'में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द बताइए।

प्रश्न -4 निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4×1=4)

(I) समास का शाब्दिक अर्थ क्या होता है?

(II) जिस समास में उत्तर पद प्रधान होने के साथ ही साथ पूर्व पद तथा उत्तर पद में विशेषण - विशेष्य का संबंध भी होता है उसे कौन सा समास कहते हैं ?

(III) 'नीलकंठ' में कौन-सा समास है?

(Iv) 'सत्य के लिए आग्रह' समस्त पद क्या है?

(v) 'मूर्तिकार'में कौन-सा समास है ?

प्रश्न -5 निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। (4×1=4)

(I) 'नववर्ष मंगलमय हो।'वाक्य भेद बताइए।

(II) 'तुम प्रथम आए हो।' विस्मयादिबोधक वाक्य में बदलिए।

(III) जिन वाक्यों से कार्य न होने का भाव प्रकट होता है, वहाँ अर्थ की दृष्टि से कौन सा वाक्य भेद होता है?

(Iv) वाक्य का प्रकार बताइए- 'पुस्तक अलमारी में रखो।'

(v) प्रश्न वाचक वाक्य का एक उदाहरण लिखिए।

प्रश्न -6 निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। (4×1=4)

(I) निम्नलिखित पंक्तियों में अलंकार पहचानिए -'काली घाट का घमंड घटा'

(II) 'सुबरन को खोजत फिरत, कवि, व्यभिचारी,चोर' काव्य पंक्ति कौन-सा अलंकार प्रयुक्त है?

(III) 'लाल देह लाली लसै अरु धरि लाल लंगूर' इसमेंकौन-सा अलंकार है?

(Iv) 'मुदित महीपति मंदिर आए सेवक सचिव सुमंत बुलाएं' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(v) 'माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर। कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

खंण्ड -ग (पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

प्रश्न -7 निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर कीजिए। (1X5=5)

मोको कहाँ ढूँढे बंदे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरते मिलिहौं, पल भर की तालास में।

(I) पद्यांश में किसे ढूंढने की बात हो रही है?
(क) मस्जिद को (ख) देवता को
(ग) कबीर को (घ) ईश्वर को

(II) लोग ईश्वर को प्रायः कहां ढूंढते हैं?
(क) अपने अंतर मन में (ख) मंदिर, मस्जिद,काबा और कैलाश में
(ग) अपने आसपास (घ) इनमें से कोई नहीं

(III) ईश्वर को बाहर खोजना क्यों व्यर्थ है?
(क) क्योंकि वह कैलाश में निवास करता है (ख) क्योंकि वह मस्जिद में निवास करता है
(ग) क्योंकि वह मंदिर में है (घ) ईश्वर सर्वव्यापी है

(Iv) सच्चा साधक ईश्वर को कैसे खोज सकता है?
(क) बाह्य आडंबरों के द्वारा (ख) योग वैराग्य की साधना के द्वारा
(ग)बाह्य आडंबरों को छोड़कर सच्चा मार्ग अपनाकर (घ) उपर्युक्त सभी

(v) 'सब स्वांसों की स्वांस में' कौन सा अलंकार है?
(क) श्लेष अलंकार (ख) यमक अलंकार
(ग) अनुप्रास अलंकार (घ) रूपक अलंकार

प्रश्न -8 क्षितिज गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों मेंलिखिए। (3×2=6)

(क) हीरा और मोती ने शोषण के खिलाफ आवाज उठाई लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही हीरा मोती की इस प्रतिक्रिया पर अपने विचार लिखें।

(ख) 'सांवले सपनों की याद' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) आपकी दृष्टि में वेशभूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है? प्रेमचंद के फटे जूते पाठ के आधार पर उत्तर दें।

(घ) पाठ 'मेरे बचपन के दिन' में लेखिका ने अपनी मां के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

प्रश्न -9 निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए। (1X5=5)

क्या? देख न सकती जंजीरों का गहना? हथकड़ियाँ क्यों? यह ब्रिटिश राज का गहना, कोल्हू का चर्रक चूं? जीवन की तान, मिट्टी पर अंगुलियों ने लिखे गान! हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूंआ। दिल में करुणा क्यों जगे, रुलाने वाली, इसलिए रात में गज़ब ढा रही आली? इस शांत समय में, अंधकार को बेध, रो रही क्यों हो? कोकिल बोलो तो! चुपचाप, मधुर विद्रोह-बीज इस भांति बो रही क्यों हो? कोकिल बोलो तो।

(I) कवि ने गहना किसे कहा है?

(क) अपने पांव में पड़ी जंजीरों को (ख) वस्त्राभूषणों को

(ग) ब्रिटिश राज को (घ) काले पानी की जेल को

(II) कोल्हू की चर्रक-चूं की आवाज कवि के लिए क्या है?

(क) परेशान करने वाली याद (ख) आनंद की बात

(ग) जीवन की तान घ) मधुर संगीत

(III) कवि अपने गीत कहां लिखता है?

(क) कागज पर (ख) मिट्टी पर

(ग)जेल की दीवारों पर (घ) अपने वस्त्रों पर

(Iv) कोयल किसके बीज बो रही है

(क)विद्रोह के (ख) प्रेम के

(ग) नफरत के (घ) वैभव के

(v) कवि मोट खींचकर क्या करता है?

(क) पानी निकलता है (ख) ब्रिटिश सरकार की अकड़ निकलता है

(ग) कोल्हू चलाकर तेल निकलता है (घ) ख और ग कथन सत्य हैं।

प्रश्न -10 क्षितिज पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। (3×2=6)

(क) कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं?

(ख) ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?

(ग)कविता 'कैदी और कोकिला' में ब्रिटिश राज का गहना किसे और क्यों कहा गया है?

(घ)'मेघ आए' कविता में प्रकृति में किन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया है?

प्रश्न -11 पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित 3 प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50- 60 शब्दों में लिखिए।

(2×4=8)

(क) 'इस जल प्रलय में' पाठ के आधार पर प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए कुछ सुझाव लिखिए?

(ख) शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है'-इस दिशा में लेखिका के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

(ग) शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़की-समाज को कैसे व्यक्तित्व की ज़रूरत है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

खंण्ड -ग (रचनात्मक लेखन)

प्रश्न -12 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखें। (6)

1. मोबाइल:शिक्षा जगत में क्रांति का आधार

संकेत बिंदु: - वर्तमान में शिक्षा जगत में इसकी अनिवार्यता, सकारात्मक प्रभाव,दुष्प्रभाव, सुझाव।

2. बदल रहे हैं हमारे गांव

संकेत बिंदु: - आधुनिक सुविधाओं से युक्त, सच में परिवर्तन, शहरी आबोहवा का असर।

3. जानलेवा प्लास्टिक

संकेत बिंदु: - सस्ता एवं सुलभता के कारण लोकप्रिय, दूषित रसायनों की खान, प्रतिबंध की आवश्यकता।

प्रश्न -13. आपके इलाके में लाउडस्पीकर डीजे आदि का अत्यधिक प्रयोग हो रहा है जिससे आपकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है और बड़े बुज़ुर्ग परेशान हैं| स्थानीय थाना प्रभारी को इनके प्रयोग पर रोक लगाते हुए उचित कार्यवाही करने हेतु लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

(5)

अथवा

आपके विद्यालय में वार्षिकोत्सव मनाया जाना है, जिसमें आप भी विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने जा रहे हैं|इसकी सूचना अपनी माता जी को देते हुए वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में आने का अनुरोध करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्रश्न -14. 'सादा जीवन उच्च विचार' शीर्षक के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। (5)

अथवा

नेट बैंकिंग की सुविधा प्राप्त करने हेतु बैंक प्रबंधक (बैंक ऑफ़ बड़ौदा) को 100 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

प्रश्न -15. धरती के बढ़ते तापमान पर चिंता व्यक्त करते हुए लगभग 80 शब्दों में दो मित्रों के बीच संवाद लेखन कीजिए।(4)

अथवा

केंद्रीय विद्यालय में गर्मियों की छुट्टियों में भी प्रातः काल व्यावसायिक शिक्षा की कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना-पट्ट के लिए एक सूचना लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (उत्तर कुंजी)

सत्रांत परीक्षा (2025-26)

विषय हिंदी-अ (002)

कक्षा- 9

निर्धारित समय 3 घंटे पूर्णांक :- 80

सामान्य निर्देशः

(1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्न पत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है । ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएं।

(3) समान त्रुटियों के लिए स्थान- स्थान पर अंक न काटे जाएं।

(4) गुणवत्तापूर्ण सटीक उत्तर पर शत-प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।

प्रश्न 1.(I)(ख)व्यक्ति के मनोभाव भाषा से ही व्यक्त होते हैं। 1 अंक

(II) (ग)कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है। 1 अंक

(III) (घ)साहित्यकार जन सामान्य की अस्मिता का परिचायक होता है। 1 अंक

(Iv) भाषा शिक्षण की भूमिका बोलना,पढ़ना,लिखना तीन कौशलों को सिखाने तक सीमित कर दी गई है। 2 अंक

(v) जब भाषायी कौशलों के साथ-साथ मनुष्य सोचता और महसूस भी करता है। तब भाषा सही आकार ले पाती है। 2 अंक

प्रश्न 2.(I) (घ)जीवन मार्ग में जिस-जिस से स्नेह मिला। 1 अंक

(II) (ग) सीमित पग-डग। 1 अंक(III)(क) जब स्नेह के दो शब्द मिले। 1 अंक(Iv) कवि जीवन रुपी पथ की बात कर रहा है जिसमें मिली साथियों की मधुर स्मृतियां जीवन पथ पर आगे बढ़ाने में सहायक हुई हैं। 2 अंक

(v) सुख और दुख जीवन का अभिन्न अंग है, जो जीवन पथ पर चलने वाले राही को मार्ग में उतार-चढ़ाव के रूप में देखने को मिलते हैं। 2 अंक

प्रश्न 3. (4×1= 4)

(I) सन्यासी -सम्+न्यासी

(II) बनावट

(III) प्रगति अथवा प्रयुक्त

(Iv) इक प्रत्यय

(v) उपसर्ग - गैर, मूल शब्द - हाजिर

प्रश्न 4. (I)संक्षेप (4×1= 4) (II) कर्मधारय समास.

(III) बहुव्रीहि समास

(Iv) सत्याग्रह

(v) तत्पुरुष समास

प्रश्न 5 (4×1= 4)

(I) (क)इच्छावाचक वाक्य.

(II) वाह! तुम प्रथम आए हो।

(III)निषेधवाचक वाक्य

(Iv) आज्ञावाचक वाक्य

(v)क्या ट्रेन देरी से चल रही है?

प्रश्न 6. (I) यमक अलंकार

(4×1= 4)

(II) श्लेष अलंकार

(III) अनुप्रास अलंकार

(Iv) अनुप्रास अलंकार

(v) यमक अलंकार

प्रश्न 7. (I)(घ) ईश्वर को (5×1= 5)

(II) ख) मंदिर,मस्जिद, काबा और कैलाश में

(III) (घ) ईश्वर सर्वव्यापी है

(Iv) (ग) बाह्य आडंबरों को छोड़कर सच्चा मार्ग अपनाकर

(v) (ग) अनुप्रास अलंकार

प्रश्न 8.(3X2=6)

(क) शोषण का विरोध करके उन्होंने बिल्कुल ठीक किया। शोषण का विरोध करते हुए इतना दुख तो उठाना पड़ता ही है। शोषित रहकर घुट घुट कर जीने तथा दूसरे पर आश्रित रहने से अच्छा है उसका विरोध करना।

(ख) साँवले सपनों की याद " शीर्षक की सार्थकता यह है कि यह पुस्तक में व्यक्त किए गए लेखक के भावनाओं और अनुभव को दर्शाता है। यह शीर्षक सालिम अली के साथ लेखक के गहरे संबंध और उनके प्रति उनके प्यार और सम्मान को उजागर करता है.

(ग) प्रेमचंद के "फटे जूते" पाठ के अनुसार, आज वेशभूषा के प्रति लोगों की सोच में काफी बदलाव आया है। पहले, वेशभूषा सादगी और आवश्यकता के अनुसार होती थी, लेकिन आज दिखावा और फैशन अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

(घ) मेरे बचपन के दिन" पाठ में लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की कई विशेषताओं का उल्लेख किया है। लेखिका ने अपनी माँ को धैर्यवान, समझदार, ममतामयी, सहनशील, मेहनती, समर्पित और जिम्मेदार बताया है। लेखिका ने अपनी माँ के शांत और संतुलित स्वभाव का भी उल्लेख किया है, जो हर परिस्थिति में उन्हें शांत बनाए रखता था।

प्रश्न 9 (5×1= 5)

(I) (क) अपने पांव में पड़ी जंजीरों को

(II) (ग) जीवन की तान
(III) (ख) मिट्टी पर
(Iv) (क) विद्रोह के
(v) (घ) ख और ग कथन सत्य हैं।

प्रश्न 10.(3×2= 6)
(क) कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जा रहे प्रयास व्यर्थ इसलिए हो रहे हैं क्योंकि वह अभी भी अपने अहं और सांसारिक वासनाओं से पूरी तरह से मुक्त नहीं हुई है| वह अभी भी सही मार्ग पर नहीं है और उसके प्रयास अभी भी पर्याप्त नहीं हैं।
(ख) कवि रसखान को ब्रजभूमि से गहरा प्रेम है, जो उनकी कविताओं में कई रूपों में प्रकट हुआ है। वे ब्रजभूमि के प्राकृतिक सौंदर्य, कृष्ण लीलाओं, और ब्रज के लोगों के प्रति अपनी प्रेमभावना व्यक्त करते हैं। वे चाहते हैं कि वे हर जन्म में ब्रज में ही रहें, चाहे वे मनुष्य, पशु, पक्षी या पत्थर के रूप में रहें.
(ग) हथकड़ियाँ भारतमाता को आजाद कराने के पवित्र उद्देश्य को पूरा करते हुए मिली थी, इसलिए इन्हें गहना कहा गया है।
(घ) मेघ आए" कविता में, कवि ने प्रकृति में कई गतिशील क्रियाओं को चित्रित किया है, जिनमें हवा का तेज बहाव, आंधी का उठना, नदी का बांकी चितवन, पेड़ का झुकना और मेघों का आगमन शामिल हैं।

प्रश्न 11.(2×4= 8)
(क) आपदाओं से निपटने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाने चाहिए।
1.सरकार को सभी प्रकार के संभावित खतरों से निपटने के लिए साधन तैयार रखने चाहिए। उस सामान की लगातार देखरेख होनी चाहिए ताकि आपदा के समय उनका सदुपयोग किया जा सके।
2.स्वयंसेवी संस्थाओं को बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक आपदा से निपटने के लिए आगे आना चाहिए।
3.सरकार और स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच गहरा तालमेल बिठाने के प्रयास होने चाहिए।
4.उत्साही नवयुवकों-नवयुवतियों को शीघ्र ही किसी योजनाबद्ध कार्य में जुड़कर सहयोग करना चाहिए।
(ख) शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है। इस दिशा में लेखिका ने अथक प्रयास किए। उसने कर्नाटक के बागलकोट जैसे छोटे से कस्बे में बच्चों के लिए अंग्रेजी, हिंदी और कन्नड़ तीन भाषाएँ सिखाने वाला स्कूल खोला और उसे कर्नाटक सरकार से मान्यता दिलवाई। इस स्कूल के बच्चे बाद में अच्छे स्कूलों में प्रवेश पा गए।
(ग) शंकर जैसे युवा न शारीरिक रूप से मजबूत हैं और न चारित्रिक रूप से पवित्र| ऐसा व्यक्तित्व समाज को चारित्रिक पतन की ओर उन्मुख करता है। इसके विपरीत उमा उन लड़कियों का प्रतीक है जो सजग और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं। वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है। उसका चरित्र समाज को उन्नति की ओर उन्मुख करने वाला है। अतः समाज को उमा जैसे व्यक्तित्व की ज़रूरत है।

प्रश्न 12. अनुच्छेद हेतु मूल्यांकन बिन्दु- (6)

विषयवस्तु	-4अंक
भाषा	-1अंक
प्रस्तुति	-1 अंक

प्रश्न 13. पत्र हेतु मुल्यांकन बिन्दु - (5)

आरंभ और अंत की औपचारिकता	- 1 अंक
प्रारुप	- 1 अंक
विषयवस्तु	- 2 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न 14. लघुकथा /ई-मेल लेखन हेतु मूल्यांकन बिन्दु- (5)

प्रारुप- - 2 अंक

विषयवस्तु- - 2 अंक

भाषा - - 1 अंक

प्रश्न 15. संवाद लेखन /सूचना लेखन हेतु मूल्यांकन बिन्दु- (4)

विषयवस्तु- - 2 अंक

भाषा - - 1 अंक

प्रस्तुति- - 1 अंक

-*-*-*-*-